



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 85]

नई दिल्ली, शनिवार, अप्रैल 8, 2017/चैत्र 18, 1939

No. 85]

NEW DELHI, SATURDAY, APRIL 8, 2017/CHAITRA 19, 1939

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी और संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 अप्रैल, 2017

अंतिम जांच परिणाम

विषय: चीन जनवादी गणराज्य मूल की अथवा वहां से निर्यातित 3 % से कम जल अवशोषण युक्त पालिश की हुई अथवा बिना पालिश की तैयार "ग्लेज्ड/अनग्लेज्ड पोरसेलेन/विट्रीफाईड" टाइलों के आयातों संबंधी पाटन-रोधी जांच।

फा.सं.14/14/2014- डीजीएडी : समय-समय पर यथा संशोधित सीमा- शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् **अधिनियम** भी कहा गया है) और उसकी समय-समय पर यथा संशोधित सीमा शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटन-रोधी शुल्क का आकलन और संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात् **नियमावली** भी कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए ;

क. मामले की पृष्ठभूमि

2. गुजरात ग्रेनिटो मेन्युफेक्चरर्स एसोसिएशन और साबरकांथा डिस्ट्रिक्ट सिरेमिक एसोसिएशन द्वारा भारत में विट्रीफाईड टाइल के 24 उत्पादकों के साथ (जिन्हें एतदपश्चात् आवेदक भी कहा गया है) अधिनियम और नियमावली के अनुसार ने निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् 'प्राधिकारी' भी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत किया है जिसमें उसने चीन जनवादी गणराज्य (जिसे आगे संबद्ध देश कहा गया है) मूल की अथवा वहां से निर्यातित 3 % जल अवशोषण युक्त पालिश की हुई अथवा बिना पालिश की तैयार "ग्लेज्ड/अनग्लेज्ड पोरसेलेन/विट्रीफाईड" (जिसे एतदपश्चात् 'संबद्ध वस्तुएं' भी कहा गया है) के पाटन और समान उत्पाद के घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक परिणामी क्षति और उसके खतरे का आरोप लगाया है और संबद्ध वस्तु पर पाटन-रोधी शुल्क लगाने के लिए जांच शुरू करने का अनुरोध किया है।

3. और यतः प्राधिकारी ने याचिकादाता द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त प्रथम दृष्टया प्रमाणों के आधार पर भारत के असाधारण राजपत्र में प्रकाशित दिनांक 13 अक्टूबर, 2015 की अधिसूचना संख्या 14/14/2014-डीजीएडी के अंतर्गत एक सार्वजनिक सूचना जारी करके नियमावली के उप-नियम 5 के अनुसार संबद्ध जांच की शुरुआत की है, ताकि आरोपित पाटन का निर्धारण, मात्रा और प्रभाव का पता लगाया जा सके और ऐसे पाटन-रोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जा सके, जिसे यदि लगाया जाता है, तो वह घरेलू उद्योग को होने वाली वास्तविक क्षति या उसके खतरे को दूर करने में पर्याप्त होगा।

4. की गई प्रारंभिक जाँच के आधार पर प्राधिकारी ने दिनांक 11 मार्च, 2016 को अधिसूचना सं. 14/14/2014-डीजीएडी के द्वारा अपने प्रारंभिक जाँच परिणाम जारी किए जिसमें चीन जन. गण. के मूल की अथवा वहां से निर्यातित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) के अध्याय 60 के शीर्ष 6907, 6908 या 6914 के अधीन आने वाली संबद्ध वस्तु के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की गई।

5. प्राधिकारी के पूर्वोक्त प्रारंभिक जाँच परिणामों पर विचार करने के बाद केन्द्र सरकार ने नियमावली के नियम 13 और 20 के साथ पाठित अधिनियम की धारा 9क की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए दिनांक 29 मार्च, 2016 की अधिसूचना सं. 12/2016-सीमाशुल्क (एडीडी) द्वारा संबद्ध वस्तु पर 6 महीनों की अवधि के लिए अनंतिम शुल्क लगाया था।

ख. प्रक्रिया

6. प्राधिकारी ने इस जांच के संबंध में प्रारंभिक निर्धारण के बाद निम्नोक्त क्रिया-विधि का अनुसरण किया है:-

- प्राधिकारी ने प्रारंभिक जाँच परिणामों में यथा दर्ज सभी हितवद्ध पक्षों को प्रारंभिक निर्धारण सूचित किया जिसमें प्रारंभिक निर्धारण के संबंध में हितवद्ध पक्षों के विचारों को आमंत्रित किया गया और उनके विचारों पर अंतिम निर्धारण के लिए संभव सीमा तक विचार और ध्यान दिया गया है।
- जैसा प्रारंभिक जाँच परिणामों में नोट किया गया, संबद्ध देश में उत्पादकों और निर्यातकों की संख्या को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 17(3) के अनुसार नमूने का चयन किया और नमूना पक्षों के रूप में निम्नलिखित पक्षों का पाटन की मात्रा और सीमा के विस्तृत जाँच के लिए चुना:

(क)	मेसर्ज गुआंगडोंग सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड (उत्पादक) - मेसर्ज फोशन हाओसेन इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड, मेसर्ज फोशन किहुट सिरेमिक कंपनी लिमिटेड, मेसर्ज कुन लागी (निर्यातक)।
(ख)	मेसर्ज फोशन लिहुआ सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड (उत्पादक) - मेसर्ज फोशन हेनरी ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड (निर्यातक)।
(ग)	मेसर्ज फोशन चानचेंग जिनिल सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड (उत्पादक) - मेसर्ज फोशन वर्सेटर ट्रेड कंपनी लिमिटेड (निर्यातक)।
(घ)	मेसर्ज फोशन क्विंगबिओ सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड (उत्पादक) - मेसर्ज फोशन होंगलिआयो ट्रेड कंपनी लिमिटेड और मेसर्ज शीनवे कोर्पोरेशन लिमिटेड (निर्यातक)।
(ङ)	मै. सदरन बिल्डिंग मैटेरियल्स एंड सेनिटरी कंपनी लि. ऑफ क्विंगयुआन सिटी, मै. जिआंगसी फुलिगाओ सेरामिक्स कं. लि. और मै. गुआंगडोंग लक्जरी माइक्रोक्रीस्टल स्टोन टेक्नोलॉजी कं. लि. (संबंधित उत्पादक) -मै. न्यू झोंग युआन सेरामिक्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. ऑफ गुआंगडोंग (निर्यातक)
(च)	मेसर्ज गुआंगडोंग जिलाईसी सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड और मेसर्ज फोशन शनशुई हुईबांजिआ सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड (संबंधित उत्पादक) - मेसर्ज फोशन न्यूपर्ल ट्रेड कंपनी लिमिटेड (निर्यातक)।
(छ)	मेसर्ज फोशन ननहाई क्सिकिआओ जाईरसी सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड (उत्पादक) - मेसर्ज फोशन सिटी शंशुई डोंगशेंग ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड (निर्यातक)।

- तथापि ऊपर प्रतिदर्शित उत्पादकों/निर्यातकों में से मेसर्ज फोशन ननहाई क्सिकिआओ जाईरसी सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड (उत्पादक) - मेसर्ज फोशन सिटी शंशुई डोंगशेंग ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड (निर्यातक) ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया।

- iv. प्राधिकारी ने निम्नलिखित प्रतिवादी पक्षकारों का चयन गैर प्रतिदर्श उत्पादकों और निर्यातकों के रूप में अधिसूचित किया था जो नियमावली के नियम 17 के अनुसार प्रितदर्शित शुल्क की भारित औसत दर के लिए पात्र थे :

(क)	मेसर्ज फोशन हेलाब बिल्डिंग मेटेरियल्स कंपनी लिमिटेड और मेसर्ज फोशन सिटी गाऊमिंग डिस्ट्रिक्ट हुई मेई एओ बिल्डिंग मेटेरियल्स कंपनी लिमिटेड (उत्पादक) - मेसर्ज फोशन किसनझोंगवेई इकोनामिक एंड ट्रेड कंपनी लिमिटेड और मेसर्ज ग्लोबलिक ओवरसीज (एचके) लिमिटेड (निर्यातक)।
(ख)	मेसर्ज फोशन सिटी टाओ क्रिंग बिल्डिंग मेटेरियल कंपनी लिमिटेड (उत्पादक) - मेसर्ज फोशन फोर्नू इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट ट्रेड कंपनी लिमिटेड (उत्पादक और निर्यातक)।
(ग)	मेसर्ज मोनालिसा ग्रुप कंपनी लिमिटेड (उत्पादक) - मेसर्ज गुआंगडोंग मोनालिसा ट्रेडिंग कंपनी (निर्यातक)।
(घ)	मेसर्ज फोशन गोल्ड फुल हाऊस बिल्डिंग मेटेरियल कंपनी लिमिटेड (उत्पादक) - मेसर्ज फोशन नानहाई रोंगजिआ इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड और मेसर्ज फोशन क्लाउड्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड (निर्यातक)।
(ङ)	मेसर्ज गुआंगडोंग योंगशेंग सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड (उत्पादक) - मेसर्ज फोशन आईशाईन ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड (निर्यातक)।
(च)	मेसर्ज फोशन सन्नी सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड (उत्पादक) - मेसर्ज फोशन गोल्ड मेडल इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड (निर्यातक)।
छ)	मेसर्ज एन्पिंग सिटी हुआन्चांग सिरेमिक कंपनी लिमिटेड (उत्पादक एवं निर्यातक)
(ज)	मेसर्ज फोशन ओसियालैंड सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड (उत्पादक एवं निर्यातक)
(झ)	मेसर्ज गुआंगडोंग ओवरलैंड सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड (उत्पादक एवं निर्यातक)
(ञ)	मेसर्ज गुआंगडोंग किटो सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड (उत्पादक एवं निर्यातक)
(ट)	मेसर्ज फोशन सिन्सेयर बिल्डिंग मेटेरियल कंपनी लिमिटेड (उत्पादक एवं निर्यातक)
(ठ)	मेसर्ज गुआंगडोंग गुआंगक्सिंग सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड (उत्पादक एवं निर्यातक)
(ड)	मेसर्ज क्रिंगयुआन क्युआ सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड (उत्पादक एवं निर्यातक)
(ढ)	मेसर्ज जिंगडेझेन किटो सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड (उत्पादक एवं निर्यातक)
(ण)	मेसर्ज फोशन लुईस वेलेनटिनो सिरेमिक कंपनी लिमिटेड (उत्पादक एवं निर्यातक)
(त)	मेसर्ज गुआंगडोंग किसनफेंगिंग सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड (उत्पादक एवं निर्यातक)
(थ)	मेसर्ज गुआंगडोंग टिआनबाई सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड (उत्पादक एवं निर्यातक)
(द)	मेसर्ज फोशन एचसीसी बिल्डिंग मेटेरियल कंपनी लिमिटेड (उत्पादक एवं निर्यातक)
(ध)	मेसर्ज झानझिआंग झोंगझोंग सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड (उत्पादक) - मेसर्ज फोशन बिओड इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड (निर्यातक)।
(न)	मेसर्ज हुयुआन रोमाटिक सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड (उत्पादक) - मेसर्ज फोशन बिओड इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड (निर्यातक)।
(प)	मेसर्ज फोशन नानहाई योंघोंग सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड (उत्पादक) - मेसर्ज फोशन जुन इंटरप्राइज कंपनी लिमिटेड (निर्यातक)।
(फ)	मेसर्ज फोशन डूनहुनांग बिल्डिंग मेटेरियल कंपनी लिमिटेड (उत्पादक और निर्यातक)।
(ब)	मेसर्ज फोशन शनशुई होंगयुआन सिरेमिक्स इंटरप्राइज कंपनी लिमिटेड (उत्पादक और निर्यातक)।

- v. ऊपर ब्यौरे के अनुसार नमूना और गैर-नमूना पक्षों के अलावा, निम्नलिखित 49 पक्षों उत्पादकों और निर्यातकों के प्रतिदर्श उत्तर को नमूने के लिए अपेक्षित पूरी सूचना प्रस्तुत न करने के आधार पर प्राधिकारी द्वारा अस्वीकार किया गया और अस्वीकृति के कारण प्रत्येक पक्ष को सूचित किये गए। संक्षेप के लिए उन्हें यहां दोहराया नहीं गया है।

- vi. जैसा प्रारंभिक जाँच परिणामों में नोट किया गया संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित प्रतिदर्शित उत्पादकों/निर्यातकों ने भी एमईटी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है जिसकी प्राधिकारी द्वारा उनके दावों के पर्याप्त सत्यापन योग्य साक्ष्य की सीमा तक उचित ढंग से जाँच की गई है।
- क. मै. फोशान चेंचेंग जिनयि सेरामिक्स कं. लि.
 - ख. गुआंगडोंग हाओसेन सेरामिक्स कं. लि.
 - ग. गुआंगडोंग न्यूपर्ल सेरामिक्स ग्रुप कंपनी लिमिटेड
 - घ. मै. फोशान लिहुआ सेरामिक्स कं. लि.
 - ङ. मै. फोशान हेनरी ट्रेडिंग ट्रेडिंग कं. लि.
- vii. उक्त के अलावा प्राधिकारी ने निम्नलिखित गैर नमूना पक्षों द्वारा प्रस्तुत निर्यातक प्रश्नावली/एमईटी उत्तर स्वीकार नहीं किया है जिन्होंने अलग व्यवहार का दावा भी किया था :
- क. फोशान गनी सेरामिक्स टाइल्स कं. लि.
 - ख. किनगियान गनी सेरामिक टाइल्स कं. लि.
 - ग. फोशान क्लाउड्स इम्प एंड एक्स कं. लि.
 - घ. फोशान नान हाइ रांगजिआ इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट ट्रेडिंग कं. लि.
 - ङ. गोल्ड फुल हाउस बिल्डिंग मैटेरियल कं. लि.
 - च. किंगुयान किंगबाये सेरामिक्स कं. लि.
 - छ. जिन जिंग जिआन झिशेंग सेरामिक्स कं. लि.
- viii. जैसे प्रारंभिक जाँच परिणामों में दर्ज किया गया प्राधिकारी को भारत में निम्नलिखित आयातकों से आयातक प्रश्नावली का उत्तर प्राप्त हुआ :
- क. एशियन ग्रेनिटो इंडिया लि.
 - ख. ब्राइटइंटरनेशनल इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट
 - ग. डाइमेंशन
 - घ. एचएंड आर जानसन (इंडिया)
 - ङ. इनिगो टाइल्स
 - च. कजारिया सेरामिक्स लि.
 - छ. कटारिया कैपिटल प्रमोटर्स एंड बिल्डर्स
 - ज. मालवा सेरामिक्स प्रा. लि.
 - झ. पेंडा मार्केटिंग प्रा. लि.
 - ञ. सोमय सेरामिक्स लि.
 - ट. स्पेनिशो स्टूडियो
 - ठ. थाई इम्पेक्स (प्रा) लि.
- ix. प्रतिवादी नमूने वाले उत्पादकों/निर्यातकों आयातकों/प्रयोक्ताओं, घरेलू उद्योग और अन्य घरेलू उत्पादकों के अलावा, प्राधिकारी ने अनेक हितबद्ध पक्षों से अनुरोध प्राप्त किये। इस सूची को प्रारंभिक जाच परिणामों में अधिसूचित किया गया और संक्षिप्तता के लिए उसे यहां दोहराया नहीं जा रहा है।
- x. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रमाणों के अगोपनीय वृत्तान्त, हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षण के लिए सार्वजनिक फाईल के रूप में उपलब्ध करा दिए हैं।

- xi. वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से पिछले तीन वर्षों और जाँच अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के सौदा-वार आयात आकड़ों प्रदान करने का अनुरोध किया गया। संबद्ध वस्तु के आयातों से संबंधित सूचना डीजी, प्रणाली और डीजी, मूल्यांकन से भी प्राप्त की गई क्योंकि संबद्ध वस्तु की निकासी के लिए कतिपय पत्तनों पर न्यूनतम आयात कीमतों के कथित प्रयोग के कारण आयात कीमत में कमी के संबंध में कतिपय सूचना प्राप्त हुई थी। प्राधिकारी ने अंतिम निर्धारण के प्रयोजनार्थ विभिन्न विश्लेषणों और निर्धारणों के लिए डीजीसीआईएंडएस, महानिदेशक (प्रणाली) और सहयोगी निर्यातकों के आकड़ों पर उनके सत्यापित और स्वीकृत होने की सीमा तक विश्वास किया है।
- xii. आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन की उत्पादन लागत और लागत और निर्माण की लागत तथा बिक्री की लागत का आकलन, सामान्य स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों (जीएपीपी) के आधार पर किया गया है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कमतर पाटन-रोधी शुल्क घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।
- xiii. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना की गोपनीयता के दावों की प्राधिकारी द्वारा उनकी पर्याप्तता के संदर्भ में जांच की गई है। प्राधिकारी ने जहां कहीं भी आवश्यक समझा है, संतुष्ट होने पर गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है तथा उसे गोपनीय सूचना माना है और उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया है। जहां कहीं भी संभव हुआ है, वहां हितबद्ध पक्षकारों को निर्देश दिया गया है कि वे गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना के पर्याप्त अगोपनीय वृत्तान्त प्रदान करें।
- xiv. यह जांच 1 अप्रैल, 2014 से 31 मार्च, 2015 (जांच अवधि) तक की गई थी। तथापि, क्षति की जांच का विश्लेषण करने के परिप्रेक्ष्य में प्रवृत्तियों की जांच में अप्रैल, 2011 – मार्च, 2012, अप्रैल, 2012 – मार्च, 2013, अप्रैल, 2013 – मार्च 2014 और जांच की अवधि (पीओआई) को शामिल किया गया था।
- xv. आवेदक घरेलू उत्पादकों और चीन के प्रतिद्वंद्वी उत्पादकों और निर्यातकों द्वारा प्रदत्त सूचना का आवश्यक सीमा तक मौके पर जांच की गई और अंतिम निर्धारणों में सत्यापित आकड़ों का प्रयोग किया गया है।
- xvi. प्राधिकारी ने दिनांक 20 जून 2016 और 31 जनवरी, 2017 मौखिक सुनवाई आयोजित की जिसमें हितबद्ध पक्षों को मामले के विभिन्न पहलुओं पर उनके विचार प्रस्तुत मौखिक रूप से प्रस्तुत करने के लिए अवसर प्रदान किया जिसके बाद लिखित में अनुरोध प्रस्तुत करने थे। उक्त मौखिक सुनवाई और जांच की प्रक्रिया के दौरान हितबद्ध पक्षों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों पर इस जांच परिणाम में संगत और साध्य द्वारा समर्थित होने की सीमा तक इन जांच परिणामों में विचार और ध्यान दिया गया है।
- xvii. राजस्व विभाग ने जांच पूरी करने की समय-सीमा को **नियमावली के नियम 17(1) के अनुसार 12 अप्रैल 2017 तक बढ़ा दिया है।**
- xviii. नियमावली के नियम 16 के अनुसार प्राधिकारी ने 24 मार्च, 2017 को एक प्रकटन विवरण जारी किया जिसमें प्राधिकारी के समक्ष मामले के उन अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन किया गया, जो प्राधिकारी द्वारा अंतिम निर्धारण का आधार बनेंगे। हितबद्ध पक्षों को 31 मार्च, 2017 तक उन पर टिप्पणियां प्रस्तुत करने का समय दिया गया। हितबद्ध पक्षों की टिप्पणियों पर संगत समझी गई सीमा तक इस जांच परिणाम में विचार किया और ध्यान दिया गया है। घरेलू उद्योग के अनुरोध पर प्राधिकारी ने सीमित प्रकटन पश्चात मौखिक सुनवाई की थी जिसमें उन हितबद्ध पक्षकारों को आमंत्रित किया गया था जिनके पाटन मार्जिन का मूल्यांकन किया गया था तथा साथ ही अन्य हितबद्ध पक्षकारों को भी बुलाया गया था यदि वे आना चाहते थे।
- xix. इस अधिसूचना में *** हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना का परिचायक है और प्राधिकारी द्वारा उसे नियमों के अंतर्गत गोपनीय माना गया है। () में निर्दिष्ट संख्या का तात्पर्य यह है कि वह नकारात्मक संख्या है।
- xx. जांच अवधि के लिए अपनाई गई विनिमय दर 1 यूएस डालर = 61.69 रूपए है।

ग. विचाराधीन उत्पाद और "समान वस्तु"

7. वर्तमान जांच की जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना में यथा परिभाषित विचाराधीन उत्पाद निम्नानुसार वर्णित है :

"चीन जन.गण. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित "3 प्रतिशत से कम जल खपाने की क्षमता युक्त पॉलिस्ट अथवा अन्यालिस्ट तैयार ग्लेज्ड/अनग्लेज्ड पोर्सेलिन/सेरेमिक टाइल्स" के आयातों से संबंधित है। ये टाइलें भवनों, घरों, रेस्टोरेटों, सिनेमाघरों, एयरपोर्ट, स्विमिंग पूल रेलवे स्टेशनों आदि में लगाई जाती हैं। विट्रीफाइड/प्रोपीलीन टाइलें सिरेमिक टाइलों

की किस्म की होती हैं लेकिन इनका निर्माण कुछ भिन्न तत्वों से किया जाता है। इन टाइलों का निर्माण विट्रीफिकेशन प्रक्रिया के बाद किया जाता है। विचाराधीन उत्पाद मुख्यतः दो आकारों नामतः (i) 600x600 (ii) 800x800 में निर्मित और बेचे जाते हैं। मुख्यतः दो आकारों में ही इनके आयात किए जाते हैं।"

8. प्रारंभिक जाँच परिणामों में प्राधिकारी ने अनंतिम रूप से यह माना है कि चीन से आयातित सभी टाइलें समान वस्तु हैं और तदनुसार 3 % से कम जल अवशोषण युक्त पालिश की हुई अथवा बिना पालिश की तैयार "ग्लेज्ड/अनग्लेज्ड पोरसेलेन/विट्रीफाईड" सभी टाइलों पर अनंतिम शुल्क लगाया गया था। तथापि विचाराधीन उत्पाद के व्यापक दायरे के संबंध में विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा अनेक तर्क दिए गए हैं। अंतः अंतिम निर्धारण के लिए इस मामले की प्राधिकारी के समक्ष रखे गये सभी वास्तविक तथ्यों को ध्यान में रखते हुए जाँच की गई है।

ग.1 प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों के विचार

9. जाँच में चाइना चैम्बर आफ कामर्स और विभिन्न निर्यातकों और आयतकों सहित विभिन्न प्रतिवादी हितबद्ध पक्षों ने विचाराधीन उत्पाद के दायरे के संबंध में अपने तर्क निम्नानुसार दिये हैं :

- घरेलू उद्योग 1000 मी.मी. X 1000 मी.मी. और उससे अधिक और 0.5 % से कम जल अवशोषण क्षमता वाली 800 मी.मी. X 800 मी.मी. के आकार की टाइलों द्वारा विनिर्मित या उत्पादित नहीं करता है। घरेलू उद्योग माइक्रो क्रिस्टल टाइलों का उत्पादन भी नहीं करता है। अंतः इन टाइलों को विचाराधीन उत्पाद से बाहर रखा जाना चाहिए।
- 1000 मी.मी. X 1000 मी.मी. के आकार की टाइलों की उत्पादन लागत प्रति वर्ग मीटर उच्चतर भार, मोटाई और कम यील्ड के कारण छोटे आकार की टाइलों से अधिक है।
- यह बड़े आकार की टाइलों को छोटे आकार में काटा जाना वाणिज्यिक रूप से व्यवहार्य और उपयुक्त नहीं है। इससे अलावा, टूटने की संभावना बनी रहती है जिसकी वजह से वह वाणिज्यिक रूप से अनुपयुक्त हो जाती है।
- यह कि आयातित वस्तु घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु के समान वस्तु नहीं है। इस संबंध में (i) चीन जन. गण., जापान, कोरिया, यूरोपीय संघ, दक्षिण अफ्रीका, ताइवान (चीनी ताइपेई), थाइलैंड और यूएसए से स्टेनलैस स्टील के कोल्ड रोल्ड फ्लैट उत्पादों जिनमें प्राधिकारी ने पीयूसी के दायरे को 1250 मिमी. चौड़ाई तक सीमित किया था, (ii) यूरोपीय संघ, कोरिया गणराज्य, दक्षिण अफ्रीका, ताइवान और यूएसए के मूल के अथवा वहां से निर्यातित स्टेनलैस स्टील के हाट रोल्ड फ्लैट उत्पादों जिसमें प्राधिकारी ने पीयूसी के दायरे को 1250 मिमी. तक सीमित किया था, और (iii) आस्ट्रेलिया, चीन जन. गण., इरान, मलेशिया, रूस और थाइलैंड के मूल के अथवा वहां से निर्यातित रबड़ अनुप्रयोगों में प्रयुक्त कार्बन ब्लेक मामलों में प्राधिकारी ने इन आधारों पर विचाराधीन उत्पाद के दायरे को घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित ग्रेडों/उत्पाद प्रकारों के लिए सीमित किया था।
- चीन से आयातित उत्पाद घरेलू रूप से उत्पादित वस्तुओं से अलग हैं क्योंकि चीन के उत्पादक बेहतर गुणवत्ता की क्ले की उपलब्धता के कारण पीयूसी के उच्च मानकों को बनाए रखते हैं।
- 3 प्रतिशत से कम जल अवशोषण गलत नाम है क्योंकि विट्रीफाईड टाइलों में 0.5 प्रतिशत का जल अवशोषण होता है। अंतः सभी प्रकार की 3 प्रतिशत तक जल अवशोषण वाली टाइलों को इस जाँच के दायरे में शामिल नहीं करना चाहिए।
- यह कि पाटनरोधी शुल्क 2003 से 2013 तक लागू है और शुल्क को लागू रखने से न केवल उपभोक्ता बेहतर गुणवत्ता की टाइलों से वंचित हो जाएंगे बल्कि उन्हें पाटनरोधी शुल्क के कारण अधिक कीमत अदा करनी पड़ेगी जबकि कोई पाटन नहीं हुआ है।
- यह कि लेमेनेटिक पोरसेलेन पेनलों और साधारण पोरसेलेन टाइलों के बीच उनके विभिन्न प्राचलों के कारण अंतर व्याप्त है, जिनमें उनका वास्तविक रूप, आकार, कीमत, अंतः प्रयोग, विनिर्माण प्रक्रिया, मशीनें, बाजार कीमत, प्रतिस्थापनीय उपयोग क्षमता और मानक आदि शामिल हैं। अंतः इन पेनलों को भी विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए।
- यह कि आयातकार टाइलों और इन लेमेनेटिक पोरसेलेन पेनल जिसे पूरे चीन में काफी कम उत्पादक उत्पादित करते हैं और भारत में कोई उत्पादक उत्पादन नहीं करता है के बीच कोई समानता नहीं है। कीमत, लागत, विनिर्माण प्रक्रिया में अंतर, प्रयोक्ताओं के बीच धारणा और उत्पाद की उपयोगिता आदि के संबंध में ये पैलन पीयूसी से तुलनीय नहीं हैं।

ग. 2 घरेलू उद्योग के विचार

10. घरेलू उद्योग ने अपने अनुरोधों में प्रतिवादी हितबद्ध पक्षों के तर्कों का विरोध किया है और यह तर्क दिए हैं कि :-

- i. विचाराधीन उत्पाद को मुख्यतया दो आकारों (i) 600 मी.मी. X 600 मी.मी. और (ii) 800 मी.मी. X 800 मी.मी. में निर्मित और बेचा जाता है। इनके आयात भी मुख्यतया इन दोनों श्रेणियों के किए जाते हैं।
- ii. घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित की जाने वाली और संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तुओं के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। घरेलू उद्योग द्वारा निर्मित और संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तुएं, उनके वास्तविक और रसायनिक लक्षणों, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रोद्योगिकी, कार्यो और उपयोग, उत्पाद विनिर्देशनों, वितरण तथा वस्तुओं के बाजार और टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के रूप में तुलनीय हैं।
- iii. विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा दोनों ही स्थितियों में जल अवशोषण विनिर्देशन में उचित है अर्थात् 0.5% - 3% तक जल अवशोषण क्षमता वाली टाइलों के उत्पादन और यदि 0.5% - 3% तक कोई विट्रिफाइड टाइल नहीं होती है। पीयूसी की परिभाषा दोनों ही स्थितियों में निष्पक्ष है।
- iv. 1000 मी.मी. X 1000 मी.मी. से अधिक आकार वाली टाइलों को बाहर नहीं रखा जाना चाहिए क्योंकि घरेलू उद्योग के उत्पादों के संघटक में - (i) 1000 मी.मी. X 1000 मी.मी. और (ii) 1000 मी.मी. से अधिक की टाइलों का उत्पादन शामिल है। प्रदान किए गए आंकड़ों से ऐसा स्पष्ट पता चलता है कि 1000 मी.मी. से अधिक आकार वाली टाइलों का अत्यधिक उत्पादन है।
- v. इससे पहले प्राधिकारी द्वारा 800 मी.मी. X 800 मी.मी. के आकार की टाइलों को शामिल किया गया था, जबकि घरेलू उद्योग सिरेमिक टाइलों के आयातों के मामले में उनको विनिर्मित नहीं कर रहा था। सीईएसटीएटी के समक्ष इसको चुनौती दी गई थी और अपील प्राधिकारी ने प्राधिकारी के निर्णय की संपुष्टि कर दी थी।

ग.3 प्राधिकारी द्वारा जांच

11. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विट्रिफाइड टाइलों का विनिर्माण वेरिफिकेशन प्रक्रिया से किया जाता है। शामिल प्रक्रिया और सतह फिनिश के अनुसार विट्रिफाइड टाइलों को (i) घुलनशील साल्ट, (ii) डबल चार्ज, (iii) ग्लेज्ड विट्रिफाइड टाइल, पालिश औ/या ग्लेज्ड विट्रिफाइड टाइल (iv) माइक्रो क्रिस्टल टाइल के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। विट्रिफाइड टाइलों को विभिन्न आकारों अर्थात् चौड़ाई और लंबाई के विभिन्न संयोजनों में उत्पादित किया और बेचा जाता है। आकारों के साथ लागत और कीमत बढ़ जाती है क्योंकि आकार के साथ कच्ची सामग्री की जरूरत बढ़ जाती है।
12. विट्रिफाइड टाइलों में हाल में इस प्रकार उत्पादन के लिए बदलाव किए हैं (i) फुल बाडी और री पालिशेबल टाइल जो रख-रखाव के मामले में मार्बल जैसी होती हैं और (ii) विट्रिफाइड पतले पैनल।
13. विट्रिफाइड टाइलों को क्ले, क्वार्टज, फेल्सपार और सिलिका जो विटरस सतह बनाता है के मिश्रण को हाइड्रोलिक प्रेशिंग से बनाया जाता है। इस प्रकार सिंगल मास बनता है जो उन्हें जल और फ्रास्ट रोधी गुणों के साथ कठोर बना देता है। यद्यपि सभी टाइलों के मूल उत्पादन चरण कमोवेश समान होते हैं अर्थात् हाइड्रोलिक प्रेस से टाइल का रूप या बिस्किट बनाना, ग्लेजिंग और विट्रिफिकेशन भट्टी में और पालिशिंग यह प्रक्रिया यथोक्त ढंग से टाइलों के विभिन्न प्रकारों में व्यापक रूप से अलग-अलग है।
14. घुलनशील साल्ट विट्रिफाइड टाइलें कम ट्रेफिक क्षेत्रों में रखी गई टाइलों के लिए पुरानी और सस्ती प्रोद्योगिकी है। घुलनशील साल्ट टाइल प्रक्रिया में टाइल के रूप को तरल स्क्रीन प्रिंटिंग दी जाती है ताकि सटीक रंग और पैटर्न में टाइल बनाने के लिए घुलनशील साल्ट का प्रयोग किया जाता है। साल्युबल साल्ट इस स्पेक्ट्रम में निम्नतम छोर है, जिसे आम तौर पर 600x600 आकार में और नियमित प्रयोग के उत्पाद में उत्पादित किया जाता है।
15. डबल चार्ज विट्रिफाइड टाइलों को किसी प्रेस के जरिए फीड किया जाता है जो दो परत के रंग के साथ डिजाइन मुद्रित करता है जो अन्य प्रकार की टाइलों से 3 से 4 मिमी. मोटी होती है। इस प्रक्रिया में जटिल डिजाइन नहीं बनते हैं परंतु इसकी सतह टिकाऊ होती है जो अधिक आवाजाही वाले वाणिज्यिक परियोजनाओं के लिए उपयुक्त होती है। इन नियमित प्रयोग के उत्पाद को विभिन्न आकारों में बनाया जाता है।
16. ग्लेज्ड विट्रिफाइड टाइलों (जीवीटी) में ग्लेज्ड सतह होती है। उनमें व्यापक प्रकार के डिजाइन, कलाकारी और सतह चित्र जैसे बुड ग्रेन, बेंबू, स्लेट या स्टोन होते हैं। यह एक खर्चीली प्रक्रिया है परंतु डिजिटल प्रिंटिंग तकनीक के आने से लागत कम हो रही है।
17. माइक्रो क्रिस्टल टाइल अलग प्रकार के रसायनों और उच्च ताप के प्रयोग से सबसे ऊपरी परत के ग्लासीफिकेशन द्वारा उत्पादित क्रिस्टलीय ग्लास सतह और पोर्सलीन आधार के संयोग से बनती हैं।
18. फुल बाडी विट्रिफाइड टाइलों में पूरी टाइल पर (मोटाई) पर रंग होता है। इससे कम दिखने वाले चिप्स और स्केच बनते हैं और उच्च ट्रेफिक जोन में यह आदर्श पसंद बन जाती है, परंतु इस प्रक्रिया से लागत काफी बढ़ जाती है।

19. पतले पैनल विट्रिफाइड टाइलों में एक नया विकास है जिनमें 2 मीटर से अधिक की पारंपरिक टाइलों के मुकाबले काफी बड़े आकार की 3 से 5 मिमी. तक पतली टाइलें होती हैं। प्रयुक्त कच्ची सामग्री और उत्पादन की प्रक्रिया भी काफी अलग है जिसमें काफी उच्च प्रेशर की मशीनों का प्रयोग होता है। ये पैनल उच्च ट्रेफिक वाली जगहों में प्रयोग किए जाने योग्य होते हैं और अन्य प्रकार की टाइलों की तुलना में मंहगे होते हैं।

20. जहां तक जल अवशोषण का संबंध है, यह तर्क दिया गया है विट्रिफाइड टाइलों का जल अवशोषण 0.5 प्रतिशत से कम होता है जबकि सेरामिक टाइलों का जल अवशोषण इसमें प्रयुक्त सामग्री के कारण हमेशा अधिक होता है। अंतः यदि जल अवशोषण को एक मापदंड माना जाए तो सेरामिक टाइलें भी शामिल होंगी, जो विचाराधीन उत्पाद नहीं है। बीआईएस मानक और अन्य तकनीकी सामग्री इस तर्क के समर्थन में दी गई है।

21. प्राधिकारी ने इन तर्कों के आधार पर इस मुद्दे की जाँच की है और यह नोट करते हैं कि पूर्ववर्ती जाँच में भी उत्पादन को 3 प्रतिशत से कम के जल अवशोषण के साथ वर्णित किया गया था। पक्षों द्वारा प्रस्तुत बीआईएस मानक और अन्य दस्तावेज निष्कर्ष रूप में यह नहीं दर्शाते कि सभी विट्रिफाइड टाइलों में जल अवशोषण केवल 0.5 प्रतिशत से कम होता है। इससे सेरामिक टाइलों और विट्रिफाइड टाइलों के बीच जल अवशोषण के अनुसार स्पष्ट अंतर नहीं होता है। वास्तव में, कतिपय विट्रिफाइड टाइलों का प्रयोग दीवार टाइलों के रूप में होता है उनमें जल अवशोषण अधिक होता है। ऐसे मामले में प्राधिकारी को हितबद्ध पक्षों के इस तर्क कि जल अवशोषण मापदंड को 0.5 प्रतिशत तक सीमित रखा जाए, में कोई दृढ़ता प्रतीत नहीं होती है।

22. यद्यपि घुलनशील साल्ट टाइल, डबल चार्ज टाइल तथा ग्लेज्ड और पालिशड विट्रिफाइड टाइलों की कीमतें एक संकीर्ण बैंड में रहती हैं माइक्रो क्रिस्टल और पतले पैनल बिल्कुल अलग हैं और इन टाइलों का प्रयोग विभिन्न खंडों में किया जाता है।

23. घरेलू उद्योग द्वारा प्रदत्त सूचना से पता चलता है कि घरेलू उद्योग अधिकांशतः साल्युबल साल्ट और डबल चार्ज विट्रिफाइड टाइलों और काफी कम मात्रा में ग्लेज्ड और पालिशड विट्रिफाइड टाइलों का कम मात्रा में उत्पादन करता है जोकि काफी नहीं है। घरेलू उद्योग इन टाइलों का अधिकांशतः 600x600, 800 X 800 मि.मी. में होती हैं और घरेलू उद्योग के कुछ संघटक 1000 मि.मी. X 1000 मि.मी. आकार की टाइलों का भी उत्पादन करते हैं। घरेलू उद्योग माइक्रो क्रिस्टल और पतले पैनलों का और अन्य किस्मों जैसे फुल बाडी और री-पालिशेबल टाइलों का उत्पादन नहीं करता है।

24. उक्त से स्पष्ट रूप से सिद्ध होता है कि माइक्रो क्रिस्टल टाइल, फुल बाडी टाइल और पतले पैनल घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित की जा रही अन्य तीन प्रकार की टाइलों के लिए न तो तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और न ही उनकी तकनीकी श्रेष्ठता, कीमत बैंड और प्रयोग खंडों के अनुसार तुलनीय हैं। अंतः, प्राधिकारी मानते हैं कि इन टाइलों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखना उचित समझते हैं।

25. प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण में यह देखा है कि घरेलू उद्योग उद्योग जीवीटी और पीजीवीटी का कोई विशेष मात्रा में उत्पादन और बिक्री नहीं करता है। हालांकि कारोबार-वार आयात के आंकड़ों से उत्पाद की किस्म का स्पष्ट पता नहीं चलता है, लेकिन प्रतिदर्श सहयोगी निर्यातकों के आंकड़ों से यह भी सिद्ध हुआ है कि आयातों में प्रमुख भाग 600x600, 800 X 800 आकार के साल्युबल साल्ट और डबल चार्ज किस्मों का है और कुछ आयात 1000 मि.मी. X 1000 मि.मी. आकार और अन्य संयोजनों का है। जीवीटी और पीजीवीटी और विषम आकारों का आयात हालांकि अपेक्षाकृत मात्रा में कम है, लेकिन ये आयात के ही भाग हैं।

26. तथापि, घरेलू उद्योग द्वारा दी गई प्रकटन पश्चात टिप्पणियों और 3 अप्रैल, 2017 को हुई सुनवाई में प्रकटन पश्चात दिए गए स्पष्टीकरण को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी नोट करते हैं कि वास्तव में जीवीटी/पीजीवीटी टाइलों की मात्रा कुल जांच अवधि में घरेलू उद्योग के कुल उत्पादन का लगभग 5 प्रतिशत है जोकि बहिष्करण की मांग करने के लिए नगण्य नहीं है। इसलिए जीवीटी/पीजीवीटी को विचाराधीन उत्पाद के कार्यक्षेत्र में शामिल किया गया है।

27. घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि यद्यपि वे अधिकांशतः 600x600 और 800 X800 आकारों का उत्पादन करते हैं तथापि बड़े आकार की टाइलों को आकार में काटा और छोटे आकार की टाइलों के स्थान पर प्रयोग किया जा सकता है इसलिए उच्चतर चौड़ाई की टाइलों को बाहर रखना उचित नहीं होगा।

28. घरेलू उद्योग ने स्पष्ट रूप से दलील दी है कि उनके द्वारा उत्पादित और बेची गई टाइलें अधिकांशतः 600x600, 800 X800 आकार के साल्युबल साल्ट और डबल चार्ज टाइलें हैं।

29. साल्युबल साल्ट, डबल चार्ज और जीवीटी/पीजीवीटी टाइलों के विभिन्न आकारों की परस्पर कीमतों की जाँच से पता चलता है कि यद्यपि आकार के अनुसार कीमतें अलग-अलग हैं तथापि, कीमत का अंतर इतना नहीं है जो उपभोक्ता को छोटे आकार पर पाटनरोधी शुल्क लागू होने पर बड़े आकारों को अपनाने से रोकता हो। इसे देखते हुए प्राधिकारी उक्त किस्मों के सभी आकारों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल करना उचित समझते हैं।

30. तदनुसार, इस जाँच के प्रयोजनार्थ उत्पाद का दायरा किसी आकार सीमा के बिना 3 प्रतिशत तक जल अवशोषण के साथ केवल साल्युबल साल्ट और डबल चार्ज विट्रिफाइड टाइलों और केवल जीवीटी/पीजीवीटी तक सीमित है (जिसे आगे विचाराधीन उत्पाद कहा जाएगा)।

31. तथापि, विभिन्न निर्धारणों और समान से समान तुलना के लिए प्राधिकारी ने किस्मों को साल्युबल साल्ट और डबल चार्ज और और केवल जीवीटी/पीजीवीटी के रूप वर्गीकृत किया है और आकारों को 600x600, 800 X 800 और अन्य के रूप में वर्गीकृत किया है।

32. ग्लेज्ड और अनग्लेज्ड विट्रीफाइड/पोर्सलेन टाइलों को चार अंकीय स्तर पर आईटीसी एचएस 69.07, 69.08 और 69.14 के अधीन वर्गीकृत किया जाता है। सीमा शुल्क का ऐसा वर्गीकरण सांकेतिक है और यह किसी भी तरीके से उत्पाद के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

घ. घरेलू उद्योग और उसकी स्थिति

33. विचाराधीन उत्पाद के निम्नलिखित घरेलू उत्पादकों की ओर से गुजरात ग्रेनिटो मेन्युफेक्चरर्स एसोसिएशन और साबरकांथा डिस्ट्रिक्ट सिरेमिक एसोसिएशन द्वारा आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है :-

1.	रिकाल सिरेमिक इंडस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड
2	कोमेट ग्रानिटो प्राईवेट लिमिटेड
3	सेंगरेस टाइल्स प्राईवेट लिमिटेड
4	सनशाईन सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड
5	सिम्स सिरेमिक प्राईवेट लिमिटेड
6	वितेल सिरेमिक प्राईवेट लिमिटेड
7	सिम्पोलो विट्रीफाइड प्राईवेट लिमिटेड
8	जील टोप ग्रेनिटो प्राईवेट लिमिटेड
9	टोको सिरेमिक प्राईवेट लिमिटेड
10	सिटी टाइल्स
11	सेनफोर्ड विट्रीफाइड प्राईवेट लिमिटेड
12	रेड स्टोन ग्रेनिटो प्राईवेट लिमिटेड
13	लेक्सस ग्रेनिटो प्रा. लि.
14	सिल्क टच विट्रीफाइड प्राईवेट लिमिटेड
15	कुटोन ग्रेनिटो प्राईवेट लिमिटेड
16	सिमोलेक्स प्राईवेट लिमिटेड
17	क्विन टाइल्स प्राईवेट लिमिटेड
18	कोरल ग्रेनिटो प्राईवेट लिमिटेड
19	डूराकोन विट्रीफाइड प्राईवेट लिमिटेड
20	वरमोरा ग्रेनिटो प्राईवेट लिमिटेड
21	मेट्रो सिटी टाइल्स प्राईवेट लिमिटेड
22	एफिल विट्रीफाइड प्राईवेट लिमिटेड
23	सेनटोसा ग्रेनिटो प्राईवेट लिमिटेड
24	कासा टाइल्स प्राईवेट लिमिटेड

34. संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित 13 अन्य घरेलू उत्पादकों ने आवेदन का समर्थन किया है:

1. क्लोरिस सिरेमिक प्राईवेट लिमिटेड,
2. रामोजी ग्रेनाइट लिमिटेड,
3. आईकोन ग्रेनिटो प्राईवेट लिमिटेड,

4. लोरेन्जो विट्रीफाईड प्राईवेट लिमिटेड,
5. न्यू पर्ल विट्रीफाईड प्राईवेट लिमिटेड,
6. एलायन्स विट्रीफाईड प्राईवेट लिमिटेड,
7. फेमश विट्रीफाईड प्राईवेट लिमिटेड,
8. ब्लूआर्ट ग्रेनिटो प्राईवेट लिमिटेड,
9. सन वर्ल्ड विट्रीफाईड प्राईवेट लिमिटेड,
10. सेंसो,
11. सियाराम विट्रीफाईड प्राईवेट लिमिटेड,
12. सेवियो सिरेमिका प्राईवेट लिमिटेड और
13. शुभ टाईल्स प्राईवेट लिमिटेड।

35. प्राधिकारी ने यह भी नोट किया है कि निम्नलिखित घरेलू उत्पादकों ने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का भारी आयात किया है या संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के निर्यातक/आयातक से संबंधित हैं। अंतः इन्हें आवेदकों की स्थिति के निर्धारण और क्षति निर्धारण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग का हिस्सा मानने पर विचार के लिए अपात्र पाया गया है।

1. मै. कजारिया सिरेमिक्स लिमिटेड,
2. मै. एच. एंड आर. जोनशन (इंडिया),
3. मै. सोमानी सिरेमिक्स लिमिटेड,
4. मै. एशियन ग्रेनिटा इंडिया लिमिटेड,
5. मै. सिलिका सिरेमिका प्राईवेट लिमिटेड,
6. मै. कमांडर विट्रीफाईड प्राईवेट लिमिटेड,
7. मै. विंटेज टाईल्स प्राईवेट लिमिटेड,
8. मै. कोसा सिरेमिक प्राईवेट लिमिटेड,
9. मै. एसर ग्रेनिटो प्राईवेट लिमिटेड,
10. मै. एक्स विट्रीफाईड प्राईवेट लिमिटेड,
11. मै. एंटिक मार्बोनाईट प्राईवेट लिमिटेड,
12. मै. ओरेकल,
13. मै. आर ए के सिरेमिक्स लिमिटेड
14. मै. न्यू वर्धमान विट्रीफाईड प्राईवेट लिमिटेड

36. तदनुसार, प्राधिकारी ने अपने प्रारंभिक निर्धारण में यह माना है कि आवेदकों के पास याचिका दायर करने की योग्यता है और क्षति निर्धारण के प्रयोजनार्थ उन्हें घरेलू उद्योग भी माना जा सकता है।

घ.1 प्रतिवादी हितबद्ध पक्षों के विचार

37. प्रतिवादी हितबद्ध पक्षों ने आवेदकों की स्थिति और प्राधिकारी द्वारा घरेलू उद्योग के निर्धारण पर प्रश्न उठाया है। अपने प्रारंभिक निर्धारण के बाद के अनुरोधों में इन पक्षों ने मुद्दों पर अपने अपने दृष्टिकोण को दोहराया है और अन्य बातों के साथ-साथ यह तर्क दिए हैं :

- i. प्राधिकारी ने जॉच शुरूआत संबंधी अधिसूचना में 14 कंपनियों को अपात्र माना था क्योंकि उन्होंने भारी मात्रा में आयात किया है या उन कंपनियों से संबंधित हैं जिन्होंने आयात किया है। इसमें कोई स्पष्टता नहीं है कि प्राधिकारी ने उनके उत्पादन के

- आयातों के प्रतिशत के संबंध में क्या मापदंड अपनाया है वह भारत में कुल मांग के प्रतिशत रूप में, भारत में कुल आयातों के प्रतिशत रूप में, कुल घरेलू बिक्री के प्रतिशत रूप में है कि ये पक्ष अपात्र हैं।
- ii. कि प्राधिकारी ने पहले ऐसी कंपनियों को घरेलू उद्योग माना है यद्यपि उन्होंने संबद्ध वस्तु का आयात किया है या संबद्ध वस्तु के आयातक या निर्यातक से संबंधित रही हैं। तथापि प्राधिकारी ने अपनी स्वयं की प्रक्रिया से विपथन किया है। प्राधिकारी द्वारा निर्णित अनेक मामलों को इस संबंध में उद्धरित किया गया है।
 - iii. कि प्राधिकारी ने इस मान्यता के साथ जाँच की शुरुआत की है कि दो एसोसिएशनों के सदस्यों और भागीदार उत्पादकों जिन्होंने आवेदन प्रस्तुत किया है का संबद्ध वस्तु के कुल भारतीय उत्पादन में 37.41 प्रतिशत हिस्सा है और समर्थकों के साथ संबद्ध वस्तु के कुल भारतीय उत्पादन में उनका हिस्सा 52.31 प्रतिशत है। प्राधिकारी ने स्वयं निष्कर्ष में बताया है कि घरेलू उद्योग का समर्थकों के साथ हिस्सा पात्र घरेलू उत्पादकों पर ही आधारित होता है और न कि कुल घरेलू उत्पादकों पर।
 - iv. कि प्राधिकारी ने इस तथ्य की उपेक्षा की है कि 2(ख) के अधीन प्रदत्त प्रमुख हिस्से के परीक्षण में प्राधिकारी ने भारत में कुल घरेलू उत्पादन पर विचार किया है। प्राधिकारी ने पात्र घरेलू उत्पादकों और न कि भारत में सभी उत्पादकों पर विचार करके गलती की है।
 - v. कि यदि प्राधिकारी कुल घरेलू उत्पादन को लेते है कि आवेदक का हिस्सा केवल 23 प्रतिशत है जो 25 प्रतिशत की न्यूनतम अपेक्षा से कम है। इसलिए पूरी जाँच शुरुआत क्षेत्राधिकार के बिना और कानून के प्राधिकार से इतर है।
 - vi. कि क्षति विश्लेषण का कोई उद्देश्य वर्तमान मामले में भागीदार आवेदकों के ऐसे सीमित आकड़ों के आधार पर संभव और सही नहीं है क्योंकि अधिकांश उत्पादक प्राधिकारी को क्षति संबंधी पूरे आकड़ों के साथ जाँच में भाग नहीं ले रहे हैं।
 - vii. कि रिकार्ड में आकड़े सही स्थिति को पूरा नहीं करते हैं और इसमें भारतीय उत्पादकों की अधिक भागीदारी अपेक्षित है जो भारत में घरेलू उद्योग की वास्तविक स्थिति बताने वाले पूरे आकड़े प्रस्तुत करें और प्रारंभिक निष्कर्षों में वर्तमान विश्लेषण पर्याप्त सूचना के अभाव में काफी काल्पनिक और काफी विकृत है।
 - viii. कुछ हितवद्ध पक्षों ने यह भी तर्क दिया है कि कुछ बाहर रखे गए घरेलू उत्पादकों में संबद्ध वस्तु के अधिक उत्पादन वाले उत्पादकों को सार्थक क्षति जाँच के लिए घरेलू उद्योग में शामिल किया जाना चाहिए था। यह भी तर्क दिया गया है कि प्राधिकारी ने कुछ घरेलू उत्पादकों को अपात्र माना है क्योंकि वे उत्पादक संबद्ध वस्तु के आयात या निर्यातक हैं। यह प्राधिकारी की पहली प्रक्रिया के विपरीत है जिसमें उन्होंने उन घरेलू उत्पादकों को भी पात्र माना था जिन्होंने आयात किया या जहां वे संबद्ध वस्तु के निर्यातक/आयात से संबंधित थे। इस संबंध में वीएसएफ, टाइलों, सोडा एश और अल्मुनियम फोइल पाटनरोधी जाँच का हवाला दिया गया है।
38. अन्य हितवद्ध पक्षों के अलावा, कजारिया सेरामिक्स ने एक हितवद्ध पक्ष के रूप में यह तर्क दिया है कि उन्हें घरेलू उद्योग माना जाना चाहिए और उन्होंने क्षति निर्धारण के लिए घरेलू उद्योग का हिस्सा होने के लिए आकड़े भी प्रस्तुत किए हैं। इस पक्ष ने अन्य बातों के साथ-साथ निम्नानुसार तर्क दिया है :
- i. कि वर्तमान मामले में उत्पादन, मांग और कुल आयातों के संदर्भ में उनके द्वारा किए गए आयातों की मात्रा बाहर करने के लिए पर्याप्त नहीं है।
 - ii. चूंकि प्राधिकारी ने आयातक उत्पादकों और ऐसे उत्पादकों जो आयातक नहीं परंतु आयातकों/उत्पादकों से संबंधित हैं इसलिए उत्पादन में आयातों का अनुपात सभी संबंधित कंपनियों के आयात/उत्पादन पर विचार करते हुए जाँचा जाना चाहिए था। ऐसे मामले में उत्पादन में आयात का अनुपात बाहर रखे गए उत्पादकों के लिए 5 प्रतिशत से 11 प्रतिशत के बीच होता है। यह मामूली प्रतिशत है और इसलिए ऐसे उत्पादकों को जाँच से बाहर नहीं किया जाना चाहिए।
 - iii. वर्तमान मामले में बाहर रखे गए घरेलू उत्पादक अधिकांशतः भारत में संबद्ध वस्तु के विनिर्माता हैं और संबद्ध वस्तु के आयातों की मात्रा भारत में उत्पादकों द्वारा उत्पादन की मात्रा की तुलना में कोई खास नहीं है।
 - iv. कुछ प्रमुख घरेलू उत्पादकों को बाहर रखने से क्षति निष्कर्ष और पाटन और क्षति मार्जिनों की गणना में इस कारण से विकृति आई है कि जाँच में भाग लेने वाला घरेलू उद्योग मुख्यतः असंगठित क्षेत्र का है और इसलिए वह खास विपणन, ब्रांड संवर्धन या अप्रत्यक्ष बिक्री व्यय नहीं करता है। अतः इन उत्पादकों को जाँच में भाग लेने देना चाहिए और घरेलू उद्योग का हिस्सा समझना चाहिए।
 - v. सोडा एश मामले में विनिर्दिष्ट मापदंड के विरुद्ध वर्तमान मामले में डीए ने जाँच से बाहर करने को उचित ठहराने के लिए आयातों की मात्रा से इतर कोई कारण नहीं बताया है, जो वस्तुतः पर्याप्त नहीं है। इसके अलावा, यह ऐसा मामला नहीं है

जहां घरेलू उत्पादकों ने कीमतों में गिरावट में योगदान दिया है या ऐसी कीमतों से बचे रहें हैं या किसी प्रकार से आयातों से अनुचित ढंग से लाभान्वित हुए हैं।

- vi. उत्पादक आयातों के बजाय उत्पादन के लिए प्रतिबद्ध हैं। कजारिया और एचआर जानसन (इंडिया) जैसे घरेलू उत्पादकों ने आयात के मुकाबले भारत में विनिर्माण के लिए दीर्घावधिक वचनबद्धताएं की हैं। वे भारतीय बाजार में प्रचालन करने वाले प्रमुख उत्पादक हैं और इसलिए क्षति विश्लेषण ऐसे विश्लेषण के लिए उनके आकड़ों पर विचार किए बिना अधूरा रहेगा।
- vii. उत्पादकों द्वारा आयात अनिवार्यतः ऐसे क्षेत्रीय बाजार में मांग को पूरा करने के लिए है, जहां घरेलू उत्पाद उच्च मालभाड़ा लागत के कारण प्रतिस्पर्धा करने में अक्षम है।
- viii. मांग के संबंध में आयात मामूली हैं। (1 प्रतिशत से कम)
- ix. एनआईपी और सामान्य मूल्य के उचित निर्धारण के लिए प्रमुख उत्पादकों को शामिल करना आवश्यक है। घरेलू उद्योग जिसे इस समय जॉच में शामिल किया गया है, में अपेक्षाकृत छोटे उत्पादक शामिल हैं जो अपनी वस्तु को खुदरा आधार पर नहीं बेचते हैं। अतः वे विभिन्न महत्वपूर्ण खर्च जैसे विज्ञापन, संवर्धन और अन्य अप्रत्यक्ष बिक्री व्यय नहीं करते जो संबद्ध देशों में संगठित उत्पादकों द्वारा किए जाते हैं। चूंकि संबद्ध वस्तु उपभोक्ता वस्तु है इसलिए अप्रत्यक्ष बिक्री व्यय वस्तुओं की लागत का प्रमुख हिस्सा बनती है।
- x. अतः यदि कजारिया, सोमानी, एचएंडआर जानसन और मै. एशियन ग्रेनिटो इंडिया लि. जैसे प्रमुख उत्पादकों को घरेलू उद्योग में शामिल नहीं किया जाता तो भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन की वास्तविक लागत प्राप्त नहीं होगी जिससे क्षति मार्जिन निष्कर्षों की सीमा के संबंध में निष्कर्ष विकृत हो जाएंगे। इससे पाटन मार्जिन कम होगा क्योंकि भागीदार घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर आधारित परिकलित सामान्य मूल्य संबद्ध देश में उत्पादकों द्वारा वहन की गई वास्तविक लागत को नहीं दर्शाएगा।

घ.2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए अनुरोध

39. घरेलू उद्योग ने विभिन्न अनुरोधों में यह तर्क दिए हैं कि

- पाटनरोधी शुल्क लगाने की मांग करने वाली याचिका गुजरात ग्रेनिटो मेन्युफेक्चरर्स एसोसिएशन और साबरकांथा डिस्ट्रिक्ट सिरेमिक एसोसिएशन और विचाराधीन उत्पाद के 24 उत्पादकों जो इन एसोसिएशनों के सदस्य हैं और घरेलू उद्योग के रूप में वर्तमान जॉच में भाग भी ले रहे हैं, द्वारा दायर की गई है। इन पक्षों ने संयुक्त रूप से प्राधिकारी से पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में समस्त संगत सूचना प्रस्तुत की। याचिकाकर्ता कंपनियों को इस मामले में एसोसिएशनों द्वारा दायर प्राधिकार पत्रों के अलावा अलग-अलग प्राधिकार पत्र भी दिए गए हैं।
- एसोसिएशनों ने सभी सदस्यों को संगत सूचना प्रदान करने की सलाह दी। इन एसोसिएशनों के अनेक सदस्य अपने प्रचालन के छोटे स्तर के कारण अपने वित्तीय और सांख्यिकीय आकड़ों को विभिन्न किस्मों के उत्पादन और बिक्री में पृथक् करने और जॉच में पूर्णतः भागीदारी करने में असमर्थ थे। ऐसे कारणों की वजह से कुछ कंपनियों के आकड़ों को वर्तमान जॉच के लिए नहीं लिया जा सका।
- याचिकाकर्ता कंपनियों और उनकी संबंधित एसोसिएशनों के ब्यौरे दर्शाने वाला एक विवरण दिया गया जो स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि सभी 24 याचिकाकर्ता कंपनियां दोनों में किसी एक एसोसिएशन की सदस्य हैं।
- संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु का आयात करने वाले घरेलू उत्पादकों और उनके स्वयं के उत्पादन में उनके हिस्से को पहले बताया गया है। जिसके अनुसरण में कजारिया और सोमानी सहित 14 कंपनियों को अपात्र उत्पादक माना गया। तथापि, यह अब अनिर्णित नहीं है कि यदि किसी घरेलू उत्पादक ने विचाराधीन उत्पाद की भारी मात्रा का आयात किया है या विचाराधीन उत्पाद के किसी आयातक या निर्यातक से संबंधित है तो ऐसे घरेलू उत्पादक को अपात्र घरेलू उद्योग माना जाना चाहिए और ऐसी स्थिति में, शेष घरेलू उत्पादकों को घरेलू उद्योग का पूर्ण रूप माना जाना चाहिए।
- घरेलू उद्योग को प्राधिकारी द्वारा अपात्र उत्पादकों को पात्र उद्योग समझे जाने पर कोई आपत्ति नहीं है। प्राधिकारी यदि ऐसा उचित समझते हैं तो कर सकते हैं।
- यद्यपि याचिकाकर्ता इस बात से सहमत हैं कि प्राधिकारी को इन घरेलू उत्पादकों को उन पक्षों द्वारा किए गए आयातों के कारण घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर रखना चाहिए और यद्यपि इन उत्पादकों ने स्वयं मजबूती से यह दलील दी है कि उन्हें घरेलू उद्योग के दायरे की भीतर शामिल किया जाना चाहिए, याचिकाकर्ता अनुरोध करते हैं कि इस तर्क का कोई औचित्य नहीं है कि यह प्राधिकारी की पूर्व प्रक्रिया से असंगत है। ऐसे अनेक मामले हैं जिनमें प्राधिकारी ने उन घरेलू उत्पादकों को बाहर किया है जो निर्यातकों से संबंधित हैं या जिन्होंने स्वयं पीयूसी का आयात किया है।

- घरेलू उत्पादकों जिन्हें अपात्र पाया गया, के आकड़े संगठित क्षेत्र को दर्शाते हैं और घरेलू उद्योग को वर्तमान जाँच में उनके आकड़ों को शामिल किए जाने पर कोई आपत्ति नहीं है।
- याचिकाकर्ता कंपनियों का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन के 25 प्रतिशत से अधिक अर्थात् 37.41 प्रतिशत है और इसलिए, वे नियम 2(ख) के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग हैं। किसी भी याचिकाकर्ता ने पीयूसी का आयात नहीं किया है। समर्थकों के साथ याचिकाकर्ता पात्र घरेलू उत्पादन का 52.31 प्रतिशत उत्पादित करते हैं।
- प्रमुख हिस्से का अर्थ काफी अधिक और महत्वपूर्ण शेयर है और न कि 50 प्रतिशत या उससे अधिक हिस्सा। प्राधिकारी ने पूर्व में अनेक मामलों में योग्यता संबंधी दावों को स्वीकार किया है जबकि घरेलू उद्योग का कुल भारतीय उत्पादन में 50 प्रतिशत से कम हिस्सा था।
- प्रमुख हिस्से, घरेलू विनिर्माता को बाहर रखने, अन्य देशों के लिए तुलनात्मक विधिक उपबंधों, संशोधन के उद्देश्य आदि के संबंध में प्रदत्त विस्तृत न्याय आधार को घरेलू उद्योग के अनुरोधों के संबंध में विधिवत रूप से प्रदान किया गया है।
- नियम 2(ख) में कहा जा सकता है शब्द के प्रयोग से पता चलता है कि संबंधित उत्पादक और पाटित उत्पाद के आयातक उत्पादक स्वतः ही घरेलू उद्योग से बाहर नहीं हो जाते हैं। यह जाँचकर्ता प्राधिकारियों की संगत प्रक्रिया है कि ऐसे उत्पादकों को बाहर रखना मामले विशेष के आधार पर निर्णित किया जाना चाहिए।
- अतः याचिकाकर्ता कंपनियां नियमावली के अधीन स्थिति संबंधी अपेक्षा को पूरा करती हैं। परिणामस्वरूप, याचिकाकर्ता कंपनियां नियमावली के अर्थ के भीतर घरेलू उद्योग बनाती हैं।

घ.3 प्राधिकारी द्वारा जाँच

40. पाटन रोधी नियमावली का नियम 2 (ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:-

“घरेलू उद्योग” का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा ऐसे उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा भाग बनता है सिवाए उस स्थिति के जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं अथवा वे स्वयं उसके आयातक होते हैं, तो ऐसे मामले में “घरेलू उद्योग” पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है।

41. प्रारंभिक जाँच परिणामों में प्राधिकारी ने नोट किया कि कुल भारतीय उत्पादन में से आवेदकों का उत्पादन 37.41% है। इस प्रकार कुल पात्र घरेलू उत्पादन में उनका “एक प्रमुख अंशदान” बनता है। इसके अतिरिक्त घरेलू उद्योग द्वारा किए कुल पात्र उत्पादन में आवेदक कंपनियों का अपने समर्थकों के साथ 52.31% का योगदान होता है। इस प्रकार आवेदक कंपनियां, नियम 2 (ख) में उल्लिखित परिभाषा के भीतर घरेलू उद्योग बनती हैं और इसलिए आवेदक नियमावली के नियम 5 (3) के अनुसार घरेलू उद्योग के आधार की आवश्यकताओं को पूरा करता है।

42. प्रतिवादी हितबद्ध पक्षों ने यह तर्क दिया है कि कुल भारतीय उत्पादन का परिकलन पात्र और अपात्र पर विचार किए बिना सभी घरेलू उत्पादकों को शामिल करके परिकलित किया जाना चाहिए था और उसके बाद प्रमुख हिस्से के रूप में आवेदकों के हिस्से की जाँच की जानी चाहिए थी।

43. प्राधिकारी नोट करते हैं कि ‘ऐसे मामले में “घरेलू उद्योग” पद का अर्थ शेष उत्पादकों के संदर्भ में लगाया जा सकता है’ शब्द उन उत्पादकों जिन्हें घरेलू उद्योग के रूप में विचार किए जाने हेतु अपात्र पाया गया के उत्पादन की उपेक्षा करके योग्यता के निर्धारण के प्रयोजनार्थ घरेलू उत्पादक और कुल घरेलू उत्पादन के दायरे को सीमित करने का आधार प्रदान करते हैं। अतः हितबद्ध पक्षों के यह तर्क कि घरेलू उद्योग की योग्यता गलत ढंग से निर्धारित की गई है, गलत पाया गया है।

44. कुछ हितबद्ध पक्षों ने यह तर्क दिया है कि कुछ बाहर रखे संबद्ध वस्तु के अधिक उत्पादन वाले उत्पादकों जिन्हें अपात्र माना गया, को सार्थक क्षति जाँच के लिए घरेलू उद्योग में शामिल किया जाना चाहिए था। मौखिक सुनवाई के समय भी अधिकांश हितबद्ध पक्षों द्वारा यह मामला उठाया गया था और बाहर रखे गए उत्पादकों ने उसके बाद क्षति जाँच के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग में शामिल किए जाने के लिए अपने लागत और क्षति संबंधी आकड़े प्रस्तुत किए थे।

45. घरेलू उद्योग, बाहर रखे गए उत्पादक और कुछ हितबद्ध पक्षों के मूल तर्क यह रहे हैं कि अधिकांश संगठित उत्पादकों को बाहर रखने और क्षति जाँच के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग के दायरे में अधिकांशतः असंगठित उत्पादकों को शामिल किए जाने से पाटन और क्षति निर्धारण प्रभावित हुए और विकृत हुए हैं। यह तर्क दिया गया है कि इन उत्पादकों द्वारा आयात देश में कुल मांग की तुलना में मामूली हैं और इसलिए उन्हें घरेलू उद्योग के दायरे से बाहर नहीं रखा जाना चाहिए।

46. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इनमें से अधिकांश उत्पादकों के पास पूर्व में और पीओआई के दौरान संबद्ध देश में कुछ उत्पादकों जिनकी जाँच की जा रही है, से भारी मात्रा में आयात है। इन उत्पादकों की आयातित टाइलों के काफी व्यापारिक कार्यकलाप थे, यद्यपि उन्होंने पूर्ववर्ती पाटनरोधी संरक्षणों के अधीन अपने उत्पादन कार्यकलापों को धीरे-धीरे बढ़ा दिया है। इसलिए इनके आकड़ों पर आधारित कोई क्षति विश्लेषण विकृतकारी होता। इसके अलावा, पहले की संगत प्रक्रिया के रूप में प्राधिकारी ने व्यापार प्रयोजनों के लिए भारी मात्रा में आयात करने वाले घरेलू उत्पादकों को अपात्र घरेलू उद्योग माना है। इसलिए, इस मामले में इस संबंध में कोई विसंगति नहीं है।

47. अपात्र माने गए घरेलू उत्पादकों द्वारा आयातों के हिस्से के निर्धारण के आधार के संबंध में सूचना के प्रकटन के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि इन उत्पादकों को उनके स्वयं के उत्पादन और देश में कुल आयात के संबंध में संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु की भारी मात्रा का आयात करते पाया गया है। तदनुसार, उन्हें नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग होने के लिए अपात्र माना गया है। अन्य हितबद्ध पक्षों को ऐसी सूचना का प्रकटन करने का प्राधिकारी का कोई दायित्व नहीं है।

48. उक्त के मदेनजर, प्राधिकारी घरेलू उद्योग और उसकी स्थिति के संबंध में प्रारंभिक जाँच परिणामों की पुष्टि करते हैं।

इ. निर्धारित न्यूनतम सीमा

49. प्राधिकारी ने वाणिज्यिक आसूचना और सांख्यिकी महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से प्राप्त आयात आकड़ों पर भरोसा किया है। संबद्ध देश से संबद्ध वस्तु के आयात को काफी अधिक और निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक पाया गया है।

च. जाँच के लिए हितबद्ध पक्ष

50. समय-समय पर नमूना प्रश्नावली उत्तर, प्रश्नावली उत्तर और अन्य अनुरोध प्रस्तुत करने वाले पक्षों, आवेदक घरेलू उद्योग, समर्थक और अन्य घरेलू उत्पादक और उनकी एसोसिएशनों, आयातकों जिन्होंने प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया और स्वयं को हितबद्ध पक्ष के रूप में बताया, चाइनीज चैम्बर आफ कामर्स फार इंडोर्स एंड एक्सपोर्टर्स जिन्होंने स्वयं को हितबद्ध पक्ष के रूप में प्रस्तुत किया और कतिपय अनुरोध किए और चीन जन. गण. की सरकार को इस जाँच में हितबद्ध पक्ष माना गया है।

छ. विविध मुद्दे

51. घरेलू उद्योग सहित हितबद्ध पक्षों ने अनंतिम निर्धारण और विभिन्न प्रक्रियात्मक मुद्दों के संबंध में अनेक मुद्दे उठाये हैं। यद्यपि पाटन और क्षति के अनंतिम निर्धारण से संबंधित मुद्दों पर संबंधित खंडों में विचार किया गया है तथापि, हितबद्ध पक्षों द्वारा उठाये गए सामान्य मुद्दों पर नीचे ध्यान दिया गया है।

छ. 1 प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दे

52. प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों ने कार्यवाही के संबंध में निम्नलिखित तर्क दिए हैं :

- कि प्रारंभिक जाँच परिणाम क्षेत्राधिकार रहित, अवैध, मनमाने, विचार किए बिना, अतार्किक और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के स्पष्ट अपमान में हैं। घरेलू उद्योग द्वारा दायर की गई याचिका में यह दावा भी नहीं है कि जाँच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को भारी और प्रतिपूर्ति रहित क्षति हुई है। रिकार्ड या प्रारंभिक जाँच परिणाम में भी कोई वास्तविक तथ्य नहीं है जो अनंतिम शुल्क लगाने की सिफारिश को उचित ठहराता हो। अतः अनंतिम शुल्क लगाना नियम 12 और सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9ख(1)(iii) के विपरीत है।
- कि अनंतिम शुल्क की सिफारिश क्षति के खतरे के आधार पर नहीं की जा सकती है। अनंतिम शुल्क केवल तभी लगाया जा सकता है जबकि जाँच अवधि के दौरान क्षति और कारणात्मक संबंध हो। प्राधिकारी ने जाँच की प्रक्रिया के दौरान कारणात्मक संबंध और क्षति का कोई निर्धारण नहीं किया। इसके अलावा, प्राधिकारी उन तथ्यों को दर्ज करने में विफल रहे हैं जिन्हें जाँच की प्रक्रिया के दौरान आगे के निर्धारण के रूप में माना जाए, जो अनिवार्य अपेक्षा है।
- कि प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई नमूने की प्रक्रिया भारतीय पाटनरोधी नियम के नियम 17(3) से असंगत हैं और प्राकृतिक न्याय नहीं करते हैं। प्राधिकारी नमूने की प्रक्रिया वहां कर सकते हैं जहां उत्पादकों/निर्यातकों की संख्या इतनी अधिक हो कि निर्धारण अव्यवहारिक हो।
- कि प्राधिकारी द्वारा लिया गया नमूना एक तर्कसंगत वैध नमूना नहीं है या चीन जन. गण. से निर्यातों की मात्रा का अधिकतम प्रतिशत नहीं है। प्राधिकारी पक्षकारों को उनके नमूना प्रश्नावली के उत्तर की अस्वीकृति के कारण बताने में विफल रहे हैं या प्राधिकारी ने नमूना उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत उत्तरों को वृष्टिपूर्ण आधारों पर अस्वीकार किया है।
- प्राधिकारी को नमूना प्रक्रिया शुरू किए जाने के निर्णय से पहले पक्षों द्वारा प्रस्तुत अनुरोधों को अस्वीकार नहीं करना था। यदि नमूना उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत सूचना अनुपयुक्त मानी गई थी तो प्राधिकारी को नमूने का विस्तार करना चाहिए था।

- 106 उत्पादकों/निर्यातकों में से 18 उत्पादकों/निर्यातकों का एक नमूना हितबद्ध पक्षों का एक तर्कसंगत नमूना नहीं माना जा सकता है जो सांख्यिकीय रूप से वैध नमूना या चीन जन. गण. से निर्यातों की मात्रा का सर्वाधिक प्रतिशत नहीं है।
- नमूना उत्पादकों/निर्यातकों के निर्यातों की मात्रा पीओआई के दौरान संबद्ध वस्तु के निर्यातों की कुल मात्रा के 30 प्रतिशत से कम है। अतः केवल 6 पूर्ति श्रृंखलाओं के चयन को सांख्यिकीय रूप से वैध नमूना नहीं माना जा सकता है जो चीन जन. गण. से संबद्ध वस्तु के निर्यातों का प्रतिनिधि हो।
- गैर प्रतिदर्शित सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों को प्रतिदर्शित उत्पादकों/निर्यातकों के उत्तरों के आधार पर भारित औसत दर प्रदान नहीं की गई जो डब्ल्यूटीओ एडीएके अनुच्छेद 9.4 की अपेक्षाओं के विरुद्ध है।
- प्राधिकारी उन निर्यातकों के उत्तरों को अस्वीकार करने में गलत हैं जिन्होंने जॉच की शुरुआत के 40 दिनों के भीतर उत्तर प्रस्तुत किए हैं। यह सिद्धांतों के विपरीत और डब्ल्यूटीओ एडीए के आशय और भारतीय एडी नियमावली के विरुद्ध है कि गैर नमूना सहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों को भारित औसत पाटन मार्जिन नहीं दिया गया जो नमूना उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा दायर उत्तरों के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए बल्कि एक दर दी गई जो सर्वोत्तम उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित थी।
- प्रारंभिक जॉच परिणामों में प्रतिवादी निर्यातकों द्वारा दायर किए गए उत्तर को पूर्ति श्रृंखला के आधार पर मनमाने ढंग से अस्वीकार कर दिया गया। प्राधिकारी ने केवल नमूना प्रयोजनों के लिए कतिपय उत्पादकों और निर्यातकों को शामिल किया। प्रतिदर्श के आकार को बढ़ाये बिना इन पक्षों द्वारा अन्य उत्पादकों या निर्यातकों के आकड़े प्रदान नहीं किए जा सकते थे। इसलिए इस आधार पर उत्तरों को अस्वीकार करना मनमाना है।
- पाटनरोधी शुल्क को उत्पादक-निर्यातक संयोजन के लिए निर्धारित किया जाता है और न कि निर्यातक-उत्पादक संयोजन के लिए। प्रत्येक वाणिज्यिक मूल्य श्रृंखला के लिए अलग पाटनरोधी शुल्क निर्धारित करना होगा और उसे उत्पादक के लिए भी निर्धारित करना होगा।
- ऐसे किसी पक्ष जो सूचना प्रदान करके प्रक्रिया में हिस्सा लेता है, उसके आकड़ों को संभव सीमा तक प्रयोग करना चाहिए। यह तथ्य कि निर्यातक अनेक उत्पादकों द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु के निर्यात में शामिल है पूर्ति श्रृंखला के लिए अलग मार्जिन प्रदान करने के प्रयाजनार्थ संगत नहीं है जहां पूरी सूचना दी गई है।
- उत्तर को इस आधार पर अस्वीकार नहीं करना चाहिए था कि कतिपय असंबंधित पक्षों ने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया जिससे आपूर्ति श्रृंखला अधूरी रह गई।
- यदि नमूना कंपनियों द्वारा प्रस्तुत सूचना अनुपयुक्त मानी गई थी तो प्राधिकारी को नमूने का विस्तार करना चाहिए था। यूरोपीय आयोग के मूल विनियम का नियम 17(4) बताता है कि नये नमूने पर विचार किया जाए यदि सर्वप्रथम कुछ या सभी चयनित पक्षों द्वारा असहयोग की मात्रा अधिक हो और दूसरा यदि असहयोग से जॉच के परिणाम पर वास्तविक प्रभाव पड़ने की संभावना हो।
- कि नमूना प्रक्रिया से पहले प्रस्तुत अनुरोधों को अस्वीकार नहीं करना चाहिए था क्योंकि वे विहित समय-सीमा के भीतर थे। नमूना प्रक्रिया अपनाये जाने के बारे में जॉच शुरुआत संबंधी अधिसूचना में कोई संकेत नहीं था। इसलिए प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करने वाली 49 कंपनियों को गैर-नमूना सहयोगी उत्पादक/निर्यातक की सूची में शामिल किया जाना चाहिए।
- यह कि जॉच शुरुआत कानून की दृष्टि से गलत है क्योंकि : क) आयात आकड़ों के संबंध में आवेदक के तर्क को प्रारंभिक सत्यापन के बिना स्वीकार किया गया। प्राधिकारी ने एमआईपी के लिए डीओआर के उत्तर की परीक्षा नहीं की और डीजीएफटी से स्पष्टीकरण की मांग नहीं की जो आम तौर पर अधिसूचना जारी करता है ख) चूंकि जॉच शुरुआत पीओआई और शुरुआत की तारीख के बीच 6 महीने से अधिक का अंतर है इसलिए प्राधिकारी को डीओआर के उत्तर का कुछ समय इंतजार करना चाहिए था। ग) सरकारी आकड़ों (डीजीसीआईएंडएस) का झूठे और गुमराह करने वाले होने के आधार पर अस्वीकार करना और आयातक जो घरेलू उत्पादक हैं की सूचना पर विश्वास करना अभूतपूर्व है। प्राधिकारी को आवेदकों द्वारा गुमराह किया गया है।
- कि प्राधिकारी द्वारा विचारित पंहुच कीमत, डीजीसीआईएंडएस के आकड़ों और निर्यातक के उत्तर में असमानता के कारण सौदा वार आयात आकड़े हितबद्ध पक्षों को प्रदान किए जाने चाहिए थे।
- कि पूर्व व्यापी प्रभाव से पाटन-रोधी शुल्क लगाए जाने का कोई मामला नहीं है क्योंकि वह उत्पाद की अनुपलब्धता के कारण हुआ था जिससे उपभोक्ताओं को उच्च कीमत के आयातित उत्पादों की खरीद करनी पड़ी।
- प्राधिकारी कतिपय आयातकों को उनके द्वारा आयातित विशेष उच्च कीमत की टाइलों के कारण प्राधिकारी द्वारा किसी शर्त को लागू करने के अधीन विशेष छूट प्रदान करने पर विचार कर सकते हैं।
- कि प्राधिकारी को प्रकटन करना चाहिए कि कौन से 24 आवेदकों का सत्यापन हुआ और प्रारंभिक जॉच परिणामों के लिए कुल घरेलू उत्पादन का कितना प्रतिशत सत्यापित किया गया।

छ. 2 घरेलू उद्योग द्वारा किए गए विविध अनुरोध

53. घरेलू उद्योग ने अपने विविध अनुरोधों में निम्नानुसार तर्क दिए हैं :-

- i. जांच की शुरुआत के लिए प्राधिकारी के समक्ष पर्याप्त प्रथम दृष्टया प्रमाण प्रस्तुत किए गए हैं। हितबद्ध पक्षकारों ने यह सिद्ध नहीं किया है कि याचिका में निहित सूचना, कैसे पर्याप्त प्रमाण के बराबर नहीं है। इसके अलावा सूचना की पर्याप्तता और सटीक होना जाँच की प्रक्रिया के दौरान सुधरता है।
- ii. चूंकि 24 कंपनियां हैं जो घरेलू उद्योग का हिस्सा हैं इसलिए प्रशासनिक सुविधा के लिए कंपनी के आकड़ों को 12-12 कंपनियों की दो फाइलें तैयार करके समेकित किया गया है। उसके बाद सूचना को समग्र रूप से घरेलू उद्योग के लिए संचयित किया गया है। ये अनेक कंपनियों से संबंधित आकड़ों को एकत्रित करने के लिए केवल प्रशासनिक सुविधा है।
- iii. कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के ऐतिहासिक व्यापक पाटन के कारण पूर्व व्यापी प्रभाव से पाटन-रोधी शुल्क लगाया जाना चाहिए जिसके बिना पाटन-रोधी शुल्कों के बांझित उपचारी उपाय के लाभ प्राप्त नहीं किए जा सकते हैं।
- iv. कि जहां उत्पादक और निर्यातक संबंधित कंपनियां हैं और निर्यातक ने किसी अन्य कंपनी द्वारा उत्पादित वस्तु की आपूर्ति की है वहां पाटन मार्जिन को संबंधित उत्पादक के उत्तर के बिना निर्धारित नहीं किया जा सकता है। निर्यातक की कीमत और न कि उत्पादक की कीमत पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए संगत है। चूंकि लगभग सभी प्रतिवादी पक्षों ने व्यापारियों के जरिए भारत को निर्यात किया है इसलिए व्यापारी का उत्तर महत्वपूर्ण हो जाता है।
- v. कि चूंकि प्रतिवादी निर्यातकों ने अधूरी और/या गुमराह करने वाली सूचना प्रस्तुत की है ऐसी कि निर्यातों और घरेलू बिक्री में कोई अन्य उत्पादक/निर्यातक शामिल नहीं था इसलिए प्राधिकारी ने उचित ढंग से प्रतिदर्श का निर्णय लिया है। इसके अलावा कानून में ऐसा कुछ नहीं है जो प्राधिकारी को अन्य मापदंड लगाने से और नमूने की संख्या सीमित करने से रोकता हो।
- vi. कि जाँचकर्ता प्राधिकारी वैश्विक रूप से विस्तृत जाँच के लिए काफी कम संख्या में प्रतिवादियों का चयन करते हैं। प्राधिकारी के लिए तेजी से जाँच करना और शुल्क की सिफारिश करना अपेक्षित है और वे डीआई को इस कारण से क्षति नहीं उठाते रख सकते कि नमूना प्रश्नावली उत्तर अधूरा है और वह भी क्योंकि नमूना निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर देने में सावधान नहीं थे। प्राधिकारी ने सूचना के लिए विशिष्ट अनुरोध को लिया है। पक्षकार को इस तथ्य कि इन पक्षों ने जाँच शुरुआत संबंधी अधिसूचना का संज्ञान लिया था, के बावजूद भी ऐसे विशिष्ट प्रश्न का उत्तर देना चाहिए।
- vii. कि न्यूनतम मूल्यांकन के संबंध में विस्तृत सूचना दी गई थी। यह भी सिद्ध किया गया था कि सीमाशुल्क आकड़ों में आकलन योग्य मूल्य था और न कि बीजक मूल्य का।
- viii. कि प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस से इतर दूसरे आकड़ों पर नेमी रूप से विचार किया है। इसलिए आयातक की सूचना पर भरोसा विसंगति नहीं है।
- ix. जाँच शुरुआत पात्र उत्पादकों और न कि कुल घरेलू उत्पादकों पर सही ढंग से आधारित है। यह प्रमुख हिस्से के कानून के अनुपालन में है।
- x. अनंतिम शुल्क लगाया जाना प्रारंभिक जाँच परिणाम की स्वाभाविक प्रक्रिया है और इस संबंध में सभी आवश्यक समय-सीमाओं और कानूनी प्रक्रियाओं का पालन किया गया है।
- xi. कि पाटनरोधी कानून में किसी विशेष आयातक के लिए विशेष छूट का कोई प्रावधान नहीं है।
- xii. कि याचिकाकर्ताओं ने याचिका दायर करने से पहले डीजीसीआईएंडएस के आकड़े प्राप्त किए। ऐसा लगता है कि प्राधिकारी ने याचिका दायर होने के बाद डीजीसीआईएंडएस से अलग से आकड़े प्राप्त किए।
- xiii. कि प्राधिकारी ने सत्यापन उनके लिए किया जिनके औचित्य, सटीकता और तर्कसंगतता के संबंध में संतुष्ट होना था और न कि हितबद्ध पक्षों के संतोष के लिए।
- xiv. पुनः मौखिक सुनवाई की कोई जरूरत नहीं हुई क्योंकि विचारों को लिखित अनुरोधों आदि में विधिवत रूप से रिकार्ड किया गया।
- xv. सेरामिक टाइलों को चीन से मूल सीमाशुल्क में 57 प्रतिशत रियायती दर पर आयातित किया जाता है क्योंकि यह एशिया प्रशांत व्यापार करार के अधीन रियायतों की राष्ट्रीय सूची में है। एशिया प्रशांत व्यापार करार किसी उत्पाद को रियायती सूची से बाहर करने का उपबंध करता है यदि उत्पाद से समान उत्पाद या आयातक भागीदार देश से प्रतिस्पर्धी उत्पादों का उत्पादन करने वाले घरेलू उद्योग को क्षति या क्षति होने का खतरा हो।
- xvi. टाइलों के अनुचित पाटन के कारण घरेलू उत्पादकों को क्षति हो रही है और वह मेक इन इंडिया पहल के भी विपरीत है।

छ. 3 प्राधिकारी द्वारा जांच

54. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रारंभिक जाँच परिणाम के बाद के अनुरोधों में हितबद्ध पक्षों ने इस जाँच के प्रक्रियात्मक और प्रमुख मुद्दों के संबंध में निम्नलिखित चार प्रमुख मुद्दे उठाए हैं :

- क. नमूना लेने की प्रक्रिया का अनुचित होना और नमूने को शामिल करने के अनुरोध को अस्वीकार करना,
- ख. प्रारंभिक जाँच परिणाम जारी करना सही नहीं है और क्षेत्राधिकार से बाहर है।
- ग. निर्धारण के लिए आकड़ों के अनेक स्रोतों का प्रयोग करना
- घ. मूल्य श्रृंखला के आधार पर सभी उत्तरों को अस्वीकार करना

55. नमूने के आकार और नमूना लेने की प्रक्रिया के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियम 17 (3) में उल्लिखित प्रावधान निम्नानुसार है : -

बशर्ते कि ऐसे मामलों जिनमें निर्यातकों, उत्पादकों, आयातकों अथवा शामिल वस्तुओं की संख्या इतनी अधिक है कि उसका निर्धारण करना व्यवहारिक नहीं होता है, वह अपने परिणामों को चयन के समय उपलब्ध सूचना के आधार पर सांख्यिकीय रूप से वैध नमूनों का इस्तेमाल करके, हितबद्ध पक्षकारों अथवा वस्तुओं की उचित संख्या तक अथवा संबंधित देश से निर्यात की मात्रा के सबसे अधिक प्रतिशत तक सीमित रख सकते हैं, जिनकी उचित रूप से जांच की गई हो तथा इस परन्तुक के अंतर्गत निर्यातक, उत्पादक अथवा वस्तुओं की किस्मों का किया गया कोई भी चयन, मुख्यतया संबंधित निर्यातकों, उत्पादकों अथवा आयातकों की सहमति से किया जाए।

बशर्ते कि निर्धारित प्राधिकारी किसी भी ऐसे निर्यातक अथवा उत्पादक के लिए जिनका चयन भले ही प्रारंभिक चरण में नहीं किया गया है, जिसने समय पर आवश्यक सूचना प्रस्तुत कर दी है, पाटन के विशिष्ट पृथक मार्जिन का निर्धारण करेंगे। इनमें ऐसे उत्पादक अथवा निर्यातक को शामिल नहीं होंगे जिनकी संख्या इतनी अधिक है कि उनकी पृथक जांच करने से अनुचित भार पड़ता है और जांच को समय पर पूरा करने से रोका जाता है।

56. इन नियमों के अनुसार और इस मामले में प्राप्त उत्तरों की काफी संख्या को देखते हुए, प्राधिकारी ने नमूना मापदंडों को अधिसूचित किया, सभी हितबद्ध पक्षों से टिप्पणियां आमंत्रित कीं और उसके बाद प्रतिदर्श प्रश्नावली आमंत्रित की। इन नमूनों को कतिपय वस्तुनिष्ठ मापदंडों के आधार पर और शामिल कार्य की मात्रा के व्यवहारिक पहलुओं पर विचार करते हुए लिया गया था, जिसे तर्कसंगत रूप से समयबद्ध ढंग से पूरा किया जा सके। कुल आयात के 30 प्रतिशत और चीन में लगभग 18 उत्पादकों और निर्यातकों को सार्थक निर्धारण के लिए अपर्याप्त नहीं माना जा सकता है।

57. नमूना लेने का मूल प्रयोजन सार्थक निर्धारण के लिए एक प्रतिनिधि नमूना लेना है जो संसाधनों पर अधिक दबाव डाले बिना और जाँच की समय-सीमा को प्रभावित किए बिना तर्कसंगत रूप से संभाला जा सके। इसलिए नमूना प्रश्नावली दायर करने वाले प्रत्येक उत्पादक और निर्यातक को नमूना लिए गए पक्षों के रूप में शामिल नहीं किया जा सकता है। वास्तव में, ऐसे बड़े प्रतिदर्श आकार की जाँच से प्राधिकारी पर भारी बोझ पड़ता है और अन्य क्षेत्राधिकार के प्राधिकारी प्रायः काफी छोटे नमूने का चयन करते हैं। उक्त को देखते हुए, उक्त पक्षों द्वारा की गई आपत्तियां व्यवहार्य नहीं हैं।

58. इस मामले में प्रारंभिक निर्धारण और अनंतिम शुल्क लगाये जाने के संबंध में दूसरे मुद्दे के बारे में प्राधिकारी हितबद्ध पक्षों के उस तर्क को नोट करते हैं कि वास्तविक क्षति के अभाव में प्रारंभिक जांच परिणाम जारी किया जाना और अनंतिम शुल्क लागू करना कानून के संगत उपबन्धों के उल्लंघन में केवल वास्तविक क्षति के खतरे के आधार पर है।

59. इस संबंध में एडीए का अनुच्छेद 7.1 में निम्नानुसार व्यवस्था है :

अनंतिम उपायों को केवल तभी लागू किया जाए यदि

- (i) *कोई जाँच अनुच्छेद 5 के प्रावधानों के अनुसार शुरू की गई है, इसके लिए एक सार्वजनिक सूचना दे दी गई है और हितबद्ध पक्षों को सूचना देने और टिप्पणियां प्रस्तुत करने के लिए पर्याप्त अवसर दिया गया है।*
- (ii) *प्रारंभिक सकारात्मक निर्धारण पाटन और घरेलू उद्योग को हुई परिणामी क्षति के लिए किया गया, और*
- (iii) *संबंधित प्राधिकारी जाँच के दौरान हो रही क्षति को रोकने के लिए आवश्यक उपायों का निर्णय लेंगे।*

60. उक्त उपबंध स्पष्ट रूप से दर्शाता है कि संबंधित प्राधिकारियों को जाँच की प्रक्रिया के दौरान गतिविधियों पर विचार करना पड़ता है और जाँच के दौरान हुई क्षति को रोकने के लिए अनंतिम उपाय लागू करने पड़ते हैं। इस अर्थ है कि वास्तविक क्षति के अभाव में वास्तविक क्षति के खतरे में भी यह अनंतिम उपाय लगाया जाना संभव है जो खतरे के अनुमान पर आधारित होगा जो जाँच की प्रक्रिया के दौरान लगाया गया। प्राधिकारी ने क्षति के खतरे को उपाय के अभाव में वास्तविक क्षति में बदलने से रोकने के लिए अनंतिम उपाय की सिफारिश करने का निर्णय पीओआई के दौरान उभरते हुए विभिन्न कारकों की प्रवृत्ति के आधार पर लिया। इसलिए इस संबंध में हितबद्ध पक्षों की दलीलें वैध नहीं हैं।

61. जहां तक क्षति विश्लेषण के लिए विभिन्न स्रोतों से आकड़ों के प्रयोग का संबंध है प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रारंभिक निर्धारण के समय दो आकड़ों का प्रयोग किया गया था क्योंकि आयातित वस्तु की कीमतों में अंतर का आरोप लगाया और उसे सिद्ध किया गया था। प्राधिकारी को यह बताया गया कि कतिपय पत्तनों में शुल्क संग्रह के लिए आयातों का ऐसी कीमत पर आकलन करने की प्रणाली है जो सौदा मूल्यों से अधिक है और यह कि आकलित मूल्य को डीजीसीआईएंडएस के आकड़ा सेट में बताया गया है, इस प्रकार डीजीसीआईएंडएस आकड़ों में कीमत बढ़ गई है जबकि वास्तविक बीजक मूल्य या सौदा मूल्य कम है। अतः उचित निर्धारण के लिए इस मुद्दे का समाधान करना आवश्यक है और तदनुसार, प्राधिकारी ने सौदा मूल्य और आकलित मूल्य सीमा शुल्क से लिया है जिससे यह दलील पुष्ट हुई है।

62. सीमाशुल्क से लिये गए इस आकड़ों में 70 प्रतिशत सौदे मात्रा के रूप में शामिल हैं और उनसे स्पष्ट रूप से सिद्ध होता है कि कुछ पत्तनों में शुल्क संग्रह प्रयोजन के लिए मूल्यों का पुनः आकलन नहीं होता है और औसत आधार पर कीमत में अंतर लगभग 17 प्रतिशत है। इसलिए इस सूचना का संज्ञान लेना अनिवार्य है ताकि कीमत संबंधी निर्धारण वास्तविक सौदा मूल्यों पर किया जाए और न कि आकलित मूल्यों पर क्योंकि सौदा मूल्यों में घरेलू बाजार पर वास्तविक प्रभाव दर्शाया गया है।

63. चूंकि सीमाशुल्क से प्राप्त आकड़ों में केवल कुछ पत्तों से सूचना प्राप्त हुई और उनमें आयातों की पूरी मात्रा का पता नहीं चला इसलिए डीजीसीआईएंडएस से मात्रा के आकड़े लेना अनिवार्य था, जो अधिकांश पत्तनों पर मात्रा के आकड़े एकत्रित करना है। इसलिए प्राधिकारी को उक्त आकड़ों को अपनाने पर कोई विसंगति या अवैधता नहीं दिखती है और तदनुसार हितबद्ध पक्षों का उद्देश्य पूरा होता है।

64. तथापि सहयोगी निर्यातकों के आंकड़ों का सत्यापन किया और अंतिम निर्धारण आवश्यक और प्रयोज्य सीमा तक प्रयोग किया गया है।

65. कुछ नमूना उत्पादकों और निर्यातकों के आंकड़ों को प्रारंभिक निर्धारण में अस्वीकार किये जाने के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि उत्पादकों और निर्यातकों के आंकड़ों को विस्तृत सत्यापन होने तक प्रारंभिक निर्धारण के लिए स्वीकार नहीं किया जा सकता है क्योंकि उस स्तर पर पूरी सूचना एकत्र नहीं हुई क्योंकि इन नमूना समूहों के कुछ उत्पादकों या निर्यातकों ने भागीदारी नहीं की या नमूने के सीमित होने के कारण भागीदारी नहीं कर सके। तथापि इस मुद्दे पर नमूना उत्पादकों और निर्यातकों के आकड़ा समूह के सत्यापन के दौरान जाँच की गई है और इस निष्कर्ष में उन पर उचित ढंग से ध्यान दिया गया है।

ज. गोपनीयता

66. हितबद्ध पक्षों ने अपने विभिन्न अनुरोधों में अन्य पक्षों के गोपनीयता के दावों का मुद्दा उठाया है। इस मुद्दे की प्रारंभिक जाँच परिणामों में ही जाँच की गई थी और यह नोट किया गया कि हितबद्ध पक्षों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जाँच की गई थी। संतुष्ट होने पर प्राधिकारी ने जहां कहीं भी आवश्यक समझा है, गोपनीयता के दावे को स्वीकार किया है तथा उसे गोपनीय सूचना माना है और उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकट नहीं किया है। जहां कहीं भी संभव हुआ है, वहां हितबद्ध पक्षकारों को निर्देश दिया गया है कि वे गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना के पर्याप्त अगोपनीय वृत्तान्त प्रदान करें। प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए प्रमाणों के अगोपनीय वृत्तान्त को एक सार्वजनिक फाईल के रूप में उपलब्ध कराया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि सार्वजनिक क्षेत्राधिकार के अंतर्गत उपलब्ध किसी भी सूचना को गोपनीय नहीं माना जा सकता है। प्रारंभिक जाँच परिणाम जारी होने के बाद इस स्थिति में कोई बदलाव नहीं है।

67. हितबद्ध पक्षों द्वारा उठाये गए अन्य मुद्दों पर इस जाँच परिणाम के संगत भागों में ध्यान दिया गया है और संक्षिप्तता के लिए उन्हें यहां दोहराया नहीं गया है।

झ. पाटन की मात्रा और सीमा के निर्धारण की पद्धति

68. प्राधिकारी ने जाँच शुरूआत को अधिसूचित किया और संबद्ध देश से उत्पादकों और निर्यातकों के प्रश्नावली के उत्तरों को आमंत्रित किया। जैसे पहले नोट किया गया है, नमूना प्रक्रिया के गुजरने के बाद निम्नलिखित प्रतिदर्श चीन के उत्पादकों/निर्यातकों ने वर्तमान जाँच में निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है:

- क. गुआंगडोंग हाओसेन सेरामिक्स कं. लि. (उत्पादक) – फोशान हाओसेन इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि., मै. फोशान किहुटसेरामिक कं. लि., मै. कुन लेगी लि. (निर्यातक)
- ख. मै. फोशान लिहुआ सेरामिक्स कं. लि. (उत्पादक) – मै. फोशान हेनरी ट्रेडिंग कं. लि. (निर्यातक)

- ग. मै. फोशान चैनचेंग जिनयी सेरामिक्स कं. लि. (उत्पादक) – मै. फोशान वोरसिटर ट्रेड कं. लि. (निर्यातक)
- घ. फोशान किआंगबायो सेरामिक्स कं. लि. (उत्पादक) – मै. फोशान हांगलियो ट्रेड कं. लि. और मै. शीनवे कापेरिशन लि. (निर्यातक)
- ङ. मै. सदरन बिल्डिंग मैटेरियल्स एंड सेनिटरी कंपनी लि. ऑफ क्विंगयुआन सिटी, मै. जिआंगसी फुलिंगाओ सेरामिक्स कं. लि. और मै. गुआंगडोंग लकजरी माइक्रोक्रीस्टल स्टोन टेक्नोलाजी कं. लि. (संबंधित उत्पादक) – मै. न्यू झोंग युआन सेरामिक्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. ऑफ गुआंगडोंग (निर्यातक)
- च. मै. गुआंगडोंग गेलाइसी सेरामिक्स कं. लि. और मै. फोशान सेनशुई हुइवांजिया सेरामिक्स कं. लि. (संबंधित उत्पादक) – मै. फोशान न्यूपर्ल ट्रेड कं. लि. (निर्यातक)

69. इन नमूना उत्पादकों और निर्यातकों में से चीन की निम्नलिखित कंपनियों ने पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए बाजार अर्थव्यवस्था का दावा किया है और गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की मान्यता का खंडन करते हुए एमईटी संबंधी प्रश्नावली का उत्तर दिया है:

- क. मै. फोशान चैनचेंग जिनयी सेरामिक्स कं. लि.
- ख. गुआनडोंग हाओसेन सेरामिक्स कं. लि.
- ग. गुआनडोंग न्यूपर्ल सेरामिक्स ग्रुप कं. लि.
- घ. मै. फोशानलिहुआ सेरामिक्स कं. लि.
- ङ. मै. फोशान हेनरी ट्रेडिंग कं. लि.

70. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि निम्नलिखित गैर-प्रतिदर्शित पक्षों ने भी निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है और नियमावली के नियम 17 के अनुसार अलग-अलग व्यवहार की मांग की है :

- क. फोशान गनी सेरामिक टाइल्स कं. लि.
- ख. किनगुआन गनी सेरामिक टाइल्स कं. लि.
- ग. फोशान क्लाउड्स इम्प एंड एक्स. कं. लि.
- घ. फोशान नान हाइ रोंगजा इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट ट्रेडिंग कं. लि.
- ङ. गोल्ड फुल हाउस बिल्डिंग मैटेरियल कं. लि.
- च. किनगुआन किंगबाओ सेरामिक्स कं. लि.
- छ. जिन जिंग जिआन झिसेंग सेरामिक्स कं. लि.

71. तथापि, समय और अन्य सीमाओं संबंधी कमी पर विचार करते हुए प्राधिकारी जॉच और अलग मार्जिनों के निर्धारण के लिए इन उत्तरों को स्वीकार नहीं कर सकते हैं।

72. अपने प्रारंभिक निर्धारण में, प्राधिकारी ने अलग प्रश्नावली के उत्तर और नमूना उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत आकड़ों पर विचार नहीं किया क्योंकि आगे जॉच और सत्यापन होने तक सूचना में कुछ अंतर था। तदनुसार, चीन से सभी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए पाटन का अनंतिम निर्धारण नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 के अनुसार परिकल्पित सामान्य मूल्य के आधार पर किया गया और सभी निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत उस अवधि के आयात आकड़ों के प्रयोग द्वारा नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निर्धारित की गई है।

73. प्रारंभिक जॉच परिणाम जारी होने के बाद हितबद्ध पक्षों ने अनंतिम निर्धारण के संबंध में अनेक मुद्दे उठाए जिनका सारांश निम्नानुसार है :

क. प्रतिवादी हितबद्ध पक्षों के विचार

i. चाइना चैम्बर आफ कामर्स आफ मेटल, मिनरल्स एंड कैमिकल इम्पोर्टर एंड एक्सपोर्टर

74. चाइना चैम्बर आफ कामर्स ने अपने विभिन्न अनुरोधों में पाटन के अनंतिम निर्धारण का विरोध किया है और अन्य बातों के साथ-साथ निम्नानुसार तर्क दिए हैं :

- यह कि संबद्ध वस्तु से संबंधित पूर्ववर्ती जॉच में चीन जन. गण. से अनेक उत्पादकों/निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार (एमईटी) प्रदान किया गया। तथापि प्राधिकारी ने प्रारंभिक जॉच परिणाम में निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया है जो पहली प्रक्रिया से असंगत है।
- कि चीन जन. गण से उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य को पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 1 से 6 के अनुसार निर्धारित किया जाना चाहिए। प्राधिकारी ने पहले दो विकल्पों का प्रयोग किए बिना अंतिम विकल्प के आधार पर

सामान्य मूल्य की गणना की प्रक्रिया की है, जिसका कारण केवल यह है कि संगत सूचना याचिकाकर्ताओं के पास उपलब्ध नहीं थी। शेनयांग मातसुशीता एस. बैटरी कं. लि. बनाम एक्साइड इंडस्ट्रीज लि. और अन्य (2005) 3एससीसी 39 निर्णय पर भरोसा करते हुए यह तर्क दिया गया है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी अंतिम विकल्प का प्रयोग तभी कर सकते हैं जबकि पहले दो विकल्पों का प्रयोग हो गया हो।

- कि प्राधिकारी ने निर्यात कीमत की गणना के लिए डीजी मूल्यांकन के आकड़ों का हितबद्ध पक्षों को उन्हें उपलब्ध कराए बिना प्रयोग किया है। इसके अलावा प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंड एस के आकड़ों का प्रयोग नहीं करने और निर्यात कीमत की गणना के लिए डीजी मूल्यांकन के आकड़ों को प्रयोग करने के कारण नहीं बताये हैं।

ii. फोशान लिहुआ और फोशान हेनरी ट्रेडिंग कं. लि. चीन

75. इस कंपनी समूह ने अपने-अपने अनुरोधों में निम्नानुसार तर्क दिए हैं :

- कि प्राधिकारी ने गैर-मौजूद आधारों पर बाजार अर्थव्यवस्था के उनके दावे को स्वीकार नहीं किया है यद्यपि उन्होंने जरूरी सूचना और साक्ष्य एमईटी दावे के समर्थन में प्रस्तुत किए थे और पक्षों को पहली जाँच में इसी उत्पाद के लिए एमईटी दिया गया था।
- प्राधिकारी ने पहले दो विकल्पों का प्रयोग किए बिना अंतिम विकल्प के आधार पर सामान्य मूल्य की गणना की प्रक्रिया की है, जिसका कारण केवल यह है कि संगत सूचना याचिकाकर्ताओं के पास उपलब्ध नहीं थी।
- कि प्राधिकारी ने यह विनिर्दिष्ट नहीं करके नियम 7 के उल्लंघन का कार्य किया है कि किसी देश को प्रतिनिधि देश के रूप में लिया जाए यदि उक्त प्राधिकारी ने अंतिम रूप से यह निर्णय कर लिया है कि फर्में बाजार अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों पर कार्य नहीं कर रही हैं।
- कि फोशान हेनरी ने अपने संबंधित उत्पादक से प्राप्त संबद्ध वस्तु के 97.08 प्रतिशत का निर्यात किया है जो बहुत कम मात्रा है अर्थात् भारत को निर्यात के 2.92 प्रतिशत चीन से अन्य असंबंधित उत्पादकों से खरीदे गए थे और फोशान को ज्ञात नहीं था वे अपना उत्तर प्रस्तुत करें। इसलिए कमी संबंधी प्रश्नावली जारी किए बिना उनके आकड़ों को अस्वीकार करना उचित नहीं है।
- कि पाटन मार्जिन की गणना पाटनरोधी नियमावली के परिशिष्ट 1 के पैरा 6 (i) और पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 2.4 के अनुसार की जानी चाहिए। प्राधिकारी को डीजी मूल्यांकन के आकड़ों के आधार पर निर्यात कीमत और पंधुच मूल्य निर्धारित करने के लिए प्रयुक्त संबद्ध वस्तु के आयातों का अंतिम मूल्य प्रदान करना चाहिए। निर्यात कीमत की पूरी गणना डीजी मूल्यांकन के आकड़ों पर आधारित है जिसे प्रकट किया जाना चाहिए क्योंकि इसे घरेलू उद्योग द्वारा गोपनीय नहीं माना जा सकता है।
- कि औसत सामान्य मूल्य और निर्यातक कीमत को अपनाता नुतिपूर्ण है क्योंकि संबद्ध वस्तु की कीमतों में उत्पाद किस्मों, मोटाई, आकार, फिनिश आदि के अनुसार अंतर होता है। प्राधिकारी को विभिन्न अन्य जांचों में अपनाई गई प्रक्रिया का पालन करना चाहिए जिनमें उन्होंने उत्पाद कोड की तुलना को लिया था।
- कि प्राधिकारी ने पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन की गणना के लिए संकेतात्मक कीमत के आधार पर गलती से निर्यात कीमत और पंधुच मूल्य के मूल्य का प्रयोग किया है। डीजी (मूल्यांकन) से यह स्पष्टीकरण था कि कोई एमआईपी नहीं है जैसा आवेदकों ने आरोप लगाया है परंतु प्राधिकारी ने आगे की प्रक्रिया की और डीजी (मूल्यांकन) द्वारा प्रदत्त मूल्य का प्रयोग किया। प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस के आकड़ों का प्रयोग नहीं करके गलती की है।

iii. न्यू झोंग युआन गुप आफ कंपनीज

76. इस कंपनी समूह ने अपने अनुरोधों में निम्नानुसार तर्क दिया है :

- कि प्राधिकारी ने गलती से उनका निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर अस्वीकार किया है। प्राधिकारी ने उत्तर प्रस्तुत करने के लिए सीमित दिशानिर्देश जारी किए और केवल मै. न्यू झोंग युआन सेरामिक्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि., मै. सदरन विलिडिंग मैटेरियल्स एंड सेनिटरी कंपनी लि. ऑफ़ क्विंगयुआन सिटी, मै. जिआंगसी फुलिंगाओ सेरामिक्स कं. लि. और मै. गुआंगडोंग लक्जरी माइक्रोक्रीस्टल स्टोन टेक्नोलाजी कं. लि. को नमूने में लिया है। तथापि प्राधिकारी ने इन उत्पादकों और निर्यातकों के प्रश्नावली के उत्तर को मनमाने ढंग से इस आधार पर अस्वीकार कर दिया कि न्यू झोंग युआन ने भी कतिपय अन्य उत्पादक की उत्पादित कतिपय वस्तु का निर्यात किया था जिसने प्रश्नावली का उत्तर नहीं दिया। चूंकि प्राधिकारी ने नमूना लेने का निर्णय लिया और जो प्रश्नावली का उत्तर देने के पात्र हैं इन असंबंधित उत्पादकों को क्यू आर प्रस्तुत नहीं करना था।
- प्राधिकारी को पाटनरोधी शुल्क को उत्पादक-निर्यातक संयोजन के लिए निर्धारित करना चाहिए और न कि निर्यातक-उत्पादक संयोजन के लिए। इसलिए प्राधिकारी को निर्यातक द्वारा प्रस्तुत सूचना का प्रयोग करना चाहिए।
- प्राधिकारी मात्रा विश्लेषण के लिए डीजीसीआईएंडएस आकड़ों पर भरोसा कर रहे हैं जबकि निर्यात कीमत की गणना के लिए डीजी मूल्यांकन से प्राप्त आकड़ों पर भरोसा कर रहे हैं जो मनमाना है।

iv. मै. गुआंगडोंग हाओसेन एंड ग्रुप, मै. फोशान न्यू पर्ल एंडग्रुप, मै. (क)फोशान क्वांगबायो सेरामिक्स एंड ग्रुप, मै. (एच) फोशान चैन चेंग जिनाइल सेरामिक्स एंड ग्रुप और कुछ गैर-नमूना उत्पादक और निर्यातक

77. इस कंपनी समूह ने अपने संबंधित और संयुक्त अनुरोधों में निम्नानुसार तर्क दिया है :

- जिस प्रकार से नमूना और सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों को अलग पाटन मार्जिन देने से इनकार किया गया है वह मनमाना है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने प्रारंभिक निर्धारण के लिए नमूना निर्यातकों द्वारा प्रदत्त सूचना की अनदेखी की है और सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर मार्जिन निर्धारित किए हैं अर्थात् डीजीसीआईएंडएस के आकड़ों और डीजी मूल्यांकन के आकड़ों आदि पर निर्यात कीमत आदि के संबंध में भरोसा किया है और उसका ब्यौरा भी गोपनीयता की आड़ में प्रतिवादी हितबद्ध पक्षों को नहीं बताया गया है।
- चूंकि नमूना निर्यातकों को मार्जिन उपलब्ध तथ्य आधार पर निर्धारित किया गया है इसलिए गैर नमूना पक्षों के लिए भरित औसत मार्जिन निर्धारित करते समय उस पर ध्यान नहीं दिया जाना चाहिए।
- प्राधिकारी ने प्रतिवादी पक्षों के वैध अधिकारों और हितों पर कोई ध्यान नहीं दिया है और उन्हें कोई स्पष्टीकरण प्रदान करने या अपने मामले में कतिपय बिंदुओं पर उचित ढंग से दलील देने का कोई उचित अवसर प्रदान नहीं किया है, जैसा प्रारंभिक जॉच परिणामों में लगता है जिससे ऐसे पक्षकारों से अंतिम निष्कर्ष का परिणाम बदल गया होता।
- गैर नमूना उत्पादकों/निर्यातकों के लिए अंतिम एडी शुल्कों की वर्तमान सिफारिश एडी नियमावली द्वारा समर्थित नहीं है और एडी नियमावली का उल्लंघन करके इसकी सिफारिश की गई है जिसमें अंतिम निष्कर्ष के समय इन सिफारिशों की पुष्टि न करके सुधार किया जाए ताकि जॉच को डब्ल्यूटीओ करार और भारतीय एडी नियमावली के अनुरूप बनाया जा सके।
- प्राधिकारी ने प्रारंभिक जॉच परिणाम में प्रदत्त सूचना के लिए अलग-अलग स्रोतों का प्रयोग किया है। प्राधिकारी ने डीजीसीआईएंडएस, डीजी प्रणाली और डीजी मूल्यांकन से आयात आकड़े लिए हैं परंतु आयातों की मात्रा के लिए डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त आयात आकड़ों पर भरोसा किया और प्रारंभिक निष्कर्षों के प्रयोजनार्थ आयातों की कीमतों के लिए डीजी मूल्यांकन के आकड़ों पर भरोसा किया है। मात्रा और कीमत के लिए इस प्रकार से अलग अलग स्रोत से आयात आकड़े लेना बिल्कुल उचित नहीं है।

ख. अन्य हितबद्ध पक्षकार

78. उक्त हितबद्ध पक्षकारों के अलावा, निम्नलिखित गैर प्रतिदर्श उत्पादकों और निर्यातकों ने भी उन्हें समय पर प्रतिदर्श प्रश्नावली का उत्तर प्राधिकारी द्वारा दिए गए निदेशों के अनुसार प्रस्तुत करने के बावजूद नमूने में शामिल नहीं किए जाने के संबंध में अनुरोध किए हैं। इसलिए यह तर्क दिया गया कि प्राधिकारी की प्रक्रिया पाटनरोधी करार के अनुबंध 11 के अनुच्छेद 6 से असंगत है :

- i. फोशान नन्हाई जिनिताओ सेरामिक्स कं. लि.
- ii. जिफेंग डेकोरेटिव मैटेरियल कं. लि. (जिफेंग)
- iii. फोशान जिबाली सेरामिक्स कं. लि. (जिनवाली)
- iv. फोशान सनसुई चेंगडा बिल्डिंग मैटेरियल फैक्टरी (चेंगडा)
- v. फोशान जायसन 9 संबद्ध उत्पादकों के साथ
- vi. गुआंगझूकोविन न्यू मैटेरियल कं. लि. (कोविन)
- vii. पारकोस
- viii. गुआनसि गोशेन पार्सेलाबोबो सेरामिक्स कं. लि. (गोसेन)
- ix. जिंगसि शिवान हुआनकि सेरामिक्स कं. लि. (शिवान हुआनकि)
- x. जिबो जिंहुई सेरामिक्स कं. लि.
- xi. गुआंगझू मेटल्स
- xii. फोटाइल
- xiii. डांगपेन
- xiv. एडफेल

79. उक्त पक्षों के अलावा, मै. फोशान गनी सेरामिक टाइल्स कं. लि. और किंगुआन गनी सेरामिक्स कं. लि. ने अनुरोध किया है कि प्राधिकारी ने उनके द्वारा प्रस्तुत आकड़ों को मनमाने ढंग से अस्वीकार किया है। संधि तथा पाटनरोधी नियम स्पष्ट रूप से प्राधिकारी के ऊपर यह दायित्व रखते हैं कि वह प्रतिदर्श के लिए आरंभ में नहीं चयनित निर्यातकों के लिए अलग पाटन मार्जिन निर्धारित करें बशर्ते कि उत्पादक समय अनुसार आवश्यक सूचना प्रस्तुत करें। यह तर्क दिया गया है कि केवल पाँच गैर-नमूना निर्यातकों ने निर्यातक/एमईटी प्रश्नावली प्रस्तुत की है। ऐसी अलग जाँच प्राधिकारी के लिए बोझिल नहीं होती है और इससे जाँच को समय पर पूरा करने में अड़चन डालेगी। पूर्व में प्राधिकारी ने पक्षों को उत्तर देने का मौका दिया और अलग पाटन मार्जिन भी प्रदान किया। पहले प्राधिकारी द्वारा निर्णित मामलों का संदर्भ दिया गया है जैसे चीन जन. गण. से सिलक फेब्रिका। प्राधिकारी इन कंपनियों द्वारा प्रस्तुत उत्तर को अस्वीकार करने का कोई कारण नहीं बता पाए हैं। यह तर्क दिया गया है कि प्राधिकारी एक अर्द्ध-न्यायिक निकाय होने के नाते प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का अनुपालन करें।

80. इस कंपनी ने यह भी तर्क दिया है कि उन्हें गलती से असहयोगी उत्पादक/निर्यातक के रूप में वर्गीकृत किया गया है जबकि फोशान गनी सेरामिक टाइल कं. लि. (उत्पादक) और किंगियान सेरामिक टाइल्स कं. लि. ने प्राधिकारी द्वारा जारी की गई नमूना प्रश्नावली का उत्तर दिया था। तथापि प्राधिकारी ने उन्हें नमूने में नहीं रखा। इसलिए उन्होंने सहयोग गैर-नमूना निर्यातक/उत्पादक माना जाना चाहिए और न कि अवशिष्ट शुल्क के साथ असहयोगी निर्यातक।

ग. घरेलू उद्योग के विचार

81. दूसरी ओर घरेलू उद्योग ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :

- कि चीन के उत्पादकों का भारत को निर्यात के संबंध में एक जटिल जाल है। इसके अलावा, भारत को संबद्ध वस्तु की आपूर्ति के संबंध में उत्पादकों और निर्यातकों की मूल्य शृंखला अधूरी है।
- कि खरीद कीमत और बिक्री कीमत के बीच कोई सह-संबंध नहीं है क्योंकि निर्यातक बल्क में खरीद रहा है और विभिन्न बाजारों में उन्हें बेच रहा है। कतिपय मामलों में टाइल का रूप कतिपय कंपनियों द्वारा बनाया जाता है और अन्य कंपनियाँ संबद्ध वस्तु के उत्पादन से संबंधित कोई अन्य कार्यकलाप कर रही हैं। इसलिए कंपनी जो टाइल बाड़ी का उत्पादन करती है और न केवल वह कंपनी जो पालिश का कार्य करती है पर विचार करते हुए पूर्ति शृंखला की जाँच की जानी चाहिए।
- कि उत्पादक की कीमत और निर्यातक कीमत एक समान नहीं है और उत्पादक वर्तमान जाँच में हमेशा संबद्ध वस्तु की आपूर्ति के संबंध में निर्यातक नहीं हैं। इसलिए वह कीमत जिस पर उत्पादक ने निर्यातक को उत्पाद को बेचा है पाटन मार्जिन की गणना के लिए निर्यात कीमत नहीं बन जाता है। इसके आलोक में जाँच में व्यापारी या निर्यातक का उत्तर जरूरी है। किसी उत्पादक यह निर्यातक के प्रश्नावली के उत्तर के आधार पर अलग पाटन मार्जिन निर्धारित किया जाना चाहिए।

घ. प्राधिकारी द्वारा जाँच

82. विभिन्न हितबद्ध पक्षों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों की अंतिम निर्धारणों के लिए प्राधिकारी द्वारा जाँच की गई है जैसे इस जाँच परिणाम के संगत खंडों में दर्ज किया गया है। कुछ सामान्य मुद्दों का समाधान निम्नानुसार किया गया है :

83. जैसे पहले नोट किया गया है प्राधिकारी ने नमूना मापदंडों को अधिसूचित किया, सभी हितबद्ध पक्षों से टिप्पणियाँ आमंत्रित कीं और उसके बाद प्रतिदर्श प्रश्नावली आमंत्रित की। इन नमूनों को कतिपय वस्तुनिष्ठ मापदंडों के आधार पर और शामिल कार्य की मात्रा के व्यावहारिक पहलुओं पर विचार करते हुए लिया गया था, जिसे तर्कसंगत रूप से समयबद्ध ढंग से पूरा किया जा सके। नमूना लेने का मूल प्रयोजन सार्थक निर्धारण के लिए एक प्रतिनिधि नमूना लेना है जो संसाधनों पर अधिक दबाव डाले बिना और जाँच की समय-सीमा को प्रभावित किए बिना तर्कसंगत रूप से संभाला जा सके। इसलिए नमूना प्रश्नावली दायर करने वाले प्रत्येक उत्पादक और निर्यातक को नमूना लिए गए पक्षों के रूप में शामिल नहीं किया जा सकता है। उक्त को देखते हुए, उक्त पक्षों द्वारा की गई आपत्तियाँ व्यवहार्य नहीं हैं।

84. मै. फोशान गनी सेरामिक टाइल्स कं. लि. द्वारा नियम 17 के दूसरे परंतुक के अधीन अलग मार्जिन के दावे को स्वीकार न करने के संबंध में उठाये गए मुद्दे के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि नियम में स्वयं यह स्पष्ट है कि यह प्राधिकारी के लिए बाध्यकारी उपबंध नहीं है। केवल मामले के वास्तविक पहलू में जहाँ निर्यातकों या उत्पादकों की संख्या अधिक नहीं है तो अलग जाँच अनावश्यक रूप से बोझिल नहीं होगी और जाँच को पूरा करने में बाधा न डालें, वहाँ प्राधिकारी के पास अलग मार्जिन के निर्धारण के लिए अलग उत्पादकों से अनुरोध स्वीकार करने के लिए स्वतंत्र हैं। वर्तमान मामले में उत्पादकों और निर्यातकों की संख्या काफी अधिक है जिससे नमूना पक्षकारों से कमोबेश अलग-अलग मार्जिन का अनुरोध स्वीकार करना काफी मुश्किल होगा। अतः इस पक्ष के तर्क अव्यवहार्य हैं।

85. फोशान गनी सेरामिक टाइल कं. लि. (उत्पादक) और किंगियान सेरामिक टाइल्स कं. लि. (निर्यातक) के इस तर्क के संबंध में कि उन्हें गलती से असहयोगी उत्पादक/निर्यातक के रूप में वर्गीकृत किया गया है, यह नोट किया जाता है कि इन कंपनियों ने नमूना प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया था यद्यपि वे नमूने के रूप में चयनित नहीं हुईं। अतः अब उन्हें गैर नमूना श्रेणी में शामिल किया गया है।

86. नमूना उत्पादकों और निर्यातकों के इस तर्क के संबंध में कि उनके एमईटी दावों और अन्य आकड़ों को प्रारंभिक जाँच परिणामों में मनमाने ढंग से उपेक्षित कर दिया गया और निर्धारण के लिए अनेक आकड़ा स्रोतों का प्रयोग किया गया है प्राधिकारी नोट करते हैं कि इन पक्षों के सौदे के तरीके के संबंध में पूरी और सत्यापन योग्य सूचना के अभाव और कुछ प्रतिवादी कंपनियों के बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे

संबंधी स्पष्टता के अभाव के कारण प्राधिकारी को उस सूचना की अनदेखी करनी पड़ी और अपना अनंतिम निर्धारण उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया। तथापि सभी नमूना निर्यातकों के आकड़ों और अन्य सूचना की मौके पर जाँच के जरिए संभव सीमा तक सत्यापन किया गया है और सत्यापित आकड़ों पर उनके सही पाये जाने की सीमा तक अंतिम निर्धारणों में प्रयोग किया गया है।

87. प्रारंभिक जाँच परिणामों में निर्धारण के लिए आयातों के अनेक आकड़ा स्रोतों के प्रयोग के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि चूंकि सांख्यिकीय आकड़ों में मूल्यों को दर्ज करने के संबंध में एक समस्या थी प्राधिकारी को अनेक आकड़ों का प्रयोग करके सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर कीमत का आकलन करना था। जैसा पहले रिकार्ड किया गया है, डीजीसीआईएंडएस के आकड़ों और सीमाशुल्क प्राधिकारियों से प्राप्त सूचना में बताई गई कीमत में अंतर स्पष्ट रूप से सिद्ध हुआ है जिससे दो भिन्न प्रयोजनों के लिए अलग-अलग आकड़ा सेटों का प्रयोग आवश्यक हो गया।

88. तथापि अब जबकि नमूना उत्पादकों और निर्यातकों जो भारत में निर्यातों का प्रमुख हिस्सा बनाते हैं के आकड़े सत्यापित हो गये हैं। इस आकड़े का पाटन और क्षति के अंतिम निर्धारण के लिए जहां तक इन आकड़ों को स्वीकार्य पाया जाता है, प्रयोग किया जाना प्रस्तावित है।

89. घरेलू उद्योग के इस तर्क के संबंध में कि चीन के उत्पादकों के सौदों का एक जटिल जाल है और मूल्य श्रृंखला संबंधी मुद्दे हैं प्राधिकारी नोट करते हैं कि इन सभी मुद्दों की सभी नमूना उत्पादकों के मौके पर सत्यापन के दौरान जाँच की गई है और उक्त पक्षों के सत्यापित आकड़ों पर उनके सही पाये जाने की सीमा तक इस निर्धारण के प्रयोजनार्थ विचार किया गया है।

ज . बाजार अर्थव्यवस्था के दावों की जाँच

90. जैसा पहले नोट किया गया इस मामले को इस धारणा के साथ शुरू किया गया कि चीन में उत्पादक और निर्यातक गैर बाजार अर्थव्यवस्था दशाओं के अधीन कार्य करते हैं और अलग-अलग उत्पादकों और निर्यातकों को एमईटी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत करके इस धारणा का खंडन करने का अवसर दिया गया। निम्नलिखित प्रतिदर्शित उत्पादकों/निर्यातकों ने इस जाँच में बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा करते हुए एमईटी प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है:

- i. मै. फोशान चेंचेंग जिनयि सेरामिक्स कं. लि.
- ii. गुआंगडोंग हाओसेन सेरामिक्स कं. लि.
- iii. गुआंगडोंग न्यूपर्ल सेरामिक्स ग्रुप कंपनी लिमिटेड
- iv. मै. फोशान लिहुआ सेरामिक्स कं. लि.
- v. मै. फोशान हेनरी ट्रेडिंग कं. लि.

91. उक्त में से मै. फोशान चेंचेंग जिनयि सेरामिक्स कं. लि. और मै. गुआंगडोंग हाओसेन सेरामिक्स कं. लि. ने सत्यापन के दौरान बाजार अर्थव्यवस्था के व्यवहार संबंधी अपने दावे को वापस ले लिया। गुआंगडोंग न्यूपर्ल सेरामिक्स ग्रुप कंपनी लिमिटेड, फोशान लिहुआ सेरामिक्स कं. लि. और फोशान हेनरी ट्रेडिंग (लिहुआ समूह) के बाजार अर्थव्यवस्था के दावों की निम्नानुसार जाँच की गई है :

क. गुआंगडोंग न्यू पर्ल सेरामिक्स कं. लि.

92. कंपनी ने दावा किया है कि न्यू पर्ल ग्रुप को सेरामिक टाइल और विट्रिफाइड टाइलों की पाटनरोधी जाँच जिसमें फोशान न्यू पर्ल ट्रेड कं. लि. द्वारा निर्यातित और फोशान शनसुई हुवाजिया सेरामिक्स कं. लि; और फोशान समिट सेरामिक कं. लि. (अब जिसे गुआंगडोंग जेलैसी सेरामिक्स कं. लि. के रूप में जाना जाता है) द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु शामिल थी, में 2007 और 2008 में एमईटी प्रदान किया गया था। तदनुसार, इस समूह ने इस मामले में भी बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का दावा किया है।

93. यह बताया गया है कि गुआंगडोंग न्यूपर्ल सेरामिक्स ग्रुप कंपनी लिमिटेड 1993 में स्थापित हुई और इसमें अनेक कंपनियां शामिल हैं जिनमें से सात (7) कंपनियां विचाराधीन उत्पाद में शामिल हैं। समूह कंपनी के अलावा और एक(1) व्यापारी कंपनी है पाँच (5) उत्पादक कंपनियां हैं जो सेरामिक और विट्रिफाइड दोनों टाइलों का साल्युबल साल्ट, डबल चार्ज, पालिशड और ग्लेज्ड विट्रिफाइड टाइलों और माइक्रो क्रिस्टल विट्रिफाइड टाइलों सहित उत्पादन करती हैं। पाँच (5) उत्पादक कंपनियों में से केवल दो (2) ने प्रश्नावली का उत्तर दिया है और व्यापारी कंपनी ने भी प्रश्नावली का उत्तर दिया है। कंपनी ने बताया है कि अन्य तीन उत्पादक कंपनियों द्वारा उत्पादित वस्तुओं को पीओआई के दौरान भारत को निर्यात नहीं किया गया है। अतः उन्होंने क्यूआर प्रस्तुत नहीं किया है।

94. इसके अलावा, ग्रुप में संबद्ध वस्तुओं से असंबद्ध अन्य व्यवसाय वाली अन्य कंपनियां हैं। कंपनी ने दावा किया है कि 2007 और 2008 में बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे के बाद कंपनियों की स्थिति में कोई बदलाव नहीं आया है बस एक उत्पादक कंपनी का यथोक्त अनुसार नाम बदल गया है।

95. फोशान समिट का नाम बदलकर गेलासी होने के संबंध में कंपनी से पुरानी कंपनी और नई कंपनी के सस्था के नियम, लेखा परीक्षा रिपोर्ट और व्यवसायिक लाइसेंस प्रस्तुत करने के लिए कहा गया। यह नोटिस किया गया कि यद्यपि नाम में बदलाव की तारीख व्यवसाय लाइसेंस में 01.11.2011 दर्शाई गई है तथापि संस्था के नियम में नई कंपनी की तारीख 11.04.2012 बताई गई है जो व्यवसाय लाइसेंस के अनुरूप नहीं है। एओए में 13.09.2013 को और बदलाव किया गया जिसमें प्रदत्त पूंजी और शेयरधारिता के पैटर्न में संशोधन किए गए।

96. सत्यापन के दौरान बाजार अर्थव्यवस्था के दावों की जाँच के लिए कंपनी से गुप कंपनी और प्रतिवादी कंपनियों सहित संबद्ध कंपनियों के संबंध में कतिपय दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए कहा गया। कंपनी कुछ को छोड़कर उनमें से कोई दस्तावेज नहीं दे पाई।

97. कंपनी ने दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए अतिरिक्त समय मांगा क्योंकि वे दस्तावेज तत्काल उपलब्ध नहीं थे। तथापि सत्यापन के अगले दिन कंपनी ने अपेक्षाओं को पूरा करने में असमर्थता जताई। इसलिए इन कंपनियों की पूरी स्थिति और उनके कार्यकलाप का सत्यापन नहीं किया जा सका। उक्त को देखते हुए, प्राधिकारी इस समूह को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा नहीं देने के लिए बाध्य हैं।

ख. मै. फोशान लिहुआ सेरामिक्स कं. लि. और मै. फोशान हेनरी ट्रेडिंग कं. लि.

98. मै. फोशान लिहुआ सेरामिक्स कं. लि. (उत्पादक) और मै. फोशान हेनरी ट्रेडिंग कं. लि. (निर्यातक) जो संबंधित कंपनियां हैं ने एमईटी प्रश्नावली के उत्तर के साथ निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है जिसमें बाजार अर्थव्यवस्था व्यवहार का दावा किया गया है। यह भी नोट किया जाता है कि फोशान हेनरी के अलावा दो अन्य कंपनियां अर्थात् मै. फोशान स्विस सेरामिक कं. लि., फोशान और मै. फोशान विडोली सेरामिक कं. लि. हैं जो फोशान लिहुआ सेरामिक्स से संबंधित कंपनियां हैं जिसका कारण लिहुआ के मालिकों के परिवार के सदस्यों द्वारा इनमें शेयरधारिता है। यद्यपि इन दो कंपनियों को चीन में प्राधिकारियों के पास रजिस्टर्ड किया गया है तथापि सेरामिक और अन्य उत्पादों के व्यापार के लिए फोशान लिहुआ ने बताया है कि उन्होंने कोई व्यवसाय प्रतिष्ठान अब तक नहीं बनाया है। मै. फोशान लिहुआ सेरामिक कं. लि. ने इन दो कंपनियों के कर प्रमाण पत्र ये सिद्ध करने के लिए दिखाए हैं।

99. दोनों प्रतिवादी कंपनियों अर्थात् मै. फोशान लिहुआ सेरामिक्स कं. लि. (उत्पादक) और मै. फोशान हेनरी ट्रेडिंग कं. लि. (निर्यातक) ने यह अनुरोध किया है कि उत्पादक और निर्यातक के इस समूह को पूर्ववर्ती जाँच में बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा दिया गया था और पूर्ववर्ती मामले के बाद से कंपनी की संरचना में कोई बदलाव नहीं हुआ है। कंपनियों से उत्पादक कंपनी के इतिहास के बारे में पूछा गया जिसे 2001 में निर्मित बताया और निर्यातक कंपनी को 2005 में गठित बताया गया शेयरधारिता पैटर्न और उत्पादन इकाइयों आदि में विभिन्न स्तरों पर बदलाव हुए हैं।

100. सत्यापन के दौरान यह नोट किया गया कि मै. फोशान लिहुआ सेरामिक कं. लि. जिसे 2001 में अधिनियमित बताया का एक इतिहास है। यह बताया गया कि एक कंपनी जिसका नाम मै. ननहाई लिहुआ एडवांस्ड वाल एंड फ्लोर टाइल फेक्टरी जिसकी विनिर्माण सुविधा उसी स्थान पर थी अर्थात् झिकिओ लिआंसिन औद्योगिक जोन ननहाई जिला फोशान सिटी गुआंगडोंग, चीन और उसके मालिक वही शेयरधारक थे, पहले मौजूद थी। इस कंपनी को आरंभ में 1992 में उसी स्थान जहां लिहुआ का संयंत्र अब है में टाइल विनिर्माण इकाई के साथ 1992 में अधिनियमित किया गया था।

101. यह बताया गया कि 1998 में एक बाढ़ में संयंत्र बुरी तरह से नष्ट हो गया। उसके बाद उक्त कंपनी के मालिकों ने 2001 में मै. ननहाई लिहुआ सेरामिक इंडस्ट्रीयल कं. लि. के नाम से एक नई कंपनी खोली जिसे जून 2003 में बाद में बदलकर मै. फोशान लिहुआ सेरामिक इंडस्ट्रीयल कं. लि. बनाया गया। सितंबर 2003 में इसे पुनः बदलकर फोशान लिहुआ सेरामिक कं. लि. किया गया। उसके बाद कंपनी समय-समय पर पूंजीगत संरचना में बदलाव के साथ इस नाम से मौजूद है।

102. कंपनी ने बताया है कि इस मुद्दे की जाँच पहले की पूर्ववर्ती जाँच में की गई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पूर्ववर्ती जाँच में विस्तृत जाँच की गई थी जैसे कि पूर्ववर्ती न्यू शिपर समीक्षा जाँच परिणाम में दर्ज है। तथापि इस निष्कर्ष में 2001 की गतिविधि रिकार्ड है बाद में पुराने संयंत्र के नष्ट हो जाने के बाद कंपनी के नाम में परिवर्तन के रूप में जिसके लिए कंपनी को कुछ मुआवजा भी मिला था जैसा कि उस जाँच परिणाम में दर्ज है। यद्यपि अब ऐसा लगता है कि 2001 में बिलकुल नई कंपनी बनी है जिसने पुराने संयंत्र को एक अलग व्यवसाय इकाई के रूप में लिया।

103. चूंकि पुरानी और नई कंपनियों के बीच परिसम्पत्ति लेनदेन से लागत प्रभावित हो सकती है इसलिए कंपनी से पहली कंपनी के बंद होने, आस्तियों और उनकी देयताओं के परिसमापन और/या नई कंपनी को आस्तियों और भूमि के पट्टे के अंतरण उनके मूल्यों के साथ दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत करने को कहा गया। नई कंपनी के गठन के समय लेखा परीक्षा रिपोर्ट और आस्तियों के सत्यापन और मूल्यांकन रिपोर्टों को भी मांगा गया जो पुरानी कंपनी के संयंत्र और मशीनरी के मूल्यांकन को नई कंपनी की बही में दर्ज हो और अधिग्रहण की पद्धति का विवरण दें। कंपनी केवल 2001 के लिए नई कंपनी की लेखा परीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत कर पाई। पुराने संयंत्र की आस्तियों के अंतरण के कोई मूल्यांकन रिकार्ड प्रस्तुत नहीं किए जा सके।

104. कंपनी ने सत्यापन के दौरान यह दावा किया कि पूर्ववर्ती कंपनी की सभी आस्तियां बाढ़ में क्षतिग्रस्त हों गईं और नई कंपनी ने समान पट्टा भूमि पर संयंत्र और नई मशीनरी पुनः स्थापित की। कंपनी ने 2001 और 2002 की लेखा परीक्षा रिपोर्ट प्रस्तुत कीं जो 21.342 मिलियन आरएमबी पर 2001 में कतिपय संयंत्र और मशीनरी का अधिग्रहण दर्शाते हैं। कंपनी से इन आस्तियों की खरीद के लिए वित्तपोषण और उस वर्ष के तुलन पत्र में दर्शाए गए ऋणों और अग्रिमों के व्योरे के बारे में पूछा गया।

105. वर्ष 2001 की लेखा परीक्षा रिपोर्ट दर्शाती है कि कंपनी की शेयर पूंजी अधिनियम के समय केवल 5.0 आरएमबी थी। कंपनी ने विभिन्न स्रोतों से 9.0 मिलियन आरएमबी का ऋण लिया और 21.34 मिलियन आरएमबी मूल्य पर संयंत्र और मशीनरी को खरीदा। ऋणों और मशीनों की खरीद के व्योरे मांगे गए। यह पाया गया कि ऋण की अधिकांश राशि (3 मिलियन आरएमबी) व्याज की नगण्य दर 1.36 प्रतिशत पर ननहाई एग्रीकल्चर बैंक से ली गई थी। यह भी नोट किया गया कि कंपनी ने इस अवधि के दौरान केवल 2 लाइन टाइल विनिर्माण की स्थापना के लिए मशीनरी खरीदी थी। शेष लाइनों की स्थापना के संबंध में कोई रिकार्ड प्रस्तुत नहीं किया गया और इस संबंध में कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया जा सका कि क्या पहली कंपनी के पुराने संयंत्र और मशीनरी वही मूल्य के साथ या उसके बिना इस कंपनी द्वारा अधिग्रहीत किए गए थे।

106. कंपनी ने दावा किया कि भूमि स्थानीय सरकार से पट्टे वाली भूमि है और इसलिए उसे 2001 की आस्ति सूची में नहीं दर्शाया गया है। भूमि को लियाक्सिन गांव कलेक्टिव एसेट मैनेजमेंट कमेटी से 2021 तक के पट्टे पर लिया गया था। पहले 6 वर्षों के लिए पट्टा किराया 5.5 आरएमबी प्रति वर्ग मीटर प्रतिवर्ष था जो चालू अवधि में बढ़कर 11 आरएमबी/वर्गमी./वर्ष हो गया है। तथापि कंपनी यह स्पष्ट नहीं कर पाई कि पुरानी कंपनी की भूमि को कैसे नई कंपनी को हस्तांतरित किया गया।

107. प्रमुख कच्ची सामग्री की खरीद और उन पर सरकारी कीमत के प्रभाव की भी जाँच की गई। कच्ची सामग्री निजी कंपनी से खरीदी जाती है। परंतु सुविधाओं अर्थात् बिजली और पानी की आपूर्ति जो लागत का बड़ा हिस्सा है सरकार द्वारा नियंत्रित की जाती है। सुविधाओं के कीमत तंत्र की जाँच की गई और विद्युत टैरिफ पीओआई के लिए प्राप्त किया गया। प्रदेश के बिजली टैरिफ में क्षेत्र के विभिन्न औद्योगिक श्रेणियों के बीच दरों में काफी अंतर है।

108. कंपनी से पिछले 5 वर्षों के दौरान चीन में प्रचलित व्याज दर और विनिमय दर की प्रवृत्ति बताने के लिए कहा गया ताकि इन दोनों पर सरकार का नियंत्रण देखा जा सके। यह नोट किया गया कि व्याज दर सरकार द्वारा नियंत्रित है और उसमें कंपनी के ऋण दस्तावेजों के अनुसार दरों में काफी अंतर है। विनिमय दर पर भी सरकार का नियंत्रण है जिसमें पिछले 5 वर्षों में मुद्रा का काफी पुनःमूल्यनिर्धारण हुआ है।

109. भूमि जो उत्पादन का बड़ा साधन है सरकार/स्थानीय निकायों के नियंत्रण में है और उद्योगों को भूमि नाममात्र के पट्टा किराये पर दी जाती है जैसा लिहुआ में संदत्त पट्टा किराया से स्पष्ट है।

110. व्यापारिक कंपनी हेनरी को ग्रुप के निर्यातों को संभालने के लिए 2005 में लिहुआ के मालिकों द्वारा गठित किया गया जो लिहुआ के परिसर से ही प्रचालन करती है।

111. उक्त जाँच से पता चलता है कि नए संयंत्र का निधियन पारदर्शी नहीं है और पुरानी कंपनी/संयंत्र से नये संयंत्र में अंतरण भी पर्याप्त रूप से नई कंपनी के वित्तीय रिकार्डों में नहीं दर्शाया गया है जो संबद्ध वस्तु की लागत और कीमत को प्रभावित करता है। इसके अलावा लागत और कीमतों भी सुविधाओं और सरकारी एजेंसियों से ऋण के प्रावधान के कारण प्रभावित होती है जो मुख्यतः राज्य द्वारा नियंत्रित होती हैं और उनका संबद्ध वस्तु की लागत और कीमत पर काफी प्रभाव पड़ता है। इसलिए प्राधिकारी सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए चीन में घरेलू बाजार में उक्त उत्पादक की लागत और कीमतों को स्वीकार करना उचित नहीं समझते हैं।

ट. सामान्य मूल्य का निर्धारण

112. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 में निम्नानुसार उपबंध है:

"गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिनमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा। जहां उचित हो, उचित समय सीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जाँच पर भी ध्यान दिया जाएगा। जाँच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी।"

113. हितबद्ध पक्षों ने यह तर्क दिया है कि सामान्य मूल्य ज्ञात करने का सामान्य नियम बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत या परिकलित मूल्य या ऐसे किसी तीसरे देश से अन्य देशों की जाँच के अधीन देश सहित कीमत है। केवल उन मामलों जहाँ प्राधिकारी सामान्य नियम को लागू या प्रयोग नहीं कर पाते हैं किसी अन्य तर्कसंगत आधार का प्रयोग किया जाता है।

114. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यद्यपि 'गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति के मामले में सामान्य मूल्य के निर्धारण में एक निहित अनुक्रम है तथापि संबद्ध वस्तु के आकड़ों की उपलब्धता और तीसरे देश में लागत और कीमत का विस्तृत विश्लेषण करने में तीसरे देश के उत्पादकों का सहयोग मिलना हमेशा एक चुनौती रहता है। प्राधिकारी ने प्रारंभिक जाँच परिणाम में दर्ज किया है कि आरंभिक स्तर पर आवेदकों ने पाकिस्तान में प्रचलित कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य के निर्धारण का प्रस्ताव किया था। तथापि, प्राधिकारी ने माना कि चूंकि पाकिस्तान को विकास के अलग-अलग स्तर के कारण प्रतिनिधि देश नहीं माना जा सकता है। यह भी नोट किया गया कि किसी वैकल्पिक पद्धति का भी उपयोग नहीं किया जा सकता क्योंकि इन बाजारों में प्रचलित लागत और कीमतों के संबंध में ऐसी कोई सूचना प्राधिकारी को न तो आवेदकों द्वारा और न ही हितबद्ध पक्षों द्वारा प्रदान की गई और न ही ऐसे निर्धारण के लिए सार्वजनिक रूप से उपलब्ध किसी सूचना तक पहुंचा जा सका।

115. ऐसे मामले में चीन में सभी उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए सर्वोत्तम उपलब्ध पद्धति के रूप में प्राधिकारी ने ऊपर उद्धरित नियम में निर्धारित परिकलन पद्धति को अपनाया है।

116. यथा नोट किए गए विचाराधीन उत्पाद के सभी उत्पादन प्रकारों और अभिज्ञात आकारों के लिए सामान्य मूल्य निर्यात कीमत से उचित तुलना के लिए समान आधार पर निर्धारित किया गया है। इस प्रयोजनार्थ सामान्य मूल्य का निर्धारण पीओआई के दौरान सबसे कार्यकुशल घरेलू उत्पादक के अलग-अलग उत्पाद प्रकारों के उत्पादन की सत्यापित लागत का प्रयोग एसजीए व्यय और उचित लाभ मार्जिनों के लिए आवश्यक समायोजनो के साथ किया गया है जैसी प्रस्तुतीकरण के दौरान चर्चा की गई थी।

117. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद उचित तुलना के लिए केवल डबल चार्ज, सोल्यूबल साल्ड, विट्रिफाइड टाइलों और जीवीटी/पीजीवीटी तक ही सीमित है और आकारों को 600X600, 800X800 और अन्य आकारों के रूप में वर्गीकृत किया गया है। तदनुसार, उक्त उत्पाद प्रकारों के लिए सामान्य मूल्य चीन के सभी उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निम्नानुसार निर्धारित किया गया है :

ग्रेड	आकार	सीएनवी(अम.डॉ./प्रति वर्ग मी.)
जीवीटी/पीजीवीटी	600*600	***
	800*800	***
	अन्य	***
	उप-योग	***
डीसी	600*600	***
	800*800	***
	अन्य	***
	उप-योग	***
एसएस	600*600	***
	800*800	***

निर्यात कीमत

118. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सैंपल उत्पादकों और निर्यातकों की निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तरों की परिसरों में की गई स्थल पर (ऑन स्पॉट) जाँच के माध्यम से सत्यापित किया गया था और निर्यात कीमतों का संबंधित उत्पादकों/निर्यातकों के लिए निर्धारण जांच किए गए आंकड़ों के अनुसार उस सीमा तक किया गया है, जिस सीमा तक वे उपयुक्त पाए गए थे।

क. मै. सदर्न बिल्डिंग मैटेरियल्स एंड सेनेटरी कंपनी लि. ऑफ़ ड्रिंगयुआन सिटी, मै. जियांगसी फुलिंगाओ सेरामिक्स कं. लि. और मै. गुआंगडोंग लकजरी माइक्रोक्रिस्टल स्टोन टेक्नोलाजी कं. लि. (संबंधित उत्पादक) —मै. न्यू झोंग युआन सेरामिक्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. ऑफ़ गुआंगडोंग (निर्यातक)

119. चीन के न्यू झोंगयांग ग्रुप से संबंधित उपर्युक्त कंपनियों ने बाजार अर्थव्यवस्था ट्रीटमेंट के लिए दावा किए बिना एक प्रश्नावली प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया है। यह एक बड़ा ग्रुप है जिसमें संबंधित वस्तुओं के उत्पादन और बिक्री सहित कई व्यवसाय शामिल हैं। संबंधित उत्पाद के उत्पादन और/अथवा बिक्री करने के कार्य में कुल मिलाकर 17 कंपनियां हैं जिनमें से 9 कंपनियां उत्पादक हैं, 1 कंपनी भारत (अर्थात् एनजेडवाईसीआईई) और अन्य देशों के लिए निर्यातक हैं, 4 कंपनियां भारत के अलावा अन्य देशों के लिए निर्यातक हैं, 2 कंपनियां घरेलू बाजार में संबंधित उत्पाद की बिक्री के कार्य में लगी हुई हैं तथा 1 कंपनी ने व्यवसाय बंद कर दिया है।
120. यह नोट किया गया था कि तीन कंपनियां नामतः गोंगडोंग लकजरी माइक्रो क्रिस्टल स्टोन टेक्नोलॉजी कं. लि. ("जीडीएलएमएस"), जियांगजी फुलिंगाओ सिरेमिक कं. लि. ("जेएक्सएफएलजी") और साउदर्न बिल्डिंग मैटेरियल्स एंड सेनेटरी कं. लि. ऑफ़ क्युगयान सिटी ("एसबीएमएस") द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद के निर्यात जांच अवधि के दौरान भारत को ग्रुप की एक निर्यातक कंपनी अर्थात् मैसर्स न्यू झोंगयांग सिरेमिक्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. (एनजेडवाईसीआईई) के माध्यम से किए गए थे।
121. एनजेडवाईसीआईईएंडई ने पीओआई के दौरान भारत के लिए उत्पादित संबंधित वस्तुओं के *** वर्ग मीटर का निर्यात करने की सूचना दी है, जिसमें से *** प्रतिशत का उत्पादन 3 संबंधित उत्पादकों ने किया और शेष *** प्रतिशत का उत्पादन असंबद्ध उत्पादकों ने किया। एनजेडवाईसीआईई के द्वारा अन्य 6 संबंधित उत्पादकों के द्वारा उत्पादन की गई वस्तुओं का निर्यात नहीं किया है। इसको दर्शाने के लिए उत्पादकों के प्रासंगिक वैट बीजकों का पता लगाकर अलग-अलग उत्पादकों से एनजेडवाईसीआईई के द्वारा प्राप्त की गई वस्तुओं के ब्यौरे उपलब्ध कराए जा सकते थे।
122. दो (2) घरेलू और 4 अन्य ट्रेडिंग कंपनियों के द्वारा बिक्रियों के संबंध में तथा भारत के लिए इन कंपनियों के द्वारा निर्यातों की संभावना अथवा किसी अन्य ट्रेडिंग कंपनियों के माध्यम से भारत के लिए ग्रुप के अन्य उत्पादकों के द्वारा उत्पादित वस्तुओं के निर्यातों की भी जांच की गई थी। ग्रुप की बिक्री व्यवस्थाओं के अनुसार, उत्पादन करने वाली कंपनियां सीधे निर्यात नहीं करती हैं। 2 घरेलू कंपनियां चीन में बेचती हैं और 4 निर्यात कंपनियां भारत के अलावा अन्य निर्यात बाजारों में बिक्री करती हैं। भारत के लिए निर्यात केवल एक ही ट्रेडिंग कंपनी के माध्यम से किया जाता है क्योंकि इस कंपनी के विगत में पाटनरोधी शुल्क में छूट दी गई थी तथा भारत में इस कंपनी के द्वारा बाजार विकसित किया गया था।
123. चीन में अन्य अलग-अलग ट्रेडिंग कंपनियों के लिए उत्पादन करने वाली कंपनियों की बिक्री स्वयं उनकी अपनी ट्रेडिंग कंपनियों से बाहर उनकी कुल घरेलू बिक्रियों के अनुपात में बहुत कम पाई गई थी। वृहद ट्रेडिंग कंपनियों के साथ घरेलू बिक्री संविदा में प्रतिस्पर्द्धा से बचने के लिए विशिष्ट क्षेत्रों में बिक्रियों को प्रतिबंधित करने की शर्तें हैं।
124. ऊपर नोट किए अनुसार, पीओआई के दौरान एनजेडवाईसीआईई ने *** सौदों की तुलना में भारत में स्वतंत्र क्रेताओं के लिए *** वर्ग मीटर का निर्यात किया। तथापि, पीओआई के दौरान भारत के लिए इस ग्रुप का समस्त निर्यात पीवीटी/जीवीटी/पीजीवीटी, माइक्रो क्रिस्टलों और थिन पैनलों का था, जो विचाराधीन उत्पादन के कार्यक्षेत्र से बाहर है। प्राधिकारी ने केवल जीवीटी/पीजीवीटी के मूल्यांकित भारित औसत निवल निर्यात कीमत का मूल्यांकन किया है जोकि *** अमरीकी डॉलर/प्रति वर्ग मीटर है और उन्होंने इस किस्म के उत्पाद के लिए *** अमरीकी डॉलर/प्रति वर्ग मीटर के संरचित सामान्य मूल्य को अपनाया है।

ग्रेड	आकार	मात्रा (वर्ग मीटर)	एनईपी (अमेरिकी डॉलर/ वर्ग मीटर)
डबल चार्ज	600x600	***	***
	800x800	***	***
	अन्य		
	उप जोड़	***	***
डी सी	600x600	-	-
	800x800	-	-
	अन्य	-	-

	उप जोड़	-	-
एस एस	600x600	-	-
	800x800	-	-
	अन्य		
	उप जोड़	-	-
	विचाराधीन उत्पाद का सकल योग	***	***

ख. फोशान लिहुआ सिरेमिक्स कं. लि. (उत्पादक) और फोशान हेनरी ट्रेडिंग कं. लि. (निर्यातक)

125. मैसर्स फोशान लिहुआ सिरेमिक कं. लि. संबद्ध वस्तुओं का उत्पादक है और यह सोलुबल साल्ट, डबल लोडिंग, माइक्रो क्रिस्टल, पॉलिश की हुई और चमकीली सिरेमिक टाइलों और ईंटों का उत्पादन (निर्माण) करती है। यह कंपनी अपनी संबद्ध ट्रेडिंग कंपनी, मैसर्स फोशान हेनरी ट्रेडिंग कं. लि. सहित घरेलू बाजार में अपनी समस्त वस्तुएं बेचती है और यह कंपनी भारत और अन्य देशों के लिए संबद्ध वस्तुओं का निर्यात करती है। कंपनियों के कोई अन्य संबंधित उत्पादक अथवा निर्यातक नहीं होते हैं।
126. लिहुआ चीन में कई ट्रेडिंग/निर्यातक कंपनियों तथा अन्य अंतिम प्रयोक्ताओं के लिए बिक्री करती है। ट्रेडिंग कंपनियों सहित घरेलू क्रेता कारखानों से बाहर आधार पर उनके कारखाने से बाहर आधार पर उनके कारखाना परिसरों से सामान (वस्तुएं) उठाती हैं और इसलिए उत्पादक इस बारे में आंकड़े नहीं रखते हैं, चाहे ऐसी कोई वस्तु अन्य ट्रेडिंग कंपनियों के माध्यम से भारत के लिए निर्यात की गई है। तथापि, यह स्पष्ट किया गया था कि क्योंकि भारत के लिए निर्यात करने के लिए उनके स्वयं अपने व्यापार घराने हैं, इसलिए वे भारत में निर्यात करने के लिए तथा इसी बाजार में प्रतिस्पर्द्धा करने के लिए किसी अन्य ट्रेडिंग कंपनी के लिए किसी सामग्री की आपूर्ति नहीं करेगी।
127. पीओआई के दौरान हेनरी ने लिहुआ से *** वर्ग मीटर संबद्ध वस्तुएं खरीदीं तथा भारत के लिए *** वर्ग मीटर का निर्यात किया। शेष मात्रा का तीसरे देशों के लिए निर्यात किया गया है। *** वर्ग मीटर के कुल निर्यातों में से हेनरी ने घरेलू बाजार में एक अन्य असंबद्ध उत्पादक से *** (वर्ग मीटर) की खरीद की और शेष मात्रा की लिहुआ से खरीद की। *** (वर्ग मीटर) की असंबद्ध खरीद की तुलना में *** वर्ग मीटर जिन यी सिरेमिक्स से खरीदा गया, जो इस मामले में एक प्रत्युत्तर देने वाला एक उत्पादक भी है। जिन यी के अलावा, हेनरी ने भी मैसर्स फोशान कुनपेंग बिल्डिंग मैटेरियल कं. लि. के द्वारा निर्मित *** वर्ग मीटर टाइलों का निर्यात किया है। यह नोट किया गया कि यह केवल एक पॉलिश करने वाली फैक्ट्री है जो अन्य उत्पादकों के द्वारा निर्मित बॉडी से टाइलें बनाती हैं, जिसके बारे में हेनरी को जानकारी नहीं है। तदनुसार, संगत उत्पादक अर्थात् मैसर्स लिहुआ के द्वारा निर्मित वस्तुओं तथा हेनरी के द्वारा निर्यातित वस्तुओं के बारे में इस ग्रुप की निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए विचार किया गया है।
128. पीओआई के दौरान हेनरी ने *** सौदों की तुलना में भारत के लिए संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया। भारत के लिए निर्यात कारखाने से बाहर एफओबी अथवा सीएनएफ शर्तों पर असंबद्ध अंतिम प्रयोक्ताओं के लिए हैं। भारत के लिए निर्यात करने की भुगतान की शर्तें साइट/टीटी शर्तों पर एल/सी थीं। सीएनएफ आधार पर भारत के लिए की गई बिक्रियों हेतु सीएनएफ चरण तक के व्यय निर्यातक के द्वारा वहन किए गए हैं और सीएनएफ के बाद के समस्त व्यय आयातक के द्वारा वहन किए जाते हैं। इसी प्रकार, एफओबी बिक्रियों के मामले में एफओबी चरण तक के सभी खर्च निर्यातक के द्वारा वहन किए जाते हैं और शेष खर्च आयातक के द्वारा वहन किए जाते हैं। कारखाने से बाहर निवल निर्यात कीमत प्राप्त करने के लिए अंतर्देशीय माल-भाड़ा, समुद्री परिवहन, रख-रखाव एवं अन्य प्रभारों, बैंक प्रभारों और क्रेडिट लागतों के खर्चों के लिए निर्यात कीमत को समायोजित किया गया है।
129. चूंकि उत्पादन 17 प्रतिशत वैट का भुगतान करने पर वैट बीजकों के प्रति घरेलू ट्रेडिंग कंपनियों के लिए वस्तुओं की बिक्री करता है और संबद्ध वस्तुओं के निर्यातक 9 प्रतिशत वैट के रिफंड का दावा करते हैं, इसलिए ग्रुप की कारखाने से बाहर निवल निर्यात कीमत प्राप्त करने के लिए निर्यातक के द्वारा समामेलित रिफंड न किए गए वैट के प्रति 8 प्रतिशत का वैट समायोजन निर्यात कीमत के लिए किया गया है, जो निम्नानुसार है:

ग्रेड	आकार	मात्रा (वर्ग मीटर)	एनईपी (अमेरिकी डॉलर/ वर्ग मीटर)
डबल चार्ज	600x600	***	***
	800x800	***	***

	अन्य		
	उप जोड़	***	***
डी सी	600x600	***	***
	800x800	***	***
	अन्य	***	***
	उप जोड़	***	***
एस एस	600x600	***	***
	800x800	***	***
	अन्य		
	उप जोड़	***	***
	विचाराधीन उत्पाद का सकल योग	***	***

ग. गोंगडोंग हाओसेन सिरेमिक कं. लि. (हाओसेन), फोशान हाओसेन इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. (फोशान, हाओसेन), फोशान किहट सिरेमिक कं. लि. (किहट), कुन लॉजी लि., हांगकांग (कुन लॉजी)

130. चीन में संबद्ध वस्तुओं के निम्नलिखित उत्पादकों और निर्यातकों ने अपने पाटन मार्जिन के निर्धारण के लिए जांच अवधि के दौरान भारत के उत्पादन, घरेलू बिक्रियां और निर्यात करने के लिए कंपनियों के एक ग्रुप के रूप में उपर्युक्त पाटनरोधी जांच में अपने संबंधित प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किए थे:
1. मैसर्स गोंगडोंग हाओसेन सिरेमिक कं. लि. ("हाओसेन") (उत्पादक)
 2. मैसर्स फोशान हाओसेन इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. (उत्पादक की संबंधित निर्यात कंपनी)
 3. मैसर्स कुन लॉजी लि., हांगकांग (हांगकांग में असंबद्ध ट्रेडिंग कंपनी)
 4. मैसर्स फोशान किहट सिरेमिक कं. लि., चीन जन गण (चीन जन गण में असंबद्ध ट्रेडिंग कंपनी)
131. उत्पादन करने वाली कंपनी सभी किस्म की बड़ी कांच की बनी टाइलों अर्थात् सोलुबल साल्ट, डबल चार्ज, पॉलिश की गई और चमकीली टाइलों का उत्पादन करती है और उसने बाजार अर्थव्यवस्था ट्रीटमेंट के लिए दावा किया था, जिसको बाद में वापस ले लिया गया था। यह कंपनी घरेलू बाजार में काचित टाइलों का उत्पादन एवं बिक्री कर रही है तथा अन्य उत्पादकों के लिए टाइलों की बॉडियां बना रही है क्योंकि उनके पास फिलहाल पॉलिश करने की क्षमता से अधिक ईंट बनाने की क्षमता है। कंपनी संबद्ध और असंबद्ध ट्रेडरों तथा प्रत्यक्ष ग्राहकों के लिए घरेलू बाजार में अपनी समस्त वस्तुओं की बिक्री करती है। तथापि, ट्रेडिंग कंपनियों के साथ की गई सभी बिक्री संविदाओं में गैर-प्रतिस्पर्द्धा की शर्त होती है जिसमें उस बाजार के अलावा, जिसके लिए यह बेची है, अन्य गंतव्य के लिए वस्तुओं के बेचने पर ट्रेडरों पर प्रतिबंध होता है। अतः कंपनी यह प्रदर्शित कर सकती है कि स्वयं उनकी ट्रेडिंग कंपनी के अलावा कोई अन्य, ट्रेडर (व्यापारी) भारत के लिए वस्तुओं का निर्यात नहीं कर सकता है।
132. पीओआई के दौरान हाओसेन के द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तुओं की चीन की दो घरेलू ट्रेडिंग कंपनियों अर्थात् मैसर्स फोशान हाओसेन इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. के द्वारा, जो एक संबंधित निर्यात कंपनी यानि हाओसेन है और मैसर्स फोशान किहट सिरेमिक कं. के द्वारा खरीद की गई थी तथा भारत के लिए निर्यात की गई थी। जबकि फोशान किहट सिरेमिक कं. लि. ने भारत के लिए सीधे ही वस्तुओं का निर्यात किया है, मैसर्स फोशान हाओसेन इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. ने भारत के लिए कुछ मात्रा में वस्तुएं सीधे ही निर्यात की हैं और कुछ मात्राओं का हांगकांग में एक अन्य ट्रेडिंग कंपनी अर्थात् मैसर्स कुन लॉजी लि. के माध्यम से निर्यात किया है।

गोंडोंग हाओसेन – फोशान किहट सिरेमिक कं. लि., भारत

133. फोशान किहट ने हाओसेन से वस्तुएं प्राप्त कीं और पीओआई के दौरान *** वर्ग मीटर का भारत के लिए निर्यात किया। कंपनी ने चीन के किसी अन्य उत्पादक द्वारा निर्मित किन्हीं वस्तुओं का निर्यात नहीं किया है। भारत में निर्यात हल्की शर्तों पर टीटी/सीसी पर कारखाने से बाहर/एफओबी/सीएनएफ आधार पर किए जाते हैं। निर्यातक ने कारखाने से बाहर के सभी खर्च किए हैं तथा अंतर्देशीय माल-भाड़े, समुद्री माल-भाड़े आदि के खर्च किए हैं। इसलिए कारखाने से बाहर की निवल निर्यात कीमत प्राप्त करने के लिए माल-भाड़े और बीमा, रख-रखाव एवं अन्य पत्तन व्यय, तथा बीमा (जहां कहीं लागू हो), बैंक प्रभारों एवं क्रेडिट लागत जैसे ऐसे खर्चों को समायोजित किया गया है। ग्रुप का कारखाने से बाहर निवल निर्यात कीमत प्राप्त करने के लिए निर्यातक द्वारा समामेलित रिफंड न करने योग्य वैट के प्रति 8 प्रतिशत का वैट समायोजन निर्यात कीमत के लिए भी किया गया है।

मैसर्स फोशान हाओसेन इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. और मैसर्स कुन लॉजी लि.

134. ऊपर नोट किए अनुसार, हाओसेन आईएंडई ने भारत के लिए सीधे ही *** वर्ग मीटर का निर्यात किया है और *** वर्ग मीटर का कुन लॉजी, हांगकांग के माध्यम से निर्यात किया। प्रत्यक्ष निर्यात हल्की शर्तों पर टीटी/सीसी पर कारखाने से बाहर/एफओबी/सीएनएफ आधार पर किए जाते हैं। कुन लॉजी के लिए बिक्रियां अलग-अलग भुगतान शर्तों पर सीएनएफ आधार पर की जाती हैं। कुन लॉजी ने मैसर्स फोशान हाओसेन इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. के लिए पीओआई के दौरान कुछ अवधि के लिए एक बीजक एजेंट के रूप में कार्य किया और उन्हीं निबंधन एवं शर्तों पर भारत के लिए वस्तुओं का निर्यात किया। हाओसेन आईएंडई ने कारखाने के बाहर के सभी खर्च वैट बीजकों के प्रति कारखाने से बाहर हाओसेन से वस्तुओं की खरीद की तथा कारखाने से बाहर सभी खर्च किए। रख-रखाव सहित अंतर्देशीय माल-भाड़े, समुद्री माल-भाड़े और अन्य पत्तन व्यय और बीमा प्रभार, जहां कहीं लागू हों, बैंक प्रभार और क्रेडिट लागतों के लिए सभी खर्चों को इस संयोजन के लिए कारखाने से बाहर निवल निर्यात कीमत प्राप्त करने हेतु संयोजित किए गए हैं। ग्रुप का कारखाने से बाहर निवल निर्यात कीमत प्राप्त करने के लिए निर्यातक द्वारा समामेलित रिफंड न करने योग्य वैट के प्रति 8 प्रतिशत का वैट समायोजन निर्यात कीमत के लिए भी किया गया है जो नीचे दिए अनुसार है:

श्रेण	आकार	उत्पादक: गोंडोंग हाओसेन, निर्यातक: फोश हाओसेन		उत्पादक: गोंडोंग हाओसेन, निर्यातक: फोश किहट		उत्पादक: गोंडोंग हाओसेन, निर्यातक: कुन लॉजी			हाओसेन ग्रुप
		मात्रा (वर्ग मीटर)	एनईपी (अमे- रिकी डॉलर/ वर्ग मीटर)	मात्रा (वर्ग मीटर)	एनईपी (अमे- रिकी डॉलर/ वर्ग मीटर)	मात्रा (वर्ग मीटर)	एनईपी (अमेरिकी डॉलर/ वर्ग मीटर)	मात्रा (वर्ग मीटर)	एनईपी (अमेरिकी डॉलर/ वर्ग मीटर)
जीवीटी/पीजीवीटी	600*600								
	800*800	***	***	***	***			***	***
	अन्य								
	उप-योग	***	***	***	***	-		***	***
डी सी	600*600	***	***	***	***	***	***	***	***
	800*800	***	***	***	***	***	***	***	***
	अन्य	***	***	***	***			***	***
	उप-योग	***	***	***	***	***	***	***	***
एस एस	600*600	***	***	***	***			***	***
	800*800								
	अन्य								
	उप-योग	***	***	***	***			***	***

	विचाराधीन उत्पाद का सकल योग	***	***	***	***	***	***	***	***
--	-----------------------------------	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----	-----

घ. फोशान कियांगबाओ सिरिमिक्स कं. लि., चीन जन गण (उत्पादक) – मैसर्स फोशान होंगलीओ ट्रेड कं. लि., चीन जन गण (निर्यातक) और मैसर्स शीनवे कारपोरेशन लि., हांगकांग (निर्यातक)

135. यह निवेदन किया गया था कि चूंकि उत्पादन करने वाली कंपनियों के पास वस्तुओं का निर्यात करने के लिए लाइसेंस नहीं होता है, इसलिए वे घरेलू बाजार में ही वस्तुओं की बिक्री करती हैं और असंबद्ध निर्यातकों के माध्यम से निर्यात किए जाते हैं। पीओआई के दौरान कंपनियों ने यथा उपरोक्त दो असंबद्ध निर्यातकों के माध्यम से ही भारत के लिए वस्तुओं का निर्यात किया है।
136. फोशान कियांगबाओ सिरिमिक्स कं. लि. संबद्ध वस्तुओं का केवल एक उत्पादक और घरेलू विक्रेता है, लेकिन निर्यातक नहीं है। यह भारत के लिए निर्यात करने हेतु दो असंबद्ध चीन के ट्रेडिंग कंपनियों के लिए संबद्ध वस्तुओं की बिक्री करती है नामतः मैसर्स फोशान होंगलीगाओ ट्रेड कं. लि. और मैसर्स फोशान वोर्सटर ट्रेड कं. लि.। दोनों कंपनियां शीनवे कारपोरेशन लि., हांगकांग के लिए संबद्ध वस्तुएं बेचती हैं। फिर शीनवे हांगकांग, असंबद्ध भारतीय ग्राहकों के लिए उत्पादों को बेचती है। तथापि, भारतीय ग्राहकों के लिए वस्तुएं उत्पादक कारखाने से सीधे ही वास्तव में प्रेषित की जाती हैं।
137. मैसर्स किंगीयान कियांगबाओ सिरिमिक्स कं. लि. (क्यूक्यूबी) की उत्पादन क्षमता *** मिलियन टाइल बॉडी/बिस्कुटों की है और मैसर्स फोशान कियांगबाओ सिरिमिक्स कं. (एफक्यूबी) एक पॉलीशिंग कंपनी है जो टाइलों को उसके कच्चे माल के रूप में मानती है तथा इसकी क्षमता *** मिलियन टाइलों की पॉलिश करने की है। एफक्यूबी सोलुबल साल्ट, डबल चार्ज और पीजीवीटी का उत्पादन करती है। तथापि, पीओआई के दौरान उन्होंने केवल सोलुबल साल्ट और डबल चार्ज टाइलों का ही भारत के लिए निर्यात किया है।
138. क्यूक्यूबी की टाइल बॉडी बनाने की क्षमता एफक्यूबी की टाइल पॉलिश करने की क्षमता से काफी अधिक है। अतः क्यूक्यूबी घरेलू बाजार में अन्य के लिए टाइल बॉडी बेचती है और एफक्यूबी के लिए क्यूक्यूबी ही एक मात्र उत्पादक नहीं है। यह भी नोट किया गया था कि एफक्यूबी ने एक मात्र क्यूक्यूबी से ही टाइल बॉडी प्राप्त नहीं की है। टाइलों की बॉडी कई उत्पादकों से खरीदी जाती है, यद्यपि *** टाइल बॉडी क्यूक्यूबी से खरीदी गई थी और *** वर्ग मीटर की छोटी मात्रा अन्य उत्पादकों से खरीदी गई थी।
139. एफक्यूबी तैयार वस्तुओं का उत्पादक है और घरेलू बिक्रियों के रूप में सारी वस्तुओं को असंबद्ध ग्राहकों तथा चीन में ट्रेडिंग कंपनियों के लिए कारखाने से बाहर आधार पर वेट बीजकों से तथा टीटी शर्तों पर नकद बेचती है। पीओआई के दौरान कंपनी ने *** वर्ग मीटर की बिक्री की, जिसमें से *** वर्ग मीटर को दो घरेलू ट्रेडिंग कंपनियों अर्थात् फोशान होंगलीगाओ ट्रेड कं. लि. और फोशान वोर्सटर ट्रेडिंग कंपनी के लिए बेचने की सूचना दी गई है और इन्होंने हांगकांग में एक ट्रेडिंग कंपनी अर्थात् शीनवे कारपोरेशन लि., हांगकांग के माध्यम से भारत के लिए इन वस्तुओं का निर्यात करने की सूचना दी है।
140. एफक्यूबी के पास विशिष्ट बाजारों में वस्तुओं की बिक्री करने के लिए बड़ी-बड़ी ट्रेडिंग कंपनियों के साथ अनन्य रूप से संविदाएं की हैं। उनका भारतीय बाजार में अनन्य रूप से बेचने के अधिकार के लिए वर्ष 2011 से मैसर्स शीनवे हांगकांग के साथ करार है। शीनवे, एफक्यूबी से वस्तुएं खरीदने तथा भारत के लिए निर्यात करने के लिए निर्यात लाइसेंस रखने वाले चीन में एक घरेलू ट्रेडिंग कंपनी को चुनने के लिए स्वतंत्र है। इस संविदा के अनुसार, शीनवे और इसकी अभिज्ञात घरेलू ट्रेडिंग के अलावा भारत के लिए निर्यात करने हेतु एफक्यूबी किसी अन्य ट्रेडिंग कंपनी के लिए वस्तुओं की बिक्री नहीं कर सकती है। इसी तरह, जिन अन्य ट्रेडिंग कंपनियों को एफक्यूबी ने पीओआई के दौरान वस्तुएं बेची हैं, उनसे निर्दिष्ट बाजारों में बिक्री करने के लिए एफक्यूबी से अनन्य रूप से संविदाएं की हैं।

चीन के निर्यातकों के लिए एफक्यूबी

141. एफक्यूबी ने 144 सौदों की तुलना में होंगलीबाओ और वोर्सटर के लिए *** वर्ग मीटर की बिक्री की है जिसमें से *** वर्ग मीटर फोशान होंगलीगाओ ट्रेड कं. लि. को बेची गई थी और *** वर्ग मीटर की बिक्री फोशान वोर्सटर ट्रेड कं. लि. के लिए की गई थी। इन वस्तुओं का टीटी शर्तों पर कारखाने से बाहर के आधार पर शीनवे हांगकांग के जरिए भारत के लिए निर्यात किया गया है। अतः उत्पादक ने इन बिक्रियों की वजह से कोई व्यय नहीं किया है।

शीनवे, हांगकांग के लिए चीन के निर्यातक

142. मैसर्स होंगलीगाओ ने भारत के लिए निर्यातों हेतु एफक्यूबी द्वारा निर्मित *** वर्ग मीटर की संबद्ध वस्तुओं की बिक्री की है। सभी बिक्रियां कारखाने से बाहर आधार पर तथा टीटी शर्तों पर हैं।
143. दूसरी ट्रेडिंग कंपनी मैसर्स वोर्सटर ने, जिसने भारत के लिए निर्यातों हेतु इस अवधि के दौरान एफक्यूबी के द्वारा निर्मित संबद्ध वस्तुओं के *** वर्ग मीटर का शीनवे के लिए निर्यात भी किया है, संबद्ध वस्तुओं के एक अन्य उत्पादक अर्थात् मैसर्स जिन यी के साथ एक अलग प्रश्नावली प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया है। इसकी वजह यह है कि एफक्यूबी के द्वारा उत्पादित सामग्री के अलावा वोर्सटर ने भी जिन यी द्वारा उत्पादित *** वर्ग मीटर की टाइलों का निर्यात किया है। इस मात्रा के बारे में जिन यी के साथ-साथ वोर्सटर द्वारा प्रस्तुत की गई क्यूआर में सूचित किया गया है। तदनुसार, वोर्सटर ने शीनवे के माध्यम से *** वर्ग मीटर के कुल निर्यात के बारे में सूचित किया है। अतः इन सौदों में किसी प्रकार के व्यय शामिल नहीं हैं।

भारत के लिए शीनवे, हांगकांग

144. शीनवे, हांगकांग में एक पंजीकृत ट्रेडिंग कंपनी है। उसने उपर्युक्त कंपनियों के द्वारा उत्पादित और ऊपर नोट की गई अन्य कंपनियों के द्वारा भी उत्पादित संबद्ध वस्तुओं के निर्यातक के रूप में प्रश्नावली प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया है। इस कंपनी ने भारत के लिए *** वर्ग मीटर की संबद्ध वस्तुओं का निर्यात किया है, जिसमें से *** वर्ग मीटर होंगलीबायो के जरिए एफक्यूबी से प्राप्त किया गया है और *** वर्ग मीटर वोर्सटर के माध्यम से एफक्यूबी से प्राप्त किया गया है। इसके अलावा, *** जिन यी से प्राप्त किए गए थे, जो एक सैंपल उत्पादक है, जिसकी जांच की गई है। *** वर्ग मीटर की छोटी सी मात्रा एक अन्य उत्पादक अर्थात् मैसर्स एफ. जुनजिंग से प्राप्त की गई है जिसका नमूना नहीं लिया गया है अथवा जिसे जांच में शामिल नहीं किया गया है। तथापि, यह मात्रा शीनवे के द्वारा निर्यात की गई *** प्रतिशत से कम है।
145. भारत के लिए शीनवे के निर्यात अग्रिम भुगतान की शर्त सहित कारखाने से बाहर/कारखाने से बाहर + माल-भाड़ा/एफओबी + माल-भाड़ा आधार पर तथा टीटी भुगतान की शर्तों पर है। कारखाने से बाहर + माल-भाड़े और एफओबी + माल-भाड़े से अभिप्राय बीजक पर अलग से प्रभारित माल-भाड़े तथा क्रेता के द्वारा प्रतिपूर्ति करने से है। यह नोट किया गया कि कुछ बीजकों में शीनवे ने भारत में ग्राहकों से *** प्रतिशत सेवा प्रभार लिया है जो बीजक मूल्य के अलावा निर्यातक के बीजक में लिया जाता है। निर्यातक के लिए यह एक आय होने की वजह से इसका समायोजन करने की जरूरत नहीं है। कारखाने से बाहर निवल मूल्य प्राप्त करने के लिए अंतर्देशीय माल-भाड़े, समुद्री माल-भाड़े और बीमा (जहां लागू हो), बैंक प्रभारों तथा क्रेडिट संबंधी लागतों के लिए समायोजन किए गए हैं। ग्रुप का कारखाने से बाहर निवल निर्यात कीमत प्राप्त करने के लिए निर्यातक द्वारा समामेलित रिफंड न करने योग्य वैट के प्रति 8 प्रतिशत का वैट समायोजन निर्यात कीमत के लिए भी किया गया है जो नीचे दिए अनुसार है:

ग्रेड	आकार	उत्पादक: फोशान क्वांगबियो, निर्यातक: वोर्सटर		उत्पादक: फोशान क्वांगबियो, निर्यातक: होंगलियो, शीपर: शीनवे		क्वांगबियो ग्रुप	
		मात्रा (वर्ग मीटर)	एन ई पी (अम.डॉ./वर्ग मीटर)	मात्रा (वर्ग मीटर)	एन ई पी (अम.डॉ./वर्ग मीटर)	मात्रा (वर्ग मीटर)	एन ई पी (अम.डॉ./वर्ग मीटर)
जीवीटी/पीजीवीटी	600*600						
	800*800						
	अन्य						
	उप-योग	-		-		-	
डी सी	600*600	***	***	***	***	***	***
	800*800	***	***	***	***	***	***
	अन्य	***	***	***	***	***	***
	उप-योग	***	***	***	***	***	***

एस एस	600*600	***	***	***	***	***	***
	800*800					-	
	अन्य					-	
	उप-योग	***	***	***	***	***	***
	विचाराधीन उत्पाद का सकल योग	***	***	***	***	***	***

ड. फोशान चानशेंग जिंयी सिरेमिक्स कं. लि. और जिन जिंग जियान झीशेंग सिरेमिक्स कं. लि. (उत्पादक) और फोशान वोर्सटर ट्रेड कं. लि. (निर्यातक)

146. निर्यातक प्रश्नावली के प्रत्युत्तर के अनुसार, फोशान चानशेंग जिंयी सिरेमिक्स कं. लि., चीन जन गण पॉलिश की गई टाइलों का एक उत्पादक है और ये टाइलें संबद्ध पक्षकार जिन जिंग जियान झीशेंग सिरेमिक्स कं. लि. से बिस्कुट प्राप्त कर रही है। निर्यातक प्रश्नावली के प्रत्युत्तर में बताए अनुसार जिन यी पीओआई के दौरान भारत के लिए संबद्ध वस्तुओं का एक अन्य संबद्ध पक्षकार नामतः फोशान वोर्सटर ट्रेड कं. लि. के माध्यम से निर्यात करता है। इन सभी कंपनियों ने निर्यातक प्रश्नावली के प्रत्युत्तर प्रस्तुत किए हैं और उत्पादकों ने भी इन आधारों पर एमईटी प्रश्नावली प्रत्युत्तर भी दायर किए हैं कि उनको पूर्व जांचों में बाजार अर्थव्यवस्था ट्रीटमेंट (व्यवहार) दिया जा रहा था। तथापि, जांच के दौरान उन्होंने अपने बाजार अर्थव्यवस्था दावों को वापस ले लिया था।
147. मैसर्स जिन जिंग जियान झीशेंग सिरेमिक्स कं. लि. की वार्षिक क्षमता *** मिलियन वर्ग मीटर की टाइल बॉडियों का उत्पादन करना है जिनकी फोशान चानशेंग जिंयी सिरेमिक्स कं. लि. सहित संबद्ध वस्तुओं का उत्पादन कर रही वस्तुओं की आपूर्ति की जाती है। फोशान चानशेंग जिंयी सिरेमिक्स कं. लि. टाइलों के *** मिलियन वर्ग मीटर पॉलिश करने की क्षमता वाली केवल एक पॉलिशिंग फैक्ट्री है। जिन जिंग से उनकी टाइलों के एक बड़े भाग को जिन यी खरीदती है, लेकिन उनसे अनन्य रूप से नहीं/जिन यी पॉलिश करने के लिए कच्चे माल के रूप में बिस्कुटों का उपयोग करती है। यह कंपनी डबल चार्ज टाइलों की एक छोटी सी मात्रा से अधिकांशतः सोलुबल साल्ट टाइलों का उत्पादन करती है और उसने पीओआई के दौरान भारत के लिए सोलुबल साल्ट टाइलों का ही निर्यात किया।
148. पीओआई के दौरान जिन यी टाइल बॉडी के *** वर्ग मीटरों की खरीद की थी जिसमें से जिन जिंग से *** वर्ग मीटर (*** प्रतिशत) की खरीद की थी। मैसर्स फोशान हाओसेन से भी *** वर्ग मीटर की एक छोटी सी मात्रा की खरीद की गई थी जो इस मामले में एक प्रतिक्रियावादी और नमूना उत्पादक/निर्यातक है। इसके लिए खपत की गई टाइल बॉडी की कुल संख्या के *** प्रतिशत को ध्यान में रखा है। ये टाइल बॉडी के लगभग *** अन्य उत्पादक हैं जिनसे उन्होंने टाइल बॉडी खरीदी है और यह उनकी खपत का लगभग *** प्रतिशत है।
149. यह नोट किया गया था कि तैयार टाइलों का उत्पादन करने वाली यानि जिन यी ने चीन में काफी संख्या में ट्रेडरों और आयात-निर्यात करने वाली कंपनियों के लिए घरेलू बाजार में सभी वस्तुओं की बिक्री की है और इसमें वोर्सटर के लिए की गई बिक्री शामिल है जिसने बाद में भारत के लिए वस्तुओं का निर्यात किया है। सभी बिक्रियां कारखानों से बाहर आधार पर और नकद शर्त पर है।
150. परिशिष्ट-1 में *** वर्ग मीटर की घरेलू बिक्रियों के लेन-देनों में से *** वर्ग मीटर (*** प्रतिशत) की बिक्री उनके संबद्ध निर्यातक मैसर्स वोर्सटर के लिए की गई थी और *** वर्ग मीटर (*** प्रतिशत) की बिक्री चीन में अन्य ट्रेडिंग कंपनियों के लिए की गई है और शेष घरेलू बाजार में अलग-अलग अंतिम प्रयोक्ताओं के लिए बिक्री करके की है। घरेलू ट्रेडिंग कंपनियों के लिए बिक्री की मात्रा काफी हैं। घरेलू ट्रेडिंग/आयात-निर्यात कंपनियों से प्रत्येक बिक्री संविदा में एक शर्त है कि जो भारतीय बाजार में वस्तुओं को बेचने के लिए ट्रेडिंग कंपनियों को रोकती है क्योंकि भारतीय बाजार में उनकी अपनी ट्रेडिंग कंपनी है। कंपनी ने बताया कि यदि इस शर्त का उल्लंघन किया जाता है तो वैट रिफंड का दावा करने के लिए यह ट्रेडिंग कंपनी के लिए वैट बीजक जारी नहीं करेगी। इसीलिए कंपनी जानती है कि कौन-सा प्रेषित माल भारत को जाता है, यद्यपि वे भारत के लिए वस्तुओं का सीधा लदान नहीं करते हैं।
151. फोशान वोर्सटर ट्रेड कंपनी ग्रुप की एक ट्रेडिंग कंपनी है जिसके पास एक निर्यात लाइसेंस है। वोर्सटर वैट बीजकों के प्रति घरेलू बिक्रियों के रूप में जिन यी से टाइलें खरीदती हैं और फिर भारत के लिए वस्तुओं का निर्यात करती हैं।

152. पीओआई के दौरान वोर्सटर ने जिन यी से *** वर्ग मीटर की खरीद की थी और इस मामले में एक अन्य प्रतिक्रिया देने वाले उत्पादक अर्थात् फोशान क्रियांगबायो सिरेमिक्स कं. लि. से *** वर्ग मीटर की खरीद की थी और भारत के लिए कुल *** तथा तीसरे देशों के लिए *** वर्ग मीटर का निर्यात किया। उपरोक्त *** मात्रा में से वोर्सटर ने हांगकांग के एक अन्य निर्यातक मैसर्स शीनवे के माध्यम से भारत के लिए *** वर्ग मीटर का निर्यात किया है और इस निर्यात ने एक अलग प्रश्नावली प्रत्युत्तर भी प्रस्तुत किया है एवं शेष मात्रा का सीधे ही निर्यात किया गया है।
153. वोर्सटर द्वारा भारत के लिए निर्यात अधिकांश रूप से अलग-अलग आकारों की सोलुबल साल्ट टाइलों का है और इनकी बिक्री टीटी जैसी विभिन्न भुगतान शर्तों और स्थल आधार पर आंशिक एलसी वाली फैक्ट्री के बाहर स्तर पर भारत में अकेले ग्राहक के लिए की जाती है। चूंकि निर्यात संबंधी सौदे फैक्ट्री के बाहर स्तर पर होते हैं, इसलिए निर्यातक किसी प्रकार के खर्चों को वहन नहीं करता है। भुगतान अधिकांश रूप से अग्रिम अथवा स्थल एलसी पर किए जाते हैं। फैक्ट्री से बाहर कीमत प्राप्त करने के लिए बैंक प्रभारों और क्रेडिट लागतों को समायोजित किया गया है। ग्रुप का कारखाने से बाहर निवल निर्यात कीमत प्राप्त करने के लिए निर्यातक द्वारा समामेलित रिफंड न करने योग्य वैट के प्रति 8 प्रतिशत का वैट समायोजन निर्यात कीमत के लिए भी किया गया है।

		उत्पादक: फोशान क्रियांगबायो, निर्यातक: वोर्सटर		उत्पादक: फोशान क्रियांगबायो, निर्यातक: होंगलियो, शीपर: शीनवे		जिनाई ग्रुप	
ग्रेड	आकार	मात्रा (वर्ग मीटर)	एन ई पी (अम.डॉ./वर्ग मीटर)	मात्रा (वर्ग मीटर)	एन ई पी (अम.डॉ./वर्ग मीटर)	मात्रा (वर्ग मीटर)	एन ई पी (अम.डॉ./वर्ग मीटर)
जीबीटी/पी जीबीटी	600*						
	600						
	800*						
	800						
	अन्य						
	कुल- योग	-		-		-	
डी सी	600*		***	***	***	***	***
	600	***					
	800*	***	***	***	***	***	***
	800						
	अन्य					-	
	कुल- योग	***	***	***	***	***	***
एस एस	600*	***	***	***	***	***	***
	600						
	800*	***	***			***	***
	800						
	अन्य						

						-	
	कुल- योग	***	***	***	***	***	***
	विचारा धीन उत्पाद का सकल योग	***	***	***	***	***	***

च. गोंगडोंग जेलायसी सिरेमिक्स कं. लि. (जेलायसी), फोशान सनशुई हुइवनजिया सिरेमिक्स कं. लि. (हुइवनजिया), फोशान न्यूपर्ल ट्रेड कं. लि. (न्यूपर्ल)

154. इस मामले में संबद्ध उत्पादकों और निर्यातकों के उपरोक्त ग्रुप ने एक प्रश्नावली प्रत्युत्तर और एमईटी प्रश्नावली प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया है और यह तर्क दिया है कि न्यूपर्ल ग्रुप को सिरेमिक टाइलों और चमकीली टाइलों के संबंध में पाटनरोधी जांच में वर्ष 2007 और 2008 में एमईटी दिया गया था। उस मामले में फोशान सनशुई हुइवनजिया सिरेमिक्स कं. लि. और फोशान समिट सिरेमिक्स कं. लि. (अब गोंगडोंग जेलायसी सिरेमिक्स कं. लि. के रूप में जानी जाती है) द्वारा उत्पादित तथा फोशान न्यूपर्ल ट्रेड कंपनी के द्वारा निर्यातित संबद्ध वस्तुएं शामिल थीं। तदनुसार, इस ग्रुप ने इस मामले में भी बाजार अर्थव्यवस्था स्तर का दावा किया है।
155. यह नोट किया जाता है कि न्यूपर्ल ग्रुप को सिरेमिक टाइलों और चमकीली टाइलों के बारे में पाटनरोधी जांचों में वर्ष 2007 और 2008 में एमईटी दिया गया था जिसमें फोशान सनशुई हुइवनजिया सिरेमिक्स कं. लि. और फोशान समिट सिरेमिक्स कं. लि. (अब गोंगडोंग जेलायसी सिरेमिक्स कं. लि. के रूप में जानी जाती है) द्वारा उत्पादित तथा फोशान न्यूपर्ल ट्रेड कंपनी के द्वारा निर्यातित संबद्ध वस्तुएं शामिल थीं। तदनुसार, इस ग्रुप ने इस मामले में भी बाजार अर्थव्यवस्था स्तर का दिया गया है।
156. संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन में लगी पांच (5) उत्पादन कंपनियों में से केवल दो (2) ने प्रश्नावली के प्रत्युत्तर प्रस्तुत किए हैं तथा ट्रेडिंग कंपनी ने भी प्रश्नावली के प्रत्युत्तर प्रस्तुत किए हैं। कंपनी ने यह निवेदन किया कि अन्य तीन उत्पादन कंपनियों द्वारा उत्पादित वस्तुओं का पीओआई के दौरान भारत के लिए निर्यात नहीं किया गया। इसीलिए उन्होंने प्रश्नावली प्रत्युत्तर प्रस्तुत नहीं किया है।
157. यह निवेदन किया गया है कि ग्रुप की प्रत्युत्तर देने वाली तथा प्रत्युत्तर न देने वाली कंपनियां न्यूपर्ल के अलावा किसी अन्य ट्रेडिंग कंपनियों के माध्यम से भारतीय बाजार में कोई सामग्री नहीं बेचती थी। कंपनी ने यह दर्शाया कि ग्रुप कंपनियों के प्रत्येक लेन-देन गैर-प्रतिस्पर्द्धा शर्त वाली बिक्री संविदाओं से शासित होते हैं जो निर्दिष्ट क्षेत्रों/देशों में वस्तुओं की बिक्री करने के लिए खरीद करने वाली ट्रेडिंग कंपनी/एजेंट को रोकती है। उनको किसी अन्य बाजार में वस्तुओं की बिक्री करने की अनुमति नहीं होती है।
158. प्रतिक्रिया देने वाली दोनों उत्पादक कंपनियां घरेलू उपभोक्ताओं के लिए वैट बीजकों तथा ट्रेडरों/निर्यातकों को कारखाने से बाहर नकद शर्तों पर केवल घरेलू बाजार में ही वस्तुओं की बिक्री करती है। ट्रेडर फैक्ट्री से बाहर आधार पर वस्तुएं उठाते हैं तथा कंपनी के द्वारा बताए अनुसार बिक्री, संविदा में दी गई शर्तों के अनुसार, घरेलू बाजार में बिक्री करके अथवा अलग-अलग बाजारों में निर्यात करने के लिए वस्तुएं उठाते हैं। पीओआई के दौरान जेलायसी ने न्यूपर्ल के लिए *** वर्ग मीटर की बिक्री की तथा सनशुई हुइवनजिया ने न्यूपर्ल के लिए *** वर्ग मीटर की बिक्री की।
159. न्यूपर्ल ने उपरोक्त दो भाग लेने वाली उत्पादक कंपनियों और तीन अन्य भाग न लेने वाली कंपनियों से वस्तुओं की खरीद की तथा भारत और अन्य देशों के लिए वस्तुओं का निर्यात किया। पीओआई के दौरान *** वर्ग मीटर की कुल खरीद की तुलना में न्यूपर्ल ने *** वर्ग मीटर का निर्यात किया और शेष का निर्यात अन्य देशों के लिए किया था। वैट बीजकों, मूल तथा वाणिज्यिक बीजकों के प्रमाण-पत्रों के जरिए दिखाए गए दो प्रक्रियावाद निर्यातकों के द्वारा उत्पादित वस्तुओं का भारत के लिए निर्यात किया गया था।
160. कंपनी ने डिलीवरी की विभिन्न शर्तों (कारखाना-गत/एफओबी/सीएनएफ/सीआईएफ) तथा भुगतान की शर्तों (स्थल पर एलसी/एलसी 60 दिन/टीटी) पर भारत में असंबद्ध उपभोक्ताओं के लिए *** बीजकों पर भारत के लिए वस्तुओं का निर्यात किया है। वस्तुओं की वैट बीजकों के प्रति नकद शर्त पर संबद्ध उत्पादकों से कारखाना-गत आधार पर ट्रेडर के द्वारा खरीद की जाती है। कारखाने से बाहर के सभी खर्चों को ट्रेडिंग कंपनी के द्वारा पूरा किया जाता है। अतः रख-रखाव और पत्तन खर्च सहित अंतर्देशीय माल-भाड़े, समुद्री माल-भाड़े तथा बीमा (जहां लागू हो), बैंक प्रभार और क्रेडिट लागतों संबंधी सभी खर्चों को समायोजित किया गया है। ग्रुप का कारखाने से बाहर निवल निर्यात कीमत प्राप्त करने के लिए निर्यातक द्वारा समामेलित रिफंड न करने योग्य वैट के प्रति 8 प्रतिशत का वैट समायोजन निर्यात कीमत के लिए भी किया गया है जो नीचे दिए गए है:

जी वी टी															
	800* 800	***	***	***	(0 - 10)					***	15 - 25	***	(5 - 15)	***	(0 - 10)
	अन्य	***	***	***	(0 - 10)					***		***	(35 - 45)	***	(5 - 15)
	उप- योग	***	***	***	40 - 50					***	15 - 25	***	(10 - 20)	***	10 - 20
डी सी	600* 600	***	***	***	(25 - 35)	***	10 - 20	***	5 - 15	***	30 - 40	***	15 - 25		
	800* 800	***	***	***	(20 - 30)	***	20 - 30	***	0 - 10	***	35 - 45	***	0 - 10		
	अन्य	***	***	***	0 - 10	***	30 - 40	***		***	35 - 45	***			
	उप- योग	***	***	***	(0 - 10)	***	15 - 25	***	5 - 15	***	30 - 40	***	10 - 20		
एस एस	600* 600	***	***	***	(0 - 10)	***	15 - 25	***	10 - 20	***	30 - 40	***	10 - 20		
	800* 800	***	***	***		***		***	0 - 10	***		***			
	अन्य	***	***	***		***		***		***		***			
	उप- योग	***	***	***	(0 - 10)	***	15 - 25	***	10 - 20	***	30 - 40	***	10 - 20		
	विचारा- शील उत्पाद का सकल योग	***	***	***	10 - 20	***	15 - 25	***	10 - 20	***	30 - 40	***	10 - 20	***	10 - 20

ख. नॉन सैंपल उत्पादकों और निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन

162. नीचे यथा सूचीबद्ध जिन उत्पादकों और निर्यातकों ने स्वयं को सैंपलिंग प्रश्नावली के प्रत्युत्तर में अवगत कराया था, परंतु प्राधिकारी के द्वारा उन्हें सैंपल (नमूने) के रूप में नहीं माना था, उनके पाटन मार्जिन का नियमावली के नियम 18(2) के आधार

पर यथा उपरोक्त सैंपल उत्पादकों और निर्यातकों के पाटन मार्जिन के भारित औसत के रूप में निर्धारण किया गया है, जो नीचे दिए अनुसार है:

ग्रेड	आकार	सीएनवी (अम.डॉ. / वर्ग मी.)	पाटन मार्जिन	%
जीवीटी/पीजीवीटी	600*600	***	***	60 - 70
	800*800	***	***	15 - 25
	अन्य	***		
डीसी	उप-योग	***	***	60 - 70
	600*600	***	***	25 - 35
	800*800	***	***	30 - 40
	अन्य	***	***	5 - 15
	उप-योग	***	***	25 - 35
एस एस	600*600	***	***	10 - 20
	800*800	***	***	0 - 10
	अन्य	***		
	उप-योग	***	***	10 - 20
	विचाराधीन उत्पाद का सकल योग	***	***	20 - 30

नॉन सैंपल उत्पादकों और निर्यातकों की सूची

क्रम सं.	उत्पादक का नाम	निर्यातक का नाम
1	फोशान हेलई बिल्डिंग मैटेरियल्स कं. लि और फोशान सिटी गॉमिंग डिस्ट्रिक्ट हुई मेई एओ बिल्डिंग मैटेरियल कं. लि.	फोशान जिनहोंगवी इकोनॉमिक एंड ट्रेड कं. लि., मैसर्स ग्लोबलिक ओवरसीज (एचके) लि.
2	फोशान सिटी टाओक्यांग बिल्डिंग मैटेरियल कं. लि.	फोशान इम्पॉ. एंड एक्सपो. ट्रेड कं. लि.
3	मोनालीसा ग्रुप कं. लि.	गोंगडोंग मोनालीसा ट्रेडिंग कं. लि.
4	फोशान गोल्ड फुल हाउस बिल्डिंग मैटेरियल कं. लि.	फोशान नानहई रोंगजिया इम. एंड एक्स. लि. और फोशान क्लाउड्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्टर्स कं. लि.
5	गोंगडोंग योंगशेंग सेरामिक्स कं. लि.	फोशान इशाइन ट्रेडिंग कं. लि.
6	फोशान सनी सेरामिक कं. लि.	फोशान गोल्ड मेडल इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट ट्रेडिंग कं. लि.

7	इंपिंग सिटी होचांग सेरामिक कं. लि.	इंपिंग सिटी होचांग सेरामिक कं. लि.
8	फोशान ओसियनलैंड सेरामिक्स कं. लि.	फोशान ओसियनलैंड सेरामिक्स कं. लि.
9	गोंगडोंग ओवरलैंड सेरामिक्स कं. लि.	गोंगडोंग ओवरलैंड सेरामिक्स कं. लि.
10	गोंगडोंग किटो सेरामिक्स कं. लि.	गोंगडोंग किटो सेरामिक्स कं. लि.
11	फोशान सिंसेरे बिल्डिंग मैटेरियल कं. लि.	फोशान सिंसेरे बिल्डिंग मैटेरियल कं. लि.
12	गोंगडोंग गांजिंग सेरामिक्स इंटरप्राइजेज कं. लि.	गोंगडोंग गांजिंग सेरामिक्स इंटरप्राइजेज कं. लि.
13	किंगुआं कुया सेरामिक्स कं. लि.	किंगुआं कुया सेरामिक्स कं. लि.
14	जिंगदेझन किटो सेरामिक कं. लि.	जिंगदेझन किटो सेरामिक कं. लि.
15	फोशान लुइस वेलेंटिनो सेरामिक कं. लि.	फोशान लुइस वेलेंटिनो सेरामिक कं. लि.
16	गोंगडोंग जिनफेंजिंग सेरामिक्स कं. लि.	गोंगडोंग जिनफेंजिंग सेरामिक्स कं. लि.
17	गोंगडोंग टियांबी सेरामिक्स कं. लि.	गोंगडोंग टियांबी सेरामिक्स कं. लि.
18	फोशान एचसीसी बिल्डिंग मैटेरियल कं. लि.	फोशान एचसीसी बिल्डिंग मैटेरियल कं. लि.
19	झंजियांग झोंगहोंग सेरामिक्स कं. लि.	फोशान बियोंड इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.
20	हियुआन रोमानटिक सेरामिक्स कं. लि.	फोशान बियोंड इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.
21	फोशान ननहई योंगहोंग सेरामिक कं. लि.	फोशान जुन इंटरप्राइजेज कं. लि.
22	फोशान धुहुनांग बिल्डिंग मैटेरियल कं. लि.	फोशान धुहुनांग बिल्डिंग मैटेरियल कं. लि.
23	फोशान सनशुई होंगुआन सेरामिक्स इंटरप्राइज कं. लि.	फोशान सनशुई होंगुआन सेरामिक्स इंटरप्राइज कं. लि.
24	फोशान गनी सेरामिक टाइल्स कं. लि.	किंगुआं सेरामिक टाइल्स कं. लि. क्यू

ग. चीन जन गण से सभी अन्य उत्पादकों/निर्यातकों के पाटन मार्जिन

163. प्राधिकारी द्वारा चीन जनवादी गणराज्य से सभी अन्य सहयोगी निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण, सहयोगी निर्यातकों के सत्यापित आंकड़ों को ध्यान में रख कर उपलब्ध श्रेष्ठ तथ्यों के आधार पर किया गया है। तदनुसार चीन में सभी अन्य उत्पादकों/निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है:-

सभी अन्य							
ईपी	सीएनवी	डीएम	%	एलबी	एनआईपी	आईएम	%
***	***	***	75-85%	***	***	***	45-55%

164. इस प्रकार से निर्धारित किया गया पाटन मार्जिन अत्यधिक है और न्यूनतम सीमाओं से अधिक है।

घ. क्षति और कारणात्मक संबंध का निर्धारण

165. याचिकादाताओं ने यह आरोप लगाया है कि संबद्ध देश से पाटित आयात, भारत में समान उत्पाद के घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति पहुंचा रहे हैं और/अथवा आर्थिक क्षति का खतरा बन रहे हैं। प्राधिकारी ने यह निर्धारित करते हुए कि पाटित कीमतों पर संबद्ध देश से वस्तुएं भारत में प्रवेश कर रही हैं, आगे इस तथ्य की जांच की है कि घरेलू उद्योग को यदि कोई क्षति हुई है, तो वह किस हद तक हुई है और

क्या उपाय नहीं होने की स्थिति में ऐसी क्षति का खतरा सन्निकट बना रहेगा।

166. अनुबंध-2 के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम-11 में किसी क्षति के निर्धारण में यह उपबंध है कि किसी क्षति जांच में "... पाटित आयातों की मात्रा, समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर उनके प्रभाव और ऐसी वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव सहित सभी संगत कारकों को ध्यान में रखते हुए ..." ऐसे कारकों की जांच शामिल होगी जिनसे घरेलू उद्योग को हुई क्षति का पता चल सकता हो। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय इस बात पर विचार करना आवश्यक है कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से की कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रूकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।"

167. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रारंभिक जांच परिणाम जारी करने के बाद घरेलू उद्योग सहित हितबद्ध पक्षकारों ने क्षति और कारणात्मक संबंध होने के विभिन्न पहलुओं पर अपने निवेदनों में पर्याप्त टिप्पणियां की हैं। पक्षकारों के इन निवेदनों और तर्कों का संक्षिप्त विवरण नीचे दिया गया है।

अ.1. प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन

168. इस जांच में क्षति और कारणात्मक संबंध के बारे में चाईना चेम्बर ऑफ कमर्स ऑफ मेटल्स, मिनरल्स एंड केमिकल्स इम्पोर्टर्स एंड एक्सपोर्टर्स सहित निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने अपने संबंधित निवेदनों में अन्य बातों के साथ-साथ दिए गए तर्क निम्नानुसार हैं:-

- (1) यह कि घरेलू उद्योग द्वारा दायर की गई याचिका में ऐसा कोई दावा नहीं किया गया है कि जांच अवधि के दौरान भी घरेलू उद्योग को सकल और अपूर्णीय क्षति होगी। रिकार्ड पर ऐसी कोई सामग्री उपलब्ध नहीं है अथवा प्रारंभिक जांच में भी ऐसी कोई सामग्री निहित नहीं है, जो कि अनन्तिम शुल्क लागू करने की सिफारिश करने को यथोचित सिद्ध करती हो। इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए अनन्तिम शुल्क को लागू किया जाना पाटन-रोधी नियमावली के नियम 12 और सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम की धारा 9 ख (1) (ख) (3) के विपरीत है और इसलिए इसे वापस लिए जाने की आवश्यकता है।
- (2) यह कि पोरसिलेन/विट्रीफाईड टाइलों पर शुल्क वर्ष 202 से 2013 तक लागू था और यह कोई पाटन नहीं होने और क्षति नहीं होने को ध्यान में रखते हुए जून, 2010 में समाप्त हो गया था। इसी उत्पाद की नए सिरे से जांच शुरू करके नया पाटन-रोधी शुल्क लागू करने की कोई गुंजाईश नहीं है।
- (3) यह कि घरेलू उद्योग को कोई क्षति होने अथवा घरेलू उद्योग से संबंधित आर्थिक प्राचलों में कोई गिरावट आने का कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं है।
- (4) यह कि क्षति अवधि के भीतर इच्छा से चुनिन्दा अवधि के लिए क्षति का विश्लेषण किया गया है। जांच अवधि के भीतर एक भाग के आधार पर किया गया क्षति विश्लेषण विश्व व्यापार संगठन के पाटन-रोधी करार के अनुच्छेद 3 के साथ-साथ पाटन-रोधी नियमावली के अनुबंध-2 के असंगत है। क्षति अवधि में आंकड़ों के आधार पर क्षति का पूरा विश्लेषण नहीं किए जाने की स्थिति में यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है कि घरेलू उद्योग को आर्थिक क्षति हो रही है।
- (5) यह कि विगत चार वर्षों में कुल भारतीय उत्पादन और भारत में घरेलू बिक्रियों दोनों के रूप में संबद्ध देश आयात की मात्रा में तेजी से गिरावट आई है। भारत में घरेलू उद्योग का बाजार का हिस्सा 92% बनता है और बाकी बाजार का हिस्सा आयातों के कारण बनता है जो कि वर्ष 2011-12 की तुलना में जांच अवधि में आधे से भी ज्यादा गिरावट आई है। आयातों और आयातों के बाजार के हिस्से में गिरावट क्षति का कारण नहीं हो सकती है।
- (6) यह कि याचिकादाता कंपनियों के बाजार के हिस्से में गिरावट आई है जबकि अन्य उत्पादकों के लिए इसमें वृद्धि हुई है। जांच अवधि में संबद्ध देश के बाजार के हिस्से में अत्यधिक गिरावट आई है।
- (7) यह कि समान उत्पाद के घरेलू उत्पादकों के लिए क्षति के प्राचलों की जांच की जानी चाहिए और न कि घरेलू उद्योग के लिए ही ऐसी जांच की जाए। यदि ऐसा विश्लेषण केवल घरेलू उद्योग तक की सीमित रहता है, तो उत्पादन, बिक्रियों, उत्पादन क्षमता और क्षमता उपयोग सहित कोई भी आर्थिक कारक क्षति को प्रतिबिम्बित नहीं करता है। इसके विपरीत घरेलू टाइल विनिर्माताओं के आर्थिक और वित्तीय सूचकों में सुधार हुआ है।
- (8) क्षति अवधि में विचाराधीन उत्पाद की मांग बढ़ी है। इस बढ़ी हुई मांग में आवेदक ने भी साझेदारी की है। संबद्ध देश से आयातों को हिस्सा कुल मांग का 8% से भी कम बनता है, जबकि याचिकादाताओं, समर्थकों, अपात्र घरेलू उत्पादकों और अन्य घरेलू उत्पादकों का संयुक्त बाजार-हिस्सा लगभग 92% बनता है।

- (9) याचिकादाताओं के उद्योग का उत्पादन, क्षमता उपयोग और क्षमता वृद्धि होने की प्रवृत्ति दर्शा रही हैं। जांच अवधि के दौरान याचिकादाता अपने उत्पादन का 95% को क्लीयर करने में समर्थ रहे हैं। इसी प्रकार जांच अवधि में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता, नकदी प्रवाह और नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ में भी वृद्धि हुई है।
- (10) वर्ष 2011-12 की तुलना में जांच अवधि में उत्पादन और बिक्रियों में क्रमशः 62% और 41% की वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग ने समस्त क्षति अवधि में अपनी क्षमता में वृद्धि की है। वर्ष 2011-12 की तुलना में जांच अवधि में उसकी क्षमता में वास्तव में 62% तक की वृद्धि हुई है।
- (11) यह कि घरेलू उद्योग को अत्यधिक उत्पादन क्षमता होने और निर्यात में गिरावट आने के कारण क्षति हुई है।
- (12) यह कि घरेलू उद्योग ने निर्यातों को बाहर रखने के बाद ही घरेलू बाजार के लिए उत्पाद का दावा किया है, लेकिन उसने माल सूचियां, यदि कोई है, तो उसे निर्यातों के कारण अंत स्टॉक से बाहर रखा है।
- (13) यह कि आवेदकों की याचिका से यह भी प्रतिबिम्बित होता है कि कोई कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण नहीं हुआ है क्योंकि चीन जनवादी गणराज्य से आयात कीमत और घरेलू उद्योग की बिक्रियों की लागत, समान प्रवृत्ति विश्लेषण का अनुगमन करती है। क्षति विश्लेषण अवधि में संबद्ध वस्तुओं की आयात कीमत में पर्याप्त वृद्धि हुई है। घरेलू उद्योग की कीमतें आयातों की पहुंच कीमतों से प्रभावित नहीं हुई हैं और घरेलू उद्योग बाजार में कीमत को संचालित करता है।
- (14) यह कि कीमत कटौती का मार्जिन नकारात्मक है और ऐसा कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है कि घरेलू उद्योग पहुंच कीमत से कम कीमत पर अपने उत्पाद को क्यों बेचता है।
- (15) यह कि पहुंच मूल्य का निर्धारण करने के लिए कुछ आयातों का चयन किया गया है। ऐसे चुनिन्दा कारोबार अपूर्ण छवि प्रतिबिम्बित करता है जिसके फलस्वरूप विषम कीमत प्रभाव का विश्लेषण होता है।
- (16) यह कि क्षति का विश्लेषण करने की अवधि में लाभ, नकदी प्रवाह और घरेलू उद्योग में नियोजित पूंजी पर प्रतिलाभ में बहुगुना वृद्धि हुई है और यह उच्चतम स्तर पर प्रचालन कर रहा था। घरेलू उद्योग में संघटित अनेक घरेलू उत्पादकों के कार्य-निष्पादन में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ है। घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन के समनुरूप वेतन और रोजगार में भी सुधार प्रतिबिम्बित हुआ है। पूंजी जुटाने की क्षमता पर भी कोई प्रभाव नहीं पड़ा है।
- (17) यह कि कम कीमत पर बिक्री सकारात्मक है, लेकिन उच्चतर स्तर पर घरेलू उद्योग की लाभप्रदता के कारण यह तुच्छ है। इसका उपयोग घरेलू उद्योग की क्षति का निर्धारण करने के एक कारक के रूप में नहीं किया जा सकता है।
- (18) यह कि घरेलू उद्योग के मूल्यांकन के संदर्भ बैंड पर आधारित कम कीमत पर बिक्री का परिकलन गलत है और निरर्थक है।
- (18) यह कि आर्थिक क्षति होने का कोई खतरा नहीं है क्योंकि संबद्ध देश के आयातों में कोई वृद्धि नहीं हुई है और चीन में स्वतंत्र रूप से उपलब्ध क्षमताएं होने का कोई प्रमाण नहीं है जिससे ऐसा पता चले कि भविष्य में भारत को निर्यात में वृद्धि होगी, कीमत ह्रास अथवा कीमत न्यूनीकरण का कोई प्रभाव नहीं है और चीन में संबद्ध वस्तुओं की माल सूचियों में वृद्धि होने का कोई साक्ष्य नहीं है।
- (20) यह कि क्षति का खतरा होने के बारे में कोई तथ्य प्रस्तुत नहीं किया गया है। ऐसी अवधारणा दोषपूर्ण है कि ब्राजील में पाटन-रोधी शुल्क लागू किए जाने से माल को भारत को अपवर्तित कर दिया जाएगा।
- (21) यह कि अनन्तिम शुल्क की सिफारिश, अनुच्छेद 9 ख और नियम 12 की पूर्व शर्तों को पूरा नहीं करती है। क्षति के खतरे के आधार पर प्रारंभिक जांच परिणाम की सिफारिश निषिद्ध है।
- (22) यह कि जांच की शुरुआत केवल आर्थिक क्षति के लिए की गई थी और यह क्षति के खतरे के लिए नहीं थी।
- (23) यह कि सार्थक क्षति विश्लेषण करना इसलिए संभव नहीं है क्योंकि कुल घरेलू उत्पादन में आवेदकों का हिस्सा केवल 37.41% बनता है और अधिकतर उत्पादक इसमें भाग नहीं ले रहे हैं। वर्तमान मामले में समर्थकों को भी अपनी लागत के आंकड़े प्रदान करने चाहिए।
- (24) यह कि मात्रा और कीमतों के लिए आयात के आंकड़ों के विभिन्न स्रोतों का इस्तेमाल करना अनुचित है और यदि आंकड़ों के केवल एक स्रोत पर ही विचार किया जाता, तो क्षति होने का कोई मामला नहीं पाया जाता।

अ.2. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

169. घरेलू उद्योग ने अपने निवेदनों में अन्य बातों के साथ-साथ निम्नोक्त तर्क दिए हैं:-
- (1) यह कि वर्ष 2013-14 तक संबद्ध देश से पाटित आयातों की मात्रा में गिरावट आई है और उसके बाद प्रस्तावित जांच अवधि में उसमें अत्यधिक वृद्धि हुई है। अक्टूबर, 2014 से मार्च, 2015 तक की अवधि में जो कि ब्राजील द्वारा चीन पर पाटन-रोधी शुल्क लागू किए जाने के बाद की अवधि है, आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है,।
 - (2) यह कि आयात कीमतें, घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों से अत्यधिक कम हैं। इस प्रकार इनके फलस्वरूप कीमतों में अत्यधिक कटौती हो रही है।
 - (3) यह कि आयातों की वास्तविक पहुंच कीमत, घरेलू उद्योग की लागत और बिक्री कीमत के स्तर से कम है। इस प्रकार पाटन-रोधी शुल्क नहीं लागू किए जाने के फलस्वरूप कम कीमत के आयातों में अत्यधिक वृद्धि होगी, जिसके कारण घरेलू बाजार में कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण होगा।
 - (4) यह कि घरेलू उद्योग ने देश में उत्पाद की बढ़ती मांग को देखते हुए प्रस्तावित क्षति अवधि में अपनी क्षमता में संवर्धन कर दिया है।
 - (5) यह कि क्षमताओं में संवर्धन करने से घरेलू उद्योग का उत्पादन बढ़ गया है। तथापि, आयातों में अत्यधिक वृद्धि होने से प्रस्तावित जांच अवधि में उसके उत्पादन में गिरावट आई है।
 - (6) यह कि जून, 2014 तक की अवधि में घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में वृद्धि हुई थी और उसके बाद उसमें गिरावट आई है।
 - (7) यह कि क्षति अवधि में घरेलू उद्योग की माल सूचियों में बहुत अधिक वृद्धि हुई है।
 - (8) यह कि क्षति अवधि में घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में वृद्धि हुई है। तथापि, जुलाई, 2014 में ब्राजील में पाटन-रोधी शुल्क लागू होने से पाटित कीमतों पर आयातों में अत्यधिक वृद्धि होनी शुरू हो गई थी। जैसा कि पहले बताया गया है, आयात कीमत, घरेलू उद्योग की बिक्रियों की लागत और बिक्री कीमत से बहुत कम है। इसलिए घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में गिरावट आने का स्पष्ट खतरा सन्निकट है।
 - (9) यह कि घरेलू उद्योग का तिमाही कार्य-निष्पादन, उसकी बिक्रियों, उत्पादन और क्षमता उपयोग में गिरावट दर्शाता है।
 - (10) यह कि पाटन मार्जिन ने केवल न्यूनतम है, लेकिन यह पर्याप्त भी है।
 - (11) यह आवश्यक नहीं है कि आंकड़े कीमत में कटौती होने और कीमत ह्रास/कीमत न्यूनरीकरण दोनों को दर्शाएं। जांच अवधि की विगत दो तिमाहियों में कीमत में अत्यधिक गिरावट आई है। यह ऐसी अवधि भी है जब चीन से आयातों में वृद्धि हुई है। इस प्रकार जब चीन से आयातों में वृद्धि हुई है, तब घरेलू उद्योग को अपनी कीमतों को घटाने के लिए विवश होना पड़ा है।
 - (12) यह कि जांच अवधि की विगत दो तिमाहियों में घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, बिक्रियों और क्षमता उपयोग में गिरावट आई है। इस प्रकार जबकि जांच अवधि की प्रथम छमाही तक इन प्राचलों के संबंध में घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में सुधार आया था, जांच अवधि की द्वितीय छमाही में घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में गिरावट आई है।
 - (13) यह कि घरेलू उद्योग ने भारतीय बाजार में विचाराधीन उत्पाद की बिक्री के लिए विनिर्माण सुविधाएं स्थापित की हैं। जब घरेलू उद्योग घरेलू बाजार में उत्पाद को बेचने में सक्षम नहीं था, तब घरेलू उद्योग ने केवल निर्यात बाजार में उत्पाद की बिक्री की है।
 - (14) यह कि याचिकादाता ने घरेलू और निर्यात बाजार में अपनी लाभप्रदता के बारे में सूचना प्रदान की है, जिससे स्पष्ट सिद्ध होता है कि निर्यात बाजार में घरेलू उद्योग का लाभ बदतर है।
 - (15) यह कि याचिकादाता ने इस कारण से रोजगार और वेतन के संबंध में सूचना प्रदान नहीं की है कि ये प्राचल देश में अन्य वृहत-आर्थिक प्राचलों से संचालित होते हैं और वे देश में प्रचलित श्रम कानूनों के मद्दे नजर रोजगार और वेतन को नियंत्रित करने की स्थिति में नहीं हैं।
 - (16) यह कि क्षति के अतिरिक्त घरेलू उद्योग, ब्राजील द्वारा चीन के आयातों पर लगाए गए भारी शुल्कों के कारण क्षति और वस्तुगत के खतरे से भी पीड़ित हो रहा है। चीन के बाजार में मांग गिर गई है और ऐसे नए संयंत्र स्थापित किए गए हैं जो कि 800 x 800 और अधिक आकार के उत्पाद का उत्पादन कर रहे हैं। चीन के उत्पादक अत्यधिक अप्रयुक्त क्षमताओं की समस्या का सामना कर रहे हैं।

- (17) यह कि हाल ही में पाकिस्तान, अर्जेंटीना, मेक्सिको और यूरोप जैसे अनेक अन्य देशों द्वारा चीन से टाईलों पर शुल्क लगाए जाने के कारण भी भारतीय बाजार में अत्यधिक पाटन हो रहा है।
170. क्षति और कारणात्मक संबंधों के बारे में अपने सामान्य निवेदनो के अतिरिक्त घरेलू उद्योग ने यह भी तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग की कीमत की तुलना, आयातों की पहुंच कीमत के साथ करते समय घरेलू बाजार में वस्तुओं की बिक्री करते समय घरेलू उद्योग की भाडे की लागत की पूरी तरह से अनदेखी की गई है। घरेलू उद्योग ने यह तर्क भी दिया है कि बिक्रियों पर भाडे के तत्व का मुद्दा, घरेलू उद्योग द्वारा भाडे पर अदा की गई क्षति रहित बिक्री कीमत (एनआईपी जमा भाडा) की तुलना आयातों के पहुंच मूल्य के साथ करने के लिए क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के परिप्रेक्ष्य में है, क्योंकि इस उत्पाद पर भाडे का अंश पर्याप्त है। इस समय प्राधिकारी क्षति रहित कीमत और आयातों की पहुंच कीमत के बीच के अंतर के रूप में क्षति मार्जिन का निर्धारण करते हैं। घरेलू उद्योग का यह तर्क है कि इसका समर्थन करने का कोई कानूनी आधार नहीं है कि क्षति मार्जिन का अभिप्राय केवल क्षति रहित कीमत और आयातों की पहुंच कीमत के साथ तुलना करना है। घरेलू उद्योग के अन्य तर्क निम्नोक्त अनुसार हैं:-
- (क) वर्तमान पद्धति साधारण उपागम को अपनाने के परिणाम स्वरूप है। उचित कीमत की तुलना के एक अंग के रूप में भाडे की मान्यता में परिकलन को जटिल बनाने का तत्व निहित है।
- (ख) यह तथ्य मात्र कि व्यवसाय की वास्तविकता को स्वीकार करने से व्यापक परिकलन करने की आवश्यकता होगी, का अर्थ यह नहीं हो सकता है कि प्राधिकारी को इसे मानने, स्वीकार करने और उसके बाद व्यवसाय की वास्तविकता को क्रियान्वित करने से हिचकना चाहिए।
- (ग) ऐसे परिकलनों में निहित केवल कुछ जटिलताओं के कारण भारतीय विनिर्माण क्षेत्र को नुकसान नहीं पहुंचाया जा सकता है।
- (घ) यह तथ्य मात्र कि प्राधिकारी ने विगत में ऐसी तुलना नहीं की है का यह अर्थ नहीं है कि प्राधिकारी को भारतीय विनिर्माण क्षेत्र की ऐसा वास्तविक चिंताओं से मनाही करनी चाहिए और घरेलू उद्योग को क्षति पहुंचाई जानी चाहिए।
- (ङ) कीमत समायोजन की मद के रूप में भाडे को मान्यता देने में विश्व व्यापार संगठन के करार का कोई संभावित उल्लंघन नहीं है।
- (च) प्राधिकारी केवल पीसीएन-वार क्षति मार्जिन अथवा मासिक-वार मासिक क्षति मार्जिन को पाटन मार्जिन का निर्धारण करने में लागू उचित तुलना के सिद्धांत के प्राकृतिक उप-सिद्धांत के रूप में मान रहे हैं।
- (छ) ऐसा विवेचन करना सही नहीं है कि क्षति मार्जिन का निर्धारण करने की वर्तमान पद्धति, उचित तुलना करने के सिद्धांत को लागू करने की अनुमति नहीं देती है और निर्दिष्ट प्राधिकारी उचित तुलना करने के सिद्धांत को लागू नहीं करते हैं।
- (ज) भाडे को शामिल करने का तात्पर्य अत्यधिक संरक्षण देने से है, जो कि इस तर्क की पुष्टि करने के लिए भ्रामक वक्तव्य देने जैसा होगा कि किसी भी तरह से पाटन-रोधी शुल्कों की मात्रा को पाटन मार्जिन से अधिक बढ़ाया नहीं जा सकता है। इससे प्राधिकारी द्वारा लागू की जा रही वर्तमान कार्य-प्रणाली की प्रमुख असंगति का निदान होगा।
- (झ) प्राधिकारी को इस मुद्दे पर निर्णय लेने के लिए कुछ लोचशीलता बनाए रखने की आवश्यकता है कि किस भाडे पर अलग-अलग मामले के आधार पर और प्राधिकारियों के पास उपलब्ध विकल्पों पर विचार किए जाने की आवश्यकता है।
- (ञ) यदि आयातित उत्पाद पर वहन किया गया भारित औसत भाडा, घरेलू उत्पाद पर वहन किए गए भारित औसत भाडे से अधिक है, तो प्राधिकारी को घरेलू उत्पाद पर वहन किए गए भारित औसत भाडे को मान्यता देने की आवश्यकता है। तथापि, यदि घरेलू उत्पाद पर वहन किया गया भारित औसत भाडा, आयातित उत्पाद पर वहन किए गए भारित औसत भाडे से अधिक होता है, तो प्राधिकारी को आयातित उत्पाद पर वहन किए गए भारित औसत भाडे को मान्यता दे सकते हैं और यह विचार कर सकते हैं कि भाडा कीमत का समायोजन करने का महत्वपूर्ण अंग है और तदनुसार यह उचित समायोजन सुनिश्चित करता है।
- (ट) प्राधिकारी को क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए सभी संबद्ध कारकों को ध्यान में रखने के बाद पहुंच कीमत और क्षति रहित कीमत के बीच उचित तुलना करने के सिद्धांतों को लागू करने की आवश्यकता है। वर्तमान मामले में प्राधिकारी कृपया आयातित उत्पाद और घरेलू उत्पाद के बीच भाडे की लागत के बीच के अंतर पर विचार करें, जो कि कीमत की तुलनीय क्षमता को प्रभावित करता है।
- (ठ) प्राधिकारी को ऐसी भिन्नताओं के लिए उचित छूट देने की आवश्यकता है, जो कि कीमत की तुलनीय क्षमता को प्रभावित करती है। उचित तुलना सुनिश्चित करना जांचकर्ता प्राधिकारी का दायित्व है और न कि यह दायित्व जांच किए जाने वाले पक्षकारों का है।
- (ड) यदि आयात कीमत में भाडे को शामिल किया जाता है, तो घरेलू कीमत में भी इसे शामिल किया जाना चाहिए और दोनों को सुपुर्दगी स्तर पर देखा जाना चाहिए। अन्यथा दोनों कीमतों को कारखानागत स्तर पर लिया जाना चाहिए।

- (ढ) प्राधिकारी को दो कार्य-प्रणालियों - कारखानागत कीमत की सीआईएफ आयात की कीमत के साथ तुलना करने और सुपुर्दगी शुल्क अभिदत्त कीमतों अथवा डीडपी कीमतों की सुपुर्दगी कीमत के साथ तुलना करने के आधार पर क्षति मार्जिन का निर्धारण करना चाहिए।
- (ण) वर्तमान मामले में भाडा लागत का महत्वपूर्ण अंग है और इसे क्षति रहित कीमत के साथ जोडा जाना चाहिए क्योंकि आयातों की पहुंच कीमत के साथ सहयोजित भाडे को शामिल किए बिना घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत की तुलना करने के लिए उसका बहिष्करण करने से उचित तुलना नहीं होगी।
- (त) यदि प्राधिकारी अन्यथा करने का विकल्प अपनाते हैं, तो वे कृपया अनुबंध-3 के अनुसार परिकलित कारखानागत स्तर पर क्षति रहित कीमत की तुलना, वस्तुओं की कारखाना-गत निर्यात कीमत के साथ करने पर विचार करें ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि संबद्ध वस्तुओं के भाडे के तत्व को किसी भी मामले में शामिल नहीं किया गया है।
- (थ) प्रारंभिक जांच परिणाम में निर्धारित किया गया क्षति मार्जिन अनुपयुक्त है और क्योंकि इसे घटा करके बताया गया है। इसलिए क्षति रहित कीमत और पहुंच कीमत के बीच तुलना अनुचित है क्योंकि दोनों कीमतों का परिकलन समान स्तर पर नहीं किया गया है।
- (द) प्राधिकारी ने क्षति मार्जिन का निर्धारण, निर्यातकों द्वारा आयातकों को दिए गए ऋण की अवधि बढ़ाने और घरेलू उद्योग को दी गई अनुमत अवधि के बीच के अंतर के कारण किए जाने वाले समायोजन के बगैर किया है।
- (ध) क्षति रहित कीमत और आयात कीमत पर या तो उनको शामिल करने अथवा सहयोजित भाडों को शामिल नहीं करके विचार करना चाहिए।

171. भाडे का समायोजन करने के अतिरिक्त घरेलू उद्योग ने यह भी तर्क दिया है कि क्षति मार्जिन का आक्कलन करने के लिए ऋण की अवधि में अंतर होने के लिए उपयुक्त समायोजन करने की अनुमति दी जानी चाहिए। यह तर्क दिया गया है कि प्राधिकारी को क्षति मार्जिन का निर्धारण करते समय घरेलू उद्योग और विदेशी आपूर्तिकर्ताओं अथवा निर्यातकों द्वारा बढ़ाई गई ऋण अवधि के अंतर को भी ध्यान में रखना चाहिए। किसी उत्पाद की बिक्री कीमत, प्रत्यक्ष रूप से विक्रेता द्वारा पेश की गई ऋण की अवधि पर निर्भर करती है क्योंकि विक्रेता उस स्थिति में उत्पाद की अधिक कीमत प्राप्त करने में सक्षम होता है, जिसमें ऋण की अधिक अवधि की स्वीकृति दी जाती है। इस प्रकार यदि ऋण की लंबी अवधि की अनुमति दे कर बिक्रियां की जाती हैं, तो उत्पाद की कीमत, बढ़ाई गई ऋण अवधि की सीमा तक अधिक होगी। इस संबंध में किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- (क) चूंकि घरेलू उद्योग और विदेशी उत्पादकों द्वारा पेश की गई ऋण की अवधि में अंतर होता है, इसलिए ऋण की अवधि में अंतर के लिए इन दोनों विकल्पों में से किसी एक का अर्थात् या तो निर्यातकों द्वारा पेश की गई ऋण अवधि के लिए आयातों की पहुंच कीमत को घटाया जाना चाहिए अथवा ऐसे अंतर को ध्यान में रख कर क्षति रहित कीमत में वृद्धि की जानी चाहिए, का उचित समायोजन करने के बाद क्षति रहित कीमत की तुलना, आयातों की पहुंच कीमत के साथ किए जाने की आवश्यकता है।
- (ख) क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ भारत में प्रचलित ऋण की लागत अर्थात् भारत में अल्पावधि की ऋणों की लागत को ऐसे समायोजनों के लिए अपनाया जाना चाहिए।

172. जिन घरेलू उत्पादकों को घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखा गया है, उन्होंने यह तर्क दिया है कि संगठित क्षेत्र में इन उत्पादकों के क्षति की जांच करने से बहिष्कृत करने के फलस्वरूप विषम अथवा विकृत जांच परिणाम दिए गए हैं क्योंकि असंगठित क्षेत्र के आंकड़े देश में घरेलू उत्पादकों को हुई क्षति की वास्तविक छवि को अंकित नहीं करते हैं। यह तर्क दिया गया है कि घरेलू उत्पादकों को उन बाजारों में बिक्री करने के लिए अत्यधिक भाडे की हानियां होने के कारण कुछ स्थानिक बाजारों के लिए संबद्ध देश से आयात करने पड़े हैं।

ब.4. प्राधिकारी द्वारा जांच

173. प्राधिकारी घरेलू उद्योग और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों और उनमें उठाए गए मुद्दों को नोट करते हैं और उन्होंने उनका निदान निम्नोक्त संबद्ध पैराओं में किया है।

174. पाटन-रोधी शुल्क लगाने का आवेदन-पत्र, संबद्ध वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों की ओर से गुजरात ग्रेनिटो मेन्युफेक्चरर्स एसोसिएशन और साबरकांथा डिस्ट्रिक्ट सिरेमिक एसोसिएशन के साथ संबद्ध वस्तुओं के 24 घरेलू उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत किया गया है। जैसा कि नियमावली के नियम 2 (ख) में परिभाषित किया गया है, इन 24 उत्पादकों को घरेलू उद्योग के रूप में माना गया है। घरेलू उद्योग सहित हितबद्ध पक्षकारों ने अनेक तर्क दिए हैं, जिनमें यह भी तर्क शामिल है कि कुछ संगठित उत्पादकों को घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र से बाहर रखे जाने के कारण प्रारंभिक जांच परिणाम में क्षति की जांच विकृत हुई है और इसलिए इन सभी बहिष्कृत उत्पादकों, जिन्होंने

अपनी लागत और कीमतों के बारे में विस्तृत सूचना और क्षति संबंधी अन्य सूचना प्रस्तुत की है, पर अंतिम निर्धारण करते समय विचार किया जाना चाहिए।

175. इस मुद्दे की जांच की गई है और प्राधिकारी नोट करते हैं कि इन उत्पादकों को घरेलू उद्योग के कार्य-क्षेत्र से इसलिए बाहर रखा गया था क्योंकि उन्होंने संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के अत्यधिक आयात किए थे। उदाहरण के लिए कजारिया के आयात, उसके अपने उत्पादन का 15% भाग थे और उत्पादन के 8% भाग में उसके संयुक्त उद्यमी सहभागी शामिल थे। इसी प्रकार सोमानी के आयातों को उसके उत्पादन का 32% भाग पाया गया है और उसके उत्पादन में 6% भाग उसके संयुक्त उद्यमी सहभागियों का है। क्षति की जांच में इन आयातों को नगण्य अथवा तुच्छ नहीं माना गया है। इसलिए इन उत्पादकों का बहिष्करण प्राधिकारी की सुसंगत पद्धति के अनुसार है और तदनुसार घरेलू उद्योग का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ शेष पात्र घरेलू उद्योग पर विचार किया गया है। जैसा ऊपर उल्लेख किया गया है, क्षति का निर्धारण करने के लिए घरेलू उद्योग की लागत और क्षति की सूचना की जांच की गई है।

176. प्राधिकारी आगे यह भी नोट करते हैं कि आर्थिक क्षति और आर्थिक क्षति का खतरा होने के आधार पर जांच शुरू करने के लिए घरेलू उद्योग का आवेदन-पत्र प्रस्तुत किया गया था और प्राधिकारी ने इस तथ्य को जांच शुरू करने की अधिसूचना के पैरा 12 और 13 में दर्ज किया है। इसलिए प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों का तर्क सही नहीं है।

177. प्रतिवादी हितबद्ध पक्षकारों ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग को कोई आर्थिक क्षति नहीं हुई है और आर्थिक क्षति का खतरा रिकार्ड पर उपलब्ध साक्ष्य पर आधारित नहीं है। प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के आंकड़ों का सत्यापन करने के साथ-साथ चीन से सहयोगी निर्यातकों के आंकड़ों के आधार पर आयातों की मात्रा और कीमतों का मूल्यांकन करने के बाद क्षति के विभिन्न प्राचलों की नए सिरे से जांच की है, जिसे परवर्ती पैराओं में दर्ज किया गया है और पक्षकारों की चिन्ताओं का निदान उनमें किया गया है।

178. घरेलू उद्योग के इन निवेदनों के संबंध में कि वे पाटित आयातों के कारण सामग्री के विलम्बन का सामना कर रहे हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह मामला आर्थिक क्षति और आर्थिक क्षति का खतरा होने के साक्ष्य के आधार पर शुरू किया गया था। इसलिए इस चरण में सामग्री के विलम्बन के आरोपों को शामिल करने के लिए इस जांच का विस्तार नहीं किया जा सकता है।

179. घरेलू उद्योग के इस तर्क को नोट कर लिया गया है कि आयात कीमत और घरेलू उद्योग की उचित बिक्री कीमत की तुलना बिक्री के बिन्दु पर की जानी चाहिए न कि कार्य-गत और सीमा-शुल्क-गत स्तर पर क्योंकि भाड़े में अत्यधिक अंतर विद्यमान होता है। घरेलू उद्योग का यह भी तर्क है कि जबकि वस्तुओं का उत्पादन अधिकतर गुजरात के पश्चिमी समुद्री तटवर्तीय केन्द्रों में होता है और उसे भारत के दक्षिण और उत्तर के मुख्य खपत केन्द्रों में डो कर लाना पड़ता है, इसलिए अधिकतर आयात दक्षिणी बन्दरगाहों में होते हैं, जो कि खपत के केन्द्र के निकटस्थ हैं, जिन पर बहुत सामान्य समुद्री भाड़ा लगता है और उसमें कोई आंतरिक भाड़ा लागत भी नहीं लगती है। इसलिए खपत केन्द्रों तक वस्तुओं की सुपदगी में शामिल भाड़े के तत्व को ध्यान में रखे बिना किसी भी क्षति मार्जिन का निर्धारण करने से तुलना विकृत होगी और यह क्षति मार्जिन के रूप में घरेलू उद्योग का पर्याप्त संरक्षण प्रदान नहीं करेगी।

180. इसलिए घरेलू उद्योग का तर्क मुख्यतया यही है कि ऐसे मामलों में जिनमें भाड़े का तत्व पर्याप्त है, उनमें संयंत्र से खपत अथवा वितरण स्थल तक तथा बन्दरगाह से खपत अथवा वितरण स्थल तक के पर्याप्त भाड़े को क्रमशः क्षति रहित कीमत और पहुंच मूल्य में जोड़ा जाना चाहिए ताकि क्षति मार्जिन का आक्कलन किया जा सके। ऐसा पाटन-रोधी करार के अनुच्छेद 2.4 में निर्धारित सिद्धांतों का अनुपालन करते हुए किया जा सकता है, जो कि व्यापार के समायोजनों अथवा ऐसे कारकों की अनुमति देता है, जो कि पाटन मार्जिन का निर्धारण करने में निर्यात बिक्रियों के साथ घरेलू बिक्रियों की उचित तुलना करने के प्रयोजनार्थ कीमत की तुलनीय क्षमता को प्रभावित करते हैं।

181. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तुओं के अधिकतर आयात (84%) चेन्नई, कोचीन, नवा शेवा और टूटीकोरिन बन्दरगाहों पर किए जाते हैं। 52% आयात 3 दक्षिणी बन्दरगाहों पर किए जाते हैं, जबकि संबद्ध वस्तुओं का अधिकतर उत्पादन गुजरात के समुद्री तट पर होता है। आयात के आंकड़ों में प्रतिबिम्बित कीमत में अंतर से यह पता चलता है कि मुंबई में आयात की कीमतें दक्षिणी बन्दरगाहों की तुलना अत्यधिक हैं, जिसका प्रत्यक्ष कारण समुद्री भाड़े में अंतर होना है। इसलिए दक्षिणी बन्दरगाहों पर आयातित संबद्ध वस्तुओं की पहुंच कीमतें अत्यधिक कम हैं और खपत स्थल के निकटस्थ आयात होने के कारण अंतरदेशीय भाड़े का तत्व भी कम है। जबकि घरेलू उद्योग अथवा घरेलू उद्योग से संबद्ध वस्तुओं के क्रेताओं को दक्षिणी शहरों में वस्तुओं के परिवहन की अत्यधिक लागत का वहन करना पड़ता है। इसलिए घरेलू उद्योग का यह तर्क है कि खपत के स्थल पर विशेषकर इन दक्षिणी बन्दरगाहों में आयातों के पहुंच मूल्य की तुलना, घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत के साथ की जानी चाहिए, जिसका आक्कलन कार्यगत स्तर पर किया गया है, जिसके फलस्वरूप विषम परिणाम निकले हैं तथा इसका निदान खपत के स्थल पर अथवा वितरण स्थल पर तुलना करके अंतरदेशीय भाड़े को कुछ उचित आधार पर खपत और वितरण दोनों स्थलों में जोड़ कर करने की आवश्यकता है।

182. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा इस मुद्दे को विगत में भी ऐसे अनेक मामलों में उठाया गया है, जिनमें भाड़ा घरेलू उद्योग अथवा वस्तुओं के क्रेता की लागत का भाग बनता है। प्राधिकारी ने सुसंगत रूप से इस आधार को अपनाया है कि क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए विगत विक्रियों के व्यय को ध्यान में रखना संभव नहीं है। तथापि, इस मुद्दे की और जांच करने के लिए घरेलू उद्योग से कहा गया था कि वह विभिन्न क्षेत्रों को की गई अपनी विक्रियों के आंकड़े प्रस्तुत करे और भाड़े के प्रभाव को प्रदर्शित करे, जैसा कि उसने तर्क किया है। लेकिन घरेलू उद्योग इस संबंध में संपूर्ण सूचना देने में विफल रहा है। इसलिए प्राधिकारी का यह मानना है कि मौजूदा कार्यप्रणाली का अनुसरण नहीं करने से नीतिगत अवधारणा से गहन विश्लेषण करने की आवश्यकता होगी और यह विशिष्ट उपागम का मामला नहीं है तथा इसलिए उन्होंने इस मुद्दे पर अपने सुसंगत आधार को बनाए रखा है।

183. जहां तक ऋण लागत का समायोजन करने के संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि सहयोगी निर्यातकों के आंकड़ों की जांच करने से किसी विशिष्ट ऋण अवधि का पता नहीं चलता है। वास्तव में व्यापार की प्रकृति ऐसी है कि आंशिक भुगतान अग्रिम प्राप्त किया जाता है। इसलिए इस मामले में ऐसा मुद्दा नहीं है और इसलिए इसका यहां निदान नहीं किया जाता है।

च. आर्थिक क्षति की जांच

184. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II में यह उपबंध है कि क्षति के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा और समान उत्पाद के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पाटित आयातों की मात्रा और समान वस्तुओं के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव; तथा (ख) ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातकों के परिणामी प्रभाव, दोनों की तथ्यपरक जांच शामिल होगी। पाटित आयातों की मात्रा की जांच करते समय उक्त प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप में या भारत में उत्पादन या खपत की तुलना में पर्याप्त वृद्धि हुई है। जहां तक कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव का संबंध है, प्राधिकारी इस बात पर विचार करेंगे कि क्या पाटित आयातों द्वारा भारत में समान उत्पाद की कीमत की तुलना में अत्यधिक कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव से कीमतों में अन्यथा अत्यधिक गिरावट आई है या कीमत में होने वाली उस वृद्धि में रुकावट आई है, जो अन्यथा पर्याप्त स्तर तक बढ़ गई होती।"

च.1. पाटित आयातों के वास्तविक और संभावित प्रभाव की जांच

(क) पाटित आयातों के मात्रात्मक प्रभाव

(1) आयातों की मात्रा और संबद्ध देशों का हिस्सा

185. पाटित आयातों की मात्रा के संबंध में प्राधिकारी को इस पर विचार करने की आवश्यकता है कि क्या पूर्णरूपेण अथवा भारत में उत्पादन और खपत के संबंध में पाटित आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। जैसा कि ऊपर नोट किया गया है, प्राधिकारी ने पाटित आयातों की मात्रा का निर्धारण करने के लिए डीजीसीआईएंडएस से अधिप्राप्त किए गए आयात आंकड़ों पर विश्वास किया है। चूंकि संबद्ध देश से आयातित संबद्ध वस्तुओं को सभी आयातों के न्यूनतम स्तर से अत्यधिक ऊपर के पाटन मार्जिन के साथ पाटित पाया गया है, जैसा कि विचाराधीन उत्पाद के लिए डीजीसीआईएंडएस के आंकड़ों से उन्हें पृथक किया गया है, इसलिए उन्हें पाटित आयात माना गया है।

186. इस विश्लेषण के अनुसार क्षति की जांच करने की अवधि में आयातों और पाटित आयातों की मात्रा निम्नानुसार है:-

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15 जांच अवधि
आयात की मात्रा					
चीन - संबद्ध देश	000' वर्ग मीटर	27,640	17,234	10,872	20,540
अन्य देश	000' वर्ग मीटर	1,728	1,745	1,037	777
कुल आयात	000' वर्ग मीटर	29,368	18,980	11,909	21,318
आयात बाजार का हिस्सा					
चीन - संबद्ध देश	%	94.12%	90.80%	91.29%	96.35%
अन्य देश	%	5.88%	9.20%	8.71%	3.65%
कुल आयात	%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%

***जांच अवधि: अप्रैल, 2014 - मार्च, 2015**

187. आंकड़ों से पता चलता है कि वर्ष 2011-12 से 2013-14 तक की चीन से आयातों में अत्यधिक गिरावट आई है और उसके बाद जांच अवधि में आयातों में अचानक उछाल आ गया है। विगत वर्ष की तुलना में जांच के बाद की अवधि में आयात वास्तविक रूप से दुगुने हो गए हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस अवधि में जून, 2013 तक पाटन-रोधी शुल्क लागू थे, जो कि वर्ष 2013-14 तक आयातों में स्थिर गिरावट दर्शाते हैं। जून, 2013 में पाटन-रोधी शुल्क के समाप्त हो जाने के बाद आयातों में पर्याप्त रूप से तेजी आई है।

188. याचिकादाताओं ने यह निवेदन किया है कि अक्टूबर, 2014 से मार्च, 2015 तक की अवधि में जो कि चीन पर ब्राजील द्वारा पाटन-रोधी शुल्क लागू किए जाने की अवधि है, संबद्ध आयातों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। जैसा कि नीचे तालिका में दिया गया है, जांच अवधि में आयातों के त्रैमासिक चलन से जांच अवधि की अंतिम तिमाही में आयातों में अत्यधिक दर से वृद्धि होने का पता चलता है, जिससे स्पष्ट होता है कि यदि यह प्रवृत्ति जारी रहती है, तो ऐसे आयातों में और वृद्धि होने की संभावना है।

विवरण	यूनिट	अप्रैल, 2014-जून, 2014	जुलाई, 2014- सितंबर, 2014	अक्टूबर, 2014- दिसंबर, 2014	जनवरी, 2015 - मार्च, 2015
आयात की मात्रा					
चीन - संबद्ध देश	000' वर्ग मीटर	3,173	4,633	5,809	6,925
अन्य देश	000' वर्ग मीटर	169	202	205	202
कुल आयात	000' वर्ग मीटर	3,342	4,835	6,014	7,127
आयात बाजार का हिस्सा					
चीन - संबद्ध देश	%	94.95%	95.82%	96.59%	97.17%
अन्य देश	%	5.05%	4.18%	3.41%	2.83%
कुल आयात	%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%

(2) मांग और बाजार का हिस्सा

189. घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग और संबद्ध देश की मांग और उनके बाजार के हिस्से का मूल्यांकन, कुल आयातों, संबद्ध वस्तुओं की घरेलू खपत/मांग, घरेलू उद्योग और अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्रियों की मात्रा को ध्यान में रख कर किया गया है और यह निम्नानुसार है:-

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
कुल भारतीय मांग					
याचिकादाता कंपनियों की बिक्रियां	000' वर्ग मीटर	39,462	51,113	51,953	55,752
समर्थक कंपनियों की बिक्रियां	000' वर्ग मीटर	16,579	22,757	23,422	27,113
अन्य भारतीय उद्योग की बिक्रियां	000' वर्ग मीटर	32,175	73,352	75,830	86,811

पात्र अन्य भारतीय उद्योग की बिक्रियां	000' वर्ग मीटर	28,010	47,636	57,578	70,469
चीन - संबद्ध देश	000' वर्ग मीटर	27,640	17,234	10,872	20,540
अन्य देश	000' वर्ग मीटर	1,728	1,745	1,037	777
कुल मांग	000' वर्ग मीटर	145,594	213,838	220,691	261,463
मांग में बाजार का हिस्सा					
याचिकादाता कंपनियों की बिक्रियां	%	27.10%	23.90%	23.54%	21.32%
समर्थक कंपनियों की बिक्रियां	%	11.39%	10.64%	10.61%	10.37%
अन्य भारतीय उद्योग की बिक्रियां	%	22.10%	34.30%	34.36%	33.20%
पात्र अन्य भारतीय उद्योग की बिक्रियां	%	19.24%	22.28%	26.09%	26.95%
चीन - संबद्ध देश	%	18.98%	8.06%	4.93%	7.86%
अन्य देश	%	1.19%	0.82%	0.47%	0.30%
कुल मांग	%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%

190. उपरोक्त आंकड़ों से पता चलता है कि निर्माण उद्योग से संबद्ध घरेलू बाजार में उत्पाद की मांग, क्षति की अवधि में लगभग 80% की बहुत अच्छी वृद्धि दर्शाती है और घरेलू उद्योग के साथ-साथ अन्य घरेलू उत्पादकों ने भी घरेलू बाजार में अपनी बिक्रियां बढ़ाई हैं। समग्र क्षति अवधि में संबद्ध देश से आयातों में गिरावट आने के बाद जांच अवधि में ऐसे आयातों में वृद्धि हुई है। तथापि, घरेलू उद्योग के बाजार के हिस्से में गिरावट आई है, जबकि अन्य घरेलू उत्पादकों के बाजार के हिस्से में अत्यधिक वृद्धि हुई है। भारतीय मांग में संबद्ध देश के हिस्से में विगत वर्ष में गिरावट आई थी, लेकिन जांच अवधि में उसके हिस्से में पर्याप्त उछाल आया है जिसका प्रत्यक्ष कारण संभवतः विगत में लागू पाटन-रोधी शुल्क को समाप्त कर दिया जाना है।

191. क्षति के खतरे के आरोप को ध्यान में रखते हुए आयातों के त्रैमासिक आंकड़ों की जांच भी की गई है, ताकि जांच अवधि में उसकी प्रवृत्ति को देखा जा सके। इस अवधि के आंकड़े निम्नानुसार हैं:-

विवरण	यूनिट	अप्रैल, 2014- जून, 2014	जुलाई, 2014- सितंबर, 2014	अक्टूबर, 2014- दिसंबर, 2014	जनवरी, 2015 - मार्च, 2015
कुल भारतीय मांग					
याचिकादाता कंपनियों की बिक्रियां	000' वर्ग मीटर	14,232	13,738	14,268	13,513
समर्थक कंपनियों की बिक्रियां	000' वर्ग मीटर	6,921	6,681	6,939	6,572
अन्य भारतीय उद्योग की बिक्रियां	000' वर्ग मीटर	22,161	21,392	22,216	21,041
पात्र अन्य भारतीय उद्योग की बिक्रियां	000' वर्ग मीटर	17,989	17,365	18,034	17,080

आयात - संबद्ध देश	000' वर्ग मीटर	3,173	4,633	5,809	6,925
आयात - अन्य देश	000' वर्ग मीटर	169	202	205	202
मांग	000' वर्ग मीटर	64,645	64,011	67,472	65,333
मांग में बाजार का हिस्सा					
याचिकादाता कंपनियों की बिक्रियां	%	22.02%	21.46%	21.15%	20.68%
समर्थक कंपनियों की बिक्रियां	%	10.71%	10.44%	10.28%	10.06%
अन्य भारतीय उद्योग की बिक्रियां	%	34.28%	33.42%	32.93%	32.21%
पात्र अन्य भारतीय उद्योग की बिक्रियां	%	27.83%	27.13%	26.73%	26.14%
चीन - संबद्ध देश	%	4.91%	7.24%	8.61%	10.60%
अन्य देश	%	0.26%	0.32%	0.30%	0.31%
कुल मांग	%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%

192. उपरोक्त आंकड़ों से पता चलता है कि जांच अवधि की अंतिम दो तिमाहियों में आयातों के बाजार के हिस्से में वृद्धि हुई है और प्रथम तिमाही की तुलना में अंतिम तिमाही में यह दुगुना हो गया है, जिससे स्पष्ट पता चलता है कि उसमें निरंतर वृद्धि हो रही है।

(3) कुल आयातों, उत्पादन और खपत के संबंध में आयात

193. उत्पादन और खपत के संबंध में आयातों ने भी वर्ष 2013-14 तक गिरावट होने की और जांच अवधि में उसमें अचानक उछाल आने की इसी प्रवृत्ति को दर्शाया है। त्रैमासिक विश्लेषण के रूप में उत्पादन और खपत के संबंध में आयात निरंतर वृद्धि होने की प्रवृत्ति दर्शाते हैं।

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
निम्न के संबंध में संबद्ध देश के आयात					
कुल आयात	%	94.12%	90.80%	91.29%	96.35%
कुल भारतीय उत्पादन	%	30.36%	11.53%	7.08%	11.29%
कुल भारतीय खपत	%	18.98%	8.06%	4.93%	7.86%

ख. पाटित आयातों के कीमत संबंधी प्रभाव

194. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी को इस पर विचार करने की आवश्यकता होती है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमत के साथ तुलना करने पर पाटित आयातों द्वारा कीमत में अत्यधिक कटौती की जा रही है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव अन्यथा अत्यधिक स्तर तक कीमतों में ह्रास करते अथवा कीमत में वृद्धि होने को रोकते, जो कि अन्यथा बहुत हद तक बढ़ गई होती। तदनुसार संबद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों पर पड़ने वाले प्रभाव की जांच, कीमत में कटौती होने, कम कीमत पर बिक्री होने तथा कीमत ह्रास और कीमत न्यूनीकरण के प्रसंग में की गई है।

195. घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं की आयात कीमतों में अभूतपूर्व गिरावट हुई है। आयात कीमत में 33 सेंट से 21 सेंट तक गिरावट टाईल जैसे किसी उत्पाद के लिए बहुत अधिक है जहां लागतें कमोबेश स्थिर हैं। यह कोई वैसा मामला नहीं है, जहां कच्चे माल की कीमतों तेजी से गिरावट हुई हों, जिसके कारण उत्पाद की कीमतों में इस प्रकार की बहुत अधिक गिरावट हो सकती थी। यह एक स्पष्ट मामला है जहां लागतें अधिक अथवा कम स्थिर रही हैं और उत्पाद की कीमतों में तेजी से गिरावट चीनी उत्पादकों द्वारा अपनाए गए पाटन के कारण हुई है।
196. पाटित आयातों की कीमत के प्रभाव की जांच, कीमत में कटौती, कम कीमत पर बिक्री और कीमत पर दबाव एवं मंदी के प्रभावों के मामले में की गई है। इस विश्लेषण का उद्देश्य कीमतों पर विचार पूर्व में दर्ज किए गए तथ्यों को देखते हुए सीमा शुल्क के आंकड़ों के अनुसार किया गया है।
- i. **कीमत में कटौती**
197. कीमत में कटौती का निर्धारण आयातों की भारित औसत पहुँच कीमत की तुलना घरेलू उद्योग के भारित औसत निवल बिक्री प्राप्ति से करते हुए की गई है।

विवरण	यूनिट	2014-15
पहुँच मूल्य	रु./एसक्यूएम	366.14
घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत	रु./एसक्यूएम	***
कीमत कटौती	रु./एसक्यूएम	(***)
कीमत कटौती	%	(0-10)
कीमत कटौती	% रेंज	नकारात्मक

198. उपर्युक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि पहुँच कीमत घरेलू उद्योग की बिक्री कीमतों से अधिक है और इस प्रकार से कीमत में नकारात्मक कटौती हुई है।
199. तिमाही आंकड़ों की भी जांच क्षति की संभावना के आरोप को देखते हुए कीमतों और कीमतों के प्रभावों की प्रवृत्ति को देखने के लिए की गई है। ये आंकड़े निम्नलिखित दर्शाते हैं:

विवरण	यूनिट	तिमाही-1	तिमाही-2	तिमाही-3	तिमाही-4
पहुँच मूल्य	रु. प्रति वर्ग मीटर	***	***	***	***
घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत	रु. प्रति वर्ग मीटर	(***)	(***)	***	***
कीमत कटौती	रु. प्रति वर्ग मीटर	(0-10)	(0-10)	0-10	0-10
कीमत कटौती	%	***	***	***	***

200. उपर्युक्त आंकड़े जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देश की आयात कीमतों में अत्यधिक गिरावट को दर्शाते हैं जिसके फलस्वरूप पिछली दो तिमाहियों के दौरान सकारात्मक कटौती हुई है।

ii. **कम कीमत पर बिक्री**

201. पाटित आयातों की कम कीमत पर बिक्री के प्रभावों की जांच करने के लिए, संबद्ध देश से आयातों की भारित औसत पहुँच कीमत की तुलना नीचे दी गई नियमावली के अनुबंध-III को ध्यान में रखकर निर्धारित घरेलू उद्योग की क्षतिरहित भारित औसत कीमत के साथ की गई है।

	अमेरिकी डॉलर	आईएनआर
	प्रति एसक्यूएम	प्रति एसक्यूएम
क्षतिरहित कीमत	***	***
आयातों का पहुँच मूल्य	5.94	366.14
कम कीमत पर बिक्री	(***)	(***)
कम कीमत पर बिक्री	(***)	(***)
कम कीमत पर बिक्री	(0-10)	(0-10)

202. उपर्युक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि संबद्ध देश से आयात भारतीय बाजार में घरेलू बाजार की क्षतिरहित कीमत से कम कीमतों पर हो रहा है जो घरेलू कीमतों पर कम कीमत पर बिक्री के सकारात्मक प्रभाव को दर्शाता है।

iii. कीमत पर दबाव एवं मंदी

203. इस बात की जांच करने के लिए कि क्या घरेलू कीमतों पर संबद्ध देश से पाटित आयातों के होने के कारण दबाव पड़ा है अथवा कीमतों में मंदी आई है, क्षति अवधि के दौरान लागतों और कीमतों में परिवर्तन पर विचार किया गया है। घरेलू उद्योग की भारित औसत बिक्री लागत, बिक्री की कीमतों में प्रवृत्ति तथा संबद्ध देश से आयातों के पहुँच मूल्य नीचे दिए गए हैं।

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
बिक्री की लागत	रु./वर्ग मीटर	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	114	120
बिक्री कीमत	रु./वर्ग मीटर	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	116	124
पहुँच मूल्य	रु./वर्ग मीटर	337	402	414	366
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	119	123	109

204. उपर्युक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि बिक्री की लागत तथा बिक्री की कीमत, दोनों में इस अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। हालांकि 2013-14 तक बढ़ती हुई प्रवृत्ति के बाद आयात की कीमतें 2014-15 में अचानक रूप से वृद्धि को दर्शाती हैं। इस कारण से, मंदी का प्रभाव, जो 2013-14 तक दृष्टिगत नहीं था, संभवतः बाद की अवधि में अधिक हो जाएगा।

ग. अन्य आर्थिक मानदंडों की जांच

205. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II में इसके संगत भाग में यह प्रावधान है कि संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में सभी संगत आर्थिक कारकों और सूचकांकों, जिनका उद्योग के स्थिति पर प्रभाव पड़ता हो और जिसमें बिक्री, लाभ, उत्पादन, बाजार हिस्सा, उत्पादकता, निवेश पर आय अथवा क्षमता का उपयोग में वास्तविक और संभावित की लागत शामिल है, तथा वे कारक जो घरेलू कीमतों पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं, पाटन के मार्जिन का आकार, नकदी के प्रवाह, माल-सूची, रोजगार, मजदूरी, विकास, पूंजी निवेश प्राप्त करने की क्षमता पर वास्तविक एवं संभावित नकारात्मक प्रभावों का मूल्यांकन शामिल होगा।
206. उपर्युक्त नियमावली के अनुसार, घरेलू उद्योग को नीचे दर्शाए गए अनुसार, प्रभावित करने वाले सभी आर्थिक मानदंडों की जांच निम्न प्रकार से की गई है।

i. क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री पर वास्तविक एवं संभावित प्रभाव

207. नीचे दी गई तालिका क्षति की जांच की अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग की क्षमता, उत्पादन, क्षमता उपयोग और बिक्री को दर्शाती है:

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
क्षमता	000' वर्ग मीटर	56405	84036	87816	92700
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	149	156	164
उत्पादन	000' वर्ग मीटर	42276	53383	54403	68014
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	126	129	161
क्षमता उपयोग	%	74.95%	63.52%	61.95%	73.37%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	85	83	98
निर्यात को छोड़कर उत्पादन	000' वर्ग मीटर	42107	52613	50889	57482
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	125	121	137
निर्यात को छोड़कर क्षमता उपयोग	000' वर्ग मीटर	74.65%	62.61%	57.95%	62.01%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	84	78	83
घरेलू बिक्री	000' वर्ग मीटर	39462	51113	51953	55753
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	130	132	141

208. ये आंकड़े दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग ने क्षति की जांच की अवधि के दौरान क्षमता बढ़ाई है और उत्पादन में भी वृद्धि हुई है। यह अनुरोध किया गया है कि 2013 तक पाटनरोधी संरक्षण के कारण इस उपयोग में बहुत अधिक निवेश हुआ था और देश में इस उत्पाद की बढ़ती हुई मांग को ध्यान में रखकर क्षमताओं में भी वृद्धि की गई थी। यह भी देखा गया है कि घरेलू उद्योग ने पिछले दो वर्षों में अपने निर्यात में बहुत अधिक वृद्धि की है जिसमें क्षमता उपयोग में बहुत अधिक सुधार दिखाया गया है, परंतु घरेलू बिक्री उत्पादन के अनुरूप नहीं हुई है।

209. जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के उत्पादन और बिक्री का तिमाही विश्लेषण दर्शाता है कि उत्पादन और घरेलू बिक्री जांच की अवधि की अंतिम तिमाहियों में बहुत अधिक गिरावट की प्रवृत्ति दर्शाती है जिसमें बाद में यदि निर्यात को अलग कर दिया जाए तो क्षमता के उपयोग पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि यह गिरावट ब्राजील और चीन की टाइलों द्वारा शुल्क लगाए जाने के बाद दूसरी तिमाही से अत्यधिक पाटन के कारण हुई है।

ii. लाभ/हानि, नकदी का प्रवाह, नियोजित पूंजी पर आय पर वास्तविक एवं संभावित प्रभाव

210. घरेलू उद्योग की लाभप्रदता के मानदंडों के संबंध में वित्तीय कार्य निष्पादन नीचे दिया गया है:

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
बिक्री की लागत	रु./वर्ग मीटर	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	114	120
बिक्री कीमत	रु./वर्ग मीटर	***	***	***	***

प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	106	116	124
लाभ/हानि	रु./वर्ग मीटर	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	145	270	413
लाभ/हानि	रु. लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	188	356	584
नकद लाभ	रु. लाख	***	***	***	***
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	154	181	206
आरओसीई	%	***%	***%	***%	***%
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	152	156	161

211. उपर्युक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग के उत्पादन की लागत और बिक्री कीमत में उसी अनुपात में वृद्धि हुई। इसके फलस्वरूप घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में क्षति की अवधि के दौरान सुधार हुआ है। नकद लाभ एवं निवेश पर आय की भी वही प्रवृत्ति रही है जो यह दर्शाता है कि जांच की अवधि तक घरेलू उद्योग की लाभप्रदता पर पाटित आयातों का कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। हालांकि, घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि चीन से होने वाले आयातों पर ब्राजील द्वारा पाटनरोधी शुल्क लगाए जाने के बाद भारत में चीन की आयात कीमत में बहुत तेजी से गिरावट आई है और उससे घरेलू उद्योग की अन्य प्रकार से लाभ की स्थिति को खतरा उत्पन्न हुआ है।

iii. रोजगार एवं मजदूरी पर वास्तविक एवं संभावित प्रभाव

212. रोजगार और मजदूरी के संबंध में नीचे दिए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि रोजगार और मजदूरी में वृद्धि हुई है:

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
कर्मचारियों की संख्या	सं.	3221	4032	4073	4400
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	125	126	137
मजदूरी	रु. लाख	7234	6583	7760	8852
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	91	107	122

213. उपर्युक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि जबकि रोजगार में आधार वर्ष की तुलना में लगभग 37 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, क्षमताओं और उत्पादन की वृद्धि के कारण उसी अवधि में मजदूरी में लगभग 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

iii. माल भंडार पर वास्तविक एवं संभावित प्रभाव

214. नीचे दी गई तालिका संबद्ध वस्तुओं के माल भंडार से संबंधित आंकड़ों को दर्शाती है:

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
अंतिम भंडार	000' वर्ग मीटर	4898	6371	5276	6893
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	130	108	141

215. ये आंकड़े दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग के औसत भंडार में जांच की अवधि के दौरान बहुत अधिक वृद्धि हुई है। जांच की अवधि के दौरान माल भंडार की उपलब्धता घरेलू उद्योग का लगभग 45 दिन का उत्पादन है जो बहुत अधिक है और यह दर्शाता है कि बड़े हुए निर्यात, बिक्री के बावजूद घरेलू बाजार में बिक्री करने के लिए घरेलू उद्योग का माल भंडार बहुत अधिक है और उद्योग इसे बेचने में सक्षम नहीं है।

iv. उत्पादकता

216. क्षति के कारक के रूप में उत्पादकता की जांच नीचे दिए अनुसार की गई है:

विवरण	यूनिट	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
उत्पादकता					
प्रति दिन उत्पादकता	वर्ग मीटर/दिन	117	148	151	189
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	126	129	161
प्रति कर्मचारी उत्पादकता	वर्ग मीटर/संख्या	13	13	13	15
प्रवृत्ति	सूचीबद्ध	100	101	102	118

217. उपर्युक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता में क्षमता और उत्पादन के साथ सुधार हुआ है।

v. नए निवेश प्राप्त करने की क्षमता पर वास्तविक एवं संभावित प्रभाव

218. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने घरेलू बाजार में इस उत्पाद की मांग में अत्यधिक वृद्धि तथा 2013 तक इस उद्योग के लिए उपलब्ध पाटनरोधी शुल्क संरक्षण को ध्यान में रखकर बहुत अधिक निवेश के साथ क्षति की जांच की अवधि में क्षमताएं बढ़ाई हैं। उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि इन निवेशों को जांच की अवधि के दौरान अत्यधिक पाटन को देखते हुए गंभीर खतरे का सामना करना पड़ा तथा यह मौजूदा एवं नए निवेशकों द्वारा इस क्षेत्र में किसी भावी निवेश की संभावना को बहुत अधिक प्रभावित करता है।

vi. विकास पर वास्तविक एवं संभावित प्रभाव

219. उपर्युक्त में जांच किए गए विभिन्न मानदंड स्पष्ट रूप से यह दर्शाते हैं कि यह उद्योग जांच की अवधि तक विकास के मार्ग पर था और उसके बाद जांच की अवधि के मध्य से बढ़े हुए आयातों के कारण बहुत अधिक गिरावट दर्शानी शुरू हो गयी है। इस कारण से घरेलू उद्योग के विकास पर पाटित आयातों के संभावित प्रभाव बहुत अधिक हैं।

vii. पाटन एवं पाटन के मार्जिन का आकार

220. जिस सीमा तक पाटित आयात घरेलू उद्योग को क्षति पहुँचा सकता है, के एक संकेतक के रूप में पाटन का आकार यह दर्शाता है कि संबद्ध देश की तुलना में निर्धारित पाटन मार्जिन बहुत अधिक है।

घ. कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

221. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस देश में उत्पाद की मांग बढ़ रही है। लागत संरचना में कोई अधिक परिवर्तन नहीं हुआ है। घरेलू बाजार में अधिक मांग के परिदृश्य में प्रतिस्पर्द्धा करने में संबद्ध वस्तुओं के उत्पादकों की संख्या अधिक है। हालांकि, भारतीय बाजार एक कीमत संवेदनशील बाजार है। इस कारण से, ऊपर में जैसा विश्लेषण किया गया है, घरेलू बाजार में कीमतों की प्रवृत्ति दर्शाती है कि घरेलू कीमतों पर आयातों की मात्रा तथा कीमतों का बहुत अधिक प्रभाव पड़ता है। जब आयात कम थे, तब घरेलू उद्योग को उचित लाभ के साथ एक बेहतर कीमत परिदृश्य मिल रहा था। आयातों की भारी मात्रा एवं गिरती हुई आयात की कीमतों ने स्पष्ट रूप से घरेलू उद्योग की कीमतों पर प्रभाव डाला है।

ण. क्षति के संबंध में निष्कर्ष

222. सभी क्षति मानदंडों तथा चीन से पाटित आयातों की मात्रा एवं कीमतों के प्रभावों का समग्र विश्लेषण यह दर्शाता है कि वर्ष दर वर्ष आधार पर घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में सुधार हुआ प्रतीत होता है और इस उद्योग को इस अवधि के दौरान कोई अधिक क्षति नहीं हुई है। हालांकि, चूंकि आयात जांच की अवधि के मध्य से बढ़ गया है और घरेलू उद्योग ने बहुत अधिक क्षति के

खतरे का आरोप लगाया है, अतः आगे तिमाही विश्लेषण ऊपर दर्ज किए गए अनुसार किया गया है। यह विश्लेषण दर्शाता है कि चूंकि आयात में वृद्धि हुई और पाटित आयातों की कीमतों में जांच की अवधि की तीसरी तिमाही से गिरावट आई है, अतः घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन प्रायः सभी मानदंडों में तेजी से गिरावट को दर्शाता है। ऐसा स्पष्ट रूप से घरेलू उद्योग की बिक्री की कीमतों में तेजी से गिरावट के कारण हुआ है जो स्पष्ट रूप से अपनी कीमतों को पाटित कीमतों के साथ बाजार हिस्सा बनाए रखने के लिए जोड़ने का प्रयास कर रहा है।

त. कारणात्मक संबंध एवं अन्य कारक

223. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के अनुच्छेद (v) में प्राधिकारी को पाटित आयातों और घरेलू उद्योग को हुई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की जांच करने का अधिकार दिया गया है। पूर्व के खंड में जांच यह दर्शाती है कि वर्ष दर वर्ष विश्लेषण के आधार पर घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन, क्षति की जांच की अवधि के दौरान बहुत अधिक प्रतिकूल रूप से प्रभावित नहीं हुआ था। हालांकि, जांच की अवधि की अंतिम दो तिमाहियों में उद्योग के कार्य निष्पादन में गिरावट आई है और इसी अवधि के दौरान बहुत अधिक पाटन भी हुआ है। अतः अन्य ज्ञात कारकों की भी जांच यह देखने के लिए की गई है कि क्या उससे घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती थी। तदनुसार, निम्नलिखित अनिवार्य गैर-आरोपण कारकों की जांच प्राधिकारी के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार इन कारकों को देखने के लिए की गई है कि पाटित आयात, यदि कोई हो, के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

i. अन्य स्रोतों से आयातों की मात्रा एवं कीमत

224. जांच किए गए आयात के आंकड़े दर्शाते हैं कि संबद्ध देश से आयात बहुत अधिक हुआ है (96 प्रतिशत)। अन्य देशों से आयात मामूली हुआ है। चीन विश्व बाजार में संबद्ध वस्तुओं का एक उत्पादक और निर्यातक के रूप में प्रमुख देश है। इस कारण से अन्य स्रोतों से आयातों से घरेलू उद्योगों पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ रहा है।

ii. मांग में संकुचन और/अथवा खपत के पैटर्न में परिवर्तन

225. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस उत्पाद की मांग में क्षति की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है और यह प्रवृत्ति देश के आर्थिक विकास के कारण संभवतः जारी रहेगी। इस कारण से मांग में गिरावट घरेलू उद्योग को क्षति का एक संभावित कारण नहीं है।
226. यह भी नोट किया गया है कि विचाराधीन उत्पाद के संबंध में खपत के पैटर्न में कोई बहुत अधिक परिवर्तन नहीं हुआ है। इस कारण से खपत के पैटर्न में परिवर्तन पर घरेलू उद्योग को क्षति होने के संबंध में विचार नहीं किया जा सकता है।

iii. व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथाएं एवं विदेशी और घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धाएं

227. कोई व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रथा नहीं है जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हो सकती थी। हालांकि, प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध वस्तु 2013 तक पाटनरोधी शुल्क के अध्याधीन थी। इन शुल्कों को समाप्त करने के बाद भी, यह उद्योग तब तक विकास करता रहा और यह अच्छी स्थिति में था, जब तक आयात पर्याप्त रूप से बढ़ना शुरू हो गया और कीमतों में जांच की अवधि की तीसरी तिमाही से बहुत अधिक गिरावट होना शुरू हो गई।

iv. प्रौद्योगिकी का विकास

228. की गई जांच यह दर्शाती है कि घरेलू उत्पादक और विदेशी उत्पादक, दोनों संबद्ध वस्तुओं के उत्पादन के लिए एक जैसे प्रौद्योगिकियों का इस्तेमाल करते हैं। यद्यपि, उनके उत्पादन सुविधाओं का स्तर अलग-अलग है। उत्पादन तथा प्रौद्योगिकियों में कोई बहुत अधिक परिवर्तन नहीं हुआ है जो घरेलू उद्योग के उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता था।

v. घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

229. घरेलू उद्योग ने क्षति की जांच की अवधि के पिछले दो वर्षों में अपने निर्यातों में वृद्धि की है, यद्यपि, निर्यात अभी भी उनकी कुल बिक्री में बहुत छोटा हिस्सा है। हालांकि, बिक्री की मात्रा, लाभ, निवेश पर आय, नकदी के प्रवाह के संबंध में प्राधिकारी द्वारा जांच की गई क्षति की सूचना घरेलू प्रचालनों के लिए है और इस कारण से निर्यात के कारण कार्य निष्पादन में गिरावट, यदि कोई हो, को घरेलू उद्योग द्वारा हुई क्षति का कारण नहीं माना गया है।

vi. घरेलू उद्योग की उत्पादकता

230. यह नोट किया गया है कि प्रति कर्मचारी उत्पादन तथा प्रति दिन उत्पादन के मामले में घरेलू उद्योग की उत्पादकता में इस अवधि के दौरान वृद्धि हुई है। इस प्रकार से, उत्पादकता में गिरावट, क्षति का कोई वैसा कारण नहीं हो सकता।
231. इस प्रकार से यह नोट किया जाता है कि सूचीबद्ध ज्ञात अन्य कारक यह नहीं दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को इन अन्य कारकों में से किसी कारक की वजह से क्षति उठानी पड़ी है।

थ. क्षति मार्जिन

232. घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि जबकि घरेलू उद्योग अधिकांश रूप से 600x600 आकार की टाइलों के उत्पादन तथा बिक्री के कार्य में लगा हुआ है, भारतीय उत्पादन में 800x800 आकार की टाइलों के हिस्से में पिछले कुछ वर्षों में वृद्धि हुई है क्योंकि विचाराधीन उत्पाद के लिए बाजार अपेक्षाकृत बड़े आकारों की ओर धीरे-धीरे बढ़ रहा है। इस कारण से, घरेलू उद्योग के ऐतिहासिक आंकड़ों के आधार पर खपत के मानदंडों को अपनाने से घरेलू उद्योग के लिए एनआईपी का निर्धारण सही ढंग से नहीं हो पाएगा, जो बहुत अधिक खपत मानदंडों पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है। इस कारण से, प्राधिकारी को उस उत्पादन एवं खपत मानदंडों को स्वीकार करना चाहिए, जो एनआईपी के निर्धारण के लिए इस अवधि के दौरान निर्मित उत्पाद मिश्रण के लिए जांच की अवधि के दौरान थी।
233. घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विभिन्न आकारों के उत्पादन आंकड़े यह दर्शाएंगे कि जबकि घरेलू उद्योग के उत्पादन का 90 प्रतिशत से अधिक उत्पादन 2011-12 में 600x600 आकार का था और शेष अपेक्षाकृत उससे अधिक आकारों का था। अतः, इस मिश्रण में धीरे-धीरे परिवर्तन हुआ और यह अपेक्षाकृत अधिक आकारों का उत्पादन करने लगा। जांच की अवधि में 600x600 आकार का उत्पादन लगभग 71 प्रतिशत था जबकि शेष अन्य/अपेक्षाकृत अधिक आकार के थे। यह तर्क दिया गया है कि कच्चे मालों की खपत और उपयोगिताएं अपेक्षाकृत अधिक आकारों के लिए अधिक थीं। अतः जांच की अवधि के आंकड़ों पर एनआईपी के निर्धारण के लिए विचार किया जाना चाहिए।
234. घरेलू उद्योग को इन सभी वर्षों के दौरान सभी संबद्ध घरेलू उत्पादकों के आकार-वार उत्पादन आंकड़ों को देने तथा यह दर्शाने के लिए कहा गया था कि उत्पाद मिश्रण के साथ किस प्रकार से खपत के मानदंड में परिवर्तन हुआ है। घरेलू उद्योग केवल आंशिक आंकड़े उपलब्ध करा सका। चूंकि, सकल आंकड़े अलग-अलग कंपनियों के खपत मानदंडों पर बहुत अधिक प्रतिकूल प्रभाव डालने के लिए उत्पादन में बहुत अधिक अंतर को नहीं दर्शाता है। अतः प्राधिकारी ने एनआईपी के निर्धारण की मानक प्रथा से नहीं हटने का निर्णय लिया है। तदनुसार, एनआईपी का निर्धारण सभी देशी संघटकों की लागत और नीचे दी गए नियमावली के अनुबंध-III में यथा निर्धारित सिद्धांतों के अनुसार किया गया है:

ग्रेड	आकार	एनआईपी (अमेरिकी डॉलर/वर्ग मीटर)
जीवीटी/ पीजीवीटी	600x600	***
	800x800	***
	अन्य	***
	उप-जोड़	***
डी सी	600x600	***
	800x800	***
	अन्य	***
	उप-जोड़	***
एस एस	600x600	***
	800x800	***
	अन्य	***
	उप-जोड़	***
	विचाराधीन उत्पाद का सकल योग	***

235. इस प्रकार से निर्धारित क्षतिरहित कीमतों की तुलना नमूने के तौर पर लिए गए उत्पादकों और निर्यातकों के सत्यापित आंकड़ों के अनुसार, संबद्ध देश से समान उत्पाद प्रकारों के आयातों के पहुँच मूल्य के साथ नीचे दिए गए नमूने के तौर पर लिए गए उत्पादकों और निर्यातकों के क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए किया गया है:

श्रेष्ठ	आकार	न्यू पर्ल ग्रुप		क्विगबाओ ग्रुप		जिनयी ग्रुप		होसेन ग्रुप		लिहुआ ग्रुप		एन जेड वाई	
		आईएम(अम.डॉ./वर्ग.मी.)	आईएम (%)	आईएम(अम.डॉ./वर्ग.मी.)	आईएम (%)	आईएम(अम.डॉ./वर्ग.मी.)	आईएम (%)	आईएम(अम.डॉ./वर्ग.मी.)	आईएम (%)	आईएम(अम.डॉ./वर्ग.मी.)	आईएम (%)	आईएम(अम.डॉ./वर्ग.मी.)	आईएम (%)
जी बी टी/पी जी बी टी	600* 600	***	10 - 20									***	10 - 20
	800* 800	***	25 - 35					***	(5 - 15)	***	(20 - 30)	***	(25 - 35)
	अन्य	***	20 - 30							***	(45 - 55)	***	(30 - 40)
	उप-योग	***	0 - 10					***	(5 - 15)	***	(25 - 35)	***	(10 - 20)
डी सी	600 *600	***	35 - 45	***	0 - 10	***	(0 - 10)	***	10 - 20	***	5 - 15		
	800 *800	***	30 - 40	***	10 - 20	***	(0 - 10)	***	20 - 30	***	0 - 10		
	अन्य	***	20 - 30	***	0 - 10			***	(0 - 10)				
	उप-योग	***	20 - 30	***	0 - 10	***	(0 - 10)	***	10 - 20	***	0 - 10		
एस एस	600 *600	***	20 - 30	***	0 - 10	***	(0 - 10)	***	0 - 10	***	(0 - 10)		
	800 *800					***	(10 - 20)						
	अन्य												
	उप-योग	***	20 - 30	***	0 - 10	***	(0 - 10)	***	0 - 10	***	(0 - 10)		
	विचाराधीन उत्पाद का सकलन योग	***	(10 - 20)	***	0 - 10	***	(0 - 10)	***	10 - 20	***	(0 - 10)	***	(10 - 20)

236. नमूने के तौर पर नहीं लिए गए, परंतु सहयोगी निर्यातकों के लिए क्षति मार्जिन का निर्धारण इस नियमावली के नियम 17 में निर्धारित सिद्धांतों के अनुसार नमूने के तौर पर लिए गए निर्यातकों की क्षति मार्जिन का भारित औसत के रूप में किया गया है। सभी अन्य गैर-सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए क्षति के मार्जिन का निर्धारण सर्वोत्तम उपलब्ध तथ्य के रूप में नमूने के

तौर पर लिए गए उत्पादकों और निर्यातकों के आंकड़ों के आधार पर किया गया है। तदनुसार, क्षति का मार्जिन नीचे दिए अनुसार तय किया गया है:

ग्रेड	आकार	आई एम	% सीमा
जीवीटी/पीजीवीटी	600*600	***	10 - 20
	800*800		
	अन्य		
	उप योग	***	10 - 20
डी सी	600*600	***	25 - 35
	800*800	***	15 - 25
	अन्य	***	0 - 10
	उप योग	***	20 - 30
एस एस	600*600	***	0 - 10
	800*800		
	अन्य		
	उप योग	***	0-10
	विचाराधीन उत्पाद का सकल योग	***	15-25

237. सभी अन्य असहयोगी उत्पादकों एवं निर्यातकों के लिए, क्षति का मार्जिन सर्वोत्तम उपलब्ध तथ्यों के अनुसार नमूने के तौर पर लिए उत्पादकों एवं निर्यातकों के आंकड़ों के आधार पर निर्धारित किए जाने का प्रस्ताव है। तदनुसार, क्षति का मार्जिन *** अमेरिकी डॉलर (45-55 प्रतिशत) के रूप में तय किया गया है।

थ. आर्थिक क्षति का खतरा

238. बहुत अधिक क्षति के दावों के अलावा घरेलू उद्योग ने यह भी आरोप लगाया है कि संबद्ध देश से पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को बहुत अधिक क्षति का खतरा भी हो रहा है। घरेलू उद्योग ने अन्य बातों के साथ-साथ यह तर्क दिया है कि:

- जुलाई, 2014 के बाद चीन जन गण से आयातों में बहुत अधिक वृद्धि हुई है और इसी के साथ जुलाई, 2014 में चीन से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर ब्राजील द्वारा पाटनरोधी शुल्क लगाया गया है। चीन जन गण से तिमाही-वार आयात दर्शाता है कि जुलाई, 2014 के आगे से आयातों में बहुत अधिक वृद्धि हुई है।
- चीन से भारत में 2013-14 में 33 सेंट प्रति किलो से 2014-15 में 21 सेंट तक आयात की कीमत में गिरावट आई है। जबकि चीन से ब्राजील में कीमत इस घटना के बाद 26 सेंट प्रति किलो से बढ़कर 43 सेंट प्रति किलो हो गई है।
- चीन में बहुत अधिक उत्पादन क्षमताएं हैं। चीन नंबर वन उत्पादक है और लगभग 1452 सेरेमिक उपकरणों के साथ, जिनकी उत्पादन क्षमता 3621 है, इसके पास 45 मिलियन वर्ग मीटर का कुल प्रति दिन उत्पादन होता है जो भारत की मांग से प्रायः 55 गुना अधिक है। चीन के उत्पादकों द्वारा क्षमता के उपयोग में 5 प्रतिशत की भी वृद्धि भारत की मांग से 3 गुना हो जाएगा।
- चीन में अवसंरचना संबंधी विकास में गिरावट के कारण चीन में कम मांग की स्थिति है।
- 2013 में चीन ने 5 वर्षों की अवधि के लिए विलासिता संबंधी सजावटों सहित सरकारी भवनों के निर्माण पर प्रतिबंध लगा दिया। इसे सुनवाई के दौरान परस्पर विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उजागर किया गया था कि चीन ने विलासिता के उद्देश्यों से उपयोग किए गए टाइलों की बहुत अधिक मात्रा में आयात किया।

- वैसे क्षेत्रों में जैसे ऑडोस में सरकारी भवनों द्वारा बनाए गए आवास परिसर, जिसमें 1.5 मिलियन लोग रह सकते हैं, अधिकांश रूप से खाली हैं जो और आगे निवेश एवं क्षमता निर्माण को रोक रहा है।
- वृहद खाली शहर, जिसे घोस्ट सिटीज के रूप में भी जाना जाता है, चीन में मौजूद हैं। यह शहर, जिसे पिट्सबर्ग के आकार की आबादी के लिए बनाया गया है, लगभग खाली है। मेनहटन की चीनी प्रतिकृति भी खाली है। 50 बिलियन अमेरिकी डॉलर की परियोजना बहुत अधिक कर्ज में डूबी हुई है और संभवतः यह आधा-अधूरा रहेगा और इसे चीन की आर्थिक मंदी के संकेत के रूप में छोड़ दिया जाएगा। यह दर्शाता है कि बिना समुचित मांग के स्थापित शहरों और घर पहले से ही बहुत अधिक संख्या में हैं। इस प्रकार से इस उत्पाद की मांग भविष्य में भी संभवतः नहीं बढ़ेगी।
- अन्य देशों द्वारा विभिन्न प्रकार के पाटनरोधी उपाय किए गए हैं जिसके फलस्वरूप निर्यात बाजारों पर प्रतिबंध लग गया है और चीन के उत्पादकों के भारी निर्यात उन्मुखीकरण को दर्शाता है। चीन जन गण से सेरेमिक टाइल पर अर्जेंटीना, यूरोप, कोरिया जन गण, पाकिस्तान और ब्राजील में वर्तमान में पाटनरोधी शुल्क लग रहा है। मैक्सिको ने भी चीन जन गण सेदीवारों और मंदिरों के लिए सेरेमिक टाइलों पर 2016 में 2.9-12.42 अमेरिकी डॉलर तक अंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाया है।
- ब्राजील और मैक्सिको मात्र से शुल्क लगाने से संभवतः चीनी उत्पादकों को लगभग 100 मिलियन वर्ग मीटर का नुकसान होगा। यह भारतीय मांग का लगभग 40 प्रतिशत होता है (260 मिलियन)। इस कारण से, चीनी उत्पादकों को या तो उत्पादन में कटौती करनी होगी अथवा वैकल्पिक बाजारों की तलाश करनी होगी।
- भारतीय बाजार की चीनी के उत्पादकों के लिए कीमत आकर्षकता है। यह इस तथ्य को सिद्ध करता है कि आयात उन कीमतों पर हो रहा है, जिसका घरेलू कीमतों पर बहुत अधिक दबाव अथवा मंदी का प्रभाव पड़ेगा। इससे संभवतः भविष्य में चीन से अत्यधिक पाटन होगा।
- घरेलू उद्योग के पास बहुत अधिक माल भंडार है। भारत में सभी परिवारों को शौचालय की सुविधाएं प्रदान करने के लिए भारत सरकार के बल के कारण बहुत अधिक क्षमता वर्धन किया जा रहा है। आयातों में वृद्धि इन उद्योगों के विकास का खतरा उत्पन्न कर रहा है।
- चीन में बहुत बड़ी संख्या में आपूर्ति करने वाली कंपनियां हैं, जबकि कम संख्या में कंपनियां वर्तमान निर्यात कर रही हैं। वैश्विक बाजार में, 4914 चीनी उत्पादक हैं जिनका आयात मूल्य 4086 मिलियन अमेरिकी डॉलर है। हालांकि, भारत में लगभग 736 उत्पादकों द्वारा निर्यात किए गए हैं जिनका आयात मूल्य 97 मिलियन अमेरिकी डॉलर है जो चीन के वैश्विक बाजार का 2.32 प्रतिशत है।
- चीन जन गण से आयात की कीमतों में गिरावट बहुत अधिक तेजी से हुई है। कीमत में 40 प्रतिशत की गिरावट आई है जो अभूतपूर्व, अप्रत्याशित है और यह चीन के उत्पादकों में भय को दर्शाता है।
- 600x600 तथा 800x800 के आकारों में परस्पर गिरावट हुई है और 800x800 आकार की मांग में वृद्धि हुई है। भारत और चीन में नई क्षमताओं की अधिकांश वृद्धि 800x800 आकार में हुई है। यदि चीन से समग्र आयात कीमत में गिरावट नहीं दर्शाती है तब ये आयात कीमतें अलग-अलग आकार के लिए होंगी जो आयात की कीमतों में बहुत अधिक गिरावट को दर्शाएंगी।

द.2 अन्य हितबद्ध पक्षकारों का दृष्टिकोण

239. कोई पर्याप्त तर्क बहुत अधिक क्षति के दावों पर किसी विरोधी पक्षकार द्वारा नहीं दिया गया है। कुछ विरोधी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा केवल एक संक्षिप्त तर्क दिया गया है कि बहुत अधिक क्षति का कोई खतरा नहीं है क्योंकि संबद्ध देश के आयातों की मात्रा में कोई वृद्धि नहीं हुई है और भारत में भावी निर्यात में वृद्धि को दर्शाने के लिए चीन में मुक्त रूप से उपलब्ध क्षमताओं का कोई साक्ष्य नहीं है। यह भी तर्क दिया गया है कि कीमत पर दबाव अथवा मंदी का कोई प्रभाव नहीं है और चीन में संबद्ध वस्तुओं के बड़े हुए माल भंडार का कोई साक्ष्य नहीं है। आगे यह तर्क दिया गया है कि यह अनुमान कि ब्राजील द्वारा पाटनरोधी शुल्क लगाने से वह सामग्री भारत में आ जाएगी, दोषपूर्ण है। हालांकि इन पक्षकारों ने अपने तर्कों के समर्थन में कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं कराया है।

द.3 प्राधिकारी द्वारा आर्थिक क्षति के खतरे की जांच

240. प्राधिकारी बहुत अधिक क्षति के खतरे के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों के तर्कों को नोट करते हैं। पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (vii) में बहुत अधिक क्षति के खतरे के संबंध में निम्नलिखित प्रावधान है:

“अनुबंध-II पैरा (vii) : वास्तविक क्षति की आशंका का निश्चय तथ्यों पर आधारित होगा और न कि आरोप, निराधार कल्पना या सुदूर संभावना पर। परिस्थितियों में परिवर्तन जिनसे ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है जिनमें पाटन से क्षति

होगी, स्पष्ट रूप से दिखने चाहिए और असन्नवर्ती होने चाहिए। वास्तविक क्षति के खतरे की मौजूदगी के संबंध में निर्धारण करते समय निर्दिष्ट प्राधिकारी अन्य बातों के साथ-साथ ऐसे कारकों पर विचार करेंगे और;

(क) भारत में पाटित आयातों में वृद्धि की अधिक दर जिससे आयातों में पर्याप्त वृद्धि की संभावना का संकेत मिलता हो।

(ख) निर्यातक की क्षमता में पर्याप्त मुक्त रूप से निपटान योग्य, या आसन्नवर्ती, पर्याप्त वृद्धि जिनसे किसी अतिरिक्त निर्यात को खपाने के लिए अन्य बाजारों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए भारतीय बाजार में पाटित निर्यातों में पर्याप्त वृद्धि की संभावना का संकेत मिलता हो।

(ग) क्या आयात ऐसी कीमतों पर हो रहे हैं, जिनसे घरेलू कीमतों पर काफी हासकारी या न्यूनकारी प्रभाव पड़ेगा और इनसे अधिक उत्पादों की मांग बढ़ने की संभावना है तथा

(घ) उस वस्तु की वस्तु सूची की जांच की जा रही हो।"

(क) भारत में पाटित आयातों में वृद्धि की अधिक दर जिससे आयातों में पर्याप्त वृद्धि की संभावना का संकेत मिलता हो।

241. याचिकाकर्ताओं ने यह दावा किया है कि चीन से आयातों में अक्तूबर, 2014- मार्च, 2015 की अवधि में बहुत अधिक वृद्धि हुई है और आयात की प्रवृत्ति, अन्य बाजारों में घटनाओं के कारण आयातों की मात्रा में बहुत अधिक वृद्धि की संभावना दर्शाती है। जांच की अवधि के आयातों के तिमाही आंकड़े नीचे दिए गए हैं:

विवरण	यूनिट	अप्रैल, 2014 - जून, 2014	जुलाई, 2014 - सितंबर, 2014	अक्तूबर, 2014 - दिसंबर, 2014	जनवरी, 2015 - मार्च, 2015
आयात की मात्रा					
चीन - संबद्ध देश	000' वर्ग मीटर	3,173	4,633	5,809	6,925
अन्य देश	000' वर्ग मीटर	169	202	205	202
कुल आयात	000' वर्ग मीटर	3,342	4,835	6,014	7,127
आयात का बाजार हिस्सा					
चीन - संबद्ध देश	%	94.95%	95.82%	96.59%	97.17%
अन्य देश	%	5.05%	4.18%	3.41%	2.83%
कुल आयात	%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%

242. आंकड़े दर्शाते हैं कि जांच की अवधि की तीसरी तिमाही से आयातों में बहुत अधिक वृद्धि हुई है जो जुलाई, 2014 में ब्राजील द्वारा पाटनरोधी शुल्क लगाने के समय हुई है और यह घरेलू उद्योग के इस तर्क को बल देता है कि चीन की टाइलों के लिए किसी बड़े बाजार को रोकने के कारण प्रतिस्थापन प्रभाव हुआ है।

243. घरेलू उद्योग द्वारा चीन की सीमाओं से भेजे गए चीन से ब्राजील और भारत में इस अवधि के दौरान निर्यात के आंकड़ों के अनुसार, ब्राजील में निर्यात बहुत अधिक गिरावट को दर्शाता है जबकि भारत में निर्यात जांच की अवधि की पिछली तिमाही में दोगुनी हो गई है, जब इसकी तुलना पिछले वर्ष की अंतिम तिमाही से की गई है। भारत में कीमतें जांच की अवधि की पिछली तिमाही तक पूर्ववर्ष की पिछली तिमाही से बहुत अधिक गिरावट को दर्शाता है।

देश	मात्रा		कीमत	
	भारत	ब्राजील	भारत	ब्राजील
	मीट्रिक टन	मीट्रिक टन	अमेरिकी डॉलर/किग्रा.	अमेरिकी डॉलर/किग्रा.
2013- 14	2,25,872	8,81,536	0.33	0.26
2014- 15	3,87,711	3,05,598	0.24	0.26
तिमाही				
2013- 14 (तिमाही-4)	56,468	2,20,384	0.33	0.26
2014- 15 (तिमाही-1)	70,332	1,57,779	0.28	0.25
2014- 15 (तिमाही-2)	89,588	85,437	0.24	0.25
2014- 15 (तिमाही-3)	1,11,625	44,054	0.23	0.28
2014- 15 (तिमाही-4)	1,16,166	18,328	0.21	0.32

244. चीन से भारत में निर्यातों में वृद्धि तथा जांच की अवधि के विभिन्न तिमाहियों में कीमतों में गिरावट की दर और जबकि इसकी तुलना पूर्व के वर्षों से की जाती है तब यह आशय निकलता है कि यदि यह प्रवृत्ति जारी रहेगी तब पाटित आयात घरेलू उत्पादकों को हटाकर भारत में एक बहुत बड़ा बाजार हिस्सा प्राप्त कर लेगा।

(ख) निर्यातक की क्षमता में पर्याप्त मुक्त रूप से निपटान योग्य, या आसन्नवर्ती, पर्याप्त वृद्धि जिनसे किसी अतिरिक्त निर्यात को खपाने के लिए अन्य बाजारों की उपलब्धता को ध्यान में रखते हुए भारतीय बाजार में पाटित निर्यातों में पर्याप्त वृद्धि की संभावना का संकेत मिलता हो।

245. घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि चीन में बहुत अधिक संख्या में उत्पादन इकाईयों के साथ एक बहुत बड़ा निर्माण आधार है और चीन में निर्माण क्रियाकलापों पर प्रतिबंध के कारण वहां बहुत अधिक क्षमताएं हैं।

246. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन विश्व में विट्रीफाइड और सेरेमिक टाइलों का सबसे बड़ा उत्पादक है। विश्व सेरेमिक समीक्षा, जनवरी, 2017 के अनुसार, 2015 में 12355 मिलियन वर्ग मीटर टाइलों के अनुमानित वैश्विक वार्षिक उत्पादन में से, चीन का लगभग 5970 मिलियन वर्ग मीटर उत्पादन है (विश्व उत्पादन का 48 प्रतिशत)। 850 मिलियन वर्ग मीटर उत्पादन के साथ भारत टाइलों के विश्व उत्पादन का लगभग 7 प्रतिशत उत्पादन करता है। याचिकाकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य के अनुसार, चीन में 45 मिलियन वर्ग मीटर के औसत दैनिक उत्पादन के साथ 3621 उत्पादन लाइनों सहित लगभग 1452 सेरेमिक उपक्रम हैं जो भारत की मांग का लगभग 55 गुना है। चीन का न्यू पर्ल ग्रुप बहुत बड़ी कंपनी है जो वैश्विक उपस्थिति के साथ भारी क्षमताओं वाला विश्व में टाइलों का सबसे बड़ा उत्पादक है।

247. उपर्युक्त रिपोर्ट के अनुसार, मिलियन वर्ग मीटर में विश्व का उत्पादन नीचे दिया गया है:

मिलियन वर्ग मीटर

क्रम सं.	देश	सीवाई-11	सीवाई-12	सीवाई-13	सीवाई-14	सीवाई-15	%
1	चीन	4800	5200	5700	6000	5970	48%
2	ब्राजील	844	866	871	903	899	7%
3	भारत	617	691	750	825	850	7%
4	स्पेन	392	404	420	425	440	4%

5	वियतनाम	380	290	300	360	440	4%
6	इटली	400	367	363	382	395	3%
7	इंडोनेशिया	320	360	390	420	370	3%
8	टर्की	260	280	340	315	320	3%
9	ईरान	475	500	500	410	300	2%
10	मैक्सिको	221	231	230	230	242	2%
	कुल वैश्विक उत्पादन	10626	11224	11958	12373	12355	100%

शीर्ष 10 देशों का उत्पादन: स्रोत: सेरेमिक विश्व समीक्षा

248. चीन विश्व में टाइलों की खपत का लगभग 40 प्रतिशत टाइलों का सबसे बड़ा उपभोक्ता भी है। हालांकि, चीन में टाइलों की खपत बहुत अधिक कम हो गई है और उस देश में अवसंरचना क्षेत्र के कारण निर्माण क्रियाकलापों पर प्रतिबंधों की वजह से तात्कालिक भविष्य में गिरने की संभावना है। विश्व सेरेमिक समीक्षा में दी गई सूचना के अनुसार, प्रमुख खपत देशों में टाइलों के खपत पैटर्न नीचे दिए गए हैं:

मिलियन वर्ग मीटर

क्रम सं.	देश	सीवाई-11	सीवाई-12	सीवाई-13	सीवाई-14	सीवाई-15	%
1	चीन	4000	4250	4556	4894	4885	40%
2	ब्राजील	775	803	837	853	816	7%
3	भारत	625	681	718	756	763	6%
4	वियतनाम	360	254	251	310	400	3%
5	इंडोनेशिया	312	340	360	407	357	3%
6	सऊदी अरब	203	230	235	244	263	2%
7	यूएसए	194	204	230	231	254	2%
8	टर्की	169	184	226	215	234	2%
9	मैक्सिको	177	187	187	197	216	2%
10	रूस	181	213	231	219	192	2%
	कुल विश्व खपत	10472	10964	10582	12077	12175	100%

शीर्ष 10 देशों की खपत: स्रोत: सेरेमिक विश्व समीक्षा

249. क्षति अवधि के लिए चीन के सीमा शुल्क के आंकड़ों के अनुसार प्रमुख बाजारों को चीन से टाइलों का निर्यात नीचे दिया गया है:

क्रम सं.	अवधि	भारत	ब्राजील	कोरिया जन गण	मैक्सिको	पाकिस्तान	संयुक्त राज्य अमेरिकी	अर्जेंटीना	विश्व
		मात्रा मीट्रिक टन में							
1	2011-तिमाही-2	1,17,069	1,99,697	63,738	57,244	13,500	30,383	25,478	20,44,861

2	2011-तिमाही-3	1,70,663	2,51,915	46,567	66,743	17,212	31,713	36,043	22,88,096
3	2011-तिमाही-4	2,12,896	1,58,112	46,618	68,436	14,334	29,365	18,852	22,35,001
4	2012-तिमाही-1	1,07,476	1,40,389	31,893	56,654	16,678	19,644	4,681	16,71,039
5	कुल 2011-12	6,08,104	7,50,113	1,88,817	2,49,076	61,724	1,11,104	85,054	82,38,997
6	2012-तिमाही-2	1,10,538	1,81,197	46,471	62,007	25,716	25,013	9,943	22,72,471
7	2012-तिमाही-3	1,00,738	1,78,749	49,175	81,260	19,829	27,598	12,700	22,79,323
8	2012-तिमाही-4	76,683	1,66,744	36,546	80,624	20,467	26,674	9,283	22,01,664
9	2013-तिमाही-1	64,464	1,58,513	28,394	59,861	18,814	24,602	3,712	17,20,509
10	कुल 2012-13	3,52,423	6,85,202	1,60,586	2,83,751	84,826	1,03,887	35,637	84,73,967
11	2013-तिमाही-2	81,225	1,99,316	43,824	51,353	30,878	30,896	2,055	21,09,158
12	2013-तिमाही-3	55,009	2,78,826	50,174	83,698	22,416	31,110	742	22,91,798
13	2013-तिमाही-4	33,589	2,50,764	46,241	1,07,655	29,949	32,492	598	24,91,926
14	2014-तिमाही-1	56,109	1,52,789	33,912	65,191	32,898	23,607	572	16,99,353
15	कुल 2013-14	2,25,932	8,81,694	1,74,151	3,07,897	1,16,141	1,18,105	3,967	85,92,235
16	2014-तिमाही-2	70,620	1,57,779	46,012	64,299	32,297	27,566	811	21,28,400
17	2014-तिमाही-3	91,327	85,448	48,265	74,658	44,991	35,401	819	23,43,475
18	2014-तिमाही-4	1,13,594	44,086	45,847	1,04,994	39,519	36,393	509	22,20,533
19	2015-तिमाही-1	1,18,011	18,335	38,392	75,912	28,975	28,939	269	17,56,793
20	कुल 2014-15	3,93,551	3,05,647	1,78,516	3,19,864	1,45,782	1,28,299	2,409	84,49,201
21	2015-तिमाही-2	1,27,398	11,752	44,353	82,820	54,611	34,009	610	21,47,879
22	2015-तिमाही-3	1,58,939	13,705	43,890	92,037	40,328	32,729	514	21,08,452
23	2015-तिमाही-4	1,49,276	7,822	47,104	89,588	41,109	21,606	-	20,53,040
24	कुल अप्रैल, 2015 – दिसंबर, 2015	4,35,613	33,279	1,35,347	2,64,445	1,36,047	88,344	1,124	63,09,371

250. यह तर्क दिया गया है कि चीन के निर्यात बाजार का बहुत बड़ा हिस्सा प्रमुख व्यापारी भागीदारों जैसे अर्जेंटीना, यूरोप, कोरिया, जन गण, पाकिस्तान, ब्राजील और मैक्सिको द्वारा व्यापार निवारण कार्रवाई के कारण प्रतिकूल रूप से प्रभावित हुआ है। ब्राजील और मैक्सिको द्वारा हाल में लगाए गए शुल्क के फलस्वरूप चीन के उत्पादकों को लगभग 100 मिलियन एसक्यूएम का नुकसान होने की संभावना है (लगभग 260 मिलियन की भारतीय मांग की तुलना में अर्थात् भारतीय मांग का लगभग 40 प्रतिशत)। इस कारण से चीन में उत्पादकों के पास बहुत अधिक अप्रयुक्त क्षमताएं रहने की संभावना है जिसका उपयोग तत्काल भविष्य में पाटन करने के लिए किया जा सकता है। यह भारत में घरेलू उद्योग को क्षति का खतरा दर्शाएगा।
251. उपर्युक्त आंकड़े दर्शाते हैं कि चीन से अधिकांश देशों, जहां शुल्क लगता है, टाइलों के निर्यात में गिरावट आई है जबकि भारत में जांच की अवधि में निर्यात बढ़ा है जो एक स्पष्ट प्रतिस्थापन प्रभाव को दर्शाता है। जांच की अवधि के दौरान आयातों के तिमाही आंकड़े दर्शाते हैं कि चीन से पाटित आयातों का बाजार हिस्से में प्रतिस्थापन प्रभाव को सिद्ध करते हुए जांच की अवधि के दौरान तिमाही दर तिमाही बहुत अधिक वृद्धि हुई है।
252. घरेलू उद्योग ने यह साक्ष्य उपलब्ध कराया है कि वर्तमान में चीन के टाइल उद्योग को उस देश में कम मांग के साथ-साथ संबद्ध वस्तुओं की अत्यधिक आपूर्ति की समस्या से जूझना पड़ रहा है। उन्होंने आगे यह तर्क दिया है कि चीन में कम मांग से ये उत्पादक बढ़ती हुई मांग वाले बाजारों की आक्रामक तरीके से तलाश करने के लिए मजबूर हुए हैं। अत्यधिक आपूर्ति और कम मांग की इस समस्या से चीन के उद्योगों को वित्तीय घाटों और संयंत्र को बंद करने के संबंध में क्षति हो रही है। याचिकाकर्ताओं ने अपने दावे

का समर्थन करते हुए चीन में विभिन्न समाचारों का हवाला दिया है। इस प्रकार से, अतिरिक्त क्षमता के साथ-साथ कम मांग के तथ्य से संबद्ध देश से भारत में आयात में वृद्धि होगी।

253. अतः भारी क्षमताओं की उपलब्धता, व्यापार निवारण उपायों को लगाने के कारण अन्य निर्यात बाजारों का संकुचन और चीन में कम मांग अथवा घरेलू बाजार में इन मात्राओं को खपाने का अभाव स्पष्ट रूप से चीन से पाटित कीमतों पर बढ़े हुए निर्यात की आसन्न संभावना को दर्शाता है क्योंकि भारत एक कीमत संवेदनशील बाजार बना हुआ है।

(ग) क्या आयात ऐसी कीमतों पर हो रहे हैं, जिनसे घरेलू कीमतों पर काफी हासकारी या न्यूनकारी प्रभाव पड़ेगा और इनसे अधिक उत्पादों की मांग बढ़ने की संभावना है,

254. घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि संबद्ध देश से उत्पादक भारतीय बाजार को वैश्विक बाजार की स्थिति को देखते हुए कीमतों के मामले में बहुत अधिक आकर्षक मांग पाते हैं। चीन के लिए निर्यात बाजार संकुचित होने तथा चीन के घरेलू बाजार में कम मांग के साथ यह संभव है कि चीन का संबद्ध आयात आगे और अधिक आक्रामक रूप से प्रायः निकट भविष्य में सम्पूर्ण भारतीय मांग का लक्ष्य बना सकते हैं और उस पर कब्जा कर सकते हैं।

255. आगे घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि विभिन्न देशों, विशेष रूप से, ब्राजील द्वारा व्यापार निवारण उपायों को शुरू के बाद भारत में कीमतों में बहुत अधिक गिरावट हुई है। चीन के सीमा शुल्क के आंकड़ों को उद्धृत करते हुए घरेलू उद्योग ने तर्क दिया है कि पिछली दो तिमाहियों में चीन से कीमतों में 2014 की अंतिम तिमाही 0.33 अमेरिकी डॉलर प्रति किलोग्राम की औसत कीमत से गिरकर 2015 की अंतिम तिमाही में 0.21 अमेरिकी डॉलर प्रति किलोग्राम हो गई है जो तीव्र गिरावट को दर्शाती है।

256. जांच की अवधि की तिमाही आंकड़ों का विश्लेषण यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग की विक्री, घरेलू उद्योग का मांग में बाजार हिस्सा, गिरती हुई प्रवृत्ति को दर्शाता है, जबकि संबद्ध देश का आयात और भारतीय मांग में इसका बाजार हिस्सा सतत रूप से बढ़ती हुई प्रवृत्ति दर्शाता है। क्षति की अवधि के दौरान संबद्ध देश से आयातों में 2013-14 तक गिरावट आई है और उसके बाद जांच की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।

257. अतः निकट भविष्य में पाटित आयातों का संभावित कीमत प्रभाव का स्पष्ट संकेत है।

(घ) जांच की जा रही वस्तुओं की मालसूचियां

258. क्षति की अवधि के दौरान उत्पादकों के पास बहुत अधिक माल भंडार बन गया है। इस प्रकार से घरेलू उद्योग अभी भी मांग में वृद्धि के बावजूद उत्पादन को बेचने में सक्षम नहीं है, साथ ही विश्व सेरेमिक रिपोर्ट में उजागर किए गए अनुसार आपूर्ति और मांग में अंतर स्पष्ट रूप से निर्यातकों के पास बहुत अधिक माल भंडार तैयार होने को दर्शाता है जिसके फलस्वरूप निकट भविष्य में बहुत अधिक पाटन होने की संभावना है।

259. उपर्युक्त अनिवार्य कारकों के अलावा घरेलू उद्योग ने कुछ अन्य अतिरिक्त कारकों को भी प्रस्तुत किया है जो क्षति के आसन्न खतरे को दर्शाते हैं:

i. वर्तमान में कम संख्या में कम संख्या में निर्यात करने वालों की तुलना में चीन में आपूर्तिकर्ताओं की बड़ी संख्या

260. प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ताओं ने साक्ष्य दर्शाया है जो यह दर्शाता है कि ऐसी कंपनियां बहुत बड़ी संख्या में हैं जो चीन में टाइल का उत्पादन कर रही हैं और इनमें से एक हिस्से ने अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इस उत्पाद की विक्री की है। इन निर्यातकों में से केवल 2.32 प्रतिशत (अमेरिकी डॉलर में कुल मूल्य का प्रतिशत) में भारत में इस उत्पाद का निर्यात किया है।

261. यह भी तर्क दिया गया है कि भारतीय उत्पादन में 800x800 आकार की टाइलों का हिस्सा पिछले कुछ वर्षों में बढ़ा है क्योंकि विचाराधीन उत्पाद की मांग के लिए बाजार धीरे-धीरे अपेक्षाकृत बड़े आकार की ओर बढ़ रहा है। इसके अलावा, अधिकांश नई क्षमताएं, जिन्हें भारत में अथवा चीन में स्थापित किया जा रहा है, 800x800 आकार की ओर समर्पित है।

262. प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की नई क्षमताएं, जो इस देश में अवस्थापित किए जाने की प्रक्रिया में हैं और उनका मुख्य उत्पाद आकार भी यह सिद्ध करता है कि नए निवेश भी पूर्ण रूप से 800x800 आकार के लिए हो रहे हैं। इस कारण से यदि इन आयात कीमतों पर प्रत्येक आकार के लिए अलग-अलग विचार किया जाए तो यह देखा जाएगा कि आयात की कीमत में बहुत अधिक गिरावट हुई है।

प्रकटन के बाद की टिप्पणियां

263. प्राधिकारी ने 24/03/2017 को सभी हितबद्ध पक्षों के लिए एक प्रकटन विवरण जारी किया था। प्रकटन के संबंध में निम्नलिखित हितबद्ध पक्षों ने अनुरोध/टिप्पणियां प्रस्तुत की हैं:

(i) घरेलू उद्योग का प्रतिनिधित्व करने वाले मै. टीपीएम कंसलटेंट्स ने निम्नानुसार अनुरोध किया है :

- जीवीटी, पीजीवीटी और फुल बाडी टाइलों को बाहर रखा जाना अनावश्यक और प्राधिकारी की परिपाटी और पहले के अनेक निर्णयों से असंगत है। घरेलू उद्योग उत्पाद का उत्पादन कर रहा है और इसे आयात किया जा रहा है। यद्यपि जीवीटी और पीजीवीटी के उत्पादन के साक्ष्य पहले उपलब्ध कराए गए हैं और प्रकटन विवरण में भी इसे स्वीकार किया गया है, घरेलू उद्योग के घटकों द्वारा फुल बाडी टाइलों के उत्पादन के साक्ष्य संलग्न हैं।
- प्रकटन विवरण में यह भी बताया गया है कि आयात आकड़ों ने जीवीटी/पीजीवीटी की पहचान करना संभव नहीं है। बाहर रखे जाने के लिए प्रस्तावित टाइल को क्षति विश्लेषण से कभी भी बाहर नहीं किया गया है – चाहे वे आयात मात्राएं हों या घरेलू उद्योग या अन्य घरेलू उत्पादकों की बिक्रियां हों। ऐसा इस कारण है कि आयात आकड़ों ने विभिन्न प्रकार की टाइलों में भेद नहीं किया जा सकता है। ऐसे मामले में जीवीटी/पीजीवीटी को बाहर रखे जाने का कोई मामला नहीं बनता है।
- वस्तुओं की निकासी के समय माइक्रो क्रिस्टल टाइलों और पतले पैन्लों में अंतर करने का कोई तंत्र नहीं है। टाइलों का आयात भारी मात्रा में किया जाता है। सीमाशुल्क के लिए प्रत्येक बाक्स को खोलना और उसका निरीक्षण करना असंभव है। ऐसे किसी अपवर्जन में स्थितियां विनिर्दिष्ट होनी चाहिए ताकि आदेश का दुरुपयोग न हो।
- यदि मूल्य श्रृंखला पूरी न हो तो निर्दिष्ट प्राधिकारी की अलग पाटन और क्षति मार्जिन निर्धारित नहीं करने और निर्यातकों को असहयोगी मानने की संगत प्रक्रिया है। सामान्य रूप में नमूना कंपनियों और विशेष रूप से न्यू पर्ल ग्रुप, क्विंगबायो ग्रुप, जिनयि ग्रुप, लिहुआ ग्रुप, एनजेडवाई ग्रुप को प्रश्नावली के अधूरे उत्तर और अधूरी मूल्य श्रृंखला के मद्देनजर असहयोगी माना जाना चाहिए। प्रश्नावली के उत्तर को ऐसे मामलों जिनमें (क) उत्पादक ने किसी अन्य असहयोगी निर्यातक के जरिए उत्पाद को बेचा हो, (ख) निर्यातक ने किसी अन्य असहयोगी उत्पादक से उत्पाद को खरीदा हो, (ग) समूह ने समग्र रूप से प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया हो में पूरी मूल्य श्रृंखला के अभाव में अधूरा माना जा सकता है।
- टाइल बाडी का उत्पादन नहीं करने वाली और केवल पालिशिंग करने वाली किसी कंपनी को उत्पाद का उत्पादक नहीं माना जा सकता है और वह अलग पाटन मार्जिन का हकदार नहीं है।
- मूल्य श्रृंखला को पूरा सिद्ध करने के लिए प्रयुक्त बिक्री संविदाओं और वचनबद्धताओं जैसे दस्तावेज अपर्याप्त दस्तावेज हैं क्योंकि उन्हें सांविधिक दस्तावेज नहीं बताया गया है। ये एकतरफा दस्तावेज हैं और इसलिए कानून के अनुसार वैध नहीं हैं। इसके अलावा ऐसे दस्तावेज प्रतिस्पर्धा अधिनियम के उल्लंघन में हैं और इसलिए इनका कोई अस्तित्व नहीं है। प्रकटन विवरण दर्शाता है कि निर्यातकों ने यह स्वीकार किया है कि वस्तुओं को सीधे कारखानों से प्रेषित किया गया था, तो उत्पादक को अवश्य कंटेनरों के गंतव्य की स्पष्ट जानकारी होगी। इस प्रकार, कारखानों के शिपमेंट रिकार्ड जैसे वास्तविक दस्तावेजों के प्रयोग और सीमाशुल्क, लेखांकन और वैट से संबंधित मूल दस्तावेजों की पूर्णता के बजाय इन पक्षों ने यह सिद्ध करने का प्रयास किया है कि उनके पास उत्पादन की पूर्णता है और विणन प्रणाली, नीतियां, परिपाटियां और बिक्री संविदा हैं।
- क्षति मार्जिन की गणना करते समय मालभाड़े पर विचार नहीं किया गया है। उद्योग ने जॉच शुरूआत के समय मालभाड़े को शामिल करने का अनुरोध किया था और अनेक औचित्य बताए थे।
- मालभाड़े के संबंध में, घरेलू उद्योग का तर्क (क) क्षति मार्जिन के निर्धारण की पद्धति और (ख) क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए उचित तुलना के सिद्धांत के अनुप्रयोग के संबंध में है।
- निर्दिष्ट प्राधिकारी को जॉच अवधि की अंतिम तिमाही में प्रचलित क्षति मार्जिन के आधार पर एडीडी की राशि निर्धारित करनी चाहिए।

(ii) मै. इएलपी एडवोकेट्स ने निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों की ओर से अनुरोध किया है कि इन सभी उत्पादकों/निर्यातकों ने सहयोग किया है और उन्हें अलग पाटन मार्जिन के लिए अकलित किया जाना चाहिए।

मै. फोशान हन किंग इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि. (हन किंग), मै. गुआंगडोंगबोड फाइन बिल्डिंग मैटेरियल कं. लि. और मै. यांगसीबोड फाइन बिल्डिंग मैटेरियल कं. लि. जिन्हें संयुक्त रूप से बोड ग्रुप के रूप में जाना जाता है; मै. फोशान शिवाद ईगल ब्रांड सेरामिक लि., मै. ईगल ब्रांड सेरामिक्स इंडस्ट्रीयल (हेयुआन) कं. लि., मै. हेयुआन होंगयुआनईगल ब्रांड सेरामिक्स कं. लि. और मै. फोशान ईगल ब्रांडसेरामिक ट्रेड कं. लि. जिन्हें संयुक्त रूप से ईगल ग्रुप के रूप में जाना जाता है; और मै. गुआंगडोंगविंटो सेरामिक्स कं. लि., मै. गुआंगडोंग होंगयू सेरामिक्स कं. लि., मै. फोशान जुजिंग इंडस्ट्रीयल कं. लि. (जुनजिंग), मै. फोशान सनराइज ट्रेडिंग कंपनी लि., (सनराइज) और मै. गुआंगडोंग होमवे सेरामिक इंडस्ट्री कं. लि., जिन्हें संयुक्त रूप से विंटो ग्रुप के रूप में जाना जाता है।

(iii) मै. लक्ष्मीकुमारन एंड श्रीधरनअटार्नीज चाइना चैम्बर आफ कामर्स आफ मैट, मिनरल्स एंड कैमिकल इंपोर्टर्स एंड एक्सपोर्टर्स (सीसीसीएमसी), सदरन बिल्डिंग मैटेरियल्स एंड सेनिटरी कं. लि. किंगियान सिटी, जिआंगसी फुलिंगाओ सेरामिक्स कं. लि. और गुआंगडोंग

लक्जरी माइक्रोक्रिस्टल स्टोन टेक्नोलॉजी कं. और -मै.न्यू झोंग युआन सेरामिक्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि., गुआंगडोंग (एनजेडवाई ग्रुप), मेसर्ज गुआंगडोंग योंगशेंग सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड और मेसर्ज फोशन आईशाईन ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड, चीन जन. गण. ने निम्नलिखित अनुरोध किया है

- प्राधिकारी का माइक्रो क्रिस्टल टाइलों, फुल बाडी टाइलों, पैनलों, जीवीटी और पीजीवीटी को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर करना सही है। एनजेडवाई ग्रुप प्राधिकारी से अंतिम जाँच परिणाम में भी इसे बनाए रखने का अनुरोध करता है।
- चूँकि घरेलू उद्योग कतिपय किस्म की टाइलों (अर्थात् माइक्रो क्रिस्टल टाइलों, फुल बाडी टाइलों और पतले पैनलों) का उत्पादन नहीं कर रहा है और कतिपय किस्म की टाइलों का भारी मात्रा (जीवीटी और पीजीवीटी) में उत्पादन नहीं कर रहा है इसलिए उन्हें विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए। न्यायशास्त्र अर्थात् *ओक्सो अल्कोहल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी और इंडियन रिफ्रेक्टरी मेकर्स एसोसिएशन बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी*, इस अनुरोध का समर्थन करते हैं। इसके अलावा, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित नहीं किए जाने वाले विभिन्न उत्पादों को अनेक मामलों जैसे चीन जन. गण. से अल्मुनियम फोइल; आस्ट्रेलिया, चीन जन. गण., ईरान, मलेशिया, रूस और थाइलैंड से कार्बन ब्लेक; चीन जन. गण. से ग्लास फाइबर संबंधी जाँच में पाटनरोधी उपायों के दायरे से बाहर किया है।
- यदि किसी कारण से प्राधिकारी यह निर्णय लेते हैं कि टाइलों के कोई बाहर रखे गए प्रकार विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल किए जाएं तो प्रस्तुत आकड़ों के आधार पर एनजेडवाई ग्रुप के लिए शुल्क की अलग दर अवश्य परिकल्पित की जानी चाहिए। एनजेडवाई ग्रुप के आंकड़े सत्यापन रिपोर्ट और प्रकटन विवरण के नोट के अनुसार प्राधिकारी द्वारा स्वीकार किए गए हैं और निर्यात कीमत निर्धारित नहीं करने का एकमात्र कारण निर्यात में उन उत्पादों का होना है जिन्हें उत्पाद के दायरे से बाहर रखे जाने का प्रस्ताव है।
- एनजेडवाई ग्रुप में कंपनियों के नाम प्रकटन विवरण में गलत ढंग से रिकार्ड किए गए हैं और उन्हें इस प्रकार होना चाहिए - सदरन बिल्डिंग मैटेरियल्स एंड सेनिटरी स्टोन टेक्नोलॉजी कं. लि. किंगियान सिटी, जिआंगसी फुलिगाओ सेरामिक्स कं. लि., गुआंगडोंग लक्जरी माइक्रोक्रिस्टल स्टोन टेक्नोलॉजी कं. लि. और-न्यू झोंग युआन सेरामिक्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि., गुआंगडोंग।
- सीसीसीएमसी ने 1000x1000 और उससे अधिक आकार वाली टाइलों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखने का अनुरोध किया है क्योंकि उच्चतर आकार वाली टाइलों को काटा और छोटे आकार की टाइलों के स्थान पर प्रयोग नहीं किया जा सकता है क्योंकि उनके टूटने और वाणिज्यिक प्रयोग के लिए अनुपयुक्त हो जाने की संभावना रहती है। इसके अलावा उच्चतर आकार की टाइल का प्रोसेसिंग लागत अधिक होती है और इसलिए प्रयोक्ताओं के लिए उच्चतर चौड़ाई की टाइलों का आयात करना और उन्हें काटकर छोटे आकार की टाइलों के रूप में प्रयोग करना किफायती नहीं है।
- चूँकि घरेलू उद्योग कतिपय किस्म की टाइलों (अर्थात् माइक्रो क्रिस्टल टाइलों, फुल बाडी टाइलों और पतले पैनलों) का उत्पादन नहीं कर रहा है और कतिपय किस्म की टाइलों का भारी मात्रा (जीवीटी और पीजीवीटी) में उत्पादन नहीं कर रहा है इसलिए उन्हें विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए। प्रकटन विवरण में प्राधिकारी द्वारा प्रस्तावित अपवर्जन अंतिम जाँच परिणाम में भी बने रहने चाहिए। न्यायशास्त्र अर्थात् *ओक्सो अल्कोहल इंडस्ट्रीज एसोसिएशन बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी और इंडियन रिफ्रेक्टरी मेकर्स एसोसिएशन बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी*, इस अनुरोध का समर्थन करते हैं। इसके अलावा, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित नहीं किए जाने वाले विभिन्न उत्पादों को अनेक मामलों जैसे चीन जन. गण. से अल्मुनियम फोइल; आस्ट्रेलिया, चीन जन. गण., ईरान, मलेशिया, रूस और थाइलैंड से कार्बन ब्लेक; चीन जन. गण. से ग्लास फाइबर संबंधी जाँच में पाटनरोधी उपायों के दायरे से बाहर किया है।
- प्राधिकारी को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखी गई टाइलों के प्रकारों (अर्थात् माइक्रो क्रिस्टल टाइलों, फुल बाडी टाइलों और पतले पैनलों, जीवीटी और पीजीवीटी) का स्पष्ट रूप से उल्लेख करना चाहिए। इसके अलावा, प्राधिकारी से शुल्क तालिका में या उसके नीचे इन अपवर्जनों का स्पष्ट रूप से उल्लेख करने का भी आग्रह किया गया है।
- गैर नमूना निर्यातकों की सूची को उन पक्षों का शामिल करने के लिए बढ़ाना चाहिए जिन्होंने नमूना प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत किया है। प्राधिकारी ने इस तथ्य के बावजूद इन उत्तरों को अस्वीकार किया है कि प्रश्नावली से कोई मार्गदर्शन नहीं मिला है और इसके अलावा, इन पक्षों को कमी को दूर करने का अवसर नहीं मिला है। इन पक्षों को गैर नमूना उत्पादकों और निर्यातकों की सूची में शामिल करने से प्राधिकारी पर अतिरिक्त बोझ नहीं पड़ेगा और जाँच की समय-सीमा पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। प्राधिकारी की कार्यवाई का परिणाम यह होगा कि ऐसे उत्पादकों/निर्यातकों जिन्होंने प्राधिकारी से सहयोग करके सक्रिय रूप से जाँच में भागीदारी करने की इच्छा जताई है, वे अनावश्यक रूप से दंडित होंगे।

- गैर-नमूना उत्पादकों और निर्यातकों के लिए परिकल्पित पाटन मार्जिन 25-35 प्रतिशत के बीच है और असहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन 75-85 प्रतिशत के बीच है। यह स्पष्ट नहीं है कि असहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन इतना अधिक क्यों है क्योंकि प्राधिकारी ने वह पद्धति नहीं बताई है जिससे मार्जिन का परिकलन हुआ है।
- प्राधिकारी ने टाइलों की अनेक किस्मों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखने का प्रस्ताव किया है परंतु वह आयात आकड़ों ने तदनुसार संशोधन करने में विफल रहे हैं। आयातों की मात्रा जैसी प्रकटन विवरण में नोट की गई है प्रारंभिक जॉच परिणाम के आकड़ों के समान है।
- प्रकटन विवरण में किया गया क्षति संबंधी विश्लेषण में क्षति अवधि और पीओआई में क्षति संबंधी मापदंडों की प्रवृत्ति को ही नोट किया गया है परंतु पीओआई की चार तिमाहियों में प्रवृत्तियों के संबंध में निष्कर्षों और परिणामों पर आधारित हैं। ऐसा कोई विश्लेषण वृत्तिपूर्ण है क्योंकि इससे क्षति अवधि में प्रवृत्तियों को निष्फल किया गया है।
- संबद्ध देश से आयात में पीओआई में आधार वर्ष की तुलना में समग्र रूप से 26 प्रतिशत की गिरावट आई है। इसी प्रकार आयात मात्रा में उत्पाद और खपत के संबंध में भी गिरावट आई है। इसलिए कोई मात्रात्मक प्रभाव नहीं है।
- आयातों से घरेलू उद्योग की कीमतों में कोई ह्रासकारी, न्यूनकारी या कटौती का प्रभाव नहीं पड़ा है और उसे प्रकटन विवरण और प्रारंभिक जॉच परिणामों में भी स्पष्ट रूप से बताया गया है। अतः कोई कीमत प्रभाव नहीं है। इसके अलावा, पीओआई में कम कीमत पर बिक्री नकारात्मक (अर्थात् 0 और -10 के बीच) है, जिसका अर्थ है कि निर्यात कीमत घरेलू उद्योग की एनआईपी से अधिक है।
- प्रकटन विवरण में प्राधिकारी द्वारा किया गया क्षति विश्लेषण दर्शाता है कि क्षति संबंधी सभी मापदंडों में सुधार हुआ है। उत्पादन में 62 प्रतिशत, बिक्री में 41 प्रतिशत और क्षमता में आधार वर्ष की तुलना में पीओआई में 62 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसी प्रकार, आधार वर्ष की तुलना में पीओआई में लाभप्रदता में 471 प्रतिशत, नकद लाभ में 103 प्रतिशत और नियोजित पूंजी पर आय में 171 प्रतिशत की जबरदस्त वृद्धि हुई है। अतः घरेलू उद्योग के कार्यनिष्पादन में दिन दुगुनी रात चौगुनी प्रगति हुई है और आकड़ों से किसी भी प्रकार से घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति का पता नहीं चलता है।

(iv) मेसर्स फोशन लिहूआ सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड, मेसर्स फोशन हेनरी ट्रेडिंग कंपनी लिमिटेड ने संयुक्त रूप से फोशन ग्रुप के रूप में उनके प्रतिनिधि के रूप में मै. एपीजे-एसएलजीलॉ कार्यालयों ने निम्नानुसार अनुरोध किया है :

- फोशन ग्रुप उन्हें एमईटी का दर्जा जारी रखने के अनुरोध के संबंध में प्रकटन विवरण में प्राधिकारी की समुक्तियों पर कड़ी आपत्ति जताता है। यह अनुरोध किया गया है कि सत्यापन रिपोर्ट में उनके किसी भी कमेंट को प्रकटन विवरण में शामिल नहीं किया गया है जो सत्यापन रिपोर्ट और प्रकटन विवरण की विश्वसनीयता पर प्रश्न चिह्न लगाता है। प्राधिकारी से कोई अंतिम निर्णय लेने से पहले सत्यापन रिपोर्ट संबंधी टिप्पणियों पर विचार करने का अनुरोध किया जाता है। एक नया प्रकटन विवरण जारी किया जाए।
- कि इस बारे में एक भी शब्द नहीं है कि उनके द्वारा संदर्भित मामला विधि और नजीरें इस मामले में क्यों लागू नहीं हैं विशेष रूप से फोशन ग्रुप को बिल्कुल समान उत्पाद में दिनांक 25.04.2009 की फा. सं. 15/23/2009 के अंतिम जॉच परिणामों द्वारा एमईटी का दर्जा प्रदान किया गया था। चूंकि उन मापदंडों में कोई बदलाव नहीं हुआ है जिनके अधीन फोशन ग्रुप को एमईटी का दर्जा दिया गया था, इसलिए प्राधिकारी को वर्तमान जॉच में भी एमईटी का दर्जा जारी रखना चाहिए था।
- यदि इस प्राधिकारी के निर्णय समान प्राधिकारी के पूर्ववर्ती निर्णयों और मामले के संबंध में स्थापित न्यायशास्त्र से अलग हैं तो प्राधिकारी का यह दायित्व है कि वह दृष्टिकोण बदलने के कारणों को रिकार्ड में रखें और पाटनरोधी नियमावली के नियम 16 के अधीन उनकी जानकारी नये प्रकटन में सूचित करें।
- कि प्रकटन के बाद की सुनवाई हितवद्ध पक्षों को कोई ब्योरा, जिससे वे अपने तर्कों को उचित ढंग से तैयार कर पाते, प्रदान किए बिना घरेलू उद्योग के अनुरोध पर की गई थी, प्राधिकारी को आवेदक उद्योग के तर्कों और अनुरोधों का मुकाबला करने के लिए सभी हितवद्ध पक्षों को पर्याप्त समय और अवसर देना चाहिए था विशेष रूप से तब जबकि उत्पाद और उत्पाद अंतर के तकनीकी विनिर्देशनों से संबंधित है। चूंकि घरेलू उद्योग की आपत्तियों उन्हें सूचित नहीं की गई इसलिए ग्राहकों जो इतने कम समय की सूचना में भारत नहीं आ सकते थे, से तकनीकी सहायता लेने का समय नहीं मिला।
- माइक्रो क्रिस्टल और फुल बाडी टाइलों को बाहर रखने के संबंध में, यह अनुरोध किया जाता है कि ये उत्पाद सोल्यूबल साल्ट टाइलों और डबल चार्ज टाइलों के साथ प्रतिस्थापनीय नहीं हैं और इसलिए बाहर रखना सही है और इस संबंध में स्थापित सिद्धांतों के अनुरूप है। फोशन ग्रुप ने स्तब्धता व्यक्त की है और घरेलू उत्पादकों के प्रतिनिधियों की इस दलील का खंडन किया है कि माइक्रो क्रिस्टल टाइल जैसा कुछ भी नहीं है और यह कि यह केवल एक नाम है।

चूँकि माइक्रो क्रिस्टल और फुल बाडी टाइल दोनों घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित नहीं होती हैं इसलिए उन्हें पीयूसी के दायरे में रखने का प्रश्न नहीं उठता है। इसके अलावा, इन टाइलों की कीमतें एसएसओर डीसी टाइलों से काफी अधिक हैं जिसका अर्थ है कि ये वाणिज्यिक रूप से भी प्रतिस्थापनीय नहीं हैं।

- शामिल की गई और बाहर रखी गई टाइलों के बीच अंतर करने की सीमाशुल्क विभाग की क्षमता के संबंध में किए गए संदेहों के संबंध में यह बताया गया कि घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए निराधार वक्तव्यों से सीमाशुल्क की प्रक्रियाओं और तकनीकी मुद्दों के संबंध में उनकी क्षमता की समझ के पूर्णतः अभाव का पता चला है। यह अनुरोध किया जाता है कि नमूने लेने और उनके परीक्षण की प्रक्रियाओं के लिए सुस्थापित मानक प्रक्रिया है जिसका राजस्व विभाग से सत्यान किया जा सकता है। घरेलू उद्योग के प्रतिनिधि आयातित सामान के तकनीकी विनिर्देशनों की जाँच करने में सीमाशुल्क की तकनीकी क्षमता और उचित प्रक्रियाओं के अभाव के बारे में बेतुके और निराधार बयान दे रहे हैं। यह अनुरोध किया जाता है कि माइक्रोक्रिस्टल और फुल बाडी टाइलों का अंतर नग्न आँखों से भी बताया जा सकता है और ऐसे मामलों में मानकप्रक्रिया में परीक्षण रिपोर्ट भी उचित आकलन के लिए सीमाशुल्क अधिकारी के लिए उत्पाद की पुष्टि कर सकते हैं।
- फोशान ग्रुप ने घरेलू उद्योग के इस दावे का विरोध किया है कि कतिपय उत्पादकों/निर्यातकों के उत्तरों को अस्वीकार कर देना चाहिए क्योंकि उनकी मूल्य श्रृंखला पूरी नहीं है, फोशान ग्रुप ने बताया है कि किसी उत्पादक/निर्यातक विशेष का हवाला दिए बिना केवल सामान्य विवरण दिए गए हैं। यह भी बताया गया है कि घरेलू उद्योग के प्रतिनिधि ने यह भी स्पष्ट नहीं किया है कि मूल्य श्रृंखला से उनका क्या अर्थ है। यह अनुरोध किया गया है कि फोशान ग्रुप की सूचना को अस्वीकार नहीं किया जा सकता है क्योंकि उन्होंने विधिक रूप से विहित प्ररूपों में पूरी सूचना प्रस्तुत की है और प्राधिकारी के सभी प्रश्नों का उचित ढंग से जवाब दिया है, जिसका प्राधिकारी ने विधिवत रूप से सत्यापन किया था। अतः घरेलू उद्योग के तर्क पूरी तरह से निराधार और बिना सबूत के हैं और उन्हें तत्काल अस्वीकार करना चाहिए।
- क्षति मार्जिन की गणना करने के लिए पंधुच मूल्य के साथ एनआईपी की तुलना के लिए मालभाड़ा जोड़े जाने के मुद्दे के संबंध में, यह अनुरोध किया गया कि यह दलील न केवल गलत है बल्कि अर्थशास्त्र और उचित तुलना के मूलभूत सिद्धांतों के विरुद्ध है। वास्तव में प्राधिकारी केवल इस कारणसे क्षति मार्जिन के प्रयोजनार्थ पंधुच मूल्य की तुलना कारखाना-द्वारा एनआईपी के साथ करते हैं कि वस्तुएं देश के बाजार में उसी स्थान से प्रवेश करती हैं जहाँ वे सीमाशुल्क क्षेत्र से निकलती हैं (आयातित वस्तुओं के मामले में) या कारखाने से निकलती हैं (घरेलू रूप से उत्पादित वस्तुओं के मामले में)। यह भी अनुरोध किया गया है कि प्राधिकारी इस प्रक्रिया का सभी मामलों में पालन कर रहे हैं जिसकी पुष्टिसेस्टेट ने भी की है। चूँकि सेस्टेट का यह आदेश किसी सक्षम न्यायालय द्वारा नहीं रोका गया है इसलिए प्राधिकारी के लिए यह बाध्यकारी है। यह भी सूचित किया गया कि इस समय, यह मामला अलकली मेन्युफेक्चरर्स एसोसिएशन बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी रिट याचिका (सिविल) सं. 2013 की 4345 में दिल्ली उच्च न्यायालय में न्यायाधीन है।
- कि नियम 16 के अधीन प्राधिकारी का दायित्व है कि वह मामले के कानूनों सहित ऐसे सभी अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन करें जो अंतिम निर्धारण का आधार हैं। दुर्भाग्यवश, ऐसा वर्तमान मामले में नहीं किया गया है। फोशान ग्रुप ने प्राधिकारी से उनके द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों पर विचार करने का भी अनुरोध किया है और नियम 16 (और पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 6.9) के अधिदेश के अनुसार और न्याय, उचित प्रतिस्पर्धा और प्राकृतिक न्याय के हित में नियम 16 (और पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 6.9) के अधिदेश के अनुसार और न्याय, उचित प्रतिस्पर्धा और प्राकृतिक न्याय के हित में एक नया प्रकटन विवरण जारी करें।
- यह भी अनुरोध किया गया कि प्रकटन विवरण में क्षति और कारणात्मक संबंध में बारे में प्रस्तावित निष्कर्ष पाटनरोधी शुल्क लागू करने के घरेलू उद्योग के दावे का समर्थन नहीं करते हैं। उन्होंने अनुरोध किया है कि कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री नकारात्मक है। चूँकि उद्योग अत्यधिक लाभ कमा रहा है, इसलिए उनकी कीमतों को ह्रासमान या न्यूनतम नहीं कहा जा सकता है। उन्होंने चीन जन. गण. और वियतनाम के मूल की अथवा वहाँ से निर्यातित एए ड्राई सेल बैटरियों की हाल की जाँच (फा. सं. 14/31/2014-डीजीएडी दिनांक 27.9.2016) पर भरोसा किया है जिसमें प्राधिकारी ने इस आधार पर भारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन संबंधी निष्कर्ष के बावजूद किसी पाटनरोधी शुल्क को लगाने की सिफारिश नहीं की कि घरेलू उद्योग ने भारीलाभ कमाए थे और संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों के कारण घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई थी।
- फोशान ग्रुप ने सभी अनिवार्य तथ्यों और उनके द्वारा उल्लिखित मामला विधि पर विचार करते हुए इस आधार पर एक नया प्रकटन विवरण जारी करने का अनुरोध किया है कि लगभग सभी महत्वपूर्ण तथ्य और मामला कानूनों की वर्तमान प्रकटन विवरण में पूर्णतः उपेक्षा की गई है जो न केवल प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के विरुद्ध है बल्कि

पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 6.9 के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम 16 की विशिष्ट अपेक्षाओं के भी विपरीत है।

(v) मै. फोशान एसोसिएट्स ने मै. फोशान गनी सेरामिक्स टाइल्स कं. लि का प्रतिनिधित्व करते हुए निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :

- माननीय प्राधिकारी ने सभी नमूना निर्यातकों के लिए निर्धारित भारित औसत क्षति मार्जिन के आधार पर गैर नमूना निर्यातकों क क्षति मार्जिन का निर्धारण नहीं किया है।
- गैर नमूना निर्यातकों के लिए निर्धारित क्षति मार्जिन (ग्रेड डीसी-आकार 600 X 600) और (ग्रेड डीसी-उप योग) किसी भी नमूना निर्यातक के लिए उच्चतम क्षति मार्जिन के संबंध में उच्चतर है। ऐसा कोई निर्धारण अनुबंध ॥ : पाटनरोधी नियमावली के क्षति निर्धारण के सिद्धांतों के विपरीत है।
- वर्तमान प्रकटन विवरण में माननीय प्राधिकारी ने गैर-नमूना निर्यातकों के लिए क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु पाटनरोधी नियमावली के नियम 17(3) का गलत ढंग से प्रयोग किया है। तथापि गैर नमूना निर्यातकों का क्षति मार्जिन क्षति निर्धारण के सिद्धांतों/पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध ॥ के अनुसार परिकलित किया जाना चाहिए। पाटनरोधी नियमावली और पाटनरोधी करार दोनों में जॉचकर्ता प्राधिकारी को गैर-नमूना निर्यातकों के लिए क्षति मार्जिन की गणना के लिए नमूना निर्यातकों के शून्य या न्यूनतम क्षति मार्जिन निर्धारण को बाहर रखने की अनुमति नहीं है। तदनुसार, गैर नमूना निर्यातकों के क्षति मार्जिन को अनिवार्य रूप से सभी नमूना निर्यातकों के लिए निर्धारित भारित औसत क्षति मार्जिन के आधार पर निर्धारित किया जाना चाहिए। इसके अलावा ईयू-फुटवियर (चीन) में पैनल रिपोर्ट के पैरा 7.380, 7.382 और विनाईल क्लोराइड (पीवीसी) सस्पेंशन ग्रेड, सिल्क फेब्रिक्स और जूट उत्पाद के आयातों से संबंधित पूर्ववर्ती पाटनरोधी जाँचों में प्राधिकारी के निष्कर्षों पर भरोसा किया गया है।
- पाटनरोधी नियमावली के नियम 18(2)(ii) के परंतुक/पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 9.4(ii) में गैर नमूना निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन की सीमा निर्धारित करने के लिए शून्य या निर्धारित न्यूनतम पाटन मार्जिन को बाहर रखने का प्रावधान है। पाटनरोधी नियमावली के नियम 18(2)(ii) के परंतुक/पाटनरोधी करार के अनुच्छेद 9.4(ii) में क्षति मार्जिन के निर्धारण की पद्धति नहीं है और न ही गैर नमूना निर्यातकों के लिए क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए शून्य या निर्धारित न्यूनतम क्षति मार्जिन को बाहर रखने की अनुमति है। अमरीका-हाट रोल्ड स्टील में अपीलीय निकाय की रिपोर्ट के पैरा 116 पर भरोसा किया गया है।
- अनुबंध ॥ : क्षति निर्धारण के सिद्धांतों में कीमत कटौती/क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए पद्धति बताई गई है। अनुबंध ॥ में सभी आयातों की वस्तुनिष्ठ जाँच के आधार पर क्षति विश्लेषण के निर्धारण की व्यवस्था है और उसमें गैर नमूना निर्यातकों के लिए क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए नमूना निर्यातकों हेतु निर्धारित शून्य या निर्धारित न्यूनतम क्षति मार्जिन को बाहर रखने की अनुमति नहीं है। प्राधिकारी को गैर नमूना निर्यातकों के क्षति मार्जिन को अनिवार्य रूप से सभी नमूना निर्यातकों के लिए निर्धारित भारित औसत क्षति मार्जिन के आधार पर निर्धारित करना चाहिए।
- चूंकि वर्तमान जाँच में निर्धारित पीयूसी साल्युबल साल्ट और डबल चार्ज विट्रिफाइड टाइलें हैं इसलिए प्राधिकारी को बाद के स्तरों पर किसी अस्पष्टता से बचना चाहिए, और शुल्क तालिका में वस्तुओं के विवरण के रूप में साल्युबल साल्ट और डबल चार्ज विट्रिफाइड टाइलों को रिकार्ड करना चाहिए। घरेलू डोग का जीवीटी और एचवीएसटी को शामिल करने का दावा तथ्यहीन है और प्राधिकारी ने आवश्यक सत्यापन के बाद निष्कर्ष निकाला है कि जीवीटी और एचवीएसटी के मामूली आयात और उत्पादन हुए थे।
- आवेदक ने अधूरी मूल्य श्रृंखला के कारण नमूना निर्यातकों के इक्यूआर को अस्वीकार करने का दावा किया है। तथापि ने वर्तमान प्रकटन विवरण में ऐसे संगत मुद्दे के संबंध में अपने निष्कर्ष पर्याप्त रूप से नहीं दिए हैं। प्राधिकारी से आवेदक के इस दावे के संबंध में विस्तृत निष्कर्ष देने का अनुरोध किया जाता है।
- प्राधिकारी ने प्रकटन विवरण में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) की व्याख्या में चूक की है। घरेलू उद्योग के दायरे की स्थापित डब्लूटीओ न्यायशास्त्र और निरमा लि. बनाम सेंट मोबेन ग्लास इंडिया लिमिटेड नामक मामले में माननीय मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा 27 अप्रैल, 2012 के निर्णय के आलोक में व्याख्या की जानी चाहिए।

(vi) गुआंगडोंग हाओसेन सेरामिक्स कं. लि., फोशान हाओसेन इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि., फोशान किहुट सेरामिक कं. लि., कुन लेगी लि. हांगकांग, गुआंगडोंग गेलाइसी सेरामिक्स कं. लि., फोशान सेनशुई हुइवांजिया सेरामिक्स कं. लि, मै. फोशान न्यूपर्ल ट्रेड कं. लि., फोशन वारसेंटर ट्रेड कं. लि., फोशान किआंगबायो सेरामिक्स कं. लि., फोशान हांगलियो ट्रेड कं. लि., शीनवे कार्पोरेशन लि., फोशान चैन चेंग जिनयि सेरामिक्स कं. लि., फोशन गोल्ड फुल हाऊस बिल्डिंग मेटेरियल कंपनी लिमिटेड, मेसर्ज फोशन नानहाई रॉंगजिआ इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड, फोशन क्लाउड्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड मोनालिसा ग्रुप कंपनी लिमिटेड, मेसर्ज

गुआंगडोंग मोनालिसा ट्रेडिंग कंपनी लि., पेंडा मार्केटिंग प्रा. लि., डैजल डिजाइनर टाइल्स प्रा. लि., मालवा सेरामिक्स प्र. लि., कैलास सेरामिक्स (प्रा.) लि. का प्रतिनिधित्व करते हुए मै. एमएस पोथल एंड एसोसिएट्स ने निम्नानुसार अनुरोध किया है

लेमिनेटिक पोर्सलेन पैनल को पीयूसी के दायरे से बाहर रखा जाना चाहिए क्योंकि ये उत्पाद घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और बिक्री नहीं किए जाते हैं और यह भी कि ये घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित और बिक्री की गई वस्तु के समान वस्तु नहीं हैं। प्रकटन के बाद में अनुरोधों में प्राधिकारी को अंतिम जॉच परिणाम में भी पीयूसी के दायरे को उन्हें बाहर रखने के अपने निर्णय का बनाए रखना चाहिए क्योंकि लेमिनेटिक पोर्सलेन पैनल बिल्कुल अलग उत्पाद हैं और वर्तमान जॉच में पीयूसी से उनका कोई संबंध नहीं है। एक पत्र द्वारा प्राधिकारी को उत्पाद का एक नमूना दिया गया था जो सार्वजनिक डोमेन में है। (उत्पाद का एक नमूना हितद्वपक्षों के बीच परिचालित किया जा सकता है पर यह व्यवहारिक नहीं है परंतु कुछ हितबद्ध पक्ष यदि प्राधिकारी के कार्यालय में प्रस्तुत नमूना नग का निरीक्षण करना चाहते हो तो वे ऐसा कर सकते हैं)।

घरेलू उद्योग द्वारा यह तर्क दिया गया है कि यदि इन उत्पादों की कीमत अधिक है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी को ऐसे उत्पादों के लिए एक बेंचमार्क आयात कीमत तय करनी चाहिए। हमारा निवेदन है कि कीमत का ऐसा निर्धारण करने की अनुमति नहीं है क्योंकि हमारा यह तर्क कि **लेमिनेटिक पोर्सलेन पैनल** पीयूसी के दायरे में नहीं आता है और ऐसे उत्पाद को पीयूसी के दायरे में रखने का कोई औचित्य नहीं है। और ऐसे किसी उत्पाद जो पीयूसी के दायरे से बाहर हो के संबंध में कोई सिफारिश करने की अनुमति नहीं है और यह इस प्राधिकारी के जॉच के दायरे से बाहर है।

बाहरी मालभाड़े को एनआईपी में शामिल करना/क्षति मार्जिन के निर्धारण के लिए बाहरी मालभाड़े पर विचार: बाहरी मालभाड़े के संबंध में घरेलू उद्योग के तर्क में तथ्य नहीं है और ऐसे तर्क नियमों के अनुबंध III के लागू रहने तक बने नहीं रह सकते हैं। घरेलू उद्योग प्राधिकारी को यह अनुरोध करके गुमराह करना चाहता है कि एनआईपी के प्रयोजनार्थ जिसे अनुबंध III द्वारा बाहर रखा गया है उसे यह तर्क बनाते हुए क्षति मार्जिन के लिए शामिल नहीं किया जा सकता है कि क्षति मार्जिन नियमावली में परिभाषित नहीं है। घरेलू उद्योग का यह प्रयास रहा है कि क्षति मार्जिन की गणना एनआईपी जमा बाहरी मालभाड़ा घटा पंधुच कीमत से की जाए जिसका कोई आधार नहीं है।

अधूरी मूल्य श्रृंखला— घरेलू उद्योग के यह तर्क कि निर्यातकों की मूल्य श्रृंखला 4 नमूना निर्यात समूहों के संदर्भ में अधूरी है, बिल्कुल निराधार है और दिनांक 24.03.2017 के प्रकटन विवरण में प्रकट सत्यापित तथ्यों के विपरीत है।

(क)	गुआंगडोंग जिलाईसी सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड (उत्पादक) और फोशन शनशुई हुईबांजिआ सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड (उत्पादक) और फोशन न्यूपर्ल ट्रेड कंपनी लिमिटेड (निर्यातक)।
(ख)	गुआंगडोंग हाओसेन सेरामिक्स कं. लि. (उत्पादक) और फोशन हाओसेन इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड (निर्यातक) गुआंगडोंग हाओसेन सेरामिक्स कं. लि. (उत्पादक) और फोशन हाओसेन इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड (निर्यातक) और कुन लागी लिमिटेड, हांगकांग (निर्यातक) गुआंगडोंग हाओसेन सेरामिक्स कं. लि. (उत्पादक) और फोशन किहुट सिरेमिक कंपनी लिमिटेड (निर्यातक)
(ग)	फोशन चानचेंग जिनयि सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड (उत्पादक) फोशन वर्सेटर ट्रेड कंपनी लिमिटेड (निर्यातक) फोशन चानचेंग जिनयि सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड (उत्पादक),) फोशन वर्सेटर ट्रेड कंपनी लिमिटेड (निर्यातक) और शीनबे कोर्पोरेशन लिमिटेड हांगकांग (निर्यातक)।
(घ)	फोशन क्विंगबिओ सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड (उत्पादक), फोशन होंगलिआयो ट्रेड कंपनी लिमिटेड (निर्यातक) और मेसर्ज शीनबे कोर्पोरेशन लिमिटेड हांगकांग (निर्यातक)। फोशन क्विंगबिओ सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड (उत्पादक),) फोशन वर्सेटर ट्रेड कंपनी लिमिटेड (निर्यातक) और शीनबे कोर्पोरेशन लिमिटेड हांगकांग (निर्यातक)।

- घरेलू उद्योग ने जॉच की शुरुआत से ही निर्यातक श्रृंखला के विरुद्ध आरोप लगाये हैं और प्रकटन के बाद की मौखिक सुनवाई में भी कुछ अलग नहीं हुआ। न तो उन्होंने अपने तर्कों को सिद्ध करने के लिए कोई नया साक्ष्य प्रस्तुत किया और न ही दिनांक 24.3.2017 के प्रकटन विवरण में प्रकट तथ्यों को निरनुमोदित किया। किसी गलत और झूठे विवरण को बार-बार दोहराने से वह सही नहीं हो जाता और उसे अस्वीकार कर देना चाहिए। यथोक्त निर्यातक समूह को ऐसे प्रदत्त कारणों के लिए पीएफ में अलग मार्जिन प्रदान नहीं किया गया और प्रकटन विवरण के समय तक उक्त पक्षों द्वारा ईक्यू उत्तरों के स्थल पर सत्यापन निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा कर लिया गया। इस प्रकार, दिनांक 24.3.2017 के प्रकटन विवरण में प्रकट तथ्य वर्तमान जॉच में

संगत हैं और यह कि घरेलू उद्योग द्वारा दिए गए निराधार तर्क जिन्हें निर्यातकों को इस जाँच में उस दर्जे से वंचित करने के लिए दिया गया था जिसके वे पाटनरोधी करार और सीटीए के अनुसार हकदार हैं।

- **शीनवे कापेरिशन लि. से संबंधित पंहुच कीमत की गणना** - प्रकटन के बाद की सुनवाई के अनुरोध में यह बताया गया कि प्राधिकारी ने शीनवे से संबंधित संगत निर्यात कीमत/पंहुच कीमत के आकड़ों को उनके द्वारा प्रदर्शित अन्य पक्षों के बीच साझा किया है। तथापि, यह बताया गया कि शीनवे से संबंधित आकड़ों में कुछ सूत्र की गड़बड़ी है क्योंकि ऐसा लगता है कि सही माल भाड़ा तत्व शीनवे की पंहुच कीमत में नहीं प्रदर्शित हो रहा है। प्राधिकारी अंतिम जाँच परिणामों के लिए शीनवे की पंहुच कीमत गणना की प्रति जाँच कर सकते हैं। सूत्र संबंधी गड़बड़ी पंहुच कीमत की गणना संबंधी एक्सेल फाइल में है।
- **खंडन संबंधी अनुरोध** - हमने इस लिखित अनुरोध में प्रकटन के बाद की मौखिक सुनवाई में डीआई द्वारा हमसे संबंधित सभी तर्कों का विरोध करने का प्रयास किया। तथापि मौखिक सुनवाई में विद्वान प्राधिकारी द्वारा बताया गया कि समय-सीमा को देखते हुए खंडन प्रस्तुत करने का कोई अवसर प्रदान नहीं किया जाएगा और उन्हें 5.4.2017 को पूर्वाह्न 11 बजे तक प्रस्तुत कर दिया जाना चाहिए। हमारा यह निवेदन है कि यदि उक्त पक्षों के विरुद्ध कोई नया आरोप लगाया जाता है तो हमें खंडन की अनुमति दी जाए जिन्हें उक्त सुनवाई में उठाए गए से इतर डीआई द्वारा लिखित अनुरोधों में उठाया गया था।
- **नये प्रकटन विवरण की आवश्यकता** - यह हमारा प्राथमिक अनुरोध है कि डीआई दिनांक 24.03.2017 के प्रकटन विवरण जो पहले ही परिचालित हो गया है में कोई नये तथ्य लाने के लिए बदलाव की मांग नहीं कर सकता है। डीआई द्वारा प्रकटन के बाद की मौखिक सुनवाई में दिए गए तर्क केवल प्रकटन विवरण के संबंध में टिप्पणियाँ हैं और उसमें दिनांक 24.03.2017 के प्रकटन विवरण द्वारा पहले से प्रकट वास्तविक तथ्यों में कोई परिवर्तन नहीं लाने के लिए रिकार्ड में नहीं लाया गया है।

(vii) मै. इंडियन काउंसिल आफ सेरामिक टाइल्स एंड सेनेटरीवेयर और मै. कजारिया सिरेमिक्स लिमिटेड, मै. सोमानी सिरेमिक्स लिमिटेड, मै.एच.एंड आर. जोनशन लि. और मै.एशियन ग्रेनिटो इंडिया लिमिटेड का प्रतिनिधित्व करने वाली मै. रीना खैर, अधिवक्ता ने निम्नलिखित अनुरोध किए हैं :

- जीवीटी और पीजीवीटी टाइलों को बाहर रखना उचित नहीं है क्योंकि घरेलू उद्योग इनका उत्पादन कर रहा है।
- उत्पादक/निर्यातक द्वारा प्रस्तुत उत्तर जिनमें उत्पादन की पूरी प्रक्रिया नहीं है को अस्वीकार किया जाए और ऐसे उत्पादक/निर्यातक जहाँ मूल्य श्रृंखला पूरी नहीं है को भी अस्वीकार किया जाए। ऐसे उत्पादकों/निर्यातकों के लिए अलग पाटन मार्जिन पर विचार करने के लिए सूचना और दस्तावेज पूरे और तथ्यपूर्ण नहीं हैं।
- मालभाड़ा लागत का महत्वपूर्ण हिस्सा है और एनआईपी मूल्यांकन और उसके बाद क्षति निर्धारण मालभाड़े को शामिल करके किया जाए।
- उत्पादकों/निर्यातकों के सभी दस्तावेजों/सत्यापनों का अगोपनीय अंश टिप्पणियों के लिए उपलब्ध कराया जाए।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

264. प्राधिकारी ने प्रकटन के उत्तर में विभिन्न हितवद्ध पक्षों द्वारा किए गए अनुरोधों की निम्नानुसार जाँच की है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग के अनुरोध पर प्राधिकारी ने 3 अप्रैल 2017 को प्रकटन के बाद की सुनवाई रखी ताकि हितवद्ध पक्ष प्रकटन विवरण के संबंध में अपने अनुरोधों की व्याख्या कर सकें। निम्नलिखित हितवद्ध पक्षों ने प्रकटन के बाद की सुनवाई में भाग लिया। प्रकटन पश्चात निवेदनों की जितना प्रासंगिक समझा गया है, जांच की गई।

(1)	घरेलू उद्योग के प्रतिनिधि मैसर्स टीपीएम कंसलटेंट्स
(2)	चायना चैम्बर्स ऑफ कामर्स ऑफ मैटल, मिनेरल्स एंड कैमिकल इंपोर्टर्स एंड एक्सपोर्टर्स, सदरन बिलिडिंग मैटीरियल्स एंड सेनेटरी कंपनी लि. ऑफ किंगवान सिटी, जियांगसी फलीगाओ सेरेमिक्स कंपनी लि., गुआंगडोंग लंग्जरी माइक्रो-क्रिस्टल स्टोन टेक्नोलॉजी कंपनी लि. और न्यू झोंगयुवान सिरेमिक्स इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लि. ऑफ गुआंगडोंग मैसर्स (एनजेवाई ग्रुप), गुआंगडोंग योगशेंग सिरेमिक्स कंपनी लि. और फोशोन इसाईन ट्रेडिंग कंपनी लि., चीन जन.गण. की ओर से मैसर्स लक्ष्मीकुमारन और श्रीधरन एटॉर्नीज
(3)	मैसर्स फोशन गानी सिरेमिक टाइल्स कंपनी लि. और मैसर्स क्यूनियान सिरेमिक टाइल्स कंपनी लि. के प्रतिनिधि मैसर्स दुआ एसोसिएट्स
(4)	गुआंगडोंग हाउसेन सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड, फोशन हाशोन इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड, फोशन कीहुट सिरेमिक कंपनी लिमिटेड, कुनलेगी लिमिटेड, हांगकांग, गुआंगडोंग दलाइसेई सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड, फोशन सनसुई हुईवानिजिया सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड, फोशन न्यूपलट्रेड कंपनी लिमिटेड, फोशन वर्सेटर ट्रेड कंपनी लिमिटेड, फोशन क्युगकियाओ सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड, फोशन होंगलियाओ ट्रेड कंपनी लिमिटेड, शीनवे कापेरिशन लिमिटेड, हांगकांग, फोशन चानचेंग जिनई सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड, फोशन गोल्ड फुल हाउस बिलिडिंग मैटीरियल कंपनी लिमिटेड, फोशन

	ननहाई रोंगजिया इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड, फोशन क्लाउड्स इंपोर्ट एंड एक्सपोर्ट कंपनी लिमिटेड, मोनालिसा ग्रुप कंपनी लिमिटेड, गुआंगडोंग मोनालिसा ट्रेडिंग, कंपनी लिमिटेड, पेंडा मार्केटिंग प्रा. लिमिटेड, डेजल डिजायनर टाइल्स प्रा. लिमिटेड, मालवा सिरेमिक्स प्रा. लिमिटेड, कैलाश सिरेमिक्स प्रा. लिमिटेड के प्रतिनिधि मैसर्स एम.एस. पोथल एंड एसोसिएट्स
(5)	मैसर्स फोशन लिहुआ सिरेमिक्स कंपनी लिमिटेड और मैसर्स फोशन हैंड्रीट्रेडिंग कंपनी लि. के प्रतिनिधि मैसर्स ए.पी.जे.-एसएलजी लॉ आफिसिज ।
(6)	मैसर्स इंडियन काउंसिल आफ सिरेमिक्स टाइल्स एंड सेनेटरी वेयर और मैसर्स कजारिया सिरेमिक्स लिमिटेड, मैसर्स सोमानी सिरेमिक्स लिमिटेड, मैसर्स एच एंड आर जॉनसन लिमिटेड और मैसर्स एशियन ग्रेनिटो इंडिया लिमिटेड की प्रतिनिधि मैसर्स रीना खेर, अधिवक्ता

मै. पेंडा मार्केटिंग प्रा.लि. और कुछ अन्य आयातकों ने प्रकटन पश्चात सुनवाई में भाग लिया है।

(i) विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी)

प्रकटन पश्चात विवरण पर घरेलू उद्योग ने दिनांक 31 मार्च, 2017 के अपने निवेदनों में विचाराधीन उत्पाद में जीवीटी/पीजीवीटी किस्मों के उत्पाद को शामिल करने का विशेष उल्लेख किया था। प्रकटन पश्चात 3 अप्रैल, 2017 को हुई सुनवाई में उसने इसी मुद्दे पर प्रतिबल दिया था। किसी अन्य प्रकार के उत्पाद को विचाराधीन उत्पाद में शामिल करने के लिए कोई विशेष रूप से आग्रह नहीं किया गया है। तथापि, बाद में 5 अप्रैल, 2017 की अपनी टिप्पणियों के साथ घरेलू उद्योग ने पूर्ण उत्पाद किस्मों के उत्पादन को यथोचित सिद्ध करने के लिए कुछ वीजों के संलग्न की हैं। प्राधिकारी ने नोट किया कि 6 मार्च, 2017 के अपने पत्र में घरेलू उद्योग ने विचाराधीन उत्पाद के उत्पाद-वार उत्पादन का उल्लेख किया है, जिसमें केवल एसएस, डीसी, जीवीटी और पीजीवीटी को ही शामिल किया गया है।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा पीयूसी के जीवीटी/पीजीवीटी ग्रेडों का उत्पादन पीओआई में कुल उत्पादन का लगभग 5 प्रतिशत है जो पर्याप्त है और इसलिए उन्होंने इन दो उत्पाद प्रकारों को भी पीयूसी में शामिल करने पर विचार किया है। इसलिए इसको ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का यह मानना है कि सभी अन्य प्रकार के उत्पाद, अर्थात् माइक्रो क्रिस्टल टाइलों, फुल बाडी टाइलों और 5 मिमी. मोटाई से कम के पतले पैनलों जिनके उत्पादन के रिकॉर्ड का साक्ष्य जांच के दौरान घरेलू उद्योग नहीं दे सका, जिन्हें बाहर रखे जाने की आवश्यकता है। जीवीटी/पीजीवीटी किस्मों के उत्पाद को भी विचाराधीन उत्पाद में शामिल करके भारित औसत पाटन और क्षति मार्जिन का पुनः आकलन किया गया है। इन मार्जिनों का पाटन मार्जिन के अधीन संगत पैराओं में उल्लिखित किया गया है।

(ii) पाटन मार्जिन

पाटन मार्जिन की कार्यप्रणाली मूल्यांकन के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि पूरी मूल्य श्रृंखला के न होने के कारण उत्पादकों/निर्यातकों के सभी उत्तरों को अस्वीकार करने के घरेलू उद्योग के अनुरोध में तथ्य नहीं है। सहयोगी उत्पादकों और निर्यातकों के उत्तरों की आवश्यक सत्यापन के बाद सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के पहलुओं का मूल्यांकन किया गया है और इन उत्तरों पर विचार करने के कारणों का मूल्यांकन संगत पैराओं में विस्तार से किया गया है। मै. एपीजे-एसएलजी लॉ आफिसिज द्वारा प्रस्तुत उत्पादकों/निर्यातकों को बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार के दावे के संबंध में यह नोट किया जाता है कि उत्पादक/निर्यातक के बाजार अर्थव्यवस्था के दावे को अस्वीकार करने के कारणों को प्रकटन और वर्तमान जॉच परिणाम में भी संगत पैराओं में विस्तार से रिकार्ड किया गया है। बाजार अर्थव्यवस्था विभिन्न मापदंडों के विस्तृत आकलन के आधार पर प्रदान किया जाता है और यह स्थिति विशिष्ट है। अतः प्राधिकारी मानते हैं कि उत्पादक/निर्यातक द्वारा किए गए अनुरोध के अनुसार बाजार अर्थव्यवस्था का व्यवहार प्रदान करने का कोई तथ्य या आधार नहीं है।

(iii) क्षति मार्जिन

मालभाडे को शामिल करके क्षति मार्जिन के मूल्यांकन के संबंध में प्राधिकारी मानते हैं कि ऐसे मूल्यांकन के लिए पूरे आंकड़ों की आवश्यकता है, जिनका गहन रूप से मूल्यांकन करना जरूरी है और नीतिगत निर्णय लेने की आवश्यकता है। क्षति मार्जिन के आकलन की संगत प्रक्रिया तुलना के समान स्तर पर एनआईपी के साथ पंधुच कीमत (भाडे के बिना) की तुलना करना है। इस मामले में भी यही पद्धति अपनायी गई है। इसके अलावा, एनआईपी को पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 3 के अनुसार निर्धारित किया गया है और पंधुच मूल्य से एनआईपी की तुलना पूरी पीओआई के साथ की गई है और पीओआई को क्षति के मूल्यांकन के लिए पीओआई के भागों में नहीं बाटा जा सकता है जिससे उसकी प्रतिनिधिक क्षमता और तुलना का औचित्य समाप्त हो जाएगा।

नया प्रकटन जारी करने के मुद्दे के संबंध में प्राधिकारी मानते हैं कि रिकॉर्ड पर उपलब्ध आंकड़ों का प्रकटन हितबद्ध पक्षकारों को कर दिया गया था तथा केवल उन्हीं मुद्दों, जिन्हें प्रकटन पश्चात टिप्पणियों में विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किया गया है, तथा 3 अप्रैल, 2017 को हुई सुनवाई में उठाया गया है, का समाधान किया गया है और इसलिए कोई अन्य प्रकटन जारी करने की कोई आवश्यकता नहीं है।

(IV) अन्य मुद्दे :

मै. ईएलपी एडवोकेट्स द्वारा उनके द्वारा प्रस्तुत उत्पादकों/निर्यातकों के लिए अलग पाटन मार्जिन के निर्धारण पर विचार करने के लिए किए गए अनुरोध के संबंध में प्राधिकारी मानते हैं कि उन्होंने प्रारंभिक जांच परिणाम में यथा-उल्लिखित निर्यात की मात्रा जैसे विभिन्न प्राचलों को ध्यान में रखते हुए पाटनरोधी नियमावली के अनुसार उसके द्वारा प्रतिदर्श कार्य प्रणाली अपनाई गई है। नमूने के आकार का निर्णय कवरेज को सुनिश्चित करने के लिए किया गया है जोकि प्रतिनिधिक है और साथ ही उसकी प्रशासनिक व्यवहार्यता है।

विचाराधीन उत्पाद की पहचान के लिए सीमाशुल्क द्वारा परेक्षणों की नमूना जाँच किए जाने के संबंध में, सीमाशुल्क प्राधिकारी नमूनों का चयन करने और समुचित एजेंसियों/अधिकारियों द्वारा तकनीकी रूप से उनका विश्लेषण करने के लिए अपने स्थापित मानकों और प्रक्रियाओं के अनुसार ऐसी कोई जाँच करते हैं। पाटनरोधी शुल्क से बचने के किसी प्रयास पर सीमाशुल्क प्राधिकारी द्वारा ध्यान दिया जाएगा या यदि आवश्यक हो तो प्रवंचन रोधी नियमावली के अधीन समुचित विचार करने के लिए डीजीएडी को अभ्यावेदित किया जाएगा।

द.2 बहुत अधिक क्षति और बहुत अधिक क्षति के खतरे का खतरा तथा कारणात्मक संबंध पर निष्कर्ष

265. विभिन्न कारकों की जांच तथा उसका एक समग्र विश्लेषण दर्शाता है कि जबकि घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन ने क्षति की जांच की अवधि के दौरान बहुत अधिक गिरावट नहीं दर्शाई, परंतु जांच की अवधि की तीसरी तिमाही से आयातों की बढ़ती हुई कीमतों और बढ़ते हुए आयात की एक स्पष्ट प्रवृत्ति है, जिसके फलस्वरूप घरेलू उद्योग पर मात्रा और कीमत का दबाव तथा विव्री की मात्रा और लाभप्रदता में गिरावट आई है। उपर्युक्त में जांच किए गए खतरे के मानदंड भी स्पष्ट रूप से दर्शाते हैं कि संबद्ध देश में बहुत अधिक क्षमताएं हैं और अन्य आकस्मिक कारक, जिसके फलस्वरूप किसी उपाय के न किए जाने की स्थिति में निकट भविष्य में पाटित आयातों में बहुत अधिक वृद्धि हो सकती है। इस कारण से प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि बहुत अधिक क्षति का वास्तविक एवं संभावित खतरा है जो घरेलू उद्योग को हो रहा है जिसका संकेत जांच की अवधि के दौरान ही दृष्टिगत है और यह संबद्ध देश से पाटित आयातों से पता चलता है।

द. भारतीय उद्योग का हित एवं अन्य मुद्दे

266. प्राधिकारी इस बात को मानते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लगाने से भारत में इस उत्पाद की कीमतों के स्तरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि, भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्द्धा पाटनरोधी उपायों के लगाने से कम नहीं होगी। इसके प्रतिकूल पाटनरोधी उपायों को लगाने से पाटन प्रथाओं द्वारा प्राप्त अनुचित लाभों को दूर किया जाएगा, घरेलू उद्योग की गिरावट को रोका जाएगा और संबद्ध वस्तुओं के उपभोक्ताओं को अपेक्षाकृत अधिक विकल्प उपलब्ध कराने में सहायता मिलेगी। सामान्य तौर पर पाटनरोधी शुल्कों का उद्देश्य पाटन की अनुचित व्यापार प्रथाओं द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में मुक्त एवं स्वस्थ प्रतिस्पर्द्धात्मक स्थिति स्थापित हो सके जो इस देश के सामान्य हित में है। अतः पाटनरोधी शुल्कों को लगाने से उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की उपलब्धता पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी उपायों को लगाने से किसी भी प्रकार से संबद्ध आयातों पर प्रतिबंध नहीं लगेगा। उपभोक्ता अभी भी आपूर्ति के दो अथवा उससे अधिक स्रोतों को बनाए रख सकते हैं।

घ. निष्कर्ष

267. उठाए गए मुद्दों की जांच करने तथा हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए अनुरोधों तथा इस प्राधिकारी के समक्ष उपलब्ध कराए गए तथ्यों, जिसे इस जांच परिणाम में दर्ज किया गया है, के बाद, प्राधिकारी का यह निष्कर्ष है कि:

- क) भारत में उत्पादन और खपत की तुलना में तथा सम्पूर्ण क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देश से पूर्ण रूप में पाटित आयातों की मात्रा में बहुत अधिक वृद्धि हुई है।
- ख) संबद्ध वस्तु पाटित कीमतों पर संबद्ध देशों से भारतीय बाजार में आ रहे हैं।
- ग) यद्यपि सम्पूर्ण रूप में जांच की अवधि के दौरान मात्रा एवं कीमत के मानदंडों के संबंध में घरेलू उद्योग का कार्य निष्पादन में कोई गिरावट नहीं दर्शाता है। फिर भी जांच की अवधि की पिछली दो तिमाहियों में आयातों में बहुत अधिक वृद्धि और कीमतों में गिरावट के कारण संबद्ध देश से पाटित आयातों की कीमत के प्रभावों और बहुत अधिक मात्रा को दर्शाता है।
- घ) चीन से पूर्व देशों में टाइलों के निर्यात पर व्यापार निवारण उपायों के लगाए जाने के साथ-साथ बढ़ते हुए आयातों तथा कीमतों में गिरावट, चीन में कम मांग और अत्यधिक क्षमता की प्रवृत्ति का समग्र विश्लेषण यह दर्शाता है कि भारत में सघन पाटन का आसन्न खतरा है और इसके परिणामस्वरूप उपाय नहीं किए जाने पर घरेलू उद्योग को क्षति होगी।

न. सिफारिशें

268. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह जांच शुरू की गई थी और इसे सभी हितबद्ध पक्षकारों को अधिसूचित किया गया था तथा निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंधों के पहलुओं पर सकारात्मक सूचना देने के लिए समुचित अवसर दिया गया था। पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत निर्धारित प्रावधानों के संबंध में पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध की जांच शुरू करने तथा पूरा करने के बाद तथा इस प्रकार के पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को बहुत

अधिक क्षति का खतरा तथा सकारात्मक पाटन मार्जिन स्थापित करने के बाद प्राधिकारी का मत है कि निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाना, पाटन से बचने तथा घरेलू उद्योग को क्षति को रोकने के लिए अपेक्षित है।

269. अतः प्राधिकारी इसे आवश्यक समझते हैं और संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं के आयातों पर केंद्र सरकार के दिनांक 29 मार्च, 2016 की अधिसूचना संख्या 12/2016-सीमा शुल्क (एडीडी) के माध्यम से अनंतिम शुल्क लगाने की अधिसूचना को जारी किए जाने की तिथि से पांच वर्षों की अवधि के लिए नीचे उल्लेख किए गए रूप में और तरीके से निश्चयात्मक पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं।
270. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी जांच की अधीन अवधि के लिए इस निष्कर्ष में इस प्रकार से निर्धारित पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन में से कमतर के समान पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं ताकि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के क्षतिकर प्रभावों को दूर किया जा सके। तदनुसार, नीचे दी गई शुल्क तालिका के कॉलम 8 में यथा दर्शाए गए पाटनरोधी शुल्क संबद्ध देश के मूल के अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर लगाने की सिफारिश की जाती है। केंद्र सरकार के दिनांक 29 मार्च, 2016 की अधिसूचना संख्या 12/2016-सीमा शुल्क (एडीडी) के माध्यम से अनंतिम शुल्क लगाने की अधिसूचना को जारी किए जाने की तिथि से पांच वर्षों की अवधि के लिए लगाए जाने की सिफारिश करते हैं।

शुल्क तालिका

क्रम सं.	शीर्ष/उप-शीर्ष*	कार्यों का विवरण	मूल देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	यूनिट	मुद्रा
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	69.07, 69.08, 69.14*	सोल्यूबल साल्ट, डबल चार्ज, जीवीटी और पीजीवीटी प्रोसलीन/विट्रीफाइड टाइलें जोकि 3 % से कम जल अवशोषण युक्त हैं और जो सभी आकार की हैं **	चीन जन गण	चीन जन गण	मै. सदरन बिल्डिंग मैटेरियल्स एंड सेनिटरी कंपनी लि. ऑफ क्विंगयुआन सिटी, मै. जिआंगसी फुलिंगाओ सेरामिक्स कं. लि. और मै. गुआंगडोंग लक्जरी माइक्रोक्रीस्टल स्टोन टेक्नोलॉजी कं. लि.	मैसर्स न्यू झोंग युआन सेरामिक्स इम्पोर्टर्स एंड एक्सपोर्ट कं. लि. ऑफ गुआंगडोंग	शून्य	एसक्यूएम	अमेरिकी डॉलर
2	-वही-	-वही-	चीन जन गण	चीन जन गण	मैसर्स गोंगडोंग हाओसेन सेरामिक्स कं. लि.	मैसर्स फोशान हाओसेन इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि., मैसर्स फोशान किहुट सेरामिक कं. लि. और मैसर्स कुन लेजी लि., हांगकांग	0.83	एसक्यूएम	अमेरिकी डॉलर
3	-वही-	-वही-	चीन जन गण	चीन जन गण	मैसर्स फोशान लिहुआ सेरामिक्स कं. लि.	मैसर्स फोशान हेनरी ट्रेडिंग कं. लि.	शून्य	एसक्यूएम	अमेरिकी डॉलर
4	-वही-	-वही-	चीन जन गण	चीन जन गण	मैसर्स किगुआ-कियांगबाओ सेरामिक्स कं. लि. और मैसर्स फोशान कियांगबिओ सेरामिक्स कं. लि.	मैसर्स फोशान हांगलियो ट्रेड कं. लि., चीन जन गण; मैसर्स शीनवे कॉर्पोरेशन लि., हांगकांग	0.28	एसक्यूएम	अमेरिकी डॉलर
5	-वही-	-वही-	चीन जन गण	चीन जन गण	मैसर्स फोशान चानशेंग जिनी सेरामिक्स कं. लि. और मैसर्स जिन जिंग जियान झीशेंग सेरामिक्स कं. लि.	मैसर्स फोशान वोरसेटर ट्रेड कं. लि. और मैसर्स शीनवे कारपोरेशन लि., हांगकांग	शून्य	एसक्यूएम	अमेरिकी डॉलर

6	-वही-	-वही-	चीन जन गण	चीन जन गण	मैसर्स गोंगडोंग जेलियासी सेरामिक्स कं. लि. और मैसर्स फोशान सनशुई हुईवंजिया सेरामिक्स कं. लि.	मैसर्स फोशान न्यूपर्ल ट्रेड कं. लि.	शून्य	एसक्यूएम	अमेरिकी डॉलर
7	वही	वही	चीन जन गण	चीन जन गण	नीचे दी गई सूची के अनुसार नमून न लिए गए उत्पादक/निर्यातक***		0.79	एसक्यूएम	अमेरिकी डॉलर
8	वही	वही	चीन जन गण	चीन जन गण	उपर्युक्त क्रम संख्या 1 से 7 में उल्लिखित को छोड़कर कोई अन्य संयोजन		1.87	एसक्यूएम	अमेरिकी डॉलर
9	वही	वही	चीन जन गण	चीन जन गण को छोड़कर कोई अन्य देश	कोई	कोई	1.87	एसक्यूएम	अमेरिकी डॉलर
10	वही	वही	चीन जन गण को छोड़कर कोई अन्य देश	चीन जन गण	कोई	कोई	1.87	एसक्यूएम	अमेरिकी डॉलर

* संबद्ध वस्तुओं का आयात टैरिफ शीर्षक संख्या 69.07, 69.08, 69.14 के अंतर्गत किया जा रहा है। हालांकि सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और किसी भी प्रकार से इस जांच के क्षेत्र पर बाध्यकारी नहीं है।

** इस उत्पाद में पॉलिशड विट्रीफाइड टाइल्स (पीवीटी), ग्लेज्ड विट्रीफाइड टाइल्स (जीवीटी), पॉलिशड एवं ग्लेज्ड विट्रीफाइड टाइल्स (पीजीवीटी), माइक्रो क्रिस्टल टाइल, फुल बॉडी टाइल्स और 5 एमएम मोटाई से कम पतली पैनल शामिल नहीं है।

*** चीन जन गण से नमूने न लिए गए निर्यातकों की सूची

क्रम सं.	उत्पादक का नाम	निर्यातक का नाम
1	फोशान हेलई बिल्डिंग मैटेरियल्स कं. लि और फोशान सिटी गॉमिंग डिस्ट्रिक्ट हुई मेई एओ बिल्डिंग मैटेरियल कं. लि.	फोशान जिनझोंगवी इकोनॉमिक एंड ट्रेड कं. लि., मैसर्स ग्लोबलिक ओवरसीज (एचके) लि.
2	फोशान सिटी टाओक्यांग बिल्डिंग मैटेरियल कं. लि.	फोशान इम्पोर्ट. एंड एक्सपोर्ट. ट्रेड कं. लि.
3	मोनालीसा ग्रुप कं. लि.	गोंगडोंग मोनालीसा ट्रेडिंग कं. लि.
4	फोशान गोल्ड फुल हाउस बिल्डिंग मैटेरियल कं. लि.	फोशान नानहई रोंगजिया इम. एंड एक्स. लि. और फोशान क्लाउड्स इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्टर्स कं. लि.
5	गोंगडोंग योंगशेंग सेरामिक्स कं. लि.	फोशान इशाइन ट्रेडिंग कं. लि.
6	फोशान सनी सेरामिक कं. लि.	फोशान गोल्ड मेडल इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट ट्रेडिंग कं. लि.
7	इंपिंग सिटी होचांग सेरामिक कं. लि.	इंपिंग सिटी होचांग सेरामिक कं. लि.
8	फोशान ओसियनलैंड सेरामिक्स कं. लि.	फोशान ओसियनलैंड सेरामिक्स कं. लि.
9	गोंगडोंग ओवरलैंड सेरामिक्स कं. लि.	गोंगडोंग ओवरलैंड सेरामिक्स कं. लि.
10	गोंगडोंग किटो सेरामिक्स कं. लि.	गोंगडोंग किटो सेरामिक्स कं. लि.
11	फोशान सिंसेरे बिल्डिंग मैटेरियल कं. लि.	फोशान सिंसेरे बिल्डिंग मैटेरियल कं. लि.
12	गोंगडोंग गांजिंग सेरामिक्स इंटरप्राइजेज कं. लि.	गोंगडोंग गांजिंग सेरामिक्स इंटरप्राइजेज कं. लि.
13	किंगुआं कुया सेरामिक्स कं. लि.	किंगुआं कुया सेरामिक्स कं. लि.
14	जिंगदेझेन किटो सेरामिक कं. लि.	जिंगदेझेन किटो सेरामिक कं. लि.

15	फोशान लुइस वेलेंटिनो सेरामिक कं. लि.	फोशान लुइस वेलेंटिनो सेरामिक कं. लि.
16	गोंगडोंग जिनफेंजजिंग सेरामिक्स कं. लि.	गोंगडोंग जिनफेंजजिंग सेरामिक्स कं. लि.
17	गोंगडोंग टियांबी सेरामिक्स कं. लि.	गोंगडोंग टियांबी सेरामिक्स कं. लि.
18	फोशान एचसीसी बिल्डिंग मैटेरियल कं. लि.	फोशान एचसीसी बिल्डिंग मैटेरियल कं. लि.
19	झंजियांग झोंगहोंग सेरामिक्स कं. लि.	फोशान बियोंड इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.
20	हियुआन रोमानटिक सेरामिक्स कं. लि.	फोशान बियोंड इम्पोर्ट एंड एक्सपोर्ट कं. लि.
21	फोशान ननहई योंगहोंग सेरामिक कं. लि.	फोशान जुन इंटरप्राइजेज कं. लि.
22	फोशान धुहुनांग बिल्डिंग मैटेरियल कं. लि.	फोशान धुहुनांग बिल्डिंग मैटेरियल कं. लि.
23	फोशान सनशुई होंगुआन सेरामिक्स इंटरप्राइज कं. लि.	फोशान सनशुई होंगुआन सेरामिक्स इंटरप्राइज कं. लि.
24	फोशान गनी सेरामिक टाइल्स कं. लि.	किगुआं सेरामिक टाइल्स कं. लि. क्यू

प. आगे की प्रक्रिया

271. केंद्र सरकार के आदेशों के विरुद्ध कोई अपील जो इस सिफारिश के कारण की जा सकती है, सीमा शुल्क, उत्पाद एवं सेवा कर अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष इस अधिनियम के संगत प्रावधानों के अनुसार की जाएगी।
272. प्राधिकारी इस अधिनियम और नियमावली के संगत प्रावधानों तथा समय-समय पर इस संबंध में जारी की गई आम सूचना के अनुसार, समय-समय पर इसमें सिफारिश किए गए अनुसार निश्चयात्मक उपाय जारी रखने, उसमें संशोधन करने अथवा उसे समाप्त करने की आवश्यकता की समीक्षा कर सकते हैं। ऐसी समीक्षा के लिए किसी अनुरोध पर प्राधिकारी द्वारा तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक उसे किसी हितवद्ध पक्षकार द्वारा इस उद्देश्य से निर्धारित समय-सीमा के अनुसार प्रस्तुत नहीं कर दिया जाता है।

डॉ. इंद्रजीत सिंह, अपर सचिव एवं निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY**(Department of Commerce)****(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)****NOTIFICATION**

New Delhi, 8th April, 2017

FINAL FINDING

Subject: Anti-Dumping investigation concerning imports of “Glazed/Unglazed Porcelain/Vitrified tiles in polished or unpolished finish with less than 3% water absorption”, originating in or exported from China PR.

No.14/14/2014-DGAD.—Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time (hereinafter also referred to as “**the Act**”), and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time, (hereinafter also referred to as “**the Rules**”) thereof;

A. Background of the case

2. Whereas, Gujarat Granito Manufacturers Association and Sabarkantha District Ceramic Association, alongwith 24 producers of Vitrified tiles in India (hereinafter also referred to as “the applicants”), had jointly filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as “the Authority”), in accordance with the Act and the Rules, alleging dumping of “Glazed/Unglazed Porcelain/Vitrified tiles in polished or unpolished finish with less than 3% water absorption”, originating in or exported from China PR (hereinafter also referred to as “the subject country”) and consequent injury or threat of material injury to the like product domestic industry and requested for initiation of an investigation for levy of anti-dumping duties on the subject goods.

3. And Whereas, the Authority, on the basis of sufficient prima facie evidence, submitted by the applicants issued a public notice vide Notification No. 14/14/2014-DGAD dated 13th October, 2015, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating the subject investigation in accordance with the sub Rule 5 of the Rules, to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury, or threat of material injury to the domestic industry.

4. On the basis of preliminary investigation carried out, the Authority issued its Preliminary Findings, vide Notification No 14/14/2014-DGAD, dated 11th March, 2016, recommending imposition of provisional Anti-dumping duty on the imports of the subject goods falling under heading 6907, 6908 or 6914 of Chapter 69 of the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), originating in or exported from the People’s Republic of China.

5. After considering the aforesaid preliminary findings of the Authority, the Central Government, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 9A of the Act read with rules 13 and 20 of the Rules, imposed provisional duties on the subject goods vide Notification No. 12/2016-Customs (ADD) dated 29th March, 2016 for a period of 6 months.

B. Further Procedure

6. The Authority has followed the following Procedure after its Preliminary determination with regard to this investigation:

- i. The Authority notified the Preliminary Determination to all interested parties, as recorded in the preliminary findings, inviting comments on the same and the views of the interested parties on the preliminary determination has been considered and addressed to the extent possible for the purpose of final determination.
- ii. As noted in the preliminary findings, keeping in view of the number of producers and exporters in the subject country, the Authority resorted to sampling in terms of Rule 17(3) of the Rules and selected the following as the sampled parties, for detailed examination of degree and extent of dumping:

- a. Guangdong Haosen Ceramics Co., Ltd (Producer) - Foshan Haosen Import and Export Co., Ltd, M/s Foshan Kihut Ceramic Co., Ltd, M/s Kun Lagy Ltd (Exporters).
- b. M/s Foshan Lihua Ceramics Co. Ltd. (Producer)- M/s Foshan Henry Trading Co. Ltd.(Exporter)
- c. M/s Foshan Chancheng Jinyi ceramics co. Ltd. (Producer)-M/s Foshan Worceter Trade Co. Ltd. (Exporter)
- d. Foshan Qiangbio Ceramics Co. Ltd. (Producer) - M/s Foshan Hongliao Trade co. Ltd. and M/s Sheenway Corporation Ltd. (Exporters).
- e. M/s Southern Building Materials & Sanitary Co. Ltd. of Qingyuan City, M/s Jiangxi Fuligao Ceramics Co. Ltd. and M/s Guangdong Luxury Micro-crystal Stone Technology Co. Ltd. (related Producers) - M/s New Zhong Yuan Ceramics Import & Export Co., Ltd. of Guangdong (Exporter)
- f. M/s Guangdong Gelaishi Ceramics Co., Ltd. and M/s Foshan Sanshui Huiwanjia Ceramics Co., Ltd (related Producers)- M/s Foshan Newpearl Trade Co., Ltd. (Exporter)
- g. M/s Foshan Nanhai Xiqiao Jiersi Ceramics Co., Ltd. (Producer) - M/s Foshan City Sanshui Dongsheng Trading Co., Ltd.(Exporter)
- iii. However, out of the above sampled producers/exporters, M/s Foshan Nanhai Xiqiao Jiersi Ceramics Co., Ltd. (Producer) - M/s Foshan City Sanshui Dongsheng Trading Co., Ltd.(Exporter) did not file exporters questionnaire response.
- iv. The Authority also notified the names of the following responding but non-sampled producers and exporters, who were eligible for weighted average rate of duty of the sampled exporters in terms of Rule 17 of the Rules:
 - a. M/s Foshan Helai Building Materials Co., Ltd and M/s Foshan City Gaoming district hui Mei AO Building Material Co., Ltd (Producer)- M/s Foshan Xinzhongwei Economic and Trade Co., Ltd, M/s Globlink Overseas (HK) Ltd (Exporter)
 - b. M/s Foshan City TaoQuiang Building Material Co., Ltd (Producer) - M/s Foshan Fortune Imp. And Exp. Trade Co., Ltd. (Producer & Exporter)
 - c. M/s Monalisa Group Co., Ltd (Producer) - M/s Guangdong Monalisa Trading Co., Ltd (Exporter)
 - d. M/s Foshan Gold Full House Building Material Co., Ltd (Producer) - M/s Foshan Nanhai Rongjia IM & EX Co., Ltd, M/s Foshan Clouds Import & Exports Co., Ltd (Exporter)
 - e. M/s Guangdong Yongsheng Ceramics Co., Ltd (Producer) - M/s Foshan Ishine Trading Co., Ltd (Exporter)
 - f. M/s Foshan Sunny Ceramic Co., Ltd (Producer) - M/s Foshan Gold Medal Import and Export Trading Go., Ltd (Exporter)
 - g. M/s Enping City Huachang Ceramic Co., Ltd (Producer & Exporter)
 - h. M/s Foshan Oceanland Ceramics Co., Ltd (Producer & Exporter)
 - i. M/s Guangdong Overland Ceramics Co., Ltd (Producer & Exporter)
 - j. M/s Guangdong Kito Ceramics Co., Ltd (Producer & Exporter)
 - k. M/s Foshan Sincere Building Material Co., Ltd (Producer & Exporter)
 - l. M/s Guangdong Guanxing Ceramics Enterprise Co., Ltd (Producer & Exporter)
 - m. M/s Qingyuan Quya Ceramics Co., Ltd (Producer & Exporter)
 - n. M/s Jingdezhen Kito Ceramic Co., Ltd (Producer & Exporter)
 - o. M/s Foshan Louis Valentino Ceramic Co., Ltd (Producer & Exporter)
 - p. M/s Guangdong Xinfengjing Ceramics Co., Ltd (Producer & Exporter)
 - q. M/s Guangdong Tianbi Ceramics Co., Ltd (Producer & Exporter)
 - r. M/s Foshan HCC Building Material Co., Ltd (Producer & Exporter)
 - s. M/s Zhanjiang Zhonghong Ceramics Co., Ltd (Producer) - M/s Foshan Beyond Import and Export Co., Ltd(Exporter)
 - t. M/s Heyuan Romantic Ceramics Co., Ltd (Producer)- M/s Foshan Beyond Import and Export Co., Ltd(Exporter)
 - u. M/s Foshan Nanhai Yonghong Ceramic Co., Ltd (Producer) - M/s Foshan Jun Enterprise Co., Ltd (Exporter)
 - v. M/s Foshan Dunhunang Building Material Co., Ltd (Producer & Exporter)
 - w. M/s Foshan Sanshui Hongyuan Ceramics Enterprise Co., Ltd (Producer & Exporter)
- v. Apart from the sampled and non-sampled parties, as detailed above, the sampling response of 49 producers and exporters were rejected by the Authority inter alia on the ground of non-submission of complete information required for the purpose of sampling and the reasons of rejection were intimated to each party. For the sake of brevity, the same is not repeated here.

- vi. As noted in the Preliminary Findings the following sampled producers/exporters of the subject goods from the subject country also filed MET questionnaire response which has been appropriately examined by the Authority to the extent the claims are supported by adequate verifiable evidence:
- M/s Foshan Chancheng Jinyi ceramics co. Ltd.
 - Guangdong Haosen Ceramics Co., Ltd
 - Guangdong Newpearl Ceramics Group Co Ltd.
 - M/s Foshan Lihua Ceramics Co. Ltd.
 - M/s Foshan Henry Trading Co. Ltd.
- vii. In addition to the above the Authority has not accepted the exporters questionnaire/MET responses filed by the following non-sampled parties, who had also claimed individual treatments:
- Foshan Gani Ceramic Tiles Co., Ltd
 - Qingyuan Gani Ceramic Tiles Co., Ltd
 - Foshan Clouds Imp& Exp co., Ltd
 - Foshan Nan Hai Rongjia Import & Export Trading Co., Ltd.
 - Gold Full House Building Material Co., Ltd
 - Qingyuan Qingbiao Ceramics Co., Ltd
 - Xin Xing Xian Zhisheng Ceramics Co., Ltd
- viii. As recorded in the Preliminary Findings the Authority received importers questionnaire responses from the following importers in India:
- Asian Granito India Limited
 - Bright International Import & Export
 - Dimension
 - H&R Johnson (India)
 - Inigo Tiles
 - Kajaria Ceramics Limited
 - Katariya Capital Promoters & Builders
 - Malwa Ceramics Pvt. Ltd.
 - Penda Marketing Pvt. Ltd.
 - Somay Ceramics Limited
 - Spaniso Studio
 - Thai Impex (P) Limited
- ix. Apart from the respondent sampled producers/exporters, importers/users, domestic industry and other domestic producers, the Authority received submissions from a large number of interested parties. The list has been notified in the Preliminary findings and for the sake of brevity the same is not being repeated here.
- x. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties.
- xi. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to provide transaction-wise import data of imports of the subject goods for the past three years and the period of investigation. Information concerning imports of the subject goods was also obtained from the DG, Systems and DG, Valuation because of certain information received regarding distortion of the import price due to alleged use of minimum import price at certain ports for clearance of the subject goods. The Authority has relied upon the imports data received from the DGCI&S, DG (Systems) and the Cooperating exporters' data, to the extent

- they have been verified and accepted, for various analysis and determinations for the purpose of final determination.
- xii. The cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicant on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out in accordance with Annexure III of the Antidumping Rules so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry.
 - xiii. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis.
 - xiv. Investigation was carried out for the period starting from 1st April, 2014 to 31st March, 2015 (POI). The examination of trends, in the context of injury analysis, covered the periods Apr'11-Mar'12, Apr'12-Mar'13, Apr'13-Mar'14 and the period of investigation.
 - xv. On the spot verification of the information provided by the applicant domestic producers and the sampled producers and exporters in China was carried out to the extent considered necessary and the verified data has been used in the final determinations.
 - xvi. The Authority held Oral Hearings on 20th June 2016 and on 31st January 2017 to provide opportunity to the interested parties to present their views on various aspects of the case orally followed by written submissions. The views expressed by the interested parties in the said Oral hearings and during the course of this investigation, have been considered and addressed in this finding to the extent they are relevant and backed up by evidence.
 - xvii. The Department of Revenue has extended the time period for completion of this investigation up to **12th April, 2017 in terms of Rule 17 (1) of the Rules.**
 - xviii. In accordance with Rule 16 of the Rules, the Authority issued a disclosure statement on 24th March 2017, containing the essential facts of the case before the Authority that would form the basis of the Final Determination by the Authority. The interested parties were given time up to 31st March to comment on the same. The comments of the interested parties, to the extent they are relevant, have been considered and addressed in this finding. On request of the Domestic Industry, the Authority held a limited post disclosure oral hearing inviting interested parties whose dumping margin were assessed and also other interested parties if they so desired.
 - xix. *** in this Notification represents information furnished by the interested parties on confidential basis and so considered by the Authority under the Rules and numbers in () implies negative numbers.
 - xx. The exchange rate adopted for the POI is 1 US \$ =Rs 61.69.

C. Product Under Consideration and Like Article

7. The product under consideration as defined in the initiation notification of the present investigation is described as follows:

“Glazed/Unglazed Porcelain/Vitrified tiles in polished or unpolished finish with less than 3% water absorption”, originating in or exported from China PR. Vitrified/Porcelain tiles can be glazed or unglazed and are used primarily for coverings for floors as well as on walls. These tiles are used in buildings, homes, restaurants, cinema halls, airports, swimming pools, railway stations etc. Vitrified/Porcelain tiles are a kind of ceramic tiles, but are made with slightly different elements. These tiles are made after vitrification process. Product under consideration is mainly produced and sold in two sizes (i) 600 mmX600 mm (ii) 800 mmX800 mm. Imports are also mainly taking place in these two sizes”.

8. In its preliminary findings the Authority provisionally held that all tiles being imported from China are like articles and accordingly provisional duties were imposed on all *Glazed/Unglazed Porcelain/Vitrified tiles in polished or unpolished finish with less than 3% water absorption*. However, several arguments have been placed by various interested parties on the wide scope of the product under consideration. Therefore, for the purpose of final determination the issue has been examined taking into account all material facts before the Authority as follows:

C.1 Views of the opposing interested parties

9. Various opposing interested parties to the investigation, including China Chamber of Commerce and various exporters and importer, have placed their argument on the scope of the product under consideration as follows:

- That the domestic industry is not manufacturing or producing tiles of dimensions 1000mm x 1000mm and more, and 800mm x 800mm with water absorption more than 0.5 percent. The domestic industry is also not producing Micro crystal tiles. Therefore, these tiles should be excluded this from the scope of Product under consideration.
- That cost of production of tiles of dimensions 1000mm x 1000mm is much higher than tiles of smaller dimensions as a result of the higher weight per meter square, thickness and low yield.
- It not commercially viable and suitable to cut tile of higher dimensions to smaller dimensions. Further, there is a possibility of breakage, as a result of which it becomes unsuitable for commercial use.
- That the imported goods are not “like article” to the goods manufactured by the domestic industry. In this connection reliance has been placed on the findings of the Authority in (i) Cold Rolled Flat Products of Stainless Steel from China PR, Japan, Korea, European Union, South Africa, Taiwan (Chinese Taipei), Thailand and USA where Authority had restricted the scope of the PUC to width of 1250mm; (ii) Hot Rolled Flat Products of Stainless Steel originating in or exported from European Union, Korea RP, South Africa, Taiwan and USA, has restricted scope of PUC from 1250mm; and (iii) Carbon Black used in rubber applications’ originating in or exported from Australia, China PR, Iran, Malaysia, Russia and Thailand, on the grounds that the Authority has restricted the scope of the product under consideration to the grades/product types manufactured by the domestic industry.
- That the products imported from China are different from the domestically produced goods as the Chinese producers maintain high standards in production of the PUC due to availability of better quality of clay.
- That water absorption of ‘less than 3%’ is a misnomer as vitrified tiles have water absorption upto 0.5%. Therefore, all kinds of tiles with water absorption upto 3% should not be covered under the purview of this investigation.
- That antidumping duty is in force since 2003 till 2013, and the continuation of levy of the duty would not only deprive the consumers to use the better quality goods but would also force consumer to pay higher price in pretext of anti-dumping duty when there is no dumping at all.
- That there is a significant difference between laminatic porcelain panels and regular porcelain tiles on account of various parameters including physical appearance, size, price, end use, manufacturing process, machines, market place, interchangeability and standards etc. Therefore, these panels should also be excluded from the scope of the product under consideration.
- That there is no *inter se* likeness between regular tiles and these laminatic porcelain panels, which is produced by very few producers in entire China and by not even one producer in India These panels are not comparable to PUC, with regard to the price, cost, differences in manufacturing process, perception among users and utility of the product etc.

C.2 Views of the Domestic Industry

10. The domestic industry, in its submissions, has contested the arguments of the opposing interested parties and has argued as follows: -

- i. That Vitrified tiles are mainly produced and sold in two sizes (i) 600 mmX600 mm (ii) 800 mmX800 mm. Imports are also of mainly these two categories.
- ii. That there is no known difference in the subject goods produced by the domestic industry and that imported from the subject country. The subject goods produced by the domestic industry and the subject goods imported from subject country are comparable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, distribution and market & tariff classification of the goods.
- iii. The water absorption specification adopted in PUC definition is appropriate for both situations i.e. if vitrified tiles are being produced above 0.5% - 3% water absorption and if there is no production of vitrified tiles between 0.5%-3 percent. The definition of PUC is without prejudice to both scenarios.
- iv. Tiles above 1000mm x 1000mm should not be excluded as Constituents of domestic industry produces (i) 1000X1000 mm tiles; (ii) tiles with one side above 1000 mm. The data provided clearly shows significant production of tiles above 1000mm.
- v. Earlier, tiles above 800 X 800 mm were included by the Authority, even when the domestic industry was not manufacturing the same in the matter of imports of ceramic tiles. This was challenged before the CESTAT and the appellate authority upheld the decision of the Authority.

C.3 Examination by the Authority

11. The Authority notes that Vitrified tiles are manufactured by verification process. Depending upon the process involved and surface finish the vitrified tiles are categorised as (i) Soluble Salt, (ii) Double Charge, (iii) Glazed Vitrified Tiles, Polished and/or Glazed Vitrified Tiles, (iv) Micro-crystal Tiles. Vitrified tiles are produced and sold in various sizes i.e., various combination of widths and lengths. Costs and prices increase with sizes as the raw material requirements increase with sizes.

12. Recent development in vitrified tiles has been to produce (i) full body and re-polishable tiles, which closely behaves like marbles in terms of maintenance, and(ii) Vitrified Thin panels.

13. Vitrified tiles is made by hydraulic pressing a mixture of clay, quartz, feldspar and silica, which make vitreous surface. Thus creating a single mass making them hard with water and frost resistance qualities. Though the basic production steps of all tiles are more or less same, i.e., making of tiles body or biscuit, through hydraulic press, glazing and vitrification in a kiln and polishing, the process widely differs for various types of tiles as mentioned above.

14. Soluble salt Vitrified Tiles is an old and cheaper technology for tiles placed in low traffic areas. In Soluble Salt Tiles process, tile body is given a liquid screen-printing to make up the design on the tile using soluble salt for giving the tile an exactly colour and pattern. Soluble Salt is at the lowest end of the spectrum, generally produced in 600X600 sizes and a regular use product.

15. Double charge vitrified tiles are fed through a press that prints the pattern with a double layer of pigment, 3 to 4 mm thicker than other types of tile. This process does not permit complex patterns but results in a long-wearing tile surface, suitable for heavy traffic commercial projects. Produced in various sizes this is a regular use product.

16. Glazed vitrified tiles (GVT) have a glazed surface. They offer a wide variety of design, art work and surface textures like wood grain, bamboo, slate or stone. This is also an expensive process, but the cost is dropping as digital printing techniques are introduced.

17. Micro-crystal tiles are a composition of crystallized glass surface and porcelain base produced by glassification of the top layer of the tiles using a different set of chemicals and high temperature.

18. Full body vitrified tiles have pigment in entire body (thickness) of the tile. This makes chips and scratches less noticeable and make this an ideal choice for high traffic zones, but the process significantly increases the cost.

19. The Thin Panels are new developments in vitrified tiles where the tiles are as thin as 3 to 5 mm with sizes much larger compared to conventional tiles, as large as 2 meters. The raw material used and production process is also significantly different, requiring very high-pressure machines. These panels are capable of being used in high traffic environment and are significantly expensive compared to other types of tiles.

20. As far as water absorption is concerned, it has been argued that water absorption of vitrified tiles is less than 0.5% whereas the water absorption of Ceramic tiles is always higher because of the material used. Therefore, if the water absorption is retained as a criteria then the Ceramic tiles will also get covered, which is not the product under consideration. BIS standard and other technical literatures have been referred to in support of this argument.

21. The Authority has examined the issue on the basis of these arguments and notes that in the previous investigations also the product was described with water absorption of less than 3%. The BIS standard and other documents submitted by the parties do not conclusively indicate that all Vitrified tiles are with water absorption less than 0.5% only. Neither it gives a clear differentiation of ceramic tiles and vitrified tiles in terms of water absorption. In fact, certain vitrified tiles used as wall tiles appear to have higher water absorption. That being the case the Authority does not find any strength in the arguments of the interested parties to restrict the water absorption criteria to 0.5% only.

22. While the prices of soluble salt tiles, double charge tiles, as well as Glazed and Polished Vitrified tiles move in a narrow band, the price structure of Micro Crystals and Thin panels are significantly different and these tiles are used in different segments.

23. The information of the domestic industry shows that the domestic industry produces predominantly soluble salt and double charge vitrified tiles and small but not insignificant quantity of Glazed and Polished Vitrified Tiles. Domestic industry produces these tiles mostly in 600X600, 800X800 sizes and some of the constituents of the domestic industry also produce 1000X1000 sizes. The domestic industry does not produce Microcrystals and Thin panels and other variants such as full-body and re-polishable tiles.

24. The above clearly establishes that the Micro-crystal tiles, full body tiles and Thin Panels are neither technically nor commercially substitutable for the other three types of tiles being produced by the domestic industry, in view of their technical superiority, price band and usage segments. Therefore, the Authority holds it appropriate to exclude these tiles from the scope of the product under consideration.

25. The Authority in the disclosure statement had observed that the domestic industry does not produce and sell any significant quantity of GVT and PGVT. Though the transaction-wise import data does not clearly indicate the product types, the data of sampled cooperating exporters also established that major share of imports are of soluble salt and double charge types in sizes of 600X600, 800X800 with some imports of 1000X1000 mm sizes and other combinations. Import of GVT and PGVT and odd sizes are although relatively low in volume, but are still part of the import basket.

26. However the Authority in view of post disclosure comments offered by Domestic Industry and clarifications offered in the post disclosure hearing held on 3rd April, 2017 notes that the quantity of GVT/PGVT tiles is in fact about 5% of the total production in POI which is not insignificant warranting exclusion. Therefore GVT/PGVT have been included in the scope of PUC.

27. The domestic industry has argued that though they produce tiles mostly of sizes 600X600 and 800X800, tiles of wider width can be cut to size and used in place of tiles of small width, therefore, it would not be appropriate exclude tiles of higher widths.

28. The domestic industry has clearly contended that the tiles produced and sold by them are mostly of soluble salt and double charge tiles of 600X600, 800X800 mm sizes.

29. The examination of inter *se* prices of various sizes of Soluble Salt, Double Charge and GVT/PGVT tiles indicate that though the prices vary with the sizes, the price variation is not significantly high to dissuade a customer not to switch over to higher sizes of these tiles if lower sizes are subjected to anti-dumping duty. In view of this the Authority finds it appropriate to include all sizes of the above varieties within the scope of the product under consideration.

30. Accordingly, for the purpose of this investigation the product scope is restricted to Soluble Salt and Double Charge Vitrified Tiles and GVT/PGVT only, with water absorption upto 3%, without any size restrictions (hereinafter referred to as the product under consideration).

31. However, for various determinations and like to like comparisons the Authority has classified the products in terms of types, such as Soluble Salt Double Charge and GVT/PGVT, and sizes have been categorised as 600X600, 800X800, and others.

32. Glazed and Unglazed Vittrified/Porcelain Tiles are classified under ITC HS 69.07, 69.08 and 69.14 at four-digit level. The customs classification is indicative only and in no way it is binding upon the product scope.

D. Domestic Industry and Standing

33. The Application for initiation of this investigation was filed by Gujarat Granito Manufacturers Association and Sabarkantha District Ceramic Association, on behalf of the following domestic producers of the product under consideration:

1. Ricasil Ceramic Industries Private Limited
2. Comet Granito Pvt. Ltd.
3. Cengres Tiles Ltd
4. Sunshine Ceramics Co., Ltd
5. Sims Ceramic Pvt. Ltd.,
6. Wintel Ceramic Pvt. Ltd.,
7. Simpolo Vitrfied Pvt. Ltd.,
8. Zeal Top Granito Pvt. Ltd.,
9. Tocco Ceramic Pvt. Ltd.,
10. City Tiles,
11. Sanford Vittrified Pvt Ltd,
12. Red Stone Granito Ltd.,
13. Lexus Granito Pvt. Ltd.,
14. Silk Touch Vittrified Pvt Ltd,
15. Qutone Granito Pvt Ltd,
16. Simolex Vittrified Pvt Ltd,

17. Olwin Tiles Pvt. Ltd.,
18. Coral Granito Pvt. Ltd,
19. Duracon Vitrified Pvt. Ltd.,
20. Varmora Granito Pvt. Ltd.,
21. Metro City Tiles Pvt Ltd,
22. Affil Vitrified Pvt Ltd,
23. Sentosa Granito Pvt. Ltd.
24. Casa Tiles Pvt. Ltd.

34. The application was also supported by the following 13 other domestic producers of subject goods:

1. Clayris Ceramic Pvt Ltd,
2. Ramoji Granite Limited,
3. Icon Granito Pvt. Ltd.,
4. Lorenzo vetrified pvt. Ltd.,
5. New Pearl Vitrified Pvt. Ltd.,
6. Alliance Vitrified Pvt. Ltd.,
7. Famous Vitrified Pvt. Ltd.,
8. Blueart Granito Pvt. Ltd.,
9. Sun World Vitrified Pvt. Ltd.,
10. Senso,
11. Siyaram Vitrified Pvt. Ltd.,
12. Savio Ceramica Pvt Ltd and
13. Shubh Tiles Pvt. Ltd.

35. The Authority also noted that the following domestic producers had made significant imports of subject goods from the subject country or are related to the exporters/importers of subject goods from the subject country. Therefore, they were found to be ineligible for being considered as a part of the domestic industry for the purpose of determination of the standing of the applicants as well as injury determination.

1. M/s Kalaria Ceramics Ltd,
2. M/s H & R Johnson (India),
3. M/s Somany Ceramics Ltd,
4. M/s Asian Granita India Limited,
5. M/s Silica Ceramica Private Ltd,
6. M/s Commander Vitrified Pvt Ltd,
7. M/s Vintage Tiles Pvt Ltd,
8. M/s Cosa Ceramic Pvt. Ltd,
9. M/s Acer Granito Pvt. Ltd., J
10. M/s axx Vitrified Pvt. Ltd,
11. M/s Antique Marbonite Pvt. Ltd.,
12. M/s Oracle,
13. M/s RAK Ceramics Ltd,

14. M/s New Vardhman Vitrified Pvt Ltd.,

36. Accordingly, the Authority held, in its preliminary determination that the applicants had standing to file the petition and also for being considered as the domestic industry for the purpose of injury determination.

D.1 Views of the opposing interested parties

37. The opposing interested parties have contested the standing of the applicants and the determination of domestic industry by the Authority. In their post-preliminary determination submissions, these parties have mostly re-iterated their respective stands on the issue and have inter alia argued as follows:

- i. That the authority in the initiation notification considered 14 companies ineligible, as they have made significant imports or are in relation to companies, which have made imports. There is no clarity in what criteria did Authority consider with respect to percentage of imports of their production, as a percentage of total demand in India, as percentage of total imports in India, as percentage of total domestic sales to consider these parties ineligible.
 - ii. That the Authority, in past, has considered such companies as Domestic Industry, even if they have imported the subject goods or were related to the importers or exporter of the subject goods. However, the Authority has deviated from its own practice. Several cases decided by the Authority have been quoted in this regard.
 - iii. That the Authority has initiated the investigation based on the assumption that members of two associations and the participating producers, who had filed the application had 37.41% share in the total Indian Production of the subject goods and with supporters they account for 52.31% share in the total Indian Production of the subject goods. The Authority has itself in the finding stated that the share of the Domestic Industry with supporters is based on only eligible domestic producers and not on total domestic producers.
 - iv. That the Authority has ignored the fact that while conducting the test of a major proportion provided under 2(b) the Authority is obliged to take into account the “total domestic production” in India. The Authority is incorrect in considering the production of industries which are eligible domestic producers and not of the all producers in India.
 - v. That if the Authority takes the total domestic production that the applicant’s share is only 23%, which is below the minimum threshold of 25%. Therefore, the entire initiation is without any jurisdiction or the authority of law.
 - vi. That any objective injury analysis may not be possible and correct based on such limited data of applicants participating in the present case as the majority of the producers are not participating in the investigation before the Authority by providing complete injury data.
 - vii. That the data on record do not satisfy the standing in spirit and requires more participation by Indian producers by providing complete data to gauge the actual position of domestic industry in India and the current analysis in the Preliminary Findings are very sketchy and highly skewed due to lack of ample information.
 - viii. Some of the interested parties have also argued that some of these excluded domestic producers, being larger producers of the subject goods, should have been included in the domestic industry for a meaningful injury investigation. It has also been argued that the Authority has treated some domestic producers as ineligible as those producers are importers or exporters of the subject goods. This is contrary to past practice of authority where it considered even those domestic producers as eligible that has imported or where related to exporters/importers of the subject goods. In this regard reference has been drawn to previous cases such as VSF, Tiles, Soda Ash and Aluminium Foils antidumping investigations.
38. Apart from other interested parties, Kajaria Ceramics, as an interested party has also argued that they should have been treated as a domestic industry and has also submitted its data for consideration as a part of the domestic industry for the purpose of injury determination. This party has inter alia argued as under:
- i. That in the present case the quantum of imports made by them with reference to the production, demand and total imports is not significant warranting exclusion.
 - ii. Since Authority has excluded producers who are importers and producers who are not importers, but related to such importers/producers the ratio of imports to production should be examined considering the import/production of all related entities together. In such case the ratio of imports to production is in the range of 5% to 11% of excluded producers. This is an insignificant percentage and therefore, such producers should not be excluded from the investigation.

- iii. In the present case the excluded domestic producers have been predominantly engaged in manufacturing the subject goods in India and the volume of subject goods imported has not been significant as compared to the volume of production by producers in India.
- iv. Exclusion of some of the major domestic producers has resulted in a distortion of the injury findings as well as the calculation of dumping and injury margins, for the reason that the domestic industry participating in the investigations largely belongs to the unorganized sector and therefore, does not incur significant marketing, brand promotion or indirect selling expenses. Therefore, these producers should be allowed to participate in the investigation and be treated as a part of domestic industry.
- v. As against criteria specified in Soda Ash case, in the present case the DA has not provided any reasons other than the volume of imports to justify exclusion, which as it is, is not significant. Moreover, it is not a case where the domestic producers have contributed to the fall in prices, or are shielded from the effects to such prices or have in any manner unduly benefitted from the imports.
- vi. The producers are committed to production and not to Imports. The domestic producers such as Kajaria and H & R Johnson (India) have made long term commitment to manufacturing in India vis-à-vis imports. They are major producers operating in Indian market and therefore injury analysis would be incomplete unless their data is taken into consideration for such analysis.
- vii. Imports by the producers are essentially to meet the demand in regional market, where the domestic product is unable to compete due to high freight costs.
- viii. The imports made are insignificant in relation to demand. (less than 1%).
- ix. The inclusion of major producers is necessary for proper determination of NIP and Normal Value. The domestic industry which is included right now in investigations is comprised of comparatively small producers who do not sell their goods on retail basis. Therefore, they do not incur various significant expenses like advertising, promotion and other indirect selling expenses which are being incurred by the organized producers in the subject countries. Since subject goods are consumer goods the indirect selling expenses form a significant part of cost of goods.
- x. Therefore, if the major producers such as Kajaria, Somany, H&R Johnson and M/s Asian Granito India Ltd are not included in the domestic industry, the actual cost of production of the subject goods in India would not be captured which would in turn distort the finding regarding the extent of injury margin findings. It would lead to understatement of the dumping margin as the constructed normal value based on the cost of production of the participating domestic industry, would not represent the actual cost incurred by the producers in the subject country.

D.2 Submissions made by Domestic Industry

39. The domestic industry, in its various submissions, has argued that

- The petition seeking imposition of anti-dumping duty was jointly filed by Gujarat Granito Manufacturers Association, Sabarkantha District Ceramic Association and 24 producers of the product under consideration who are members of these associations and also participating in the present investigation as the domestic industry. These parties have collectively requested the Designated Authority to impose ADD and provided all relevant information with regard to injury to the domestic industry. The petitioning companies have given individual authorization letters apart from authorization letters filed by the Associations in this case.
- The Associations had advised all members to provide relevant information. A number of members of these associations, owing to their small size of operations, were not able to segregate their financial and statistical data into different production and sale of different types and fully participate in the investigation. Due to such reasons, data of some companies could not be taken for the current investigation.
- A statement showing details of petitioner companies and their respective associations were provided which clearly show that all 24 petitioner-companies belong to either of the two associations.
- The domestic producers who have imported the subject goods from the subject country and their share in their own production had been given earlier. Pursuant to which 14 companies including Kajaria and Somany were held as ineligible producers. However, it is no longer *res integra* that if a domestic producer has imported significant volumes of the product under consideration or are related to an importer or exporter of the product under consideration, such domestic producer should be treated ineligible domestic industry and in case of such a situation, the remaining domestic producers should be considered as totality of the domestic industry.
- The domestic industry has no reservation to authority's consideration of ineligible producers as eligible industries. The authority may include if it deems it to be fit.

- While the petitioners do agree that the authority need not exclude these domestic producers from the scope of domestic industry because of imports made by these parties and while these producers themselves strongly pleaded that they should be included within the scope of domestic industry, petitioners submit that there is no justification for the contention that this is inconsistent with the past practice of the authority. There have been several cases where authority has excluded those domestic producers who are related to exporters or who are themselves importers of the PUC.
- The data of the domestic producers who were found to be ineligible reflect the organized sector and the domestic industry has no reservations to inclusion of their data for the purposes of present investigation.
- Production of the petitioning companies is more than 25% of production of the total Indian production i.e. 37.41% and thus, constitutes domestic industry within the meaning of the Rule 2(b). None of the petitioners have imported the PUC. Petitioners along with supporters constitute 52.31% of the eligible Indian production.
- Major proportion means significant and important share and not 50% or more shares. The Authority has in the past many cases accepted standing claims where the domestic industry constituted less than 50% of total Indian production.
- Detailed jurisprudence has been provided with respect to major proportion, exclusion of a domestic manufacturer, comparative legal provisions of other countries, purpose of amendment etc. has been duly provided in this regard in the submissions of the domestic industry.
- The use of the word 'may' in Rule 2(b) suggests that the related producers and producers importing the dumped product, are not automatically excluded from being part of the domestic industry. It is the consistent practice of the investigating authorities that the exclusion of such producers must be decided on a case-by-case basis.
- The petitioning companies therefore, satisfy the requirement of standing under the Rules. Consequently, the petitioner companies constituted "domestic industry" within the meaning of the Rules.

D.3 Examination by the Authority

40. Rule 2(b) of the AD Rules defines domestic industry as under:

"domestic industry" means the domestic producers as a whole, engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers"

41. In the Preliminary Findings, the Authority noted that the production of the applicant domestic producers accounted for 37.41% of total Indian production, thereby constituting "a major proportion" of the total eligible domestic production. Further, applicant companies along with supporters constitute 52.31% of total eligible production by domestic industry and therefore, the applicant companies constitute domestic industry within the meaning of the Rule 2(b) and the application, therefore, satisfies the requirement of standing in terms of Rule 5(3) of the Rules.

42. The opposing interested parties have argued that the total Indian Production should have been computed including all domestic producers irrespective of their being eligible or ineligible and then the share of the applicant industries should be examined with regards to the expression major proportion'.

43. The Authority notes that the expression '*in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers*' provides the basis for narrowing down the universe of the domestic producers and total domestic production for the purpose of determination of standing, by ignoring the production of those producers who are found to be ineligible to be considered as domestic industry. Therefore, the arguments of the interested parties that the standing of the domestic industry has been determined in an erroneous manner is not found to be correct.

44. Some of the interested parties have argued that some of the major producers of the subject goods, who have been treated as ineligible for the purpose of domestic industry, should have been included for a meaningful injury investigation. At the time of the Oral hearing also this issue was also raised by most of the interested parties and the excluded producers have thereafter filed their cost and injury data seeking inclusion in the domestic industry for the purpose of injury investigation.

45. The basic arguments of the domestic industry, excluded producers and some of the interested parties have been that the dumping and injury determinations are getting impacted and distorted because of the exclusion of most of the organised producers and inclusion of mostly unorganised producers in the domain of the domestic industry for the purpose of injury investigation. It has been argued that the imports by these producers is insignificant compared to the total demand in the country and therefore, they should not have been excluded from the domain of domestic industry.

46. The Authority notes that most of these producers have significantly high volume of imports in the past and during the POI, directly from some of the producers in the subject country, who are being investigated. These producers had significant trading activities of the imported tiles, though they have gradually increased their production activities under previous anti-dumping protections. Therefore, any injury analysis based on their data would have been distorting. Moreover, in the past as a consistent practice the Authority has held such domestic producers having significant imports for trading purpose as ineligible domestic industry. Therefore, there is no inconsistency in this regard in this case.

47. As regards the disclosure of information regarding the basis of determination of the share of imports by the domestic producers treated as ineligible the Authority notes that these producers were found to have imported significant volumes of the subject goods from the subject country in relation to their own production as well as total imports into the country. Accordingly, they have been treated as ineligible to be treated as domestic industry in terms of Rule 2 (b). There is no obligation on the Authority to disclose such information to other interested parties.

48. In view of the above, the Authority confirms its findings in the preliminary findings with regard to the domestic industry and standing.

E. De Minimis Limits

49. The Authority has relied upon the imports data received from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S). The imports of the subject goods from the subject country are found to be substantial and above the de- minimis level.

F. Interested Parties to the investigation

50. The parties who have filed sampling questionnaire response, questionnaire responses and other submissions from time to time, the applicant domestic industry, supporters and other domestic producers and their associations, importers who have filed questionnaire responses and made themselves known as interested parties; Chinese Chambers of Commerce for Imports and Exports, who has made itself known as an interested party and filed certain submissions; and the Governments of PRC, have been treated as the interested parties to this investigation.

G. Miscellaneous Issues

51. The interested parties, including the domestic industry, have raised several issues regarding the provisional determination and various procedural issues. While the issues regarding provisional determination of dumping and injury have been dealt in their respective sections, the general issues raised by the interested parties have been addressed here.

G.1 Issues raised by the opposing interested parties

52. The opposing interested parties have made the following arguments regarding the proceedings:

- That preliminary findings are without jurisdiction, illegal, arbitrary, without application of mind, unreasoned and in clear disregard of the principles of natural justice. The petition filed by the domestic industry did not even claim that gross and irreparable injury would be caused to the domestic industry during the duration of investigation. No material fact is also available on record or reflected in the preliminary findings to justify recommendation of imposition of provisional duty. Therefore, the imposition of provisional duty is contrary to Rule 12 and Section 9B(1)(b)(iii) of the Customs Tariff Act.
- That provisional duty cannot be recommended on basis of threat of injury. The provisional duty can be imposed only if there is injury and causal link during the period of investigation. The Authority has not made determination for causal link and the injury during the course of investigation. Further, Authority failed to record factors, which can be construed as “further” determination “during the course of investigation” as it being mandatory requirement.
- That the sampling process undertaken by the Authority is inconsistent with Rule 17(3) of the Indian AD Rules and the principles of natural justice. The Authority is permitted to undertake a sampling exercise where the number of producers/exporters is so large as to make the determination impracticable.

- The sample taken by the Authority is not a reasonably valid sample or the largest percentage of volume of exports from China PR. The Authority has failed to provide parties with reasons for rejection of their sampling questionnaire response or the Authority has rejected the responses filed by the sampled producers/exporters on erroneous grounds.
- Authority should not have rejected the submissions that were filed by parties prior to the decision on the sampling exercise being undertaken. Authority should have expanded the sample if the information provided by the sampled producers/exporters was considered as unsuitable.
- A sample of 18 producers/exporters out of 106 producers/exporters cannot be considered as a reasonable number of interested parties that represent a statistically valid sample or the largest percentage of volume of exports from China PR.
- The volume of exports of the sampled producers/exporters constituted less than 30% of the total volume of exports of the subject goods during the POI. Therefore, selection of merely 6 supply chains cannot be considered as a statistically valid sample that is representative of the exports of the subject goods from China PR.
- The non-sampled co-operating producers/exporters were not granted a weighted average rate based on the responses of the sampled producers/exporters, which runs counter to the requirements of Article 9.4 of the WTO ADA.
- The Authority is incorrect in rejecting the response of exporters who have filed response within 40 days of initiation of the investigation. It goes against the principles and intent of the WTO ADA and the Indian AD Rules for the non-sampled co-operating producers/exporters not to be given a weighted average dumping margin that should have been determined based on the responses filed by the sampled producers/exporters but rather be given a rate that was determined based on best facts available.
- In the preliminary findings, the response filed by the responding exporters were arbitrarily rejected on the grounds of supply chain. The Authority has included only certain producers and exporters in a group for sampling purpose. Other producers or exporters data could not have been provided by these parties without expanding the scope of the sampling. Therefore, rejection of the responses on this ground is arbitrary.
- Anti-dumping duties are determined for producer-exporter combinations and not exporter-producer combinations. Separate anti-dumping duty is to be determined for each commercial value chain and the same is determined *qua* the producer.
- For a party that participates in the proceedings by providing information, its data must be used to the extent possible. The fact that an exporter is involved in exporting the subject goods produced by a number of producers is not relevant for the purpose of providing an individual margin for the supply chains where complete information has been provided.
- The responses should not have been rejected on the ground that certain unrelated parties had not filed questionnaire responses rendering the supply chain incomplete.
- The sample should have been expanded if information provided by sampled entities was unsuitable. Rule 17(4) of the Basic Regulations of the European Commission states that a new sample must be looked into if firstly, Degree of non-cooperation by some or all of the parties selected and secondly, If the non-cooperation is likely to materially affect the outcome of the investigation
- That the submissions filed prior to sampling exercise should not have been rejected as they were within prescribed timelines. There was no indication in the initiation notification about probability of sampling being undertaken. Therefore, 49 companies who filed questionnaire responses should be included in the list of non-sampled cooperating producers/exporters.
- That the initiation is bad in law because: a) Applicant's contention in respect of import data was accepted without preliminary verification. The Authority did not wait for response of DoR for MIP and did not seek clarification from DGFT, which generally issues such notification. b) Since the initiation was beyond six months' gap between POI and date of initiation the Authority could have waited for some time for response from DoR. c) Rejection of official data (DGCI&S) on premise of being false and misleading and reliance on information of importer who is a domestic producer is unprecedented. The Authority has been misled by applicants.
- That the transaction wise import data should be provided to the interested parties due to disparity in landed price considered by the authority, DGCI&S data and exporters response.

- That there is no case for imposition of retrospective duty as it was due to non-availability of the product which had prompted the consumers to purchase the high end imported products.
- The authority may consider for grant of "Special Exemption" to certain importers, subject to imposition of any condition by the authority, because of the special high- end tiles imported by them.
- That the Authority should disclose which of the 24 applicants were verified and what percentage of the total domestic production was verified for the purpose of preliminary findings.

G.2 Miscellaneous submissions by domestic industry

53. The domestic industry, in its various submissions have argued as under:

- i. That sufficient *prima facie* evidence was placed before the Authority for initiation of the investigation. The interested parties have not established how the information contained in the petition is not sufficient. Further, adequacy and accuracy of information improves during the course of the investigation.
- ii. That since there are 24 companies forming part of domestic industry, for administrative convenience, the data of the companies have been consolidated by preparing two files containing 12 companies each. Thereafter, the information has been cumulated for domestic industry as a whole. These are mere administrative conveniences for accumulating data relating to a large number of companies.
- iii. That due to the history of massive dumping of the subject product from subject country there should be retrospective recommendation of duty without which the desired remedial measures will not be accomplished.
- iv. That where the producer and exporter are related entities and the exporter has supplied goods produced by some other entity, the dumping margin cannot be determined unless the producer concerned responds. The exporters' price and not the producers' price are relevant for the purpose of dumping margin determination. Since almost all responding parties have exported to India through traders, the trader's response becomes important.
- v. That because the responding exporters have provided incomplete and/or misleading information, such that there was no other producer/exporter involved in exports or domestic sales, the Authority decided the sample appropriately. Further, there is nothing in law, which prevents the authority to apply other criteria and limit the numbers for sampling.
- vi. That investigating authorities globally select much smaller number of respondents for detailed examination. The Authority is required to proceed expeditiously with the investigations and recommending duties and cannot allow the DI to suffer for the reason that the sampling questionnaire responses are incomplete, that too because the sampled exporters were not careful in responding to the questionnaire. The authority raised specific request for information, the party should have responded to such specific request, notwithstanding the fact that these parties took cognizance of the initiation notification.
- vii. That as regards minimum valuation, elaborate information was provided. It was also established that prices reported in customs data are assessable values and not the invoice values.
- viii. That Authority has routinely considered secondary data apart from DGCI&S. Therefore, reliance on importer's information is not an anomaly.
- ix. The initiation is rightly based on eligible producers and not total domestic producers. This is in conformity with the law of major proportion.
- x. That levy of provisional duties is natural progression of preliminary investigation and all due timelines and legal procedures in this regard have been adhered to.
- xi. That there is no provision under anti-dumping law for 'special exemption' to any specific importer.
- xii. That the petitioners obtained DGCI&S data prior to filing a petition. It appears that the authority has obtained data separately from DGCI&S post filing of petition.

- xiii. That verification is done for Authority who is to be satisfied regarding appropriateness, accuracy and reasonableness and not for the satisfaction of the interested parties.
- xiv. There arose no requirement for fresh oral hearing as views were duly recorded in written submissions etc.
- xv. Ceramics Tiles are imported from China at 57% concession rate of basic customs duty as it is on “National List of Concession” under Asia Pacific Trade Agreement. Article 17 of Asia Pacific Trade Agreement provides to suspend product from the Concession list if the product cause or threaten to cause, serious injury to domestic industry that produces like or directly competitive products in the importing Participating State.
- xvi. Unfair dumping of tiles is causing injury to the domestic producers and is also contrary to the “Make in India” initiative.

G.3 Examination by the Authority

54. The Authority notes that the interested parties, in their post preliminary finding submissions, have raised the following four basic issues with regard to the procedural and substantive issues in this investigation:

- a. Inappropriateness of sampling process and rejection of request for inclusion in the sample;
- b. Issuance of preliminary finding being not in order and beyond jurisdiction;
- c. Use of multiple data sources for the determination
- d. Rejection of all responses on the grounds of value chain

55. As regards the size of sample and sampling procedure is concerned, the Authority notes that Rule 17 (3) of the Rules provided as under: -

“Provided that in cases where the number of exporters, producers, ;importers or types of articles involved are so large as to make such determination impracticable, it may limit its findings either to a reasonable number of interested parties or articles by using statistically valid samples based on information available at the time of selection, or to the largest percentage of the volume of the exports from the country in question which can reasonably be investigated, and any selection, of exporters, producers, or types of articles, made under this proviso shall preferably be made in consultation with and with the consent of the exporters, producers or importers concerned :

Provided further that the designated authority shall, determine an individual margin of dumping for any exporter or producer, though not selected initially, who submit necessary information in time, except where the number of exporters or producers are so large that individual examination would be unduly burdensome and prevent the timely completion of the investigation”.

56. In accordance with these Rules, and keeping in view large number of responses received in this matter, the Authority notified the sampling criteria, invited the comments of all interested parties and thereafter, invited sampling questionnaire. The samples were drawn based on certain objective criteria and keeping in view the practical aspects of quantum of work involved, which could be reasonably completed in a time bound manner. A sample covering 30% of the total export and covering about 18 producers and exporters in China cannot be considered as not sufficient enough for a meaningful determination.

57. The very purpose of the sampling is to draw a representative sample for a meaningful determination that can be reasonably handled without straining the resources and affecting the time line of the investigation. Therefore, every producer and exporter who filed a sampling questionnaire could not have been included as sampled parties. In fact, examination of such a large sample size casts huge burden on the Authority and the Authorities in other jurisdictions often select much smaller samples. In view of the above, the objections raised by the above parties are not tenable.

58. As regards the second issue regarding the validity of preliminary determination and imposition of provisional duties in this case, the Authority notes the arguments of the interested parties that in the absence of material injury issuance of a preliminary findings and imposition of provisional duty purely on the basis of a threat of material injury is in contravention of the relevant provisions of the Law.

59. In this connection Article 7.1 of ADA provides as under:

Provisional measures may be applied only if:

(i) *an investigation has been initiated in accordance with the provisions of Article 5, a public notice has been given to that effect and interested parties have been given adequate opportunities to submit information and make comments;*

(ii) *a preliminary affirmative determination has been made of dumping and consequent injury to a domestic industry; and*

(iii) *the authorities concerned judge such measures necessary to prevent injury being caused during the investigation.*

60. The above provision clearly indicates that the Authorities concerned have to take into account the developments during the course of the investigation and impose provisional measures to prevent injury being caused during the investigation phase. This implies that in the absence of material injury also it is possible to impose a provisional measure in a case of threat of material injury based on threat perception that is evidenced during the course of the investigation. The Authority examined the imminent threat perception based on the trend of various factors emerging during the POI to arrive at a decision to recommend provisional measures to prevent the threat from getting translated into a real material injury in the absence of a measure. Therefore, the contentions of the interested parties in this regard are not valid.

61. As far as use of different data source for injury analysis is concerned, the Authority notes that at the stage of preliminary determination two data sets were used as certain variation in prices of the goods imported were alleged and established. It was brought to the notice of the Authority that certain ports have system of assessing the imports, for the purpose of duty collection, at a price which was higher than the transaction values and that assessed value was being captured in the DGCI&S data set, thereby inflating the price captured in the DGCI&S data while actual invoice values or transaction values were lower. Therefore, for an appropriate determination it was necessary to get this issue resolved and accordingly, the Authority obtained the transaction value as well as assessed value data from the Customs, which corroborated this contention.

62. This data obtained from customs covered about 70% of the transactions in terms of volume and clearly established that some of the ports did reassess the values for duty collection purpose and on an average basis the price differential was about 17%. Therefore, it was essential to take cognisance of this information to base the price related determination on the actual transaction values and not the assessed values, as the transaction values reflected the actual impact on the domestic market.

63. Since the data obtained from customs contained information with regard to some ports only and did not reflect the complete volume of imports, it was essential to take the volume data from DGCI&S, which captures the volume data from most of the ports. Therefore, the Authority does not find any inconsistency or illegality in the adoption of the above data and accordingly, the objections of the interested parties have been disposed off.

64. However, the data of the cooperating exporters have been verified and used in the final determinations, to the extent necessary and applicable.

65. As regards the rejection of the data of some of the sampled producers and exporters in the provisional determination, the Authority notes that data of the producers and exporters could not be accepted for the provisional determination, pending detailed verification, because complete information could not be gathered at that stage since some of the producers or exporters of those sampled groups had not participated or could not participate due to

limitations of sampling. However, this issue has been examined during the verification of the data set of the sampled producers and exporters and have been appropriately handled in this finding.

H. Confidentiality

66. The interested parties, in their various submissions, have raised the issues of confidentiality claims of other parties. The issue was examined at the time of preliminary findings itself and it was noted that information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis and the Authority made the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties available to all interested parties in the form of public file. The Authority further noted that any information, which was available in the public domain, has not been treated as confidential. There is no change in this position after issue of the preliminary findings.

67. All other issues raised by the interested parties have been addressed in the relevant parts in this finding and for the sake of brevity, have not been repeated here.

I. Methodology for Determination of Degree and Extent of Dumping

68. The Authority notified the initiation and invited questionnaire responses from the producers and exporters from the subject country. As noted earlier, after going through the sampling process the following sampled producers/exporters in the subject country have filed exporters questionnaire response in the present investigation:

- a. Guangdong Haosen Ceramics Co., Ltd (Producer) - Foshan Haosen Import and Export Co., Ltd, M/s Foshan Kihut Ceramic Co., Ltd, M/s Kun Lagy Ltd (Exporters).
- b. M/s Foshan Lihua Ceramics Co. Ltd. (Producer)- M/s Foshan Henry Trading Co. Ltd.(Exporter)
- c. M/s Foshan Chancheng Jinyi ceramics co. Ltd. (Producer)-M/s Foshan Worceter Trade Co. Ltd. (Exporter)
- d. Foshan Qiangbio Ceramics Co. Ltd. (Producer) - M/s Foshan Hongliao Trade Co. Ltd. and M/s Sheenway Corporation Ltd. (Exporters).
- e. M/s Southern Building Materials & Sanitary Co. Ltd. of Qingyuan City, M/s Jiangxi Fuligao Ceramics Co. Ltd. and M/s Guangdong Luxury Micro-crystal Stone Technology Co. Ltd. (related Producers) - M/s New Zhong Yuan Ceramics Import & Export Co., Ltd. of Guangdong (Exporter)
- f. M/s Guangdong Gelaisi Ceramics Co., Ltd. and M/s Foshan Sanshui Huiwanjia Ceramics Co., Ltd (related Producers)- M/s Foshan Newpearl Trade Co., Ltd. (Exporter)

69. Out of these sampled producers and exporters, the following companies claimed Market Economy Treatment for determination of dumping margins and filed MET Questionnaire responses rebutting the non-market economy presumptions:

- a. M/s Foshan Chancheng Jinyi ceramics co. Ltd.
- b. Guangdong Haosen Ceramics Co., Ltd
- c. Guangdong Newpearl Ceramics Group Co Ltd.
- d. M/s Foshan Lihua Ceramics Co. Ltd.
- e. M/s Foshan Henry Trading Co. Ltd.

70. The Authority further notes that the following non-sampled parties have also submitted exporter's questionnaire response seeking individual treatment in terms of Rule 17 of the Rules:

- a. Foshan Gani Ceramic Tiles Co., Ltd
- b. Qingyuan Gani Ceramic Tiles Co., Ltd
- c. Foshan Clouds Imp& Exp co., Ltd

- d.* Foshan Nan Hai Rongjia Import & Export Trading Co., Ltd.
- e.* Gold Full House Building Material Co., Ltd
- f.* Qingyuan Qingbiao Ceramics Co., Ltd
- g.* Xin Xing Xian Zhisheng Ceramics Co., Ltd

71. However, considering the constraints of time and other limitations the Authority has not been able to accept these responses for examination and determination of individual margins.

72. In its provisional determination, the Authority did not consider the individual questionnaire responses and data submitted by the sampled producers and exporters because of certain information gap pending further examination and verification. Accordingly, the provisional determination of dumping for all producers and exporters from China was made on the basis of constructed Normal Values in terms of Para 7 of Annexure 1 to the Rules and Export Prices of all exporters were determined on facts available basis in terms of Rule 6(8) of the Rules, using import statistics during that period.

73. After issuance of the Preliminary Findings the interested parties have raised several issues with regard to the provisional determination which are summarised below:

a. Views of the opposing Interested Parties

i. China Chamber of Commerce of Metal, Minerals & Chemical Importers & Exporters

74. China Chamber of Commerce, in its various submissions has contested the provisional determinations of dumping and has inter alia argued as under:

- That in the previous investigations relating to the subject goods a number of the producer/exporters from China PR were given market economy treatment (“MET”). However, the authority has not granted Market Economy status to the exporters in the preliminary finding, which is inconsistent with the past practice.
- That the normal value for the producers and exporters from China PR should be determined in terms of paragraphs 1 to 6 of Annexure-I of the AD Rules. The Authority has proceeded to compute the normal value based on the last option without exhausting the first two options, purely for the reason that the relevant information is not available with the Petitioners. Relying on the *Shenyang Matsushita S. Battery Co. Ltd. v. Exide Industries Ltd. and others*, (2005) 3 SCC 39 judgments, it has been argued that the Designated Authority can resort to the last alternative only when the first two methods have been exhausted.
- That the Authority has used DG Valuation data for computation of export price without providing the same to the interested parties. Further, the authority has not specified the reasons for not using the DGC & S data and instead using DG Valuation data for computation of Export Price.

ii. M/s Foshan Lihua and Foshan Henry Trading Co., China

75. This Group of Companies, in their respective submissions, have argued as under:

- That the Authority did not accept their market economy claims on the basis of non-existing grounds though they had submitted required information or evidence in support to MET claim and the parties had been given MET for the same product in the previous investigation.
- The Authority has proceeded to compute the normal value based on the last option without exhausting the first two options purely for the reason that the relevant information is not available with the Petitioners.

- That the Authority has acted in contravention of Rule 7 by not specifying as to which country was proposed to be taken as surrogate country if the said Authority finally concluded that the firms were not operating in the market economy principles.
- That Foshan Henry has exported 97.08% of the subject goods procured from its related producer, i.e. only a small quantity i.e., 2.92% of the exports to India was purchased from other unrelated producers from China, and Foshan was not aware if they filed their response. Therefore, the rejection of their data without issue of any deficiency questionnaires is not in order.
- That the dumping margin should be calculated on the basis of para 6(i) of the Appendix 1 to the Anti-Dumping Rules and Article 2.4 of the Anti-Dumping Agreement. The Authority should provide the final value of imports of subject goods used for determining export price and the landed value based on the DG Valuation data. Complete calculation of the export price based on data provided by DG Valuation should have been disclosed as this cannot be claimed as confidential by the domestic industry.
- That adoption of average Normal value and export price is erroneous as the prices of the subject goods vary on the basis of product types, thickness, size, finishes etc. The authority should follow the practice as adopted in various other investigation where they have taken product code to product code comparison.
- That the Authority has wrongly used the value of export price and landed value based on the indicative price for purpose of calculating the dumping margin and injury margin. There was clarification from DG (Valuation) that there is no MIP as alleged by applicants, but the authority went ahead and used the value provided by DG (Valuation). The authority erred in not using the value of DGCI & S data.

iii. NEW ZHONG YUAN Group of Companies

76. This Group of Companies, in their respective submissions, have argued as under:

- That the Authority has erroneously rejected their exporters' questionnaire response. The Authority had set limited guidelines for submission of response and included only New Zhong Yuan Ceramics Import & Export Co., Ltd.; M/s Southern Building Materials & Sanitary Co. Ltd. of Qingyuan City, M/s Jiangxi Fuligao Ceramics Co. Ltd. and M/s Guangdong Luxury Micro-crystal Stone Technology Co. Ltd. in the sample. However, the authority rejected the questionnaire responses of these producers and exporter arbitrarily on the grounds that New Zhong Yuan had also exported certain goods produced by certain other producers who have not filed questionnaire response. Since the Authority had decided the sampling and who are eligible to file the questionnaire response, these unrelated producers could not have filed QRs.
- The authority is supposed to determine the antidumping duty on producer – exporter combination and not exporter- producer combination. Therefore, authority should have used the information submitted by the exporter.
- The authority is relying on DGCI&S data for volume analysis whereas relying on data received from DG Valuation for calculation of export price, which is arbitrary.

iv. M/s Guangdong Haosen and Group; M/s Foshan New Pearl and Group; M/s (e)Foshan Qiangbiao Ceramics and Group; M/s (h) Foshan Chan Cheng Jinyi Ceramics and Group and some of the non-sampled producers and exporters

77. These group of Companies, in their respective and combined submissions, have made the following arguments:

- The manner in which individual dumping margin has been denied to the sampled and cooperating producers and exporters is arbitrary. The Designated Authority disregarded the information provided by the sampled exporters for the purpose of the Preliminary determinations and determined margins based on best available information i. e by relying on DGCI&S data and DG Valuation data etc with regard to export price and the details of the same is not even disclosed to the opposing interested parties under the garb of confidentiality.
- Since margin of sampled exporters have been determined on facts available basis, the same ought to have been disregarded for the purpose of determining weighted average margin for the non-sampled parties.
- The Authority did not pay any heed to the rights and legitimate interests of the opposing parties and did not provide any fair opportunity to them to offer any clarification or defend their case properly on certain points as appeared in the Preliminary Findings, which would have changed the outcome of the provisional finding *qua* such parties.
- Present recommendation of provisional AD duties for the non-sampled producers/exporters does not have the backing of AD rules and are recommend in a manner explicitly contravening the AD Rules which needs to be rectified by not confirming these recommendations at the time of any final finding to make the investigation compliant with WTO AD Agreement and also Indian AD rules.

- The Authority used different sources for the information provided in the Preliminary findings. The Authority has collected import data from DGCI&S, DG, System and DG, Valuation but has relied upon the import data received from DGCI&S for volume of imports and DG, Valuation data for prices of imports for the purpose of the preliminary finding. Use of different source of import data for volume and price in such a manner is absolutely unjustified.

b. Other interested parties

78. Apart from the above interested parties, the following non-sampled producers and exporters have also made submissions with regard to their not being included in the sample despite timely filing of sampling questionnaire response as per the instructions given by the Authority. Therefore, it has been argued that the practice of the Authority is inconsistent with Article 6 of the Annex II of the Agreement on Antidumping:

- i. **Foshan Nanhai Jinyatao Ceramics Co. Ltd.**
- ii. **Jiefeng Decorative Material CO. Ltd. (“Jiefeng”)**
- iii. **Foshan Jinbali Ceramics Co. Ltd. (“Jinbali”)**
- iv. **Foshan Sanshui Chengda Building Materials Factory (“Chengda”)**
- v. **Foshan Joyson with 9 affiliated producers**
- vi. **Guangzhou Cowin New Materials Co. Ltd. (“Cowin”)**
- vii. **Parcos**
- viii. **Guangxi Goshen Porcelabobo Ceramics Co. Ltd. (“Goshen”)**
- ix. **Jiangxi Shiwan Huanqiu Ceramics Co. Ltd. (“Shiwan Huanqiu”)**
- x. **Zibo Jiahui Ceramics Co. Ltd.**
- xi. **Guangzhou Metals**
- xii. **Fotile**
- xiii. **Dongpen**
- xiv. **Eiffel**

79. Apart from the above parties, M/s Foshan Gani Ceramic Tiles Co. Ltd. and Qingyuan Gani Ceramics Co. Ltd. has submitted that the Authority has arbitrarily rejected the data submitted by them. The treaty as well as AD Rule specifically puts obligation on the Authority to determine individual Dumping Margin for exporters not initially selected for sampling, provided the producer submits the necessary information in timely manner. It has been argued that only five non-sampled exporters filed their response to exporter/ MET questionnaire. Such individual examinations would not be unduly burdensome to the authorities and prevent the timely completion of the investigation. The Authority, in past, has allowed parties to submit response and granted them individual dumping margin. Reference has been drawn to cases decided by the Authority in the past such as Silk Fabrics from People’s Republic of China. The Authority failed to give any reasons for the rejection of response filed by these companies. It has been argued that the Authority being a quasi-judicial body has to comply with the Principles of Natural Justice.

80. This Company has further argued that they have been erroneously categorised as non-cooperative producer/exporter whereas Foshan Gani Ceramic Tiles Co. Ltd. (producer) and Qingyuan Ceramic Tiles Co. Ltd. had filed responses to the sampling questionnaires issued by the Authority. However, the Authority did not sample them. Therefore, they should be treated as cooperative non-sampled exporter/producer and not non-cooperative producer/exporter with residual duty.

c. Views of the Domestic Industry

81. The domestic industry on the other hand has made the following submissions:

- That the Chinese producers’ have a complex web in reference to their exports to India. Further, in relation to supply of the subject goods to India, the value chain of the producers and exporters is incomplete.
- That there is no co-relation between the purchase price and the sales price as the exporters are buying in bulk and selling the same in different markets. In certain instances, the tile bodies are made by certain companies and other companies doing certain other activities relating to the production of the subject goods. Therefore, the supply chain must be examined by taking into account the company that produces the tile body and not only the company that is undertaking the polishing activities.

- That the producers' price and export price are not the same term and the producers are not always the exporters in relation to supply of the subject goods in the instant investigation. Therefore, the price at which the producer sold the product to the exporter does not become the export price for the purposes of computing the dumping margin. In light the same, the traders' or exporters' response in the investigation is required. An individual dumping margin should be determined based on a questionnaire response by a producer and exporter.

d. Examination by the Authority

82. The views expressed by various interested parties have been examined by the Authority for the final determinations as recorded in the relevant sections in this finding. Some of the general issues have been addressed here as follows:
83. As noted earlier the Authority notified the sampling criteria, invited the comments of all interested parties and thereafter invited sampling questionnaire. The samples were drawn based on certain objective criteria and keeping in view the practical aspects of quantum of work involved, which could be reasonably completed in a time bound manner. The very purpose of the sampling is to draw a representative sample for a meaningful determination that can be reasonably handled without straining the resources and affecting the time line of the investigation. Therefore, every producer and exporter who filed a sampling questionnaire could not have been included as sampled parties. In view of the above, the objections raised by the above parties are not tenable.
84. As regards the issue raised by M/s Foshan Gani Ceramic Tiles Co. Ltd, regarding non-acceptance of its individual margin claim under second proviso of Rule 17, the Authority notes that the Rule itself make it clear that it is not a binding provision on the Authority. Only in the factual matrix of the case where the number of exporters or producers are not so large that individual examination would be not be unduly burdensome and prevent the timely completion of the investigation the Authority is at liberty to accept the request of individual producers for determination of individual margins. In the instant case the number of producers and exporters is too huge to accept any request for individual margins over and above the sampled parties. Therefore, the arguments of this party are not tenable.
85. As far as the contention of Foshan Gani Ceramic Tiles Co. Ltd. (producer) and Qingyuan Ceramic Tiles Co. Ltd.(exporter) that they have been erroneously categorised as non-cooperative in the preliminary determination, is concerned, it is noted that these companies had filed the sampling questionnaire response, though they were not selected in the sample. Therefore, they have now been included in the non-sampled category.
86. As regards the arguments of the sampled producers and exporters that their MET claims and other data have been arbitrarily ignored in the preliminary findings and multiple data sets have been used in that determination the Authority notes that in the absence of complete and verifiable information with regard to the transaction methods of these parties and lack of clarity on the market economy status of some of the responding companies the Authority had to ignore those information and rest its provisional determination on the facts available. However, the data and other information of all the sampled exporters have been verified to the extent possible through on-spot investigations and the verified data set, to the extent they were found in order, have been used for the final determinations.
87. As regards the use of multiple data sets of imports for determination in the preliminary findings, the Authority notes that since there was an issue with regard to the reporting of values in the statistical data the Authority had to make an assessment of the prices based on best information available using multiple data sets. As recorded earlier, the difference in the price data reported in the DGCI&S data set and the information obtained from the Customs Authorities have been clearly established necessitating use of two different data sets for two different purposes.
88. However, now that the data of the sampled producers and exporters, who account for a major proportion of the exports to India, has been verified. This data is proposed to be used for the final determination of dumping and injury to the extent the said data has been found to be acceptable.
89. As regards the arguments of the domestic industry that the Chinese Producers have a complex web of transactions and value chain issues the Authority notes that all these issues have been examined during the spot verification of all sampled producers and the verified data of the said parties have been considered for the purpose of this determination to the extent they were found to be in order.

J. Examination of Market Economy Claims

90. As notes earlier, the case was initiated on the presumption that producers and exporters in China operate under non-market economy conditions and the individual producers and exporters were given opportunity to rebut this presumption through filing of MET questionnaire responses. The following sampled producers and exporters filed MET questionnaire responses claiming market economy treatment in this investigation:

- i. M/s Foshan Chancheng Jinyi ceramics co. Ltd.
- ii. Guangdong Haosen Ceramics Co., Ltd
- iii. Guangdong Newpearl Ceramics Group Co Ltd.
- iv. M/s Foshan Lihua Ceramics Co. Ltd.
- v. M/s Foshan Henry Trading Co. Ltd.

91. Out of the above M/s Foshan Chancheng Jinyi ceramics co. Ltd. and M/s Guangdong Haosen Ceramics Co., Ltd. withdrew their claims for market economy treatment during the verification. The market economy claims of M/s Guangdong New Pearl Group; and Foshan Lihua and Foshan Henry (Lihua Group) have been examined as follows:

a. Guangdong New Pearl Ceramics Group Co Ltd.

92. The company has claimed that New Pearl Group had been given MET in 2007 and 2008 in antidumping investigations concerning Ceramic Tiles and Vitrified Tiles which covered the subject goods exported by Foshan New Pearl Trade Co., Ltd and produced by Foshan Sanshui Huiwanjia Ceramics Co., Ltd and Foshan Summit Ceramic Co Ltd (now known as Guangdong Gelaisi Ceramics Co., Ltd. Accordingly, this group has claimed market economy status in this case also.
93. It has been submitted that Guangdong New Pearl Ceramics Group Co., Ltd was established in 1993 and consist several companies out of which seven (7) companies are involved in the product under consideration. Apart from the Group Company and one (1) trading company there are five (5) producing companies, producing both Ceramic and Vitrified tiles, including Soluble Salt, Double Charge, Polished and Glazed Vitrified Tiles and Micro-crystal vitrified tiles. Out of the five (5) producing companies only two (2) have filed questionnaire response and the trading company has also filed questionnaire response. The Company submitted that the goods produced by the other three producing companies have not been exported to India during the POI. Therefore, they have not filed the QR.
94. Apart from this, the Group has other Companies having other businesses not related to the subject goods. The Company has claimed that there is no change in the status of the companies after grant of market economy status in 2007 and 2008 except change in name of one of the producing companies as above.
95. As regards the change in name of Foshan Summit to Gelasi the Company was asked to produce the Articles of Association, Audit Reports and Business licences of the old entity and new entity. It was noticed that while the date of change of the name has been shown in the business licence as 01.11.2011, the Article of Association of the new company is dated 11.04.2012, which does not corroborate with the Business Licence. The AOA has been amended further on 13.09.2013 where there is a change in paid up capital and shareholding pattern.
96. During the verification the Company was asked to provide certain documents with respect to the Group Co. and the affiliated companies, including the responding companies for examination of the Market economy claims. The company could not provide those documents except few.
97. The Company wanted additional time to provide the documents as these documents were not readily available. However, on the next date of the verification the Company expressed its inability to comply with the requirements. Therefore, the complete status of these companies and their activities could not be verified. In view of the above, the Authority is constrained to deny market economy status to this Group.

b.M/s Foshan Lihua Ceramics Co. Ltd. and M/s Foshan Henry Trading Co. Ltd.

98. M/s. Foshan Lihua Ceramics Company Limited China PR (Producer) and Foshan Henry Trading Company Limited (Exporter), who are related companies, have filed their exporter questionnaire responses along with MET questionnaire response claiming market economy treatment. It was also noted that besides Foshan Henry, there are two other companies namely M/s Foshan Svice Ceramic Co. Ltd., Foshan and M/s Foshan Weiduoli Ceramic Co. Ltd., which are related companies of Foshan Lihua Ceramics by virtue of shareholdings by the family members of the owners of Lihua. Though these two companies have been registered with Chinese authorities, for trading of ceramic and other products of Foshan Lihua, it was submitted that they have not taken up any business establishment even today. M/s Foshan Lihua Ceramic Co. Ltd. provided tax certificates of these two companies to prove the same.
99. Both the responding companies i.e., M/s Foshan Lihua Ceramic Co., Ltd (Producer) and M/s Foshan Henry Trading Co., Ltd. (Exporter) have submitted that this producer & exporter combination was granted market economy status in the previous investigation and there is no change in the company structure since the previous case. The companies were asked to explain the history of the producing Company, which is stated to be formed in 2001 and the exporting company, which was stated to have been formed in 2005, changes at different stages, including shareholding pattern and production units etc.

100. It was noted during the verification that though M/s Foshan Lihua Ceramic Co., Ltd. has been stated to be incorporated in 2001 it has a past history. It was explained that a Company, in the name of M/s Nanhai Lihua Advanced Wall and Floor Tiles Factory, with a manufacturing facility at the same location i.e., Xiqiao Lianxin Industrial Zone Nanhai District Foshan City Guangdong, China and held by the same set of shareholders, existed earlier. This Company was initially incorporated in 1992 with a tiles-manufacturing unit located at the same location where the plant of Lihua stands now.
101. It was submitted that the plant was severely damaged in a flood in 1998. Thereafter, the owners of the said company opened a new company in 2001 in the name of M/s Nanhai Lihua Ceramic Industrial Co. Ltd, which was later changed to M/s Foshan Lihua Ceramic Industrial Co. Ltd in June 2003. In Sept 2003 it was again changed to Foshan Lihua Ceramic Co. Ltd. Thereafter the company exists in this name with changes in capital structure from time to time.
102. The Company submitted that this issue has already been examined in the previous investigation. The Authority notes that a detailed examination was carried during the previous investigation as recorded in the previous new shipper review findings. However, this finding recorded the development in 2001 as a change in name of the Company after damage of the old plant in the flood for which the Company also received certain compensation as recorded in that finding. Whereas it now appears that a completely new company was formed in 2001, which took over the old plant to run as a separate business entity.
103. Since the asset-transactions between the old and new companies are likely to impact the costs the Company was asked to provide the documentary evidence of the winding up of the earlier company, liquidation of assets and liabilities thereof and/or transfer of assets and lease of land to the new company with their valuations. Audit Reports and Asset verification and valuation reports at the time of formation of the new company, which could show the valuation of plant and machineries of the old company taken in the books of the new company and method of acquisition, were also called for. The company could only produce the Audit Report of the new Company of 2001. No valuation or transfer records of the assets of the old plant could be produced.
104. During the verification the company claimed that the all assets of the earlier Company were damaged in the flood and the new company has re-established the plant with new machineries on the same leased land. The company produced the audit report of 2001 and 2002, which shows acquisition of certain plants and machinery in 2001 for RMB 21.342 Million. The Company was asked to clarify the source of funding for the purchase of these assets and details of loans and advances shown in the balance sheet for that year.
105. The Audit report of 2001 shows that the share capital of the Company at the time of incorporation was only RMB 5.0 Million. The Company availed loans totalling to RMB 9.0 Million from various sources and procured plant and machineries worth RMB 21.34 Million. Details of the loans and procurement of machineries were called for. It was found that major portion of the loan (RMB 3 Million) was taken from Nanhai Agriculture Bank at a very nominal rate of interest of 1.36%. It was also noted that the Company had procured machineries for setting up of only 2 lines of tiles manufacturing during this period. No records could be produced regarding setting up of the remaining lines and no clarification could be offered whether the old plants and machineries of the earlier company was taken over by this company with or without any book value.
106. The Company claimed that the Land is a lease land from the Local Govt. and therefore, does not appear in the asset list of 2001. Land was taken from the Lianxin Village Collective Assets Management Committee on lease basis up to 2021. The lease rent for first 6 years was RMB 5.5 per sqr mtr per year, increased to 11 RMB/sqr mtr/year in the current period. However, the Company could not explain how the land, which was earlier held by the old Company was transferred to the new Company.
107. Procurement of major raw materials and influence of Govt. pricing on them was also checked. Raw materials are procured from private entities. But the supply of utilities, i.e., electricity and water, which constitute a very high proportion of the cost, are controlled by the Govt. The pricing mechanism of the utilities were checked and copies of the electricity tariff for the POI was obtained. The electricity tariff of the province shows significant variation in rates between various industrial categories in the region.
108. The company was asked to provide the trend of interest rate and exchange rate prevailing in China during the last five years to see the extent of control of the Govt. on both. It was noted that the interest rate is controlled by the Govt. and shows significant variation in rates as per the loan documents of the Company. The exchange rate also continues to be controlled by the Govt with significant revaluation of the currency during the last five years.

109. Land, which is a major factor of production continues to be in the control of the Govt./local bodies and land made available to the industries against nominal lease rent as is evident from the lease rent being paid by Lihua.
110. The trading Company Henry was formed by the owners of Lihua in 2005 for handling the exports of the Group, which operates from the same premises of Lihua.
111. The above examination indicates that the financing of the new plant is not transparent and the carryover from the old company/plant to the new plant has not been captured adequately in the financial records of the company which affects the cost and prices of the subject goods. Further, the cost and prices are also affected by provision of utilities and loans by the Govt. agencies, which are mostly State Controlled and have significant impact on the cost and prices of the subject goods. Therefore, the Authority does not find it appropriate to accept the cost and prices of the above producer in the domestic market in China for the purpose of determination of normal value.

K. Determination of Normal Values

112. Para-7 of the Annexure I to the Rules provides as under:

"7. In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in a market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India, or where it is not possible, on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated authority in a reasonable manner [keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question] and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of the selection. Account shall also be taken within time limits; where appropriate, of the investigation if any made in similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments."

113. The interested parties have argued that the general rule to arrive at normal value is the price or constructed value in a market economy third country or the price from such a third country to other countries including the country conducting the investigation. Only in those cases, where an authority is unable to apply or exhaust the general rule, the alternative option of using some other reasonable basis can be resorted to.
114. The Authority notes that while there is an implied hierarchy in determination of normal value in case of non-market economy situation, availability of data and cooperation of third country producers of the subject goods for an exhaustive analysis of cost and prices in the third country is always a challenge. The Authority recorded in the Preliminary findings that at the initiation stage the applicants had proposed determination of normal value on the basis of price prevailing in Pakistan. However, the Authority held that Pakistan cannot be used as an appropriate third country as a surrogate for China due to their differential levels of development. It was also noted that other alternative methodologies could not be used as no such information with regard to prices and costs prevalent in these markets could be made available to the Authority either by the applicants or by any interested party, nor any publicly available information could be accessed for such a determination.
115. That being the situation, the Authority has resorted to the construction methodology as laid down in the Rules quoted above as the best available methodology for determination of normal value for all producers in China.
116. The Normal Values have been determined for all product types and sizes identified as noted in the product under consideration, for fair comparison with the export prices on like to like basis. For the purpose of determination of the normal values the verified cost of production of the individual product types of the most efficient domestic producers during the POI has been used with due adjustments towards SGA expenses and appropriate profit margins as discussed during the presentations.
117. The Authority notes that the scope of the product under consideration has been restricted to Double Charge, Soluble Salt Vitrified tiles and GVT/PGVT only and for fair comparison, the sizes have been categorised as 600X600, 800X800 and other sizes. Accordingly, the Normal Values of the above product types have been determined for all producers/exporters in China as follows:

Grade	Size	CNV(US\$/SQM)
GVT/PGVT	600*600	***
	800*800	***
	Others	***
	Sub-Total	***
DC	600*600	***
	800*800	***
	Others	***
	Sub-Total	***
SS	600*600	***
	800*800	***

Export Prices

118. The Authority notes that the exporters' questionnaire responses of the sampled producers and exporters were verified through an on-spot investigation carried out in the premises and the export prices have been determined for the respective producers/exporters as per the verified data to the extent they were found to be in order.

a. M/s Southern Building Materials & Sanitary Co. Ltd. of Qingyuan City, M/s Jiangxi Fuligao Ceramics Co. Ltd. and M/s Guangdong Luxury Micro-crystal Stone Technology Co. Ltd. (related Producers) - M/s New Zhong Yuan Ceramics Import & Export Co., Ltd. of Guangdong (related Exporter)

119. The above companies belonging to the New Zhong Yang Group of China have filed a questionnaire response without claiming market economy treatment. This is a large group involved in several businesses, including production and sales of the subject goods. Totally 17 companies are involved with the production and/or sale of the product concerned, out of which 9 are producers, 1 is exporter to India (i.e., NZYCIE) and other countries, 4 are exporters to countries other than India, 2 companies are involved in the sales of the product concerned in domestic market and 1 company has stopped business.

120. It was noted that the PUC produced by three companies, namely Guangdong Luxury Micro-Crystal Stone Technology Co Ltd ("GDLMS"), Jiangxi Fuligao Ceramics Co Ltd ("JXFLG") and M/s Southern Building Materials & Sanitary Co. Ltd. of Qingyuan City ("SBMS") only have been exported to India during the POI through the exporting company of the Group, i.e., M/s New Zhong Yuan Ceramics Import & Export Co Ltd of Guangdong (NZYCIE)

121. NZYCI&E has reported export of *** sqm meters of the subject goods to India during the POI produced, ***% of which produced by 3 responding related producers and remaining *** % by 7 unrelated producers. The Company could provide the details of goods sourced by NZYCIE from different producers with the tracing of the relevant VAT invoices of the producers to demonstrate that the NZYCIE has not exported goods produced by other 6 related producers.

122. As regards the sales by the 2 domestic and 4 other trading companies, and possibility of exports by these companies to India or exports of goods produced by other producers of the group to India through any other trading companies was also examined. As per Group's selling arrangements the producing companies do not export directly. 2 domestic trading companies sell in China and 4 exporting companies sell in other export markets, other than India. Export to India is through only one trading company because of the antidumping duty exemption given to this Company in the past and market developed by this Company in India.

123. The sales of the producing companies to other individual trading companies in China was found to be very small proportion of their total domestic sales outside their own trading companies. The domestic sales contract with major trading companies carry clause restricting sales in specific regions to avoid competition.

124. As noted above, during the POI NZYCIE exported *** sqm meter to independent buyers in India against *** transactions. However, the entire export of this group to India during the POI was of PVT/GVT/PGVT, Micro-crystals and Thin Panels. The Authority has evaluated weighted average net export price of GVT/PGVT only as ***\$/ sqm meter and has adopted the constructed normal value for this product type as ***\$/sqm meter.

b.

Grade	Size	Qty (SQM)	NEP (US\$ / SQM)
GVT/PGVT	600*600		
	800*800	***	***
	Others	***	***
	Sub-Total	***	***
DC	600*600	-	-
	800*800	-	-
	Others		
	Sub-Total	-	-
SS	600*600	-	-
	800*800	-	-
	Others		
	Sub-Total	-	-
	Grand Total PUC	***	***

Foshan Lihua Ceramics Co. Ltd. (Producer) and Foshan Henry Trading Co. Ltd.(Exporter)

125.M/s Foshan Lihua Ceramic Co., Ltd., is a producer of the subject goods and produces Soluble Salt, Double Loading, Micro Crystal, Polished and Glazed, Ceramics tiles and Bricks. The Company sells all its goods in the domestic market including to its related trading company M/s Foshan Henry Trading Co., Ltd. who exports the subject goods to India and other countries. The companies do not have any other related producers or exporters.

126.Lihua sales are to several trading/exporting companies in China as well as other end users. The domestic buyers, including the trading companies, lift the goods from their factory premises on ex-works basis and therefore, the producer does not maintain the data whether any such goods could have been exported to India through other trading companies. However, it was clarified that since they have their own trading house for exports to India they would not supply any material to any other trading company for exports to India and compete in the same market.

127.During the POI Henry purchased *** sq. mtrs of the subject goods from Lihua and exported *** Sq. mtr., to India. The balance quantity has been exported to third countries. Out of total exports of *** Sqr mtr Henry purchased *** (Sqr mtrs) from another unrelated producer, in the domestic market and rest from Lihua. Against unrelated purchase of *** (Sqr mtrs), *** sqr meter were purchased from Jin Yi Ceramics, which is also a responding producer in this case. Apart from Jin Yi, Henry has also exported *** sqr mtrs of tiles manufactured by one M/s Foshan Kunpeng Building Materials Co., Ltd. It was noted that this is only a polishing factory, which produced tiles from body manufactured by other producers not known to Henry. Accordingly, the goods manufactured by the responding producer i.e., M/s Lihua and exported by Henry have been considered for determination of export price of this group.

128.During the POI Henry exported the subject goods to India against *** transactions. The exports to India are to unaffiliated end users on Ex-works, FOB or CNF terms. The payment terms for exports to India were L/C at Sight /TT payments. For all sales made to India on CNF basis, the expenses upto the CNF stage have been borne by the exporter and all expenses post-CNF are borne by the importer. Similarly, in case of FOB sales, all expenses upto the FOB stage are borne by the exporter and remaining expenses by the importer. The export price has been adjusted towards expenses for Inland Freight, Overseas Transportation, handling and other charges, bank charges and credit costs to arrive at net ex-works export price.

129.Since the producer sells the goods to the domestic trading companies against VAT invoices on payment of 17% VAT and the exporters of subject goods claim a VAT refund of 9%, a VAT adjustment of 8%, towards un-refunded VAT absorbed by the exporter has also been made to the export price to arrive at the net-ex-works export price of the group as follows:

Grade	Size	Qty (SQM)	NEP (US\$ / SQM)
GVT/PGVT	600*600		
	800*800	***	***
	Others	***	***
	Sub-Total	***	***
DC	600*600	***	***
	800*800	***	***
	Others		
	Sub-Total	***	***
SS	600*600	***	***
	800*800		
	Others		
	Sub-Total	***	***
	Grand Total PUC	***	***

c. Guangdong Haosen Ceramics Co. Ltd. (Haosen), Foshan Haosen Import and Export Co. Ltd. (Foshan Haosen), Foshan Kihut Ceramic Co. Ltd. (Kihut) , Kun Lagy Ltd., Hong Kong (Kun Lagy)

130. The following producers and exporters of the subject goods in China had filed their respective questionnaire responses in the above antidumping investigation as a group of companies carrying out production, domestic sales and exports to India during the period of investigation for determination of their dumping margin:

1. M/s Guangdong Haosen Ceramics Co., Ltd. ("Haosen") (Producer);
2. M/S Foshan Haosen Import and Export Co., Ltd (Related Exporting Company of the Producer),
3. M/S Kun Lagy Limited, Hong Kong (Unrelated Trading Co in Hong Kong),
4. M/S Foshan Kihut Ceramic Co., Ltd, China PR (Unrelated Trading Co. in China PR)

131. The Producing company produces all major types of vitrified tiles i.e., Soluble Salt, Double Charge, Polished and Glazed Vitrified Tiles and had claimed market economy treatment, which was subsequently withdrawn. Company is producing and selling vitrified tiles in the domestic market and also tiles bodies to other producers as they have higher kiln capacity than polishing capacity at present. The Company sales all its goods in the domestic market to related and unrelated traders as well as direct customers. However, all its sales contract with trading companies have a non-compete clause which restricts the traders to sell the goods to other destinations other than the market for which it is sold. Therefore, the Company could demonstrate that no other trader other than their own trading Company could have exported the goods to India.

132. During the POI the subject goods produced by Haosen were purchased by two domestic trading Companies in China i.e., M/s Foshan Haosen Import and Export Co., Ltd., who is a related exporting company if Haosen, and M/s Foshan Kihut Ceramic Co., Ltd and exported to India. Whereas Foshan Kihut Ceramic Co., Ltd has exported the goods directly to India, M/s Foshan Haosen Import and Export Co., Ltd., has exported some quantities to India directly and some quantities through another trading Company in Hong Kong i.e, M/s Kun Lagy ltd.

Guangdong Haosen - Foshan Kihut Ceramic Co., Ltd.- India

133. Foshan Kihut procured the goods from Haosen and exported *** sqm mtrs to India during the POI. This Company has not exported any goods manufactured by any other producer in China. The exports to India are on Ex-works/FOB/CNF/CIF basis on TT/LC at sight terms. The exporter has incurred all expenses after ex-works and the expenses towards inland freight, ocean freight etc. Therefore, for the purpose of arriving at net ex-works export price all such expenses such as freight and insurance, handling and other port expenses, and insurance (wherever applicable), bank charges, and credit cost have been adjusted. VAT adjustment of 8%, towards un-refunded VAT absorbed by the exporter has also been made to the export price to arrive at the net-ex-works export price of the group.

M/S Foshan Haosen Import & Export Co., Ltd and M/s Kun Lagy Ltd

134. As noted above Haosen I & E exported *** sqr mtrs directly to India and *** sqr mtrs through Kunlagy Hong Kong. Direct exports are on Ex-works/FOB/CNF/CIF basis on TT/LC at sight terms. Sales to Kunlagy are on CNF basis on different payment terms. Kunlagy acted as an invoicing agent for M/S Foshan Haosen Import and Export Co., Ltd for some period during the POI and exported the goods to India on same terms and condition. Haosen I&E purchased the goods from Haosen on ex-works basis against VAT invoices and has incurred all expenses after ex-works. All expenses towards inland freight, ocean freight, including handling and other port expenses and insurance wherever applicable, bank charges and credit costs have been adjusted to arrive at net ex-works export price for this combination. VAT adjustment of 8%, towards un-refunded VAT absorbed by the exporter has also been made to the export price to arrive at the net-ex-works export price of the group as follows:

		Producer Guandong Haosen , Exporter : Fosh Haosen		Producer Guandong Haosen , Exporter : Fosh Kihut		Producer Guandong Haosen , Exporter : Kunlagy		Haosen Group	
Grade	Size	Qty (SQM)	NEP (US\$ / SQM)	Qty (SQM)	NEP (US\$ / SQM)	Qty (SQM)	NEP (US\$ / SQM)	Qty (SQM)	NEP (US\$ / SQM)
GVT/PG VT	600 *600								
	800 *800	***	***	***	***			***	***
	Others								
	Sub- Total	***	***	***	***	-		***	***
DC	600 *600	***	***	***	***	***	***	***	***
	800 *800	***	***	***	***	***	***	***	***
	Others	***	***	***	***			***	***
	Sub- Total	***	***	***	***	***	***	***	***
SS	600 *600	***	***	***	***			***	***
	800 *800								
	Others								
	Sub- Total	***	***	***	***			***	***
	Grand Total PUC	***	***	***	***	***	***	***	***

d. Foshan Qiangbio Ceramics Co. Ltd., China PR (Producer) - M/s Foshan Hongliao Trade co. Ltd., China PR (exporter) and M/s Sheenway Corporation Ltd., Hong Kong (Exporter).

135. It was submitted that since the producing companies do not have license to export the goods they sell the goods in domestic market only and exports are made through unrelated exporters. During the POI the producing companies have exported to goods to India through two un-related exporters only as above.

136. Foshan Qiangbio Ceramics Co. Ltd is only a producer and domestic seller of the subject goods, but is not an exporter. It sells the subject goods to two unrelated Chinese trading companies for exports to India namely, M/s Foshan Hongligao Trade Co. Ltd. and M/s Foshan Worceter Trade Co., Limited. Both the companies sell the subject goods to Sheenway Corporation Limited, Hong Kong. In turn, Sheenway, Hong Kong sells the products to unrelated Indian customers. However, the goods are physically despatched directly from the producer factory to the Indian customers.

- 137.M/s Qingyuan Qiangbiao Ceramics Co., Ltd. (QQB) has a production capacity of *** Million tiles bodies/biscuits and M/s Foshan Qiangbiao Ceramics Co (FQB) is a Polishing Company which treats tiles body as its raw material and has a capacity of polishing *** Million tiles. FQB produces Soluble Salt, Double charge and PGVT. However, during the POI they have exported only Soluble Salt and Double Charge tiles to India.
- 138.The tiles body making capacity of QQB is significantly higher than the tiles polishing capacity FQB. Therefore, QQB sells the tiles body to others in the domestic market and QQB is not an exclusive producer for FQB. It was also noted that FQB has not procured the tiles body exclusively from QQB. Tiles body is purchased from several producers though *** % of the tile body were purchased from QQB and a small quantity of *** sqr mtrs were purchased from other producers.
- 139.FQB is the producer of the finished goods and sells all goods as domestic sales to unrelated consumers as well as trading companies in China against VAT invoices on ex-works basis and on cash or TT terms. During the POI the Company sold *** sqr meters out of which *** sqr mtrs has been reported as sales to two domestic trading Company i.e., Foshan Hongligao Trade co., Ltd. and Foshan Worceter Trading Company, who are reported to have exported these goods to India through a trading Company in Hong Kong i.e., Sheenway Corporation Limited, Hong Kong.
- 140.FQB has exclusive contracts with the major trading companies for selling the goods in specified markets. They have an agreement with M/s Seenway Hong Kong since 2011 for exclusive selling rights in the Indian market. Seenway is free to pick up a domestic trading company in China having export licence to purchase goods from FQB and export to India. As per this contract, FQB cannot sell the goods to any other trading company, other than Seenway and its identified domestic trading companies, for export to India. Similarly, other trading companies to whom FQB has sold the goods during the POI have exclusive contracts with FQB for selling in specified markets.

FQB to Chinese Exporters

- 141.FQB has sold *** sqr mtrs to Hanglibao and Worceter, against 144 transactions, out of which *** sqr mtrs were sold to Foshan Hongligao Trade co., Ltd. and *** sqr mtrs were sold to Foshan Worceter Trade Co., Ltd. These goods have been exported to India through Sheenway Hong Kong on ex-works basis on TT terms. Therefore, the producer has not incurred any expenses on account of these sales.

Chinese Exporters to Sheenway, Hong Kong

- 142.M/s Hongligao has sold *** sqr mtrs of the subject goods manufactured by FQB to Sheenway for exports to India. All sales are on ex-works basis and TT Terms.
- 143.The Other Trading Company M/s Worceter, who has also exported *** sqr mtrs of the subject goods manufactured by FQB to Sheenway during this period for exports to India has filed a separate questionnaire response alongwith another producer of the subject goods i.e. M/s Jin Yi. That is because apart from the material produced by FQB, Worceter has also exported *** sqr mtrs of tiles produced by Jin Yi. This quantity has been reported in the QR filed by Worceter alongwith Jin Yi. Accordingly, Worceter has reported total export of *** sqr mtrs through Sheenway. Honglibao's sales to Sheenway are on Ex-works and TT terms. Therefore, no expenses are involved in these transactions.

Sheenway, Hong Kong to India

- 144.Sheenway, which is a trading Company registered in Hong Kong, has filed a questionnaire response as the exporter of the subject goods produced by the above companies and also other companies as noted above. This Company has exported *** sqr mtrs of the subject goods to India out of which *** sqr mtrs have been sourced from FQB through Hanglibao and ***sqr mtrs from FQB through Worceter. Apart from this, *** sqr mtrs were sourced from Jin Yi who is a sampled producer who have been examined. A small quantity of *** sqr mtrs have been sourced from another producer i.e. M/s F. JUNJING, who has not been sampled or participated in the investigation. However, this quantity is less than *** % of the exports by Sheenway.
- 145.Sheenway's exports to India are on Ex-works/Ex-works +Freight / FOB + freight basis and on TT payment terms with advance payment clause. Ex-works + freight and FOB + freight means freight charged on the invoice separately and reimbursed by the buyer. It was noted that in some of the invoices Sheenway has charged *** % service charges to the customers in India which is charged in the invoice of the exporter over and above the invoice value. This being an earning, for the exporter, no adjustment is required on account of this. Adjustments have been made towards inland freight, ocean freight and insurance (where applicable), bank charges and credit costs to arrive at net ex-works prices. VAT adjustment of 8%, towards un-refunded VAT absorbed by the exporter has also been made to the export price to arrive at the net-ex-works export price of the group as follows:

		Producer : Foshan Qangbio , Exporter : Worcetre		Producer Foshan Quangbiaoi , Exporter : Honglio , Shipper : Sheenway		Quanbio Group	
Grade	Size	Qty (SQM)	NEP (US\$ / SQM)	Qty (SQM)	NEP (US\$ / SQM)	Qty (SQM)	NEP (US\$ / SQM)
GVT/PGVT	600*600						
	800*800						
	Others						
	Sub-Total	-		-		-	
DC	600*600	***	***	***	***	***	***
	800*800	***	***	***	***	***	***
	Others	***	***	***	***	***	***
	Sub-Total	***	***	***	***	***	***
SS	600*600	***	***	***	***	***	***
	800*800					-	
	Others					-	
	Sub-Total	***	***	***	***	***	***
	Grand Total PUC	***	***	***	***	***	***

e. Foshan Chancheng Jinyi Ceramics Co. Ltd. And Xin Xing Xian Zhisheng Ceramics Co., Ltd (Producers) and Foshan Worceter Trade Co. Ltd. (Exporter)

146.As per the EQ response, Foshan Chancheng Jinyi Ceramics Co. Ltd, China PR is a producer of polished tiles procuring biscuits from Xin Xing Xian Zhisheng Ceramics Co., Ltd, related party. As stated in the EQ response, Jinyi exports the subject goods to India during the POI, through another related party namely Foshan Worceter Trade Co., Ltd. All these companies have filed EQ response and the producers have also filed MET questionnaire responses on the grounds that they had been given market economy treatment in previous investigations. However, during the verification they withdrew their market economy claims.

147.M/s Xin Xing Zhisheng Ceramics Co. has a capacity to produce *** million sqr mtrs of tiles bodies annually which is supplied to companies producing subject goods, including Foshan ChanCheng JINYI Ceramics Co. Ltd. Foshan ChanCheng JINYI Ceramics Co. Ltd is only a polishing factory with capacity of polishing *** million sqr mtrs of tiles. Jin Yi purchases major portion of its tiles from Xin Xing but not exclusively from them. Jin Yi treats biscuits as raw materials for polishing. The company produces mostly soluble salt tiles only with a small quantity of Double charge tiles and exported only Soluble Salt Tiles to India during the POI.

148.During the POI, Jin Yi purchased *** sqr mtrs of tiles body out of which *** sqr mtrs (***%) was purchased from Xin Xing. A small quantity of *** sqr mtrs were also purchased from M/s Foshan Haosen, who is also a responding and sampled producer/exporter in this case taking the total to *** % of total tile body consumed. There are about *** other producers of tiles body from whom they have purchased tiles body and they individually account about *** % of their consumption.

149. It was noted that the finished tiles producing company i.e., Jin Yi has sold all the goods in the domestic market, to a large number of traders and import export companies in China, including the sales made to Worceter, who has in turn exported the goods to India. All sales are on Ex-works basis and on cash term.
150. Out of *** sqr mtrs domestic sales transactions in appendix-1, ***sqr mtrs (***%) were sold to their related exporter M/s Worceter and ***sqr mtrs (***%) have been sold to other trading companies in China, rest being sales to different end users in the domestic market. The volume of sales to domestic trading companies is significant. Each sales contract with the domestic trading/export import companies carries a clause, which prohibits the trading companies to sell the goods in Indian market as they have their own trading company in Indian market. The Company explained that it would not issue the VAT invoice to the trading Company to enable them to claim VAT refund if this condition is violated. Therefore, the Company knows which consignment goes to India though they do not directly ship the goods to India.
151. Foshan Worceter Trade Co., Ltd. is the trading arm of the Group having an export license. Worceter's purchases the tiles from Jin Yi as domestic sales against VAT invoices and in turn exports the goods to India.
152. During the POI Worceter purchased *** sqr mtrs from Jin Yi and *** sqr mtrs from another responding producer in this case i.e., Foshan Qiangbiao Ceramics Co., Ltd and exported total *** to India and *** sqr meters to third countries. Out of the above quantity of ***, Worceter has exported *** sqr meters to India through another exporter in Hong Kong namely, M/s Sheenway, who has also filed a separate questionnaire response and the balance quantity has been exported directly.
153. The exports to India by Worceter are mostly of Soluble Salt tiles of different sizes and the sales are at ex-works level with various payment terms such as TT, part advance payment and part LC at sight basis to a single customer in India. Since export transactions are at ex-works level, the exporter does not bear any expenses. The payments are mostly advance or against sight LCs. Bank charges and credit costs have been adjusted to arrive at ex-works prices. VAT adjustment of 8%, towards un-refunded VAT absorbed by the exporter has also been made to the export price to arrive at the net-ex-works export price of the group as follows:

		Producer : Foshan Jinyi , Exporter : Worcetre		Producer Foshan Jinyi , Exporter : Worcetre , Shipper : Sheenway		Jinyi Group	
Grade	Size	Qty (SQM)	NEP (US\$ / SQM)	Qty (SQM)	NEP (US\$ / SQM)	Qty (SQM)	NEP (US\$ / SQM)
GVT/ PGVT	600*600						
	800*800						
	Others						
	Sub- Total	-		-		-	
DC	600*600	***	***	***	***	***	***
	800*800	***	***	***	***	***	***
	Others					-	
	Sub- Total	***	***	***	***	***	***
SS	600*600	***	***	***	***	***	***
	800*800	***	***			***	***
	Others					-	
	Sub- Total	***	***	***	***	***	***
	Grand Total PUC	***	***	***	***	***	***

- f. **Guangdong Gelaisi Ceramics Co. Ltd (Gelaisi), Foshan Sanshui Huiwanjia Ceramics Co. Ltd (Huiwanjia), Foshan Newpearl Trade Co. Ltd (Newpearl)**

154. The above group of related producers and exporters have filed a questionnaire response as well as MET questionnaire response in this case and have argued that New Pearl Group had been given MET in 2007 and 2008 in antidumping investigations concerning Ceramic Tiles and Vitrified Tiles. That case covered the subject goods produced by Foshan Sanshui Huiwanjia Ceramics Co., Ltd and Foshan Summit Ceramic Co Ltd (now known as Guangdong Gelaisi Ceramics Co., Ltd.) and exported by Foshan New Pearl Trade Co. Ltd. Accordingly, this group has claimed market economy status in this case also.
155. It is noted that New Pearl Group had been given MET in 2007 and 2008 in antidumping investigations concerning Ceramic Tiles and Vitrified Tiles which covered the subject goods exported by Foshan New Pearl Trade Co., Ltd and produced by Foshan Sanshui Huiwanjia Ceramics Co., Ltd and Foshan Summit Ceramic Co Ltd (now known as Guangdong Gelaisi Ceramics Co., Ltd. Accordingly, this group has claimed market economy status in this case also. However, as noted above this Group could not produce the documents required for verification of this status during the course of verification. Accordingly, this company has not been given the market economy status in this case.
156. Out of the five (5) producing companies, involved in production of the subject goods, only two (2) have filed questionnaire response and the trading company has also filed questionnaire response. The Company submitted that the goods produced by the other three producing companies have not been exported to India during the POI. Therefore, they have not filed the QR.
157. It has been submitted that the responding as well as non-responding companies in the Group did not sell any material in Indian market through any other trading Companies other than New Pearl. The Company demonstrated that each transaction of the group companies is governed by sales contracts with non-compete clause, which binds the buying trading company/agent to sale the goods in specified areas/countries. They are not allowed to sell the goods in any other market.
158. Both the responding producing Companies sell the goods only in the domestic market, against VAT invoices, to domestic consumers as well as traders/exporters on ex-works basis, on cash term. The traders lift the goods on ex-works basis and either sale in the domestic market, or export to different markets, as per the stipulations in the sales contract as explained by the Company. During the POI, Gelasi sold *** sqr mtrs to New Pearl and Sanshui Huaiwanjia sold ***sqr mtrs to New Pearl.
159. New Pearl has purchased the subject goods from the above two participating producing companies and other three non-participating companies and exported the goods to India as well as other countries. Against total purchase of ***sqr meters during the POI New Pearl exported *** sqr meters and rest was exported to other countries. Exports to India was of the goods produced by the two responding exporters as demonstrated through the VAT invoices, certificates of origin and commercial invoices.
160. The Company has exported the goods to India against *** invoices to unrelated customers in India on various delivery terms (Ex-works/FOB/CNF/CIF) and payment terms (LC at sight/LC 60days/TT). The goods are purchased by the trader on ex-works basis from the related producers on cash term against VAT invoices. All expenses beyond ex-works are met by the trading company. Therefore, to arrive at all expenses towards inland freight, ocean freight, including handling and port expenses and insurance (wherever applicable), bank charges and credit costs have been adjusted. VAT adjustment of 8%, towards un-refunded VAT absorbed by the exporter has also been made to the export price to arrive at the net-ex-works export price of the group as follows:

		Producer : Gelasi , Exporter : New Pearl		Producer : Huewanjia , Exporter : New Pearl		New Pearl Group	
Grade	Size	Qty (SQM)	NEP (US\$ / SQM)	Qty (SQM)	NEP (US\$ / SQM)	Qty (SQM)	NEP (US\$ / SQM)
GVT/PGVT	600*600			***	***	***	***
	800*800			***	***	***	***
	Others			***	***	***	***
	Sub-Total			***	***	***	***
DC	600*600	***	***			***	***
	800*800	***	***			***	***

	Others	***	***			***	***
	Sub-Total	***	***			***	***
SS	600*600	***	***			***	***
	800*800						
	Others						
	Sub-Total	***	***			***	***
	Grand Total PUC	***	***	***	***	***	***

L. Dumping Margins

a. Dumping Margins of Sampled Exporters

161. The net ex-works normal values determined for each product type and identified sized as noted earlier have been compared with the respective export prices of the sampled producers and exporters as determined above to arrive at the dumping margins of these sampled producers and exporters as follows:

				New Pearl Group		QUIANGBIO GROUP		JINYI GROUP		HAOSEN GROUP		LIHUA GROUP		NZY GROUP	
Grade	Size	CNV (US \$ / SQM)	NIP (US \$ / SQM)	DM (US \$ / SQM)	DM (%)	DM (US \$ / SQM)	DM (%)	DM (US \$ / SQM)	DM (%)	DM (US \$ / SQM)	DM (%)	DM (US \$ / SQM)	DM (%)	DM (US \$ / SQM)	DM (%)
G V T / P G V T	600*600	***	***	***	60 – 70									***	65 – 75
	800*800	***	***	***	(0 – 10)					***	15 – 25	***	(5 – 15)	***	(0 – 10)
	Others	***	***	***	(0 – 10)					***		***	(35 – 45)	***	(5 – 15)
	Sub-Total	***	***	***	40 – 50					***	15 – 25	***	(10 – 20)	***	10 – 20
D C	600*600	***	***	***	(25 – 35)		10 – 20		5 – 15	***	30 – 40	***	15 – 25		
	800*800	***	***	***	(20 – 30)		20 – 30		0 – 10	***	35 – 45	***	0 – 10		
	Others	***	***	***	0 – 10		30 – 40			***	35 – 45	***			
	Sub-Total	***	***	***	(0 – 10)		15 – 25		5 – 15	***	30 – 40	***	10 – 20		
S S	600*600	***	***	***	(0 – 10)		15 – 25		10 – 20	***	30 – 40	***	10 – 20		
	800*800	***	***	***					0 – 10	***		***			

	Other s	***	***	***		***		***		***		***			
	Sub- Total	***	***	***	(0 - 10)	***	15 - 25	***	10 - 20	***	30 - 40	***	10 - 20		
	Grand Total PUC	***	***	***	10 - 20	***	15 - 25	***	10 - 20	***	30 - 40	***	10 - 20	***	10 - 20

b. Dumping Margin for Non-Sampled Producers and Exporters

162. The dumping margin the producers and exporters as listed below, who had made themselves known in response to the sampling questionnaire but not sampled by the Authority, has been determined as the weighted average of the dumping margins of the sampled producers and exporters as above in terms of Rule 18(2) of the Rules as follows:

Grade	Size	CNV (US \$ / SQM)	DM	%
GVT/PGVT	600*600	***	***	60 - 70
	800*800	***	***	15 - 25
	Others	***		
	Sub-Total	***	***	60 - 70
DC	600*600	***	***	25 - 35
	800*800	***	***	30 - 40
	Others	***	***	5 - 15
	Sub-Total	***	***	25 - 35
SS	600*600	***	***	10 - 20
	800*800	***	***	0 - 10
	Others	***		
	Sub-Total	***	***	10 - 20
	Grand Total PUC	***	***	20 - 30

List of Non Sampled Producers and Exporters

Sl. No	Name of the producer	Name of the Exporter
1	Foshan Helai Building Materials Co., Ltd and Foshan City Gaoming district hui Mei AO Building Material Co., Ltd.	Foshan Xinzhongwei Economic and Trade Co., Ltd, M/s Globlink Overseas (HK) Ltd.
2	Foshan City TaoQuiang Building Material Co., Ltd.	Foshan Fortune Imp. And Exp. Trade Co., Ltd.
3	Monalisa Group Co., Ltd.	Guangdong Monalisa Trading Co., Ltd.
4	Foshan Gold Full House Building Material Co., Ltd.	Foshan Nanhai Rongjia IM & EX Co., Ltd, and Foshan Clouds Import & Exports Co., Ltd.

5	Guangdong Yongsheng Ceramics Co., Ltd.	Foshan Ishine Trading Co., Ltd.
6	Foshan Sunny Ceramic Co., Ltd.	Foshan Gold Medal Import and Export Trading Co., Ltd.
7	Enping City Huachang Ceramic Co., Ltd.	Enping City Huachang Ceramic Co., Ltd.
8	Foshan Oceanland Ceramics Co., Ltd	Foshan Oceanland Ceramics Co., Ltd
9	Guangdong Overland Ceramics Co., Ltd	Guangdong Overland Ceramics Co., Ltd
10	Guangdong Kito Ceramics Co., Ltd	Guangdong Kito Ceramics Co., Ltd
11	Foshan Sincere Building Material Co., Ltd	Foshan Sincere Building Material Co., Ltd
12	Guangdong Guanxing Ceramics Enterprise Co., Ltd	Guangdong Guanxing Ceramics Enterprise Co., Ltd
13	Qingyuan Quya Ceramics Co., Ltd	Qingyuan Quya Ceramics Co., Ltd
14	Jingdezhen Kito Ceramic Co., Ltd	Jingdezhen Kito Ceramic Co., Ltd
15	Foshan Louis Valentino Ceramic Co., Ltd	Foshan Louis Valentino Ceramic Co., Ltd
16	Guangdong Xinfengjing Ceramics Co., Ltd	Guangdong Xinfengjing Ceramics Co., Ltd
17	Guangdong Tianbi Ceramics Co., Ltd	Guangdong Tianbi Ceramics Co., Ltd
18	Foshan HCC Building Material Co., Ltd	Foshan HCC Building Material Co., Ltd
19	Zhanjiang Zhonghong Ceramics Co., Ltd	Foshan Beyond Import and Export Co., Ltd
20	Heyuan Romantic Ceramics Co., Ltd	Foshan Beyond Import and Export Co., Ltd
21	Foshan Nanhai Yonghong Ceramic Co., Ltd	Foshan Jun Enterprise Co., Ltd
22	Foshan Dunhunang Building Material Co., Ltd	Foshan Dunhunang Building Material Co., Ltd
23	Foshan Sanshui Hongyuan Ceramics Enterprise Co., Ltd	Foshan Sanshui Hongyuan Ceramics Enterprise Co., Ltd
24	Foshan Gani Ceramic Tiles Co. Ltd.	Qingyuan Ceramic Tiles Co. Ltd.

c. Dumping Margin of all other Producers/ Exporters from China PR

163. Dumping margin for all other non-cooperating exporters from China PR has been determined by the Authority on the basis of best facts available taking into account the verified data of the cooperating exporters. Accordingly, dumping margin for all other producers/exporters in China has been determined as follow:

All Others							
EP	CNV	DM	%	LV	NIP	IM	%
***	***	***	75-85%	***	***	***	45 - 55%

164. The dumping margins so determined are significant and above de minimis limits.

M. DETERMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK

165. The petitioners have alleged that the dumped imports from the subject country are causing material injury and/or threatening material injury to the like product domestic industry in India. Having determined that the goods are entering from the subject country at dumped prices the Authority proceeds to examine the degree and extent of injury, if any, suffered by the domestic industry and whether there is an imminent threat of injury in the absence of a measure.
166. Rule 11 of the Rules read with Annexure –II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, “.... *taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles....*”. In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree.
167. The Authority notes that after issuance of the Preliminary Findings the interested parties, including the domestic industry has made substantial submissions commenting *upon* various aspects of injury and causal links claims of the domestic industry. These arguments and submissions of the parties have been summarised below:

M.2 Submissions made by the opposing interested parties

168. The exporters, importers and other interested parties to this investigation, including the China Chamber of Commerce of Metals, Minerals & Chemicals Importers & Exporters, in their respective submissions, regarding the injury and causal link, have inter alia argued:
- i. That the petition filed by the domestic industry does not even claim that gross and irreparable injury would be caused to the domestic industry even during the duration of investigation. No material is also available on record or reflected in the preliminary findings to justify recommendation of imposition of provisional duty. In view thereof, the provisional imposition is contrary to Rule 12 and Section 9B (1)(b)(iii) of the Customs Tariff Act, and therefore required to be withdrawn.
 - ii. That the duty on porcelain/ vitrified tiles was in existence from 2002 to 2013 and the same got expired in June, 2013 in view of no dumping and consequently, no injury. There is no scope for imposition of new ADD by initiation of a fresh investigation for the same product.
 - iii. That there is no evidence of injury to the domestic industry or no decline in economic parameters relating to the domestic industry.
 - iv. The injury analysis has been conducted for an arbitrarily selected period within the injury period. The injury analysis conducted based on a segment within the POI is inconsistent with Article 3 of the WTO ADA as well as Annexure II of the Indian AD Rules. In the absence of a complete injury analysis based on the data over the course of the injury period, it cannot be concluded that the domestic industry is suffering material injury.
 - v. That there is steep decline in import volume from subject country both in terms of total Indian production and domestic sales in India over last four years. Domestic producers in India constitute 92% of market share and the rest of the market share is on account of imports, which is decline by more than half in the POI as compared to 2011-12. The decline in imports and market share of imports cannot be a cause of injury.
 - vi. That the market-share of petitioner companies decreased while it increased for other Indian producers. The market share of the subject country has significantly declined during the POI.
 - vii. That the injury parameters must be examined for domestic producers of the like product and not merely for domestic industry. Even if the analysis is restricted only to domestic industry, none of the economic factor including production, sales, production capacity, and capacity utilisation reflects injury. On the contrary, there is improvement in economic and financial indices of domestic tile manufacturers.
 - viii. Demand of PUC increased during the injury period. The share in increased demand was shared by appellant. That imports from the subject country constitute less than 8% of the total demand whereas combined market-share of the Petitioners, the supporters, the ineligible domestic producers and other domestic producers is nearly 92%.
 - ix. Production, Capacity utilization and Capacity of the appellant industry is showing increasing trend. The appellants have been able to clear 95% of its production during the period of investigation. Profitability of domestic industry. Similarly, cash profit and return on capital employed increased during the POI.

- x. Production and sales increased by 62% and 41% in the POI as compared to 2011-12, respectively. The domestic industry increased its capacity steadily throughout the course of the injury period. The capacity has in fact increased by 62% in the POI as compared to 2011-12.
- xi. That the domestic producers have suffered injury due to excessive production capacity and the decline in exports.
- xii. That the DI has claimed production for the domestic market after excluding the exports but the inventories, if any, on account of exports have not been excluded from the closing stock.
- xiii. That the petition of the applicants also reflects that there is no price suppression or depression as the import price from China PR and cost of sales of domestic industry follows same trend analysis. There has been substantial increase in import price of subject goods during injury analysis period. DI prices are not influenced by the landed prices of imports and DI dictates price in the market.
- xiv. That the price undercutting margin is negative and no explanation is provided as to why the DI sells the product below landed price.
- xv. That few imports have been selected for determining landed value. Such selective transactions reflect incomplete picture resulting into screwed price effect analysis.
- xvi. That the profits, cash flow and return on capital employed of domestic industry has increased manifold in injury analysis period and were operating at the highest level. The performance of large number of domestic producers constituting domestic industry, has also improved exponentially. Wages and employment has also reflected improvement in line with performance of domestic industry. Ability to raise capital is also not impacted.
- xvii. That the price underselling is positive but immaterial due to the profitability of the DI being at the highest level. It cannot be used as a factor in determining injury to domestic industry.
- xviii. That the price underselling calculation based on DG Valuation reference band is incorrect and absurd.
- xix. That there is no threat of material injury as there is no increase in volume of subject country imports, no evidence of freely available capacities in China to indicate increase in future exports to India, no suppression or depression effects and no evidence of increased inventories of subject goods in China.
- xx. That no facts are provided relating to threat of injury. The presumption that Brazil's imposition of AD duties will divert material to India is faulty;
- xxi. That the recommendation of provisional duty does not meet preconditions of Section 9B and Rule 12. Recommendation of preliminary finding on the basis of threat of injury is prohibited.
- xxii. That the initiation was only for material injury and not for threat of injury.
- xxiii. That the objective injury analysis is not possible as applicants hold only 37.41% of share and majority of producers are not participating. Supporters in the present case must also provide costing data.
- xxiv. Use of different sources of import data for volume and prices is unjustified and had only one source of data been considered, no case of injury would have been found.

M.2 Submissions made by Domestic Industry

169. The domestic industry, in its submissions, has *inter alia* argued as under:
- i. That the volume of dumped imports from the subject country declined till 2013-14 and has thereafter increased significantly in the proposed POI. Imports have increased significantly in the period Oct 14-March 15 which is the period after imposition of anti-dumping duty by Brazil on China.
 - ii. That the import prices have been significantly below the selling prices of the domestic industry, thus resulting in significant price undercutting.
 - iii. That the actual landed price of imports is much below the level of cost as well as selling price of the domestic industry. Thus, non-imposition of duty is likely to lead to significant increase in low priced imports which would cause price suppression and depression in the domestic market.
 - iv. That the Domestic Industry enhanced capacity in the proposed injury period, responding to the rising demand of the product in the Country.

- v. That the production of domestic industry increased with addition of capacities. However, production declined within the proposed POI with significant increase in imports.
 - vi. That the capacity utilization of the domestic industry increased over the period upto June 2014 and declined thereafter.
 - vii. That the inventories with the domestic industry increased very significantly over the injury period.
 - viii. That the profitability of the domestic industry has increased over the injury period. However, since imposition of anti-dumping duties on Brazil in July 2014, imports had started increasing significantly at dumped price. As stated earlier actual import price is much below the level of cost of sales and selling price of the domestic industry. Therefore, there is clear imminent threat of decline in profitability of the domestic industry.
 - ix. That the quarterly performance of the domestic industry shows decline in sales, production and capacity utilisation.
 - x. That the dumping margin is not only more than *de-minimus* but also substantial.
 - xi. That it is not necessary that the data should show both price undercutting and suppression/depression. There is significant decline in prices in last two quarters of the POI. This is also the period where imports from China have increased. Thus, domestic industry was forced to reduce prices when imports from China increased.
 - xii. That the capacity, production, sales and capacity utilization of the domestic industry declined in the last two quarters of the POI. Thus, whereas performance of the domestic industry was improved in respect of these parameters up to the first semester of POI, the performance to the domestic industry declined/deteriorated in the second semester of the POI.
 - xiii. That the domestic industry has set up manufacturing facilities for sale of the PUC in Indian market. The domestic industry has sold the product in export market only when domestic industry is not able to sell the product in the domestic market.
 - xiv. That the petitioner has provided information with regard to its profitability in the domestic and export market which clearly establishes that the profit of the domestic industry is worse in export market.
 - xv. That the petitioner has not claimed injury in respect of employment and wages for the reason that these parameters are governed by other macro- economic parameters in the country and petitioner companies are not in a position to regulate employment and wages in view of prevailing labor laws in the country.
 - xvi. Apart from injury the domestic industry is suffering threat of injury and material retardation on account of heavy duties imposed by Brazil on Chinese imports. There is collapse in demand in the Chinese market and new plants have come up who are producing 800 X 800 and higher sizes. The Chinese producers are faced with significant unutilized capacities.
 - xvii. The significant dumping in the Indian market is also due to imposition of duties on Tiles from China by several other countries like Pakistan, Argentina, Mexico and Europe in the recent past.
170. Apart from their general submission with regard to the injury and causal links, the domestic industry has also argued that the freight cost of the domestic industry, while selling the goods in the domestic market, has been completely ignored while comparing the domestic industry price with landed price of imports. The domestic industry has contended that the issue of freight element on sales is in the context of injury margin determination by comparing the freight paid non-injurious selling price (NIP plus Freight) of the domestic industry with the landed value of the imports as the freight element on this product is substantial. At present the Authority determines injury margin as the difference between NIP and landed price of imports. The domestic industry argues that there is no legal basis to support that the injury margin should only mean difference between NIP and landed price of imports. The domestic industry further argues that
- a. The present practice is a result of adopting a simplistic approach. Recognition of freight as an element of fair price comparison has an element of making calculations complex.
 - b. The mere fact that acceptance of a business reality would amount to more elaborate calculations cannot imply that the authority should shy away from acknowledging, accepting, and thereafter implementing a business reality.

- c. The Indian manufacturing sector cannot be made to suffer only because of some complexities involved in doing calculations.
- d. The mere fact that the authority had not undertaken such comparison in the past cannot imply that the authority should deny such genuine concerns of the Indian manufacturing sector and the domestic industries should be made to suffer.
- e. There is no potential violation of the WTO Agreement in recognition of freight as an item of price adjustment.
- f. The authority has been treating the PCN wise injury margin or month by month injury margin only as a natural corollary to the principles of fair comparison applied in dumping margin determination.
- g. It is not correct to interpret that the present practice of injury margin determination does not permit applying the principles of fair comparison and the Designated Authority does not apply the principles of fair comparison.
- h. Inclusion of freight implies excessive protection would be a fallacious statement to make for the reason that the anti-dumping duties quantum in any case cannot exceed the dumping margin. It shall only address a major anomaly in the present methodology being applied by the authority.
- i. The authority is required to retain some flexibility to decide the issue that which freight needs to be considered, on a case by case basis and the options available to the authorities.
- j. If the weighted average freight borne on the imported product is higher than the weighted average freight borne on the domestic product, the authority need not recognize the freight cost incurred on the domestic product. However, if the weighted average freight borne on the domestic product exceeds the weighted average freight borne on the imported product, the authority may recognize and consider that the freight is an important element for price adjustment and make an appropriate adjustment accordingly.
- k. The Authority is required to apply the principles of fair comparison between the landed price and the non-injurious price after taking into account all relevant factors for determination of injury margin. In the present case authority may kindly consider the difference in freight cost between imported product and domestic product, which affects price comparability.
- l. The Authority is required to make due allowance for differences which are demonstrated to affect price comparability. The obligation to ensure fair comparison is onto the Investigating Authority and not onto the parties to the investigation.
- m. If the import price includes freight, then the domestic price should also include it and both should be seen at delivered level. Otherwise both prices should be taken at ex-factory level.
- n. The authority should determine injury margin on the basis of two methodologies - a comparison of ex-factory price with CIF import price and delivered price with Delivered Duty Paid prices or DDP prices.
- o. In the present case, freight is a significant element of cost; the same should be added to the non-injurious price as exclusion for comparison of non-injurious price of the domestic industry without including associated freight with landed price of imports will not constitute a fair comparison.
- p. If the Authority chooses to do otherwise, it may kindly consider comparison of the non-injurious price at ex-factory level calculated in accordance with Annexure III with the ex-factory export price of the goods to ensure that the element of freight on subject goods is not included in either case.
- q. The injury margin determined in the preliminary findings is inappropriate and understated for the reason that the comparison between non-injurious price and landed price is unfair, as the two prices have not been computed at the same level.
- r. Authority has determined injury margin without making any adjustment on account of the difference between the credit period extended by the exporters to the importers and that allowed by the domestic industry.
- s. The non-injurious price and import price should be considered after either including or excluding associated freights.

171. Apart from freight adjustment the domestic industry has also argued that an appropriate adjustment towards the difference in credit period should also be allowed to arrive at the injury margins. It has been argued that the Authority should take into account the difference in the credit period extended by the domestic industry and the foreign suppliers or exporters while determining the injury margin. The selling price of a product directly depends on the credit period offered by the seller, as the seller is able to command a higher price where a higher credit period is offered. Thus, if the sales are made allowing a longer period of credit, the price would be higher to the extent of credit period. It has been submitted that
- a. Since the credit period offered by the domestic industry and foreign producers are different, the non-injurious price is required to be compared with landed price of imports after appropriately adjusting any one of the two for the difference in the credit period, that is, either the landed price of imports should be reduced having regard to for the credit period offered by the exporters, or the non-injurious price should be increased to account for such difference.
 - b. For the purpose of determining injury margin, the cost of credit prevailing in India, that is, cost of short term borrowings in India should be adopted for making such adjustments.
172. The domestic producers, who have been excluded from the scope of the domestic industry, has argued that exclusion of these producers in the organised sector from the injury examination has resulted in a skewed or distorted finding as the data of the unorganised sector does not capture the real scenario of injury suffered by the domestic producers in the country. It has been argued that they have to resort to imports from the subject country for certain localised markets due huge freight disadvantage suffered by the domestic producers to sell in those markets.

M.4 Examination by Authority

173. The Authority notes the arguments of the domestic industry and other interested parties and various issues raised therein and has addressed them in the relevant paragraphs hereunder.
174. The application for imposition of antidumping duty has been filed on behalf of the domestic producers of the subject goods by Gujarat Granito Manufacturers Association and Sabarkantha District Ceramic Association with 24 domestic producers of the subject goods. These 24 producers were treated as the domestic industry as defined in Rule 2(b) of the Rules, for the purpose of this investigation. There are several arguments by the interested parties, including the domestic industry that exclusion of certain organised producers from the scope of the domestic industry has distorted the injury examination in the preliminary determination and therefore, all these excluded producers, who have filed detailed information about their cost and prices and other injury information should be consideration for the final determination.
175. This issue has been examined and the Authority notes that these producers were excluded from the scope of the domestic industry as they had significant imports of the subject goods from the subject country. For example the imports Kajaria was 15% of its own production and 8% of the production including its JV partners. Similarly, imports of Somani was found to be about 32% of its own production and 6% of production including its JV partners. These imports could not have been treated as insignificant or immaterial to the injury investigation. Therefore, the exclusion of these producers are as per the consistent practice of the Authority and accordingly, for the purpose of this determination the remaining eligible domestic producers have been considered for determination of domestic industry. Cost and injury information of; the domestic industry, as defined above, has been examined for the injury determination.
176. The Authority further notes that the application of the domestic industry was for initiation of an investigation on the grounds of material injury and threat of material injury and the Authority has recorded the same in para-12 & 13 of the initiation notification. Therefore, the contention of the opposing interested parties is not correct.
177. The opposing interested parties have argued that the domestic industry has not suffered material injury and the threat of material injury is not based on adequate evidence on record. The Authority has examined various parameters of injury afresh after due verification of data of the domestic industry as well as assessment of volume and prices of the imports based on data of cooperating exporters from China as recorded in the subsequent paragraphs and the concerns of the parties have been addressed therein.
178. As regards the submissions of the domestic industry that they also face material retardation due to the alleged dumped imports the Authority notes that the case was initiated only on the basis of evidence of material injury and threat of material injury. Therefore, the investigation cannot be expanded at this stage to cover the allegations of material retardation.

179. The arguments of the domestic industry that comparison of the import price and the fair selling price of the domestic industry should be made at the point of sale instead of ex-works and ex-customs level, because of significant freight differential, have been noted. The arguments of the domestic industry has been that while the production of the goods take place mostly in the western coast of Gujarat, and needs to be transported to the major consumption centres in the South and North of India, most of the imports take place in the Southern Ports right at the consumption centres, incurring very nominal sea freight and does not involve any internal freight cost. Therefore, any injury margin determination without taking into account of the freight element involved in delivering the goods to the consumption centres will distort the comparison and would not provide adequate protection to the domestic industry in terms of injury margin.
180. Therefore, the domestic industry's argument, essentially, has been that in cases where the freight element is substantial the internal freight from the plant to point of consumption or distribution and port to point of consumption or distribution should be added to the NIP and Landed Values respectively to arrive at the injury margin, following the principles laid down in article 2.4 of the ADA which allows level of trade adjustments or factors that affects price comparability for the purpose of fair comparison of domestic sales with export sales in dumping margin determination.
181. The Authority notes that the subject goods are being imported majorly (84%) at Chennai, Cochin, Nava sheva and Tuticorin Ports. 52% of the imports are at 3 southern ports whereas most of the production of the subject goods takes place in Gujarat coast. The price differential reflected in the import statistics show that the import prices are significantly higher at Mumbai than the southern ports, apparently because of sea freight differentials. Therefore, the landed price of the subject goods imported at the Southern ports are significantly lower and the inland freight element is also low because the imports are closer to the point of consumption. Whereas the domestic industry or the buyers of the subject goods from the domestic industry incur significant cost to transport the goods to the southern cities. Therefore, the domestic industry argues that comparison of the landed value of imports at the point of consumption, particularly at these Southern ports, with the NIP of domestic industry, worked out at the ex-works level results in a skewed result and needs to be addressed by taking the comparison to the level of consumption or distribution by adding the inland freight to both up to the point of consumption or distribution on some reasonable basis.
182. The Authority notes that this issue had been agitated by the domestic industry in several cases in the past where the freight constitutes a cost for the domestic industry or the buyer of the commodities. The Authority, has consistently taken a stand that it would not be possible to take into account post sales expenses for determination of the injury margins. However, to examine the issue further, the domestic industry was asked to provide their sales data to various regions and demonstrate the impact of freight as has been argued. While, the domestic industry failed to provide complete information in this regard, the Authority holds that departure from the existing methodology would require comprehensive analysis from a policy perspective and not a case specific approach and therefore maintains its consistent stand on this issue.
183. As regards the credit cost adjustment is concerned, the Authority notes that examination of cooperating exporters' data does not show any significant credit period. In fact, the nature of the trade is such that a part of the payment is received in advance. Therefore, this is not an issue in this case and hence not addressed here.

N. Examination of Material Injury

184. Annexure-II of the AD Rules provides for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like articles; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such articles. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the prices of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

N.1 Examination of actual and potential impact of dumped imports

a. Volume Effects of Dumped Imports

i. Import volumes and share of subject countries

185. With regard to the volume of the dumped imports, the Authority is required to consider whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute terms or relative to production or consumption in

India. As noted above the Authority has relied upon the import data procured from DGCI&S for determining volume of dumped imports. Since the subject good imported from the subject country has been found to be dumped with dumping margins significantly above the *de minimis* level all imports, as segregated from the DGCIS data as product under consideration, have been treated as dumped imports.

186. The volume of imports and dumped imports during the injury investigation period, as per this analysis, is as follows:

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15 (POI)
Import Volume					
China - Subject Country	000'Sqmtr	27,640	17,234	10,872	20,540
Other Countries	000'Sqmtr	1,728	1,745	1,037	777
Total Imports	000'Sqmtr	29,368	18,980	11,909	21,318
Import Market Share					
China - Subject Country	%	94.12%	90.80%	91.29%	96.35%
Other Countries	%	5.88%	9.20%	8.71%	3.65%
Total Imports	%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%

***POI: April 14- March 15**

187. The data indicates that there has been a significant decline in imports from China since 2011-12 till 2013-14 and thereafter there is a sudden jump in imports in the POI. The imports have actually doubled in PI when compared to the previous year. The Authority notes that antidumping duties were in force on this product till June 2013, which is reflected in steady decline in the imports till 2013-14. After cessation of duty in June 2013 the imports have picked up substantially.
188. Petitioners have submitted that subject imports have increased significantly in the period Oct 14-March 15, which is the period after imposition of anti-dumping duty by Brazil on China. Quarterly movement of imports during the POI as given below indicates significant rate of increase of imports towards the last quarters of the POI, which tends to imply that the imports are likely to increase further if the trend continues.

Particulars	Unit	Apr'14-Jun'14	July'14-Sep'14	Oct'14-Dec'14	Jan'15-Mar'15
Import Volume					
China - Subject Country	000'Sqmtr	3,173	4,633	5,809	6,925
Other Countries	000'Sqmtr	169	202	205	202
Total Imports	000'Sqmtr	3,342	4,835	6,014	7,127
Import Market Share					
China - Subject Country	%	94.95%	95.82%	96.59%	97.17%
Other Countries	%	5.05%	4.18%	3.41%	2.83%
Total Imports	%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%

ii. Demand and market share

189. The demand and market share of the domestic industry and the subject countries in the domestic market has been assessed taking into total imports, the domestic consumption/demand of the subject goods, the sales volume of domestic industry and other Indian producers and as follows:

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Total Indian Demand					

Sales of Petitioner Companies	000'Sqmtr	39,462	51,113	51,953	55,752
Sales of Supporter Companies	000'Sqmtr	16,579	22,757	23,422	27,113
Sales of Other Indian industry	000'Sqmtr	32,175	73,352	75,830	86,811
Sales of Ineligible Other Indian industry	000'Sqmtr	28,010	47,636	57,578	70,469
Imports - Subject Countries	000'Sqmtr	27,640	17,234	10,872	20,540
Imports - Other Countries	000'Sqmtr	1,728	1,745	1,037	777
Demand	000'Sqmtr	145,594	213,838	220,691	261,463
Market Share in Demand					
Sales of Petitioner Companies	%	27.10%	23.90%	23.54%	21.32%
Sales of Supporter Companies	%	11.39%	10.64%	10.61%	10.37%
Sales of Other Indian industry	%	22.10%	34.30%	34.36%	33.20%
Sales of Ineligible Other Indian industry	%	19.24%	22.28%	26.09%	26.95%
China - Subject Country	%	18.98%	8.06%	4.93%	7.86%
Other Countries	%	1.19%	0.82%	0.47%	0.30%
Total Demand	%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%

190. The above data indicates that the demand of the product in the domestic market, which is linked to construction industry, shows a very healthy increase of about 80% over the injury period and the domestic industry as well as other domestic producers have improved their sales in the domestic market. The imports from the subject country has also increased in POI after decline for the entire injury period. However, share of the domestic industry has declined whereas the share of the other domestic producers has shown significant improvement. Share of the subject country in Indian demand also shows substantial jump in the POI after decline till the previous year apparently due to cessation of the antidumping duty previously in force.

191. The quarterly data of imports have also been examined to see the trend within the POI, in view of the allegation of threat of injury. The data for the period is as under:

Particulars	Unit	Apr'14- Jun'14	July'14- Sep'14	Oct'14- Dec'14	Jan'15- Mar'15
Total Indian Demand					
Sales of Petitioner Companies	000'Sqmtr	14,232	13,738	14,268	13,513
Sales of Supporter Companies	000'Sqmtr	6,921	6,681	6,939	6,572
Sales of Other Indian industry	000'Sqmtr	22,161	21,392	22,216	21,041
Sales of Ineligible Other Indian industry	000'Sqmtr	17,989	17,365	18,034	17,080
Imports - Subject Countries	000'Sqmtr	3,173	4,633	5,809	6,925
Imports - Other Countries	000'Sqmtr	169	202	205	202
Demand	000'Sqmtr	64,645	64,011	67,472	65,333
Market Share in Demand					
Sales of Petitioner Companies	%	22.02%	21.46%	21.15%	20.68%
Sales of Supporter Companies	%	10.71%	10.44%	10.28%	10.06%
Sales of Other Indian industry	%	34.28%	33.42%	32.93%	32.21%

Sales of Ineligible Other Indian industry	%	27.83%	27.13%	26.73%	26.14%
China - Subject Country	%	4.91%	7.24%	8.61%	10.60%
Other Countries	%	0.26%	0.32%	0.30%	0.31%
Total Demand	%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%

192. The above data shows that the market share of the imports is increasing significantly towards the last two quarters of the POI and doubled in the last quarter compared to the first quarter indicating a clear trend of continuing increase.

iii. Imports in relation to total imports, production and consumption

193. Imports in relation to production and consumption also shows a similar trend of decline till 2013-14 and a sudden jump in POI. In terms of quarterly analysis, the imports in relation to production and consumption shows consistently increasing trend.

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Subject Country Imports in relation to					
Total Imports	%	94.12%	90.80%	91.29%	96.35%
Total Indian Production	%	30.36%	11.53%	7.08%	11.29%
Total Indian Consumption	%	18.98%	8.06%	4.93%	7.86%

b. Price effect of dumped imports

194. With regard to the impact of the dumped imports on prices, the Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. Accordingly, the impact on the prices of the domestic industry on account of dumped imports of the subject goods from the subject countries have been examined with reference to price undercutting, price underselling, price suppression and price depression.
195. The domestic industry has contended that there is an unprecedented decline in the import prices of the subject goods from the subject country. Decline in import price from 33 cents to 21 cents is too significant in a product like tile where costs are more or less static. It is not a case where there are rapid declines in the raw material prices, which could have triggered such a significant decline in the product prices. It is a clear case where costs have remained more or less firm and the product prices have steeply declined because of dumping being resorted to by Chinese producers.
196. The Price effects of the dumped imports have been examined in terms of price undercutting, price underselling, and price suppression and depression effects, if any. For the purpose of this analysis the prices have been considered as per the Customs data in view of the facts recorded earlier.

i. Price undercutting

197. Price undercutting has been determined by comparing the weighted average landed price of imports with that of weighted average net sales realization of the domestic industry.

Particular	Unit	2014-15
Landed Price	Rs./SQM	366.14
Selling price of Domestic Industry	Rs./SQM	***

Price undercutting	Rs./SQM	(***)
Price undercutting	%	(0-10)
Price undercutting	% Range	Negative

198. The above data indicates that the landed prices are above the selling prices of the domestic industry, thus resulting in negative price undercutting.
199. The quarterly data has also been examined to see the trend in prices and price effects in view of the allegation of threat of injury. The data shows as under:

Particular	Unit	Q1	Q2	Q3	Q4
Landed Price	Rs. per sqmtr	***	***	***	***
Selling price of Domestic Industry	Rs. per sqmtr	(***)	(***)	***	***
Price undercutting	Rs. per sqmtr	(0-10)	(0-10)	0-10	0-10
Price undercutting	%	***	***	***	***

200. The above data indicates significant drop in import prices of the subject country during the POI resulting in positive price undercutting during the last two quarters.

ii. Price-underselling

201. For examining the underselling effects of the dumped imports, the weighted average landed price of imports from subject country has been compared with the weighted average non-injurious price of the domestic industry determined in terms of Annex-III of the Rules as follows:

	US\$	INR
	Per SQM	Per SQM
Non injurious price	***	***
Landed price of imports	5.94	366.14
Price Underselling	(***)	(***)
Price Underselling	(***)	(***)
Price Underselling	(0-10)	(0-10)

202. The above data indicates that the imports from the subject country are entering the Indian market at prices below the non-injurious price of the domestic market indicating positive price underselling effect on the domestic prices.

iii. Price suppression and depression

203. To examine whether the domestic prices are suppressed or depressed due to the presence of dumped imports from subject country, the changes in the costs and prices over the injury period have been considered. The trends in weighted average cost of sales, selling prices of the domestic industry and landed value of the imports from the subject country are as follows:

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Cost of sales	Rs/Sqr mtr	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>106</i>	<i>114</i>	<i>120</i>
Selling price	Rs/Sqr mtr	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>106</i>	<i>116</i>	<i>124</i>
<i>Landed Price</i>	Rs/Sqr mtr	337	402	414	366
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>119</i>	<i>123</i>	<i>109</i>

204. The above data indicates that both, cost of sales and selling price have increased over the period. However, the import prices, after an increasing trend till 2013-14, shows a sudden jump in 2014-15. Therefore, the suppression effect, which was not visible till 2013-14, is likely to become prominent in the subsequent period.

c. Examination of other Economic parameters

205. Annexure II to the Anti-Dumping Rules, in its relevant parts, provides that the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the industry, including actual and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices; the magnitude of the margin of dumping; actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments.
206. In accordance with the above Rules all economic parameters affecting the Domestic Industry as indicated above have been examined as under:

i. Actual and potential impact on capacity, production, capacity utilization and sales

207. The table below shows the capacity, production, capacity utilization and sales of the domestic industry for the product under consideration during the injury investigation period:

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Capacity	000'Sqmtr	56405	84036	87816	92700
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>149</i>	<i>156</i>	<i>164</i>
Production	000'Sqmtr	42276	53383	54403	68014
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>126</i>	<i>129</i>	<i>161</i>
Capacity Utilisation	%	74.95%	63.52%	61.95%	73.37%
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>85</i>	<i>83</i>	<i>98</i>
Production excluding exports	000'Sqmtr	42107	52613	50889	57482
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>125</i>	<i>121</i>	<i>137</i>
Capacity utilisation excluding exports	000'Sqmtr	74.65%	62.61%	57.95%	62.01%
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>84</i>	<i>78</i>	<i>83</i>
Domestic Sales	000'Sqmtr	39462	51113	51953	55753
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>130</i>	<i>132</i>	<i>141</i>

208. The data indicates that the domestic industry has added capacity during the injury investigation period and the production has also increased. It has been submitted that due to antidumping protection till 2013 there was a

healthy investment in the industry and the capacities were also augmented keeping in view the rising demand of the product in the country. It is also seen that the domestic industry has increased its exports significantly in last two years, which saw significant improvement in capacity utilisation. But the domestic sales have not kept pace with the production.

209. Quarterly analysis of the production and sales of the domestic industry during the POI indicates that the production and domestic sales show a significant declining trend in the last quarters of the POI, which in turn has affected the capacity utilisation, if the exports are excluded. The domestic industry has contended that this decline is due to intensified dumping since the second quarter after imposition of duty by Brazil and Chinese Tiles.

ii. Actual and potential impact on profit/loss, cash flow, returns on capital employed

210. Finance performance of the domestic industry in terms of profitability parameters are as follows:

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Cost of Sales	Rs/Sqmtr	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>106</i>	<i>114</i>	<i>120</i>
Selling Price	Rs/Sqmtr	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>106</i>	<i>116</i>	<i>124</i>
Profit/loss	Rs/Sqmtr	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>145</i>	<i>270</i>	<i>413</i>
Profit/loss	Rs. Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>188</i>	<i>356</i>	<i>584</i>
Cash Profit	Rs. Lacs	***	***	***	***
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>154</i>	<i>181</i>	<i>206</i>
ROCE	%	***%	***%	***%	***%
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>152</i>	<i>156</i>	<i>161</i>

211. The above data indicates that the cost of production and selling price of the domestic industry increased in similar proportion. Consequently, profitability of the domestic industry has improved over the injury period. Cash profit and ROI have followed similar trend, indicating that till the POI there has been no impact of the dumped imports on the profitability of the domestic industry. However, the domestic industry has submitted that after imposition of anti-dumping duty by Brazil on the Chinese imports, the import price of China to India has sharply declined, thereby posing a threat to the otherwise profitable position of the domestic industry.

iii. Actual and potential impact on Employment and Wages

212. The data on employment and wages given below indicates increase in employment and wages:

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
No of Employees	Nos.	3221	4032	4073	4400
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>125</i>	<i>126</i>	<i>137</i>
Wages	Rs.Lacs	7234	6583	7760	8852
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>91</i>	<i>107</i>	<i>122</i>

213. The above data indicates that while the employment has increased by about 37% over the base year, the wages have increased by about 22% in the same period due to enhancement of capacities and production.

iii. Actual and potential impact on Inventories

214. Below mentioned table shows the data relating to inventory of the subject goods.

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Closing Stock	000'sqmtr	4898	6371	5276	6893
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>130</i>	<i>108</i>	<i>141</i>

215. The data indicates that the average stocks of the domestic industry have increased significantly during the POI. The inventory holding during the POI is about 45 days production of the domestic industry, which is significantly high, indicating inventory built up and inability of the domestic industry to sell in the domestic market in spite of increased export sells.

iv. Productivity

216. Productivity, as a factor of injury, has been examined as follows:

Particulars	Unit	2011-12	2012-13	2013-14	2014-15
Productivity					
Productivity per day	Sqmtr/Day	117	148	151	189
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>126</i>	<i>129</i>	<i>161</i>
Productivity per employee	Sqmtr/Nos	13	13	13	15
<i>Trend</i>	<i>Indexed</i>	<i>100</i>	<i>101</i>	<i>102</i>	<i>118</i>

217. The above data indicates that the productivity of the domestic industry has improved with increase in capacity and production.

v. Actual and potential impact on ability to raise fresh Investment

218. The Authority notes that the domestic industry has added capacities in the injury investigation period with significant investments keeping in view healthy growth in demand for the product in the domestic market and antidumping duty protection available to the industry till 2013. The industry has submitted that these investments are facing serious threat in view of intensified dumping during the POI and severely dents the possibility of any future investment in this sector by the existing and new investors.

vi. Actual and potential impact on growth

219. Various parameters examined above clearly shows that the industry was on a growth path till the POI and thereafter the parameters have started showing significant decline due to increased imports since the middle of POI. Therefore, the potential impact of the dumped imports on the growth of the domestic industry is significantly.

vii. Magnitude of Dumping and Dumping Margin

220. Magnitude of dumping as an indicator of the extent to which the dumped imports can cause injury to the domestic industry shows that the dumping margin determined against the subject country is significantly high.

d. Factors affecting prices

221. The Authority notes that the demand of the product in the country is on the rise. There is no significant change in cost structure. There are a large number of producers of the subject goods in the domestic market competing in healthy demand scenario. However, the Indian market is a price sensitive market. Therefore, the trend in prices in the domestic as analysed above shows that the domestic prices are largely driven by the prices and volume of imports. When the imports were low, the domestic industry was enjoying a better price scenario with reasonable profit. Large volume of imports and declining import prices have clearly impacted the prices of the domestic industry.

O. Conclusion on Injury

222. Overall assessment of all injury parameters and volume and price impacts of the dumped imports from China indicates that on a year-on-year basis, the performance of the domestic industry appears to have improved and the industry has not suffered material injury during this period. However, since the imports have intensified from the middle of the POI and the domestic industry has alleged threat of material injury, a further quarterly analysis has been done as recorded above. This analysis indicates that as the imports increased and the prices of the dumped imports declined from the 3rd quarter of the POI, the performance of the domestic industry shows a sharp decline in almost all parameters. That is apparently because of sharp fall in the selling price of the domestic industry, which is apparently trying to align its prices to the dumped prices to retain market share.

P. Causal link and other factors

223. Paragraph (v) of Annexure II of the Antidumping Rules mandates the Authority to examine the causal link between the dumped imports and the injury suffered by domestic industry. The examination in the previous section shows that on a year-on-year analysis the domestic industry's performance was not materially affected during the injury investigation period. However, there is a deterioration of the performance of the industry in the last two quarters of the POI coinciding with intensified dumping during this period. Therefore, other known factors have also been examined to see if they could have caused injury to the domestic industry. Accordingly, the following mandatory non-attribution factors have been examined as per information available with the authority to see factors other than dumped imports, if any, could have contributed to injury to the domestic industry:

i. Volume and prices of imports from other sources

224. Import data examined shows that the imports are overwhelmingly from the subject country (96%). Imports from the other countries are negligible. China is the dominant player as a producer and exporter of the subject goods in the world market. Therefore, the imports from other sources are not affecting the domestic industry.

ii. Contraction in demand and / or change in pattern of consumption

225. The Authority notes that the demand for the product has increased over the injury period and the trend is likely to continue because of the economic growth of the country. Therefore, decline in demand is not a possible cause of injury to the domestic industry.
226. It is also noted that the pattern of consumption with regard to the product under consideration has not undergone any material change. Therefore, changes in the pattern of consumption cannot be considered to have caused injury to the Domestic Industry.

iii. Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers.

227. There is no trade restrictive practice, which could have contributed to the injury to the domestic industry. However, the Authority notes that the subject goods were subjected to antidumping duty till 2013. Even after revocation of the duties the industry continued to grow and was in good health till the imports started increasing substantially and prices started falling significantly from the 3rd quarter of POI.

iv. Development in technology

228. The investigation carried out shows that both the domestic producers and foreign producers use similar technologies for production of the subject goods though the scales of production facilities vary. There has not been any significant change in production technologies, which could have affected the performance of the domestic industry.

v. Export performance of the domestic industry

229. The domestic industry has increased its exports in the last two years of the injury investigation period though exports still constitute a small share in their total sales. However, the injury information examined by the Authority with regard to sales volumes, profits, return on investments, cash flow, are for domestic operations and therefore, decline in performance, if any, due to exports have not been attributed to injury suffered by the domestic Industry.

vi. Productivity of the domestic industry

230. It is noted that the productivity of the domestic industry in terms of production per employee as well as production per day has increased over the period. Thus decline in productivity is not a plausible cause of injury.
231. It is thus noted that listed known other factors do not show that the domestic industry could have suffered injury due to any of these other factors.

Q. Injury Margins

232. The domestic industry has argued that while the domestic industry was largely into production and sales of 600X600 size tiles, the share of 800X800 size tiles in Indian production has increased over the last few years as the market for product under consideration is gradually tilting towards larger sizes. Therefore, any adoption of consumption norms based on historical data of the domestic industry, will distort the determination of the NIP for the domestic industry, as it will not address the issue of shifting of product mix, which significantly affects the consumption norms. Therefore, the Authority should accept the production and consumption norms as it existed during the POI for the product mix manufactured during this period for determination of the NIP.
233. The domestic industry has argued that production data of various sizes, produced by the domestic industry would indicate that while over 90% of the domestic industry's production was of 600X600 size in 2011-12 and rest was for higher sizes, the mix has gradually changed in favour of higher sizes. In the POI, the 600X600 sizes accounted for about 71%, rest being of other/higher sizes. It has been argued that the consumption of raw materials and utilities are higher for higher sizes. Therefore, the data of the POI should be considered for determination of NIP.
234. The domestic industry was asked to provide size wise production data of all the constituent domestic producers for all the years and demonstrate how the consumption norm has changed with the product mix. The domestic industry could provide only partial data. Since the aggregate data does not show a very significant shift in production to affect the consumption norms of individual companies significantly, the Authority decided not to deviate from the standard practice of determination of NIP. Accordingly, NIP has been determined taking into account the cost of all domestic constituents and as per the principles laid down in Annex-III of the Rules as follows:

Grade	Size	NIP (US \$ / SQM)
GVT/PGVT	600*600	***
	800*800	***
	Others	***
	Sub-Total	***
DC	600*600	***
	800*800	***
	Others	***
	Sub-Total	***
SS	600*600	***
	800*800	***
	Others	***
	Sub-Total	***
	Grand Total PUC	***

235.The non-injurious prices so determined have been compared with the landed values of imports of corresponding product types from the subject country as per the verified data of the sampled producers and exporters to arrive at the injury margins of the imports from the sampled producers and exporters as follows:

		New Pearl Group		QUIANGBIO GROUP		JINYI GROUP		HAOSEN GROUP		LIHUA GROUP		NZY	
Grade	Size	IM (US \$ / SQM)	IM (%)	IM (US \$ / SQM)	IM (%)	IM (US \$ / SQM)	IM (%)	IM (US \$ / SQ M)	IM (%)	IM (US \$ / SQM)	IM (%)	IM (US \$ / SQM)	IM (%)
GVT/PGVT	600*600	***	10 - 20									***	10 - 20
	800*800	***	(25 – 35)					***	(5 – 15)	***	(20 – 30)	***	(25 – 35)
	Others	***	(20 – 30)							***	(45 – 55)	***	(30 – 40)
	Sub-Total	***	0 - 10					***	(5 – 15)	***	(25 – 35)	***	(10 – 20)
DC	600*600	***	(35 – 45)	***	0 - 10	***	(0 – 10)	***	10 - 20	***	5 - 15		
	800*800	***	(30 - 40)	***	10 - 20	***	(0 – 10)	***	20 - 30	***	0 - 10		
	Others	***	(20 – 30)	***	0 - 10			***	(0 – 10)				
	Sub-Total	***	(20 –	***	0 - 10	***	(0 –	***	10 - 20	***	0 - 10		

			30)				10)						
SS	600*600	***	(20 – 30)	***	0 - 10	***	(0 – 10)	***	0 - 10	***	(0 – 10)		
	800*800					***	(10 – 20)						
	Others												
	Sub-Total	***	(20 – 30)	***	0 - 10	***	(0 – 10)	***	0 - 10	***	(0 – 10)		
	Grand Total PUC	***	(10 – 20)	***	0 - 10	***	(0 – 10)	***	10 - 20	***	(0 – 10)	***	(10 – 20)

236. For the non-sampled but cooperating exporters the injury margin has been determined as the weighted average of the injury margins of the sampled exporters as per the principles laid down in Rule 17 of the Rules. For all other non-cooperating producers and exporters the injury margin has been determined based on the data of the sampled producers and exporters as the best facts available. The injury margins accordingly, work out as follows:

Grade	Size	IM	% Range
GVT/PGVT	600*600	***	10 - 20
	800*800		
	Others		
	Sub-Total	***	10 - 20
DC	600*600	***	25 - 35
	800*800	***	15 - 25
	Others	***	0 - 10
	Sub-Total	***	20 - 30
SS	600*600	***	0 - 10
	800*800		
	Others		
	Sub-Total	***	0 - 10
	Grand Total PUC	***	15 - 25

237. For all other non-cooperating producers and exporters the injury margin is proposed to be determined based on the data of the sampled producers and exporters as the best facts available. The injury margins accordingly, work out as US\$*** (45-55%).

Q. Threat of Material Injury

238. Apart from the claims of material injury, the domestic industry has also alleged that the dumped imports from the subject country is also threatening material injury to the domestic industry. The domestic industry has inter alia argued that

- There is a significant spurt in imports from China PR after July 2014 coinciding with imposition of anti-dumping duty by Brazil's imposition on imports of subject goods from China in July, 2014. Quarter wise imports from China PR show that imports have increased significantly from July, 2014 onwards.
- There is a decline in import price from China to India from 33 cents/ kilo in 2013-14 to 21 cents in 2014-15. Whereas price from China to Brazil has increased from 26 cents/kilo to 43 cents/kilo after this development.
- There are excess production capacities in China. China is number 1 producer and with about 1,452 ceramic enterprises having 3,621 production lines, it has total daily output of 45 million sq mtr which is almost 55 times the Indian demand. Even a 5% increase in capacity utilization by Chinese producers would translate into 3 times Indian demand.
- There is a weak demand scenario in China on account of decline in infrastructural growth in China.
 - In 2013 China banned construction of government buildings including 'luxurious decorations' for a period of five years. It was highlighted by the opposing interested parties at the hearing that China imported significant amount of tiles utilized for luxury purposes.
 - Housing complexes built by the Government buildings in areas such as Ordos to serve 1.5 million people are largely empty, which is derailing further investments and capacity build ups.
 - Large empty cities, also known as "Ghost cities" are prevalent in China. The city – built for a population the size of Pittsburgh – is nearly empty. Chinese replica of Manhattan stands empty. The \$50-billion project is heavily in debt and will likely remain half-completed and abandoned in a sign of China's economic slowdown. This shows that there is already a surplus of established cities and homes without adequate demand. Thus, demand for the product is also not likely to increase in future.
- There are various anti-dumping measures by other countries leading to restriction of export markets and showing heavy export orientation of the Chinese producers. Ceramic tiles from China PR are currently attracting anti-dumping duties in Argentina, Europe, Korea RP, Pakistan and Brazil. Mexico has also imposed final anti-dumping duties on ceramic tiles for walls and floors from China PR in the range of 2.9-12.42% in 2016.
- The duty imposition from Brazil and Mexico alone is likely to result in loss of about 100 million SQM to Chinese producers. This amounts to about 40% of Indian demand (about 260 million). Therefore, the Chinese producers would have to either curtail production or look for alternate markets.
- Indian market has price attractiveness for the Chinese producers. This establishes that imports are entering at prices that will have significant depressing or suppressing effect on domestic prices. This would likely increase aggressive dumping from China in future.
- There are significant inventories with the domestic industry. Significant capacity additions are being undertaken due to thrust of Government of India on providing sanitation facilities to all families in India. Increase in imports is posing threat to growth of these industries.
- There are a large number of suppliers in China, whereas a small number is exporting at present. In the global market there are 4914 Chinese producers whose import value is 4086 Million US\$. However exports have been made to India by about 736 producers whose import value is 97 Million US\$ which is 2.32% of the global market of China.
- There is a steep free fall like decline in import prices from China PR. There is a price drop of 40% which unprecedented, unexpected and is demonstrative of panic amongst the Chinese producers.
- There is decline in inter se prices between 600X600 and 800X800 size and shift in demand to 800X800 size. The majority of new capacity additions in India or in China are dedicated to 800X800 size. Even if overall import price from China does not show decline these import prices separately for each size would show a material decline in import prices.

R.2 Views of the other interested parties

239.No significant arguments have been extended by any opposing party on the claims of threat of material injury. Only a brief argument has been made by some of the opposing interested parties that there is no threat of material injury as there is no increase in volume of subject country imports and no evidence of freely available capacities in China to indicate increase in future exports to India. It has been argued that there is no suppression or depression effects and no evidence of increased inventories of subject goods in China. It has been further argued that the presumption that Brazil's imposition of AD duties will divert material to India is faulty. However, these parties have not provided any evidence in support of their arguments.

R.3 Examination of threat of material injury by the Authority

240.The Authority notes the arguments of the interested parties regarding the threat of material injury. with regard to threat of material injury Annexure II Para (vii) of the Antidumping Rules provide as follows—

“Annexure II Para (vii): A determination of a threat of material injury shall be based on facts and not merely on allegation, conjecture or remote possibility. The change in circumstances which would create a situation in which the dumping would cause injury must be clearly foreseen and imminent. In making a determination regarding the existence of a threat of material injury, the designated authority shall consider, inter alia, such factors as:

- a. significant rate of increase of dumped imports into India indicating the likelihood of substantially increased importation;*
- b. sufficient freely disposable, or an imminent, substantial increase in, capacity of the exporter indicating the likelihood of substantially increased dumped exports to Indian markets, taking into account the availability of other export markets to absorb any additional exports;*
- c. whether imports are entering at prices that will have a significant depressing or suppressing effect on domestic prices, and would likely increase demand for further imports; and*
- d. inventories of the article being investigated.”*

a. Significant rate of increase of dumped imports into India indicating the likelihood of substantially increased importation

241.The Petitioners have claimed that imports have increased significantly from China in Oct.14-March'15 period and the import trends indicate likelihood of significant increase in volume of imports because of the developments in other markets. The quarterly data of imports of the POI is as follows:

Particulars	Unit	Apr'14-Jun'14	July'14-Sep'14	Oct'14-Dec'14	Jan'15-Mar'15
Import Volume					
China - Subject Country	000'Sqr mtr	3,173	4,633	5,809	6,925
Other Countries	000'Sqr mtr	169	202	205	202
Total Imports	000'Sqr mtr	3,342	4,835	6,014	7,127
Import Market Share					
China - Subject Country	%	94.95%	95.82%	96.59%	97.17%
Other Countries	%	5.05%	4.18%	3.41%	2.83%
Total Imports	%	100.00%	100.00%	100.00%	100.00%

242.The data indicates that there has been a significant rise in imports since the third quarter of the POI, which coincides with imposition of duties by Brazil in July 2014 giving credence to the arguments of the domestic industry that there is a displacement effect due to blockage of a major market for Chinese Tiles.

243.As per the export data of China to Brazil and India during this period sourced from China Customs by the domestic industry, exports to Brazil shows a steel decline whereas exports to India has doubled in the last quarter of the POI when compared to the last quarter of the previous year. The prices to India shows a steep decline from the last quarter of the previous year to the last quarter of the POI.

Country	Volume		Price	
	India	Brazil	India	Brazil
	MT	MT	US\$/Kg	US\$/Kg
2013- 14	2,25,872	8,81,536	0.33	0.26
2014- 15	3,87,711	3,05,598	0.24	0.26
Quarterly				
2013- 14 (Q4)	56,468	2,20,384	0.33	0.26
2014- 15 (Q1)	70,332	1,57,779	0.28	0.25
2014- 15 (Q2)	89,588	85,437	0.24	0.25
2014- 15 (Q3)	1,11,625	44,054	0.23	0.28
2014- 15 (Q4)	1,16,166	18,328	0.21	0.32

244. The rate in increase in exports from China to India and decline in prices in various quarters of the POI and also when compared with the previous years, imply that if the trend continues the dumped imports will occupy a significant market share in India displacing the domestic producers.

b. Sufficient freely disposable, or an imminent, substantial increase in, capacity of the exporter indicating the likelihood of substantially increased dumped exports to Indian markets, taking into account the availability of other export markets to absorb any additional exports.

245. The domestic industry has argued that there are a large manufacturing base in China with a large number of production units and significantly high surplus capacities because of the restraint on construction activities in China.

246. The Authority notes that China is the largest producer of Vitrified and Ceramic Tiles in the world. As per the World Ceramic Review, January 2017, of the estimated world annual production of 12355 Million Square meters of tiles in 2015, China accounted for about 5970 Million square meters (48% of the world production). India with 850 Million sqr mtr production accounted for about 7% of world production of tiles. As per evidence submitted by the petitioners, there are about 1,452 ceramic enterprises with 3,621 production lines with average daily output of 45 million sq. mtr in China, which is almost 55 times of the Indian demand. There are giants like New Pearl Group of China, the largest producer of tiles in the World with huge capacities with global presence.

247. The world production in million square meters as per the above report is as follows:

Million Sqr Mtrs

SN	Country	CY11	CY12	CY13	CY14	CY15	%
1	CHINA	4800	5200	5700	6000	5970	48%
2	BRAZIL	844	866	871	903	899	7%
3	INDIA	617	691	750	825	850	7%
4	SPAIN	392	404	420	425	440	4%
5	VIETNAM	380	290	300	360	440	4%
6	ITALY	400	367	363	382	395	3%
7	INDONESIA	320	360	390	420	370	3%
8	TURKEY	260	280	340	315	320	3%
9	IRAN	475	500	500	410	300	2%
10	MEXICO	221	231	230	230	242	2%
	Total World Production	10626	11224	11958	12373	12355	100%

The production of top 10 Countries. Source Ceramic World Review

248.China is also the largest consumer of the tiles accounting for about 40% of tiles consumption in the world. However, the consumption of tiles in China has significantly slowed down and likely to decline in the immediate future, because of the restraints on construction activities due to an overheated infrastructure sector in the country. The consumption patterns of the tiles in major consuming countries a reported in World Ceramic review is as follows:

Million Sqr Mtrs

SN	Country	CY11	CY12	CY13	CY14	CY15	%
1	CHINA	4000	4250	4556	4894	4885	40%
2	BRAZIL	775	803	837	853	816	7%
3	INDIA	625	681	718	756	763	6%
4	VIETNAM	360	254	251	310	400	3%
5	INDONESIA	312	340	360	407	357	3%
6	SAUDI ARABIA	203	230	235	244	263	2%
7	USA	194	204	230	231	254	2%
8	TURKEY	169	184	226	215	234	2%
9	MEXICO	177	187	187	197	216	2%
10	RUSSIA	181	213	231	219	192	2%
	TOTAL WORLD CONSUMPTION	10472	10964	10582	12077	12175	100%

The consumption of top 10 countries: Source: Ceramic World Review

249.Export of Tiles from China to major markets as per the Chinese Customs data for the injury period is as follows:

SN	Period	India	Brazil	Korea, Republic of	Mexico	Pakistan	United States of America	Argentina	World
		Volume in MT							
1	2011-Q2	1,17,069	1,99,697	63,738	57,244	13,500	30,383	25,478	20,44,861
2	2011-Q3	1,70,663	2,51,915	46,567	66,743	17,212	31,713	36,043	22,88,096
3	2011-Q4	2,12,896	1,58,112	46,618	68,436	14,334	29,365	18,852	22,35,001
4	2012-Q1	1,07,476	1,40,389	31,893	56,654	16,678	19,644	4,681	16,71,039
5	Total 2011-12	6,08,104	7,50,113	1,88,817	2,49,076	61,724	1,11,104	85,054	82,38,997
6	2012-Q2	1,10,538	1,81,197	46,471	62,007	25,716	25,013	9,943	22,72,471
7	2012-Q3	1,00,738	1,78,749	49,175	81,260	19,829	27,598	12,700	22,79,323
8	2012-Q4	76,683	1,66,744	36,546	80,624	20,467	26,674	9,283	22,01,664
9	2013-Q1	64,464	1,58,513	28,394	59,861	18,814	24,602	3,712	17,20,509

10	Total 2012-13	3,52,423	6,85,202	1,60,586	2,83,751	84,826	1,03,887	35,637	84,73,967
11	2013-Q2	81,225	1,99,316	43,824	51,353	30,878	30,896	2,055	21,09,158
12	2013-Q3	55,009	2,78,826	50,174	83,698	22,416	31,110	742	22,91,798
13	2013-Q4	33,589	2,50,764	46,241	1,07,655	29,949	32,492	598	24,91,926
14	2014-Q1	56,109	1,52,789	33,912	65,191	32,898	23,607	572	16,99,353
15	Total 2013-14	2,25,932	8,81,694	1,74,151	3,07,897	1,16,141	1,18,105	3,967	85,92,235
16	2014-Q2	70,620	1,57,779	46,012	64,299	32,297	27,566	811	21,28,400
17	2014-Q3	91,327	85,448	48,265	74,658	44,991	35,401	819	23,43,475
18	2014-Q4	1,13,594	44,086	45,847	1,04,994	39,519	36,393	509	22,20,533
19	2015-Q1	1,18,011	18,335	38,392	75,912	28,975	28,939	269	17,56,793
20	Total 2014-15	3,93,551	3,05,647	1,78,516	3,19,864	1,45,782	1,28,299	2,409	84,49,201
21	2015-Q2	1,27,398	11,752	44,353	82,820	54,611	34,009	610	21,47,879
22	2015-Q3	1,58,939	13,705	43,890	92,037	40,328	32,729	514	21,08,452
23	2015-Q4	1,49,276	7,822	47,104	89,588	41,109	21,606	-	20,53,040
24	Total Apr'15 Dec'15	4,35,613	33,279	1,35,347	2,64,445	1,36,047	88,344	1,124	63,09,371

250. It has been argued that significant portion of China's export market has been affected because of trade remedy action by major trading partners such as Argentina, Europe, Korea RP, Pakistan, Brazil and Mexico. The recent imposition of duties by Brazil and Mexico is likely to result in loss of about 100 million SQM market to Chinese producers (as against Indian demand of about 260 million, i.e., about 40% of Indian demand). The producers in China, are therefore, likely to be saddled with significantly high unutilised capacities, which can be used to dump in India in the immediate future. This would demonstrate a threat of injury to the domestic industry in India.

251. The data above shows that exports of tiles from China to most of the countries attracting duties have declined while exports to India has increased in the POI indicating a clear displacement effect. Quarterly data of imports during the POI indicates that the market share of dumped imports from China has significantly increased from quarter to quarter during the POI corroborating this displacement effect.

252. Domestic industry has provided evidence that Chinese Tiles industry, at present, is faced with the problem of excessive oversupply of subject goods coupled with weak demand in the country. They have further contended that weak demand in China has forced the producers to aggressively look for markets with growing demand. This problem of excessive supply and low demand is causing injury to the Chinese industries in terms of financial losses and plant closures. Petitioners have provided various news items in China supporting their claim. Thus, surplus capacity coupled with the fact of low demand is leading to increase in imports into India from the subject country.

253. Therefore, availability of huge capacities, shrinkage of other export markets due to imposition of trade remedy measures and weak demand in China or lack of domestic market to absorb these volumes clearly indicates imminent likelihood of increased exports at dumped prices from China as India continues to be a price sensitive market.

c. whether imports are entering at prices that will have a significant depressing or suppressing effect on domestic prices, and would likely increase demand for further imports;

254. The domestic industry has argued that producers from subject country find Indian market quite attractive in terms of prices in view of the global market situation. With export market for China getting shrunk and weak demand in the domestic market of China, it is likely that the subject country's imports shall further aggressively target and take over the entire Indian demand in a nearly foreseeable future.

255. The domestic industry has further, has submitted that after imposition of trade remedy measures by various countries, particularly, Brazil, the prices to India has declined sharply. Quoting the China Customs data the domestic industry has argued that the prices from China in the last two quarters have dropped from average price of US\$0.33/Kg in the last quarter of 2014 to US\$0.21/Kg in the last quarter of 2015 indicating a sharp decline.

256. Analysis of quarterly data of the POI shows that sales of the domestic industry market share of the domestic industry in demand shows declining trend, while the imports of the subject country and its market share in Indian demand shows continuously increasing trend. Imports from the subject country, during the injury period, declined up to 2013-14 and then increased during the POI indicating.

257. Therefore, there is a clear indication of likely price impact of dumped imports in the immediate future.

d. Inventories of the article being investigated.

258. There has been a significant inventory built up at the producers' end during the injury period. Thus, the domestic industry is still not able to sell off the production, despite growth in demand. At the same time the demand supply mismatch as highlighted in the World Ceramic Report clearly indicates a significant inventory built-up at the exporters end which is likely to lead to an intensified dumping in the imminent future.

259. Apart from the above mandatory factors, the domestic industry has also brought some other additional factors that would indicate an imminent threat of injury.

i. Large number of suppliers in China vs. small numbers exporting at present

260. The Authority notes that the petitioners have shown evidence which shows there are a very large number of companies who are producing tiles in China and only a proportion of these have sold the product in international market. Out of these exporters, only 2.32% (% of total value in USD) have exported the product to India.

261. It has also been contended that the share of 800X800 size tiles in Indian production has increased over the last few years as the market for product under consideration is gradually tilting towards larger sizes. Also, the majority of the new capacities that are being set up either in India or in China are getting dedicated to 800X800 sizes.

262. The Authority further notes that the new facilities of the Domestic Industry that are in the pipeline in the country and their focus product size, also establishes that the fresh investments are all getting dedicated towards 800X800 sizes. Therefore, if these import prices are considered separately for each size, it would be seen that there is material decline in import price.

Post Disclosure Comments

263. The Authority issued a disclosure to all interested parties on 24/03/2017. The following interested parties filed submissions/comments to the disclosure:

(i) M/s TPM Consultants representing the domestic industry submitted the following

- Exclusion of GVT, PGVT and full body tiles is unwarranted and inconsistent with the practice and past several decisions of the Authority. The domestic industry is producing the product and it is being imported. While evidence of production of GVT and PGVT was provided earlier and even the disclosure statement admits the same, evidence of production of full body tiles by the constituents of the domestic industry is enclosed.
- The disclosure statement also states that it is not possible to identify GVT/PGVT in the import data. The tiles proposed to be excluded have not been excluded anywhere from the injury analysis – be it import volumes or be it sales of the domestic industry or other domestic producers. This is for the reasons that the import data cannot distinguish different types of tiles. Such being the case, no case is made out for exclusion of GVT/PGVT.
- There is no mechanism to distinguish Micro Crystal Tiles, and Thin Panels at the time of clearance of goods. Tiles are imported in large volumes. It is impossible for customs to open and inspect each and every box. Any such exclusion should specify the conditions to prevent abuse of the order.

- Designated Authority has consistent practice of not determining individual dumping and injury margin and treat exporters non cooperative, if the “value chain” is not complete. The sampled companies in general and New Pearl Group, Quiangbio Group, Jinyi Group, Lihua Group, NZY Group in particular should be treated “non cooperative” in view of incomplete questionnaire response and incomplete value chain. Questionnaire responses can be termed deficient for want of complete value chain in cases wherein (a) the producer has sold product through some other non-cooperating exporter, (b) the exporter has bought product from some other non-cooperating producer, (c) group as a whole has not filed questionnaire response.
 - A company not producing tile body and merely doing tile polishing cannot be treated as a producer of the product and is not entitled for individual dumping margin
 - Documents such as sales contracts or undertakings used to establish completeness of value chain are insufficient documents, as these are not mentioned as statutory documents, are one-way documents, and are therefore not enforceable in the law. Further, such documents are violative of competition act and therefore cannot exist. The disclosure statement shows that the exporters accepted that the goods were dispatched directly from the factories, the producer must be clearly aware of the destination of the container. Thus, instead of using real documents such as shipment records of the factory and entirety of original records relating to customs, accounting and VAT, these parties have attempted to establish that they have accounted for entirety of their production by statements such as marketing system, policies, practices and sales contract.
 - Freight has not been considered while determining injury margin. The industry had requested freight inclusion at the start of initiation and gave lot of justification.
 - On freight, domestic industry argument is with regard to (a) methodology for determination of injury margin and (b) application of principles of fair comparison for determination of injury margin.
 - The Designated Authority should determine quantum of ADD based on the injury margin prevalent in the last quarter of the investigation period.
- (ii) M/s ELP Advocates on behalf of the following producers/exporters has submitted that all these producers/exporters have cooperated and they be assessed for individual dumping margin.
- M/s Foshan Han King Import & Export Co., Ltd. (“Han King”), M/s Guangdong Bode Fine Building Material Co., Ltd. and M/s Yangxi Bode Fine Building Material Co., Ltd., Collectively known as “Bode Group”, M/s Foshan Shiwan Eagle Brand Ceramic Ltd., M/s Eagle Brand Ceramics Industrial (Heyuan) Co., Ltd, M/s Heyuan Dongyuan Eagle Brand Ceramic Co., Ltd and M/s Foshan Eagle Brand Ceramic Trade Co., Ltd., collectively known as the “Eagle Group”, and M/s Guangdong Winto Ceramics Co., Ltd, M/s Guangdong Hongyu Ceramics Co. Ltd., M/s Foshan Junjing Industrial Co. Ltd. (“Junjing”), M/s Foshan Sunrise Trading Company Ltd. (“Sunrise”), and M/s Guangdong Homeway Ceramic Industry Co. Ltd., collectively known as “Winto Group”.
- (iii) M/s Lakshmikumaran & Sridharan Attorneys on behalf of China Chamber of Commerce of Metal, Minerals & Chemical Importers & Exporters (“CCCCMC”), Southern Building Materials and Sanitary Co., Ltd of Qingyuan City, Jiangxi Fuligao Ceramics Co., Ltd., Guangdong Luxury Micro-crystal Stone Technology Co., Ltd. and New Zhong Yuan Ceramics Import & Export Co., Ltd. of Guangdong. (“NZY Group”), Guangdong Yongsheng Ceramics Co. Ltd and Foshan Ishine Trading Company Limited, China PR submitted the following
- The Authority has rightly proposing to exclude micro-crystal tiles, full body tiles, thin panels, GVT and PGVT from the scope of the product under consideration. NZY Group requests the Authority to maintain the same in the final findings as well.
 - As the domestic industry is not producing certain types of tiles (namely micro-crystal tiles, full body tiles and thin panels) and not producing certain types of tiles in significant quantities (GVT and PGVT), the same should be excluded from the scope of the product under consideration. The jurisprudence supports the submission, namely in *Oxo Alcohols Industries Association v. Designated Authority* and *Indian Refractory Makers Association v. Designated Authority*. Further, the Authority has excluded various products that are not produced by the domestic industry from the scope of anti-dumping measures in the investigation on

Aluminium Foil from China PR; Carbon Black from Australia, China PR, Iran, Malaysia, Russia and Thailand; Glass Fibres from China PR; among others.

- If for any reason the Authority decides that any of the excluded types of tiles are to be included within the scope of the product under consideration, then an individual rate of duty must be computed for the NZY Group based on its data submitted. The data submitted by the NZY Group has been accepted by the Authority as noted in the verification report and the disclosure statement and the only reason for no export price being determined is because all its exports have been of products that are proposed to be excluded from the product scope.
- The names of the entities in the NZY Group have been recorded wrongly in the disclosure statement and should be as follows - Southern Building Materials and Sanitary Co., Ltd of Qingyuan City, Jiangxi Fuligao Ceramics Co., Ltd., Guangdong Luxury Micro-crystal Stone Technology Co., Ltd. and New Zhong Yuan Ceramics Import & Export Co., Ltd. of Guangdong.
- CCCMC has requested for the exclusion of tiles of dimensions 1000x1000mm and above from the scope of the product under consideration as tiles of higher dimensions cannot be cut and used in place of tiles of smaller dimensions since there is the possibility of breakage, making them unsuitable for commercial use. Further, tiles of higher dimensions have higher processing costs and therefore it is uneconomical for users to import tiles of higher widths and cut them to use as smaller dimension tiles.
- As the domestic industry is not producing certain types of tiles (namely micro-crystal tiles, full body tiles and thin panels) and not producing certain types of tiles in significant quantities (GVT and PGVT), the same should be excluded from the scope of the product under consideration. The exclusions proposed by the Authority in the disclosure statement should be maintained in the final findings as well. The jurisprudence supports the submission, namely in *Oxo Alcohols Industries Association v. Designated Authority* and *Indian Refractory Makers Association v. Designated Authority*. Further, the Authority has excluded various products that are not produced by the domestic industry from the scope of anti-dumping measures in the investigation on Aluminium Foil from China PR; Carbon Black from Australia, China PR, Iran, Malaysia, Russia and Thailand; Glass Fibres from China PR; among others.
- The Authority should expressly mention the types of tiles (namely micro-crystal tiles, full body tiles, thin panels, GVT and PGVT) that are excluded from the scope of the product under consideration. In addition, the Authority is also urged to expressly mention these exclusions either in or below the duty table as well.
- The list of non-sampled exporters should be expanded to include those parties that had filed the sampling questionnaire response. The Authority had rejected these responses despite the fact that the questionnaire provided no guidance and further these parties were not given an opportunity to remedy the defect. The inclusion of these parties in the list of non-sampled producers and exporters will not be an extra burden on the Authority and in no way impact the timelines in the investigation. The repercussion of the Authority's action is that producers/exporters that have actively shown their willingness to participate in the investigation by co-operating with the Authority are being unnecessarily penalized.
- The dumping margin computed for the non-sampled producers and exporters is between 25-35% and the dumping margin for the non-cooperating producers and exporters is between 75-85%. It is not clear as to why the dumping margin for the non-cooperating producers and exporters is so high as the Authority has failed to provide the manner in which the margin has been computed.
- The Authority has proposed to exclude a number of varieties of tiles from the scope of the product under consideration but has failed revise the import statistics accordingly. The volume of imports as noted in the disclosure statement is the same as the figure noted in the preliminary findings.
- The injury analysis conducted in the disclosure statement has merely noted the trends in the injury parameters in the injury period and POI but based its conclusions and findings on the trends in the four quarters of the POI. Such an analysis is flawed as it nullifies the trends in the injury period.
- The imports from the subject country have declined by 26% in absolute terms in the POI as compared to the base year. Similarly, the import volumes have declined relative to Indian production and consumption as well. Therefore, there is no volume effect.
- The imports are not suppressing, depressing or undercutting the prices of the domestic industry and the same has been expressly stated in the disclosure statement and the preliminary findings. Therefore, there is no price effect. Further, the price underselling in the POI is negative (that is between 0 and -10), which implies that the export prices are above the NIP of the domestic industry.
- The injury analysis conducted by the Authority in the disclosure statement indicate that all injury parameters have improved. Production has increased by 62%, sales by 41% and the capacity by 62% in the POI as compared to the base year. Similarly, the profitability has increased by a staggering 471%, cash profits by 103% and ROCE by 171% in the POI as compared to the base year. Therefore, the performance of the domestic industry has improved by leaps and bounds and the data in no way indicates that the domestic industry is suffering material injury.

(iv) M/s APJ-SLG Law offices representing M/s Foshan Lihua Ceramics Co. Ltd., M/s Foshan Henry Trading Co. Ltd. collectively as Foshan Group has submitted the following:

- Foshan group strongly objects to the observations of the Authority in the disclosure statement in relation to their request of continuing MET status to them. It was submitted that none of their comments on verification report had been incorporated in the disclosure statement which puts the credibility of the verification report and the disclosure statement under question mark. Authority is requested to deal with the comments on the verification report before making any final decision. A fresh disclosure statement be issued.
- That there is not even a whisper as to why the case laws and precedents cited by them are not applicable in this case particularly when the Foshan group was granted MET status for the very same product vide their final findings F. No. 15/23/2009 DGAD dated 25.4.2009. Since there is no change in any of the criteria under which Foshan Group were given MET status, the Authority ought to have continued their MET treatment in the present investigations also.
- If the views of this Authority are different from the earlier decisions of the same Authority and the settled jurisprudence on the issue, it is incumbent upon the Authority to record the reasons for making this significant departure and communicate the same in a fresh disclosure in terms of Rule 16 of the Anti-dumping Rules.
- That the post-disclosure hearing was conducted at the request of the Domestic Industry without communicating any details to the interested parties which would have enabled them to prepare their arguments appropriately. The Authority should have given sufficient time to all interested parties and opportunity to meet with the arguments and submissions of the applicant industry particularly when the same related to technical specifications of the product and product differentiation. Since the objections of the Domestic Industry were not communicated to them, there was no time to obtain the technical assistance of the clients who could not have travelled to India at such a short notice.
- In relation to exclusion of micro crystal and full body tiles, it was submitted that these products are commercially not substitutable with soluble salt tiles and double charge tiles and therefore, exclusion is correct and in accordance with the settled principles in this regard. Foshan group expressed shock and refuted the contention of the representatives of the domestic producers that there is nothing like Micro Crystal tiles and that it is just a nomenclature. Since both the Micro Crystal as well as Full Body tiles are not manufactured by the Domestic Industry, there is no question of including the same in the scope of the PUC. Further, the prices of these tiles are much above the prices of SS and DC tiles implying that they are not even commercially substitutable.
- In relation to a doubt raised about the ability of the Customs Department to distinguish between the included and excluded tiles, it was submitted that the loose statements made by the Domestic Industry displayed a complete lack of understanding of the customs procedures and their ability on technical issues. It was submitted that there is the well-settled standard procedure for drawing of samples and their testing procedures which can be verified from the Department of Revenue. The representatives of the Domestic Industry were making wild and unsubstantiated statements about the lack of technical ability and proper procedures for the Customs to examine the technical specifications of the imported goods. It was submitted that Micro Crystal and Full Body tiles can be easily distinguished even with naked eye and test reports which is the standard procedure in such cases, can also easily confirm the product for the Customs Officer to make proper assessment.
- Foshan Group contested the claim of the Domestic Industry that the responses of certain producers/exporters ought to be rejected as their “value chain” was not complete, Foshan group submitted that only general statements were made without referring to any particular producer/exporter. It was also submitted that the representative of the Domestic Industry did not even elaborate as to what it means by the phrase “value chain”. It has been submitted that the information of Foshan Group cannot be rejected as they had filed full information in the statutorily prescribed formats and also responded appropriately to all the queries of the Authority, which was duly verified by the Authority. Therefore, the contention of the Domestic Industry is completely baseless and unsubstantiated and ought to be rejected outright.

- As regards the issue of addition of freight to the NIP for comparison with the landed value for calculation of injury margin, it was submitted that the proposition is not only ill-conceived but against the basic principles of economics and “fair comparison”. As a matter of fact, the Authority compares the landed value with the ex-factory NIP for the purpose of injury margin for the simple reason that the goods enter the commerce of the country only at the point when they either clear the customs area (in case of imported goods) or the factory (in case of domestically produced goods). It is further submitted that the Authority has been following this practice in all cases which has also been confirmed by the CESTAT. Since this order of the CESTAT has not been stayed by any competent court, it is binding on the Authority. It was further informed that at present, this matter is sub-judice in the case of Alkali Manufacturers’ Association Vs. Designated Authority Writ Petition (Civil) No. 4345 of 2013 before the High Court of Delhi.
 - That Rule 16 obligates the Authority to disclose all essential facts including the case laws which are to form the basis of its final determination. Unfortunately, this has not been done in the present case. Foshan group further requested the Authority to deal with all the issues raised by them and issue a fresh disclosure statement in accordance with the specific mandate of Rule 16 (and Article 6.9 of the Anti-dumping Agreement) as well as in the interest of justice, fair play and the principles of natural justice Rule 16 (and Article 6.9 of the Anti-dumping Agreement) as well as in the interest of justice, fair play and the principles of natural justice.
 - It was further submitted that the proposed conclusions on injury and causal link in the disclosure statement do not support the claim of the Domestic Industry for imposition of any anti-dumping duty. They submitted that price undercutting, price underselling are negative. Since the industry is earning super profits, their prices cannot be said to be suppressed or depressed. They relied on the recent investigation of AA Dry Cell Batteries originating in or exported from China PR and Vietnam [F. No. 14/31/2014 DGAD dated 27.9.2016], wherein, the Authority had not recommended any anti-dumping duties despite finding significant dumping margin and injury margin on grounds that Domestic Industry earned significant profit and there is no injury to Domestic Industry from the imports of subject goods from subject countries.
 - Foshan Group requested to issue a fresh disclosure statement dealing with all the essential facts and the case laws cited by them on the ground that almost all the critical facts as well as case laws have been summarily ignored in the present disclosure statement which is not only against the principles of natural justice but also contrary to the specific requirements of Rule 16 of the Anti-dumping Rules read with Article 6.9 of the Anti-dumping Agreement.
- (v) M/s Dua Associates representing M/s Foshan Gani Ceramic Tiles Co. Ltd. and M/s Qinyuan Ceramic Tiles Co. Ltd. has made the following submissions:
- The Hon’ble Authority has not determined injury margin of non-sampled exporters on the basis of weighted average injury margin determined for all the sampled exporters.
 - The injury margin determined for non-sampled exporters [Grade DC-Size 600 x 600] & [Grade DC-Subtotal] is higher relative to highest injury margin for any sampled exporters. Such a determination runs contrary to Annexure II: Principles for Determination of Injury, of Anti-dumping Rules.
 - The Hon’ble Authority in the instant Disclosure Statement has erroneously applied Rule 17(3) of the Anti-dumping Rules for determination of injury margin of non-sampled exporters. However, the injury margin of non-sampled exporters should be computed as per the Principles for Determination of Injury /Annexure II to Anti-dumping Rules. Both, Anti-dumping Rules and Anti-dumping Agreement does not allow the Investigating Authority to exclude zero or de-minimus injury margin determination of sampled exporters for computation of injury margin for non-sampled exporters. Accordingly, the injury margin for non-sampled exporters should be inevitably determined on basis of weighted average injury margin determined for all the sampled exporters. Further reliance has been placed on Para 7.380, 7.382 of Panel Report in EU – Footwear (China) and the findings of the Authority in earlier anti-dumping investigations concerning imports of Vinyl Chloride (PVC) Suspension Grade, Silk Fabrics and Jute products.
 - Proviso to Rule 18 (2)(ii) of the Anti-dumping Rules/Article 9.4 (ii) of the Anti-dumping Agreement provides exclusion of zero or de-minimus dumping margin for determining the ceiling of dumping margin for non-sampled

exporters. Rule 18 of the Anti-dumping Rules /Article 9.4 of Anti-dumping Agreement does not provide methodology for determination of injury margin nor allow exclusion of zero or de-minimus injury margin for determination of injury margin for non-sampled exporters. Reliance has been placed on Para 116 of the Appellate Body Report in US – Hot Rolled Steel.

- Annexure- II: Principles for Determination of Injury elaborates methodology for determination of price undercutting / injury margin. Annexure-II provides determination of injury analysis on the basis of objective examination of all imports and does not permit the exclusion of zero or de-minimus injury margin determined for sampled exporters for the determination of injury margin for non-sampled exporters. The Authority should invariably determine the injury margin for non-sampled exporters on the basis of weighted average injury margin for all the sampled exporters.
 - Since the PUC determined in present investigation is Soluble Salt and Double Charge Vitrified Tiles, the Authority to avoid any ambiguity at subsequent stage, should kindly record 'Soluble Salt and Double Charge Vitrified Tiles' as the description of goods in the duty table. The claim of the domestic producer for inclusion of GVT and HVST is unsubstantiated and the Authority after due verification has concluded that there were insignificant imports and production of GVT and HVST.
 - The Applicant has claimed rejection of EQR of sampled exporters on account of incomplete value chain. However, the Authority in the present disclosure statement has not sufficiently detailed its findings on such pertinent issue. The Authority is requested to provide elaborate finding on the claim of the Applicant.
 - The Authority in the disclosure statement has erred in interpretation of Rule 2(b) of AD Rules. The scope of 'domestic industry' should be interpreted in light of settled WTO jurisprudence and the judgment dated April 27, 2012 by Hon'ble High Court of Madras in the matter titled Nirma Ltd. vs. Saint Gobain Glass India Limited.
- (vi) M/s MS Pothal & Associates representing Guangdong Haosen Ceramics Co., Ltd., Foshan Haosen Import and Export Co., Ltd., Foshan Kihut Ceramic Co., Ltd., Kun Lagy Limited, Hong Kong., Guangdong Gelaisi Ceramics Co., Ltd., Foshan SanshuiHuiwanjia Ceramics Co., Ltd., Foshan Newpearl Trade Co., Ltd., Foshan Worceter Trade Co., Ltd., Foshan Qiangbiao Ceramics Co., Ltd., Foshan Hongliao Trade Co., Ltd., Sheenway Corporation Ltd, Hong Kong., Foshan Chan Cheng Jinyi Ceramics Co., Ltd., Foshan Gold Full House Building Material Co., Ltd., Foshan Nanhai Rongjia IM & EX Co., Ltd., Foshan Clouds Import & Exports Co., Ltd., Monalisa Group Co., Ltd., Guangdong Monalisa Trading Co., Ltd., Penda Marketing Pvt. Ltd., Dazzle Designer Tiles Private Limited, Malwa Ceramics Pvt. Ltd., Kailas Ceramics (P) Ltd. submitted the following
- Laminatic Porcelain Panels should be excluded from the scope of PUC since these products are not produced and sold by the domestic industry and also they are not like article to the goods produced and sold by the domestic industry. In the post disclosure comments also the Authority should uphold its decision to exclude the same from the scope of PUC in the final finding as well since laminatic porcelain panels are different products all together and have no bearing on the PUC in the present investigation. A product sample was provided to the Authority through a letter which is in the public domain. (A product sample could not be circulated among interested parties as the same is not pragmatic but if some interested parties wants to inspect the sample piece submitted in the Office of the Authority they can do so).
 - It has been argued by the domestic industry that if these products are of high prices, then the Designated Authority should fix a bench mark import price for such products. It is our respectful submission that such a fixation of price is not permissible as our argument is that Laminatic Porcelain Panels do not fall within the category of PUC at all and there is no justification for keeping such a product within the scope of PUC. And any recommendation concerning a product which is beyond the scope of PUC is impermissible and it would go beyond the investigative purview of this Authority.
 - Inclusion of outward freight in NIP/Consideration of outward freight for determination of Injury Margin: The contentions of the DI with regard to outward freight are not on merit and such arguments cannot sustain

until and unless Annexure III to the rules are in operation. The attempt of the DI is to misguide the Authority by submitting that what is excluded by Annexure III for the purpose of NIP can be brought into picture by including the same in injury margin by coining an argument that 'injury margin' is not defined in the Rules. It's been the proposition of the DI that the injury margin should be calculated as NIP plus Outward Freight minus Landed price which has no basis.

- Incomplete value chain: The contentions of the DI that value chain of exporters is incomplete vis-à-vis the 4 sampled export groups as below are absolutely baseless and are contrary to the verified facts disclosed in the Disclosure statement dated 24.3.2017.
 - a) Guangdong Gelaisi Ceramics Co., Ltd (Producer) or Foshan SanshuiHuiwanjia Ceramics Co., Ltd (Producer) and Foshan Newpearl Trade Co., Ltd (Exporter)
 - b) Guangdong Haosen Ceramics Co., Ltd (Producer) and Foshan Haosen Import and Export Co., Ltd (Exporter)

Guangdong Haosen Ceramics Co., Ltd (Producer) and Foshan Haosen Import and Export Co., Ltd (Exporter) and Kun Lagy Limited, Hong Kong (Exporter)

Guangdong Haosen Ceramics Co., Ltd (Producer) and Foshan Kihut Ceramic Co., Ltd (Exporter).

 - c) Foshan Chan Cheng Jinyi Ceramics Co., Ltd (Producer) and Foshan Worceter Trade Co., Ltd (Exporter)

Foshan Chan Cheng Jinyi Ceramics Co., Ltd (Producer) and Foshan Worceter Trade Co., Ltd (Exporter) and Sheenway Corporation Ltd, Hong Kong (Exporter)

 - d) Foshan Qiangbiao Ceramics Co., Ltd (Producer) and Foshan Hongliao Trade Co., Ltd (Exporter) and Sheenway Corporation Ltd, Hong Kong (Exporter)

Foshan Qiangbiao Ceramics Co., Ltd (Producer) and Foshan Worceter Trade Co., Ltd (Exporter) and Sheenway Corporation Ltd, Hong Kong (Exporter)
- The DI has raised allegations against the exporter chains right from the beginning of the investigations and what has been raised in the post disclosure oral hearing is not any different. Nor they have adduced any evidence afresh to substantiate their contentions or to disprove the facts disclosed in the Disclosure statement dated 24.3.2017. Repeating a misconceived and wrong statement multiple times do not make them right in itself and are liable to be rejected. The exporter groups as above were denied individual margin in the PF for such reasons provided therein and by the time of Disclosure statement, onsite verification of EQ Responses by the above parties were carried out by the Designated Authority. Thus, the facts disclosed in the Disclosure statement dated 24.3.2017 is what relevant for the present investigation and not the baseless contentions of the domestic industry which is raised with an agenda to deprive the exporters of what are they entitled for in an investigation as per the AD Agreement and CTA.
- Landed price calculations concerning Sheenway Corporation Ltd: In the post disclosure hearing submission it has been stated the Authority has shared the relevant export price/landed price data concerning Sheenway among other parties represented by us. However, it is pointed that there appears some formula error on the data pertaining to Sheenway as it appears that the correct freight element is not reflecting in the landed price of Sheenway. The Authority may cross check the landed price calculation of Sheenway for the purpose of final finding. The formula errors are in the excel file concerning the landed price calculation.
- Rejoinder submissions: We have tried to counter all the contentions of the DI raised in the post disclosure statement oral hearing concerning us in this written submission. However, it has been communicated by the Ld. Authority in the oral hearing that no Rejoinder opportunity shall be provided considering the time constraints and written submission should be filed by 11 AM on 5.4.2017. It is our respectful submission that we may be allowed the rejoinder opportunity if there are any fresh allegations against the above mentioned parties which are surfaced in the written submissions by the DI other than what is raised in the said hearing.
- Need for a fresh Disclosure statement: It is our primary submission that the DI could not bring on record any new facts to call for a change in the Disclosure statement dated 24.3.2017 which is already circulated. The contentions raised in the post Disclosure statement oral hearing by the DI are at the best comments on

disclosure statement and have nothing brought on record to bring any change in the material facts already disclosed vide the disclosure statement dated 24.3.2017.

(Vii) M/s Reena Khair, advocate representing M/s Indian Council of Ceramic Tiles & Sanitaryware, and M/s Kajaria Ceramics Ltd., M/s Somany Ceramics Ltd., M/s H & R Johnson Ltd., and M/s Asian Granito India Ltd. has made the following submission:

- Exclusion of GVT and PGVT tiles are not justified as these are being produced by Domestic Industry.
- Responses filed by Producer/exporter who do not carry complete production process be rejected and also those producer/exporter where Value Chain is not complete be rejected. The information and documents are not complete and substantive to consider individual Dumping Margin to such producers/exporters.
- Freight is an important component of cost and NIP evaluation and thereafter injury determination be undertaken by including freight.
- NCV version of all documents/verification reports of producers/exporters be made available for comments.

Examination by Authority

264. The Authority has examined submissions made by various interested parties in response to the disclosure as under. Further on request of Domestic Industry, the Authority held a post disclosure hearing on 3rd April, 2017 to enable the interested parties to highlight the submissions made by them in respect to the disclosure statement. The following interested parties attended the post disclosure hearing. The post disclosure submissions have been examined to the extent they are relevant.

- (i) M/s TPM Consultants representing the domestic industry
- (ii) M/s Lakshmikumaran & Sridharan Attorneys on behalf of China Chamber of Commerce of Metal, Minerals & Chemical Importers & Exporters, Southern Building Materials and Sanitary Co., Ltd of Qingyuan City, Jiangxi Fuligao Ceramics Co. Ltd. Guangdong Luxury Micro-crystal Stone Technology Co., Ltd. and New Zhong Yuan Ceramics Import & Export Co., Ltd. of Guangdong (“NZY Group”), Guangdong Yongsheng Ceramics Co. Ltd and Foshan Ishine Trading Company Limited, China PR
- (iii) M/s Dua Associates representing M/s Foshan Gani Ceramic Tiles Co. Ltd. and M/s Qinyuan Ceramic Tiles Co. Ltd.
- (iv) M/s M.S. Pothal & Associates representing Guangdong Haosen Ceramics Co., Ltd., Foshan Haosen Import and Export Co., Ltd., Foshan Kihut Ceramic Co., Ltd., Kun Lagy Limited, Hong Kong., Guangdong Gelaisi Ceramics Co., Ltd., Foshan Sanshui Huiwanjia Ceramics Co., Ltd., Foshan Newpearl Trade Co., Ltd., Foshan Worcester Trade Co., Ltd., Foshan Qiangbiao Ceramics Co., Ltd., Foshan Hongliao Trade Co., Ltd, Sheenway Corporation Ltd, Hong Kong., Foshan Chan Cheng Jinyi Ceramics Co., Ltd., Foshan Gold Full House Building Material Co., Ltd., Foshan Nanhai Rongjia IM & EX Co., Ltd., Foshan Clouds Import & Exports Co., Ltd., Monalisa Group Co., Ltd., Guangdong Monalisa Trading Co., Ltd., Penda Marketing Pvt. Ltd., Dazzle Designer Tiles Private Limited, Malwa Ceramics Pvt. Ltd., Kailas Ceramics (P) Ltd.
- (v) M/s APJ-SLG Law offices representing M/s Foshan Lihua Ceramics Co. Ltd., M/s Foshan Henry Trading Co. Ltd.
- (vi) M/s Reena Khair, advocate representing M/s Indian Council of Ceramic Tiles & Sanitaryware, and M/s Kajaria Ceramics Ltd., M/s Somany Ceramics Ltd., M/s H & R Johnson Ltd., and M/s Asian Granito India Ltd.

M/s Penda Marketing Pvt. Ltd. and certain other importers have participated in the post disclosure hearing.

(i) Product Under Consideration (PUC)

The Domestic Industry in its post disclosure submissions dated 31st March, 2017 highlighted inclusion of GVT/PGVT product types in PUC. The same was emphasised in the post disclosure hearing on 3rd April, 2017. No other product type was categorically emphasised for inclusion in PUC. However later in its comments dated 5th April, 2017, Domestic Industry enclosed certain invoices to justify production of full body product types. The Authority noted that in letter dated 6th March, 2017, Domestic Industry has provided production of PUC, product wise which includes SS, DC, GVT and PGVT only.

The Authority noting that the production of GVT/PGVT grades of PUC by Domestic Industry is about 5% of the total production in POI which is significant enough and therefore has considered inclusion of these two product types also in the PUC. In view of this, the Authority therefore holds that all other product types i.e. Micro-crystal tiles, full body tiles and thin panels below 5 mm thickness whose production could not be evidenced by the Domestic Industry during investigation by substantive records need to be excluded. The weighted average dumping and injury margin have been re assessed by including GVT/PGVT product types as well in the PUC. These margins have been mentioned in the relevant paras under assessment of dumping margin.

(ii) Dumping Margin

As regards evaluation of dumping margin methodology the Authority notes that the Domestic Industry submissions to reject all responses of producers/exporters being deficient on account of incomplete value chain is not on merits. The cooperating producers and exporters responses have been evaluated on aspects of normal value and export price after due verification and reasons of considering these responses for evaluation has been detailed in relevant paras. On the claim of 'market economy' treatment to producers/exporters represented by M/s APJ-SLG Law offices, it is noted that reasons of rejecting the market economy claim of the producer/exporter was recorded in details in the disclosure and also in the present finding in the relevant paras. Grant of market economy is on the basis of comprehensive assessment of various parameters and is case and situation specific. Therefore the Authority holds that there are no merits and grounds to grant market economy treatment as requested by the producer/exporter.

As regards submission by M/s ELP Advocates to consider individual dumping margin determination for the producers/exporters represented by them the Authority holds that the sampling methodology adopted by it as per AD Rules keeping in view various parameters viz. volume of export as mentioned in preliminary findings. The size of sample has been decided to ensure coverage which is representative and also the administrative feasibility.

(iii) Injury Margin

As regards evaluating injury margin after inclusion of freight, the Authority holds that such a assessment requires complete data which needs to be comprehensively evaluated and requires a generic policy decision. The consistent practise of Authority for injury margin assessment is to compare landed value (without freight) with the NIP on an equivalent level of comparison. The same methodology has been adopted in this case. Further NIP has been determined as per annexure 3 of AD Rules and comparison of landed value with NIP has been done for the entire POI and that the POI cannot be broken into separate quarters for evaluating injury for only a part of POI which will erode representativeness and appropriateness of comparison.

As regards issue of issuing a fresh disclosure, the Authority holds that the data on record was disclosed to interested parties and only the issues which were presented by various interested parties in the post disclosure comments and presented in hearing held on 3rd April, 2017 have been redressed, hence there is no need for issuing another disclosure.

(iv) Other issues

As regards sample check of consignments by Customs for identification of PUC, the custom authorities undertake such an examination in accordance with their established norms and procedures of choosing samples and analysing them technically by appropriate agencies/officials. Any attempt to circumvent AD Duty can be addressed by the Custom Authority or if necessary can be represented to DGAD for appropriate consideration under the Anti-Circumvention Rules.

Q.2 Conclusion on Material Injury and Threat of Material Injury and causal links

265. The examination of various factors and an overall analysis of the same indicates that while the performance of the domestic industry did not show any significant deterioration during the injury investigation, there is a clear trend of rising imports and falling prices of the imports starting from the third quarter of the POI, resulting in volume and price pressure on the domestic industry and decline in volume of sales and profitability. The threat parameters examined above also clearly shows that there are significant capacities in the subject country and other contingent factors that could result in significant rise in dumped imports in the imminent future in the absence of a measure. Therefore, the Authority concludes that there is a real and potential threat of material injury being caused to the domestic industry, the signs of which are visible in the POI itself, from the dumped imports from the subject country.

R. Indian industry's interest & other issues

266. The Authority recognizes that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product in India. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the imposition of anti-dumping measures. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods. The purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of antidumping duties, therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The Authority notes that the imposition of the anti-dumping measures would not restrict imports from the subject country in any way, and therefore, would not affect the availability of the product to the consumers. The consumers could still maintain two or even more sources of supply.

S. Conclusions

267. After examining the issues raised and submissions made by the interested parties and facts made available before the Authority, as recorded in this finding, the Authority concludes that:

- a) There has been significant increase in the volume of dumped imports from the subject country in absolute terms throughout the injury period and in relation to production and consumption in India;
- b) The subject goods are entering the Indian market from the subject countries at dumped prices;
- c) Though the performance of the domestic industry, in terms of volume and price parameters during the POI as a whole does not show any deterioration last two quarters of the POI shows significant volume and price effects of dumped imports from the subject country due to significant increase in imports and decline in prices;
- d) Overall assessment of the trend in increasing imports and decline in prices coinciding with imposition of trade remedy measures on export of tiles from China to those countries, sluggish demand and over-capacity in China indicates that there is an imminent threat of intensified dumping in India and consequent injury to the domestic industry in the absence of a measure.

T. Recommendations

268. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted the investigation into dumping, injury and causal links, in terms of the provisions laid down under the Anti-Dumping Rules, and having established positive dumping margin as well as a threat of material injury to the domestic industry on account of such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of definitive anti-dumping duty is required to offset dumping and prevent injury to the domestic industry.

269. Therefore, Authority considers it necessary and recommends imposition of definitive anti-dumping duty on imports of subject goods from the subject country in the form and manner described hereunder for a period of five years from the date of issue of the notification of imposition of provisional duty by the Central Government vide Notification No.12/2016-Customs (ADD) dated 29th March, 2016.

270. Having regard to the lesser duty rules followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and margin of injury so determined in this finding for the period under investigation, so as to remove the injurious effects of the dumped imports on the domestic industry. Accordingly, antidumping duty as indicated in Column 8 of the duty table given below, is recommended to be imposed on all imports of subject goods originating in or exported from the subject country, for a period of five years from the date of issue of the notification of imposition of provisional duty by the Central Government vide Notification No.12/2016-Customs (ADD) dated 29th March, 2016.

Duty Table

Sl. No.	Heading / Sub-heading*	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Duty amount	Unit	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	69.07, 69.08, 69.14*	Soluble Salt, Double Charge, GVT and PGVT Porcelain/Vitrified Tiles with less than 3% water absorption and All sizes**	China PR	China PR	M/s Southern Building Materials & Sanitary Co. Ltd. of Qingyuan City, M/s Jiangxi Fuligao Ceramics Co. Ltd. and M/s Guangdong Luxury Micro-crystal Stone Technology Co. Ltd.	M/s New Zhong Yuan Ceramics Import & Export Co. Ltd. of Guangdong	NIL	SQM	US\$
2	-Do-	-Do-	China PR	China PR	M/s Guangdong Haosen Ceramics Co.,	M/s Foshan Haosen Import and Export Co.,	0.83	SQM	US\$

					Ltd,	Ltd, M/s Foshan Kihut Ceramic Co., Ltd, & M/s Kunlasy Ltd, Hong Kong			
3	-Do-	-Do-	China PR	China PR	M/s Foshan Lihua Ceramics Co. Ltd.	M/s Foshan Henry Trading Co. Ltd	NIL	SQM	US\$
4	-Do-	-Do-	China PR	China PR	M/s Qingyuan Qiangbiao Ceramics Co., Ltd. And M/s Foshan Qiangbio Ceramics Co. Ltd	M/s Foshan Hongliao Trade co. Ltd., China PR; M/s Sheenway Corporation Ltd., Hong Kong	0.28	SQM	US\$
5	-Do-	-Do-	China PR	China PR	M/s Foshan Chancheng Jinyi Ceramics Co. Ltd. And M/s Xin Xing Xian Zhisheng Ceramics Co., Ltd.	M/s Foshan Worceter Trade Co. Ltd. And M/s Sheenway Corporation Ltd., Hong Kong	NIL	SQM	US\$
6	-Do-	-Do-	China PR	China PR	M/s Guangdong Gelaisi Ceramics Co. Ltd, and M/s Foshan Sanshui Huiwanjia Ceramics Co. Ltd	M/s Foshan Newpearl Trade Co. Ltd	NIL	SQM	US\$
7	Do	do	China PR	China PR	Non-Sampled Producer/ exporters as per list given below***		0.79	SQM	US\$
8	Do	do	China PR	China PR	Any combination other than mentioned in SI No-1 to 7 above		1.87	SQM	US\$
9	Do	do	China PR	Any country other than China PR	Any	Any	1.87	SQM	US\$
10	Do	do	Any country	China	Any	Any	1.87	SQM	US\$

			other than China PR	PR					
--	--	--	------------------------------	----	--	--	--	--	--

* The subject goods are being imported under tariff headings No. 69.07, 69.08, 69.14. However, the customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of this investigation.

** The product does not cover Micro-crystal tiles, Full body tiles and Thin Panels below 5 mm thickness.

*** **List of Non-sampled exporters from China PR**

Sl. No	Name of the producer	Name of the Exporter
1	Foshan Helai Building Materials Co., Ltd and Foshan City Gaoming district hui Mei AO Building Material Co., Ltd.	Foshan Xinzhongwei Economic and Trade Co., Ltd, M/s Globlink Overseas (HK) Ltd.
2	Foshan City TaoQuiang Building Material Co., Ltd.	Foshan Fortune Imp. And Exp. Trade Co., Ltd.
3	Monalisa Group Co., Ltd.	Guangdong Monalisa Trading Co., Ltd.
4	Foshan Gold Full House Building Material Co., Ltd.	Foshan Nanhai Rongjia IM & EX Co., Ltd, and Foshan Clouds Import & Exports Co., Ltd.
5	Guangdong Yongsheng Ceramics Co., Ltd.	Foshan Ishine Trading Co., Ltd.
6	Foshan Sunny Ceramic Co., Ltd.	Foshan Gold Medal Import and Export Trading Co., Ltd.
7	Enping City Huachang Ceramic Co., Ltd.	Enping City Huachang Ceramic Co., Ltd.
8	Foshan Oceanland Ceramics Co., Ltd	Foshan Oceanland Ceramics Co., Ltd
9	Guangdong Overland Ceramics Co., Ltd	Guangdong Overland Ceramics Co., Ltd
10	Guangdong Kito Ceramics Co., Ltd	Guangdong Kito Ceramics Co., Ltd
11	Foshan Sincere Building Material Co., Ltd	Foshan Sincere Building Material Co., Ltd
12	Guangdong Guanxing Ceramics Enterprise Co., Ltd	Guangdong Guanxing Ceramics Enterprise Co., Ltd
13	Qingyuan Quya Ceramics Co., Ltd	Qingyuan Quya Ceramics Co., Ltd
14	Jingdezhen Kito Ceramic Co., Ltd	Jingdezhen Kito Ceramic Co., Ltd
15	Foshan Louis Valentino Ceramic Co., Ltd	Foshan Louis Valentino Ceramic Co., Ltd
16	Guangdong Xinfengjing Ceramics Co., Ltd	Guangdong Xinfengjing Ceramics Co., Ltd
17	Guangdong Tianbi Ceramics Co., Ltd	Guangdong Tianbi Ceramics Co., Ltd
18	Foshan HCC Building Material Co., Ltd	Foshan HCC Building Material Co., Ltd
19	Zhanjiang Zhonghong Ceramics Co., Ltd	Foshan Beyond Import and Export Co., Ltd

20	Heyuan Romantic Ceramics Co., Ltd	Foshan Beyond Import and Export Co., Ltd
21	Foshan Nanhai Yonghong Ceramic Co., Ltd	Foshan Jun Enterprise Co., Ltd
22	Foshan Dunhunang Building Material Co., Ltd	Foshan Dunhunang Building Material Co., Ltd
23	Foshan Sanshui Hongyuan Ceramics Enterprise Co., Ltd	Foshan Sanshui Hongyuan Ceramics Enterprise Co., Ltd
24	Foshan Gani Ceramic Tiles Co. Ltd.	Qingyuan Ceramic Tiles Co. Ltd.

U. Further procedure

271. An appeal against the orders of the Central Government that may arise out of this recommendation shall lie before the Customs, Excise and Service tax Appellate Tribunal in accordance with the relevant provisions of the Act.
272. The Authority may review the need for continuation, modification or termination of the definitive measure as recommended herein from time to time as per the relevant provisions of the Act and the Rules, and Public Notices issued in this respect from time to time. No request for such a review shall be entertained by the Authority unless the same is filed by an interested party as per the time limit stipulated for this purpose.

INDER JIT SINGH, Addl. Secy. & Designated Authority